THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

भाजपा के पूर्व मंत्री अब कांग्रेस में

अहमदाबाद, 28 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात के पूर्व मंत्री जयनारायण व्यास आज आधिकारिक रूप से कांग्रेस में शामिल हो गए। अहमदाबाद के एक कार्यक्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उनकी कांग्रेस में एंट्री करवाई। गुजरात भाजपा के वरिष्ठ नेता व्यास ने 4 नवंबर को बीजेपे से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद वे राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत के साथ एक कार्यक्रम में नजर आए थे। इसी के बाद से उनके कांग्रेस में जाने की चर्चा शुरू हो गई थी।

मोदी सरकार में गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री रह चुके व्यास को पिछले चुनाव में टिकट नहीं दिया गया था।

>14

वर्ष-27 अंक : 255 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु. 6 2079 मंगलवार, 29 नवंबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मोदी के निशाने पर राहुल

गुजरात को नर्मदा के पानी के लिए तरसा देने वालों के कंधे पर हाथ रखकर पदयात्रा हो रही है

अहमदाबाद, 28 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात दौरे के दूसरे दिन पीएम मोदी सोमवार को पालीताणा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने एक बार फिर राहुल गांधी का नाम लिए बिना उनकी पदयात्रा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, जिन लोगों ने गुजरात में नर्मदा का पानी रोकने की कोशिश की। कई सालों तक हमें पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसा दिया। आज उन्हीं लोगों के कंधे पर हाथ रखकर पदयात्रा निकाली जा रही है।

दरअसल, हाल ही में राहुल गांधी पदयात्रा के दौरान नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेता मेधा पाटकर के कंधे पर हाथ रखकर चलते नजर आए थे। इसके बाद से ही पीएम गुजरात की चुनावी रैलियों में इस बात का जिक्र कर रहे हैं।

पीए मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का चार-चार सभाएं

गुजरात विधानसभा चुनाव में धुआंधार प्रचार में जुटे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह आज 4-4 जनसभाएं करेंगे।

पीएम कच्छ के अंजार, जामनगर के गोरधनपुर, भावनगर के पलिताणा और राजकोट में रैलियों को संबोधित करेंगे। गृहमंत्री अमित शाह अहमदाबाद और वडोदरा सहित चार जगहों पर चुनावी प्रचार करेंगे।

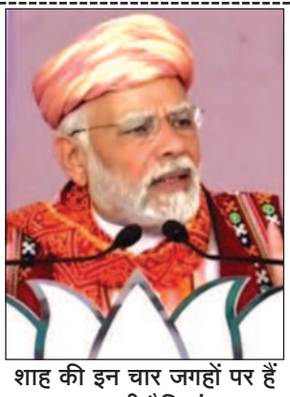

शाह की इन चार जगहों पर हैं चुनावी रैलियां

अमित शाह की पहली रैली मेहसाणा जिले की खेरालू विधानसभा में सुबह 10:30 बजे हुई। दूसरी रैली वडोदरा जिले सावली विधानसभा में दोपहर 12:30 बजे हुई। तीसरी रैली अरावली जिले की भिलोडा विधानसभा में दोपहर 2:30 बजे और चौथी रैली अहमदाबाद के नारनपुर विधानसभा में रात 8:30 हुई है।

कांग्रेस के राज में पाकिस्तान से रोज आलिया-मालिया घुस आते थे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मेहसाणा की सभा में कहा, कांग्रेस सरकार में देश का हाल ये था कि रोजाना पाकिस्तान से आलिया-मालिया हिंदुस्तान में घुस आते थे। उनके हमलों से रोजाना हमारे जवान शहीद होते थे। लेकिन पीएम मोदी के आने के बाद सब रुक गया। भाजपा सरकार से पाकिस्तान भी डरता है, क्योंकि हमारे जवान घर में घुसकर मारकर आए थे। वहीं, इकोनॉमी के मामले में भी सोनिया-मनमोहन ने देश को 11वें नंबर पर रखा हुआ था। पीएम मोदी के राज में आज हमारा देश दुनिया में पांचवे नंबर पर आ गया है।

1 और 5 दिसंबर को होगा मतदान

गुजरात में पहले चरण की वोटिंग 1 दिसंबर को होगी, जबकि दूसरे चरण की वोटिंग 5 दिसंबर को होगी। वहीं, दोनों चरणों की मतगणना 8 दिसंबर को होगी। पहले चरण की वोटिंग प्रक्रिया के लिए गजट नोटिफिकेशन 5 नवंबर को और दूसरे चरण की वोटिंग प्रक्रिया के लिए 10 नवंबर को जारी हुआ था।

गुजरात में 24 सालों से सत्ता में भाजपा

पिछले 24 साल से गुजरात की सत्ता में भारतीय जनता पार्टी ही काबिज है। यहां हर चुनाव में बीजेपी की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ही रही है, लेकिन इस बार आम आदमी पार्टी की भी एंट्री हो गई है। इससे समीकरण बदलने के आसार भी हैं। पंजाब चुनाव जीतने के बाद आम आदमी पार्टी ने गुजरात में भी पूरी ताकत लगा दी है। ऐसे में मुकाबला त्रिकोणीय हो सकता है।

श्रद्धा मर्डर केस के मुख्य आरोपी आफताब को ले जा रही पुलिस वैन पर हमला

नारेबाजी कर रहे थे हमलावर, दो हिरासत में

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। श्रद्धा वालकर मर्डर केस के मुख्य आरोपी आफताब की वैन पर हमले की खबर सामने आई है। बता दें कि आफताब पर यह हमला एफएसएल ऑफिस के बाहर हुआ। हमले के दौरान आफताब वैन में सवार होकर निकल रहा था, तभी वहां कम से कम 3-4 लोगों ने गाड़ी पर अटैक करने की कोशिश की। इसको लेकर सामने आए वीडियो में दो लोगों को एफएसएल ऑफिस के बाहर तलवार के साथ देखा जा सकता है।

मालूम हो कि श्रद्धा मर्डर केस को लेकर आफताब के लिए लोगों में बेहद गुस्सा देखा जा रहा है। वहीं हमले के दौरान हमलावरों ने कहा कि कोई इस तरह की वारदात को अगर करता है तो उसे हम छोड़ेंगे नहीं। वहीं सामने आए हमले के वीडियो में आफताब पुलिस वैन के अंदर है और उसके बाहर दो लोग हाथों में तलवार के साथ धमकी देते नजर आ रहे हैं। बता दें कि वीडियो में शख्स तलवार लहराते हुए वैन की तरफ धमकाते दिख रहा है। इस दौरान एक ऑफिसर ने अपनी बंदूक निकालकर फायर करने की चेतावनी देते हुए हमलावरों को पीछे धकेलने की कोशिश की। वहीं पुलिस वैन के आगे निकलने के दौरान हमलावरों ने वैन का पीछा भी किया। इस दौरान मीडिया भी वहां मौजूद रही।

श्रद्धा हत्याकांड के आरोपी आफताब पूनावाला को पुलिस ले जा रही थी कि तभी पुलिस वैन पर कम से कम दो लोगों ने तलवार लेकर हमला किया। हमलावरों ने खुद को हिंदू सेना से जुड़े होने का दावा किया हैं। यह हमला दिल्ली में एफएसएल कार्यालय के बाहर हुआ है। बता दें कि हमले को लेकर दिल्ली पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है।

आंध्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

अमरावती को ही राजधानी बनाने के हाईकोर्ट के आदेश पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में तीन राजधानी बनाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। अदालत ने आंध्र सरकार को बड़ी राहत देते हुए आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के 6 महीने में अमरावती को ही राजधानी बनाने के आदेश पर रोक लगा दी है। शीर्ष अदालत ने आंध्र प्रदेश सरकार की याचिका पर केंद्र और अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

आंध्र सरकार की ओर से कोर्ट में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसके तहत अमरावती को राज्य की एकमात्र राजधानी घोषित किया गया था। सुनवाई के दौरान जस्टिस के एम जोसेफ और जस्टिस हृषिकेश रॉय की बेंच ने कहा, अदालतें टाउन प्लानर नहीं बन सकतीं।

आंध्र प्रदेश की जगन मोहन रेड्डी सरकार ने राजधानी के विकेंद्रीकरण और साल 2020 तक राज्य के सभी इलाकों के समग्र विकास के लिए कानून पारित किया था। इस कानून के तहत आंध्र प्रदेश की तीन राजधानियां होंगी और इसके साथ ही ऐसा करने वाला ये देश का पहला राज्य बन गया है।

अब आंध्र प्रदेश कार्यपालिका यानी सरकार विशाखापट्टनम से काम करेगी और राज्य विधानसभा अमरावती में होगी और हाई कोर्ट कुर्नूल में होगा। विपक्षी तेलुगूदेशम पार्टी ने इस कानून में संशोधन के लिए जितने प्रस्ताव रखे थे, उन्हें खारिज कर दिया गया।

व्यावहारिक अर्थों में कहें तो जगनमोहन सरकार ने अपनी राजधानी अमरावती से राज्य के उत्तर पूर्व में तटीय शहर विशाखापट्टनम शिफ़्ट कर दी है। प्रशासन की पूरी मशीनरी, राज्यपाल का दफ़्तर अब वहीं से काम कर रहा है। आंध्र प्रदेश के मध्य में स्थित अमरावती का इस्तेमाल अब केवल राज्य विधानसभा के सत्रों के लिए सिमट कर रह गया है। राज्य में इसका पुरजोर विरोध भी हो रहा है।

कॉलेजियम द्वारा प्रस्तावित नाम पर सरकार ने की देरी

सुप्रीम कोर्ट में सैनिटरी पैड मामले पर भी सुनवाई

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। कॉलेजियम की सिफारिश के बावजूद जजों की नियुक्ति में देरी के मसले पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने माना कि कॉलेजियम द्वारा प्रस्तावित न्यायाधीशों की नियुक्ति पर विचार करने में केंद्र द्वारा महीनों की देरी हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार इस बात से नाखुश है कि राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) ने संवैधानिक मस्टर पास नहीं किया। बता दें कि दो दिन पहले केंद्रीय कानून मंत्री किरण रिजिजू ने कहा था कि कॉलेजियम नहीं कह सकता कि सरकार उसकी तरफ से भेजा हर नाम तुरंत मंजूरी करे। फिर तो उन्हें खुद नियुक्ति कर लेनी चाहिए।

स्कूल में कक्षा 6 से 12 की लड़कियों को मुफ्त सैनिटरी पैड उपलब्ध करवाने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को नोटिस जारी किया। याचिका में कहा गया है कि सरकारी, सरकारी अनुदान से चलने वाले और आवासीय स्कूल में लड़कियों को सैनिटरी पैड देने के अलावा अलग टॉयलेट की व्यवस्था भी होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने एनजीटी के आदेश पर रोक लगाई

सुप्रीम कोर्ट ने अनुपचारित सीवेज को कोंडली सिंचाई नहर में बहने से रोकने में विफल रहने पर नोएडा पर 100 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने के एनजीटी के आदेश पर रोक लगा दी है।

जेल सीसीटीवी लीक केस में जैन ने याचिका वापस ली

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन ने तिहाड़ जेल के सीसीटीवी वीडियो लीक मामले में दायर अवमानना याचिका सोमवार को वापस ले ली है। जैन ने ये याचिका राउज एवेन्यू कोर्ट में जांच एजेंसी ईडी के खिलाफ लगाई थी। जैन ने आरोप लगाया था कि ईडी ने कोर्ट में दिए गए अंडरटेकिंग के बावजूद सीसीटीवी फुटेज लीक किए। जैन अब इस मामले को लेकर हाईकोर्ट जाने की तैयारी में हैं।

भाजपा लगातार केजरीवाल पर जैन को जेल में सुविधाएं उपलब्ध कराने का आरोप लगा रही है। इसके चलते तिहाड़ जेल के 19 से 27 नवंबर के बीच 8 वीडियो भी जारी किए गए हैं।

खड़गे का मोदी पर तंज

हम अछूत हैं : चुनावी सभा में बोले तुम्हारी चाय कोई पीता तो है, मेरी तो चाय भी नहीं लेता

सूरत, 28 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बड़ा हमला बोला है। गुजरात में प्रचार के लिए पहुंचे खड़गे ने सूरत की रैली में खुद को अछूत और प्रधानमंत्री को झूठों का सरदार बताया। खड़गे ने कहा, प्रधानमंत्री खुद को गरीब कहते हैं, लेकिन मुझसे बड़ा गरीब कौन होगा, मैं तो अछूत हूं। खड़गे ने सूरत की सभा में जो कुछ कहा, उसे हम ज्यों का त्यों यहां पेश कर रहे हैं। खड़गे बोले, आपके जैसा आदमी, जो हमेशा क्लेम करते हैं, मैं गरीब हूं। अरे भाई, हम भी गरीब हैं। हम तो गरीब से गरीब हैं। हम तो अछूतों में आते हैं। कम से कम तुम्हारी चाय तो कोई पीता है, मेरी चाय भी नहीं पीता कोई। और फिर आप बोलते हैं, मैं गरीब हूं। मेरे को किसी ने गालियां दीं, मेरी तो हैसियत क्या है।

झूठों के सरदार हैं और कहते हैं कांग्रेस ने देश को लूटा

खड़गे ने कहा, मोदी और शाह पूछते हैं कि कांग्रेस ने पिछले 70

सालों में क्या किया? अगर 70 साल में काम नहीं करते, तो हम आज लोकतंत्र नहीं पाते। ऐसी बात कह-कहकर अगर आप सहानुभूति पाने की कोशिश करें तो लोग अब होशियार हो गए हैं, उतने बेवकूफ नहीं हैं। एक बार चलता है, एक बार अगर झूठ बोलेंगे तो सुन लेंगे। दो बार भी बोलेंगे तो भी सुन लेंगे। कितने बार बोलेंगे, झूठ पर झूठ। ये झूठों के सरदार हैं। और उस पर कहते हैं ये देश को लूट रहे कांग्रेस वाले।

गुजरात सरकार पर आरोप, अमीरों के साथ मिलकर लूट रहे हैं

खड़गे यहीं नहीं रुके, उन्होंने गुजरात की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, आप गरीबों की जमीन लूट रहे हैं और आदिवासियों को जमीन नहीं दे रहे हैं।

जमीन, पानी और जंगल कौन खत्म कर रहा है? आप अमीर लोगों के साथ मिलकर हमें लूट रहे हैं।

गुजरात में बदलाव नहीं ला पाए, सीएम जरूर बदल दिया

सोमवार को भी चुनावी सभा में कांग्रेस अध्यक्ष ने फिर से भाजपा पर आरोप लगाए। खड़गे बोले, गुजरात में बीजेपी के राष्ट्रीय नेता वार्ड-वार्ड घूम रहे हैं। 27 साल के शासन के बाद भी पीएम, गृहमंत्री और उनके अन्य राज्यों के सीएम यहां आ रहे हैं और लोगों को गुमराह करने के लिए भड़काऊ भाषण दे रहे हैं। इसके पीछे वजह डर है। राज्य में बदलाव लाने के बजाय, उन्होंने सीएम बदल दिया। छह साल में तीन सीएम बदले गए। इसका मतलब है कि उन्होंने राज्य में कोई काम नहीं किया।

'फ्रंटियर नागालैंड' के गठन की मांग, गृहमंत्री शाह ने ईएनपीओ नेताओं को बुलाया

नई दिल्ली/कोहिमा, 28 नवंबर (एजेंसियां)। नागालैंड में 'फ्रंटियर नागालैंड' के रूप में एक अलग राज्य की मांग उठी है। इसे लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने ईस्टर्न नागालैंड पीपुल्स आर्गनाइजेशन (ईएनपीओ) के नेताओं को बैठक के लिए बुलाया है। यह बैठक तीन दिसंबर को दिल्ली में होगी।

ईएनपीओ के सचिव डब्ल्यू मनवांग कोन्याक ने सोमवार को बताया कि उन्हें गृह मंत्री शाह की ओर से बैठक के न्योते का एक पत्र मिला है। इस बैठक में संगठन की ओर से 11 सदस्यीय एक दल दिल्ली जाएगा। दिल्ली में प्रस्तावित बैठक में शामिल होने वाले ईएनपीओ के दल का नेतृत्व आर. सापिकीउ संगतम करेंगे।

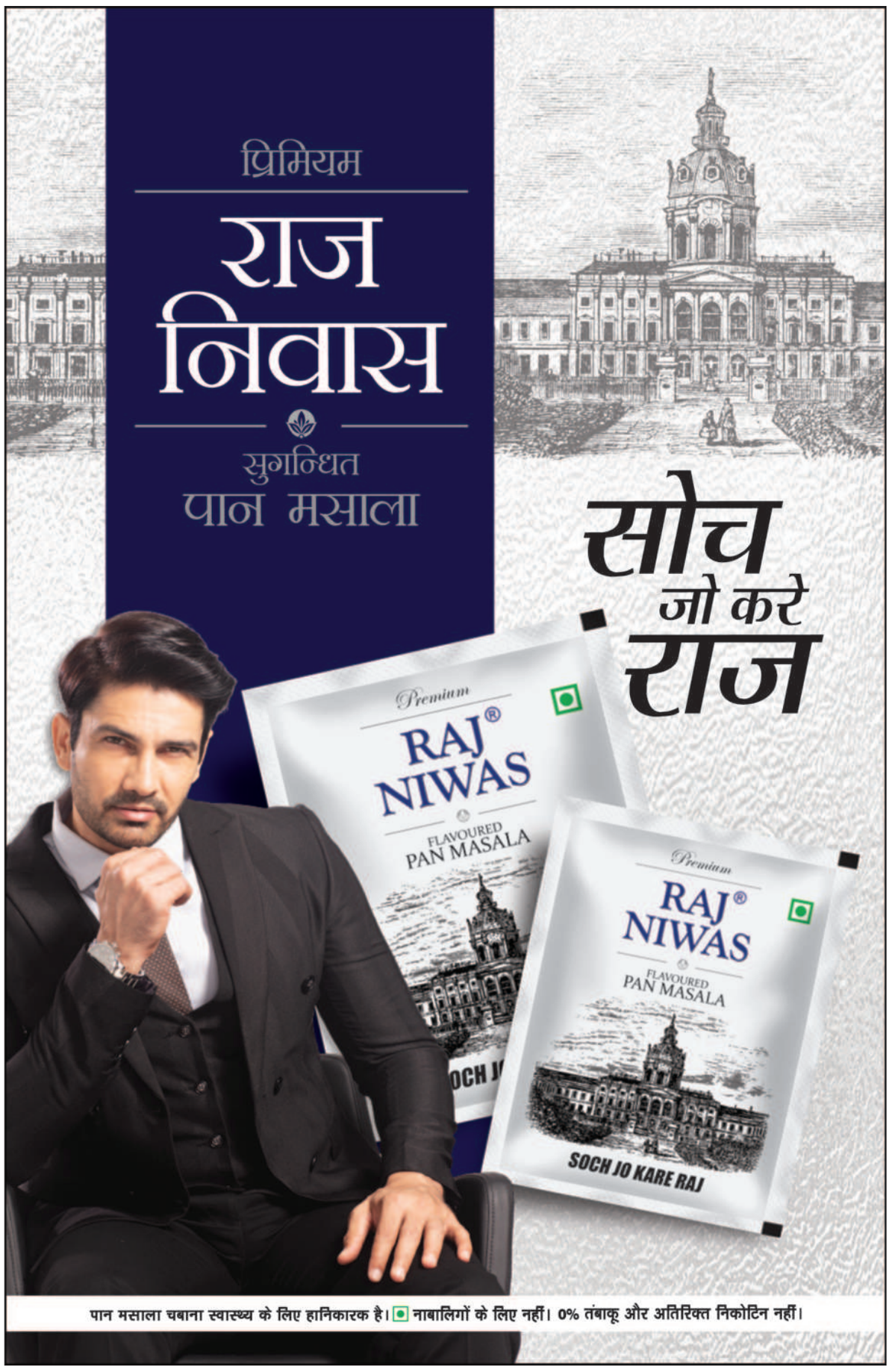

गहलोत-पायलट दोनों हमारे लिए बहुमूल्य : राहुल गांधी

इंदौर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच छिड़ी जुबानी जंग पर राहुल गांधी का बयान सामने आया है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान इंदौर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल ने कहा कि गहलोत और पायलट दोनों ही पार्टी के लिए बहुमूल्य (असेट्स) हैं। राजस्थान की सियासी गतिविधियों का भारत जोड़ो यात्रा पर कोई असर नहीं पड़ेगा। जैसे-जैसे यात्रा आगे बढ़ेगी, उसका समर्थन और बढ़ता ही जाएगा।

इंदौर में राहुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। चालीस मिनट तक उन्होंने पत्रकारों से 17 सवालों के जवाब

दिए। इस दौरान उन्होंने राजस्थान के सियासी घमासान पर कहा कि मामला पार्टी नेतृत्व देख रहा है। मैं तो सिर्फ इतना ही कह सकता हूं कि गहलोत और पायलट दोनों ही हमारे लिए असेट्स हैं। भारत जोड़ो यात्रा जब राजस्थान जाएगी तो उसका और भी भव्य स्वागत होगा। इसे लेकर मुझे कोई चिंता नहीं है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा मेरी छवि बिगाड़ने के लिए हजारों करोड़ रुपये खर्च कर रही है। लोगों को लगता है कि इससे मुझे नुकसान होगा। इसके बाद भी मुझे लगता है कि इसका फायदा ही हो रहा है। सच्चाई मेरे पास है और इसे छिपाया नहीं जा सकता।

>14

दिल्ली-एम्स का सर्वर लगातार छठे दिन रहा खराब

हैकर्स ने मांगे क्रिप्टोकरंसी में 200 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का सर्वर छठे दिन भी खराब रहा है। सूत्रों के हवाले से जानकारी साझा की है कि सोमवार को हैकर्स ने कथित तौर पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली से क्रिप्टोकरेंसी में 200 करोड़ रुपये की मांग की है। दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) यूनिट ने 25 नवंबर को इस संबंध में मामला दर्ज किया था।

आशंका जताई जा रही है कि सर्वर हैक होने से करीब 3-4 करोड़ मरीजों के डेटा के साथ छेड़छाड़ होने का खतरा है। सूत्रों ने कहा कि आपातकालीन, आउट पेशेंट, इनपेशेंट और प्रयोगशाला विंग में रोगी देखभाल सेवाओं को मैन्युअल रूप से सीमित किया जा रहा है क्योंकि सर्वर डाउन है। इंडिया कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (सीईआरटी-आईएन) दिल्ली पुलिस और गृह मंत्रालय इस मामले की जांच में जुटा है।

जांच एजेंसियों की सिफारिशों पर अस्पताल में कंप्यूटर पर इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। एम्स सर्वर में पूर्व प्रधानमंत्रियों, मंत्रियों, नौकरशाहों और न्यायाधीशों सहित कई वीआईपी का डेटा मौजूद है।

इस बीच ई-अस्पताल के लिए एनआईसी ई-हॉस्पिटल डेटाबेस और एप्लिकेशन सर्वर को बहाल कर दिया गया है।

राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने जताई अपना पद छोड़ने की इच्छा

गृह राज्य लौटने का बनाया मन

मुंबई, 28 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने अपने करीबियों से अपना पद और जिम्मेदारी से मुक्त होने की इच्छा जाहिर की है. विवादास्पद टिप्पणियों के चलते मचे बवाल आहत कोश्यारी अपने गृह राज्य उत्तराखंड वापस लौटना चाहते हैं. इस बात की जानकारी उनके करीबी सूत्रों से मिली है. महाविकास अघाड़ी, बीजेपी सांसद उदयन राजे भोसले और राज्य में सत्तारूढ़ बीजेपी के पूर्व सांसद संभाजीराजे छत्रपति के बढ़ते दबाव के बीच राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी बैकफुट पर नजर आ रहे हैं. महाराष्ट्र में गर्वनर भगत सिंह कोश्यारी के शिवाजी महाराज पर दिए गए बयान पर विवाद के बाद सूत्रों के

हवाले से ये खबर सामने आई है कि वो अपना पद छोड़कर वापस अपने गृह राज्य उत्तराखंड जाना चाहते हैं. दरअसल, शिवाजी महाराज पर दिए गए उनके बयान के बाद उन्हें चौतरफा आलोचना का सामना करना पड़ रहा है. एसनसीपी प्रमुख शरद पवार ने भी कोश्यारी के कमेंट को लेकर तीखी टिप्पणी की. शरद पवार ने कहा कि राज्यपाल ने सारी हदें पार कर दी हैं. उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री से इस मामले में हस्तक्षेप करने की गुजारिश की.

बीजेपी सांसद ने भी दर्ज की आपत्ति

विपक्ष के अलावा राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को उनके बयान को लेकर कड़ी आलोचना का झेलनी पड़ी है. बीजेपी सांसद छत्रपति उदयनराजे भोसले ने भी राज्यपाल कोश्यारी के बयान पर आपत्ति जताई है.

उन्होंने कहा कि राज्यपाल को दिल्ली तलब किया गया है. उन्होंने राज्यपाल को उनके पद से हटाए जाने की संभावना भी जताई थी.

कोश्यारी ने शिवाजी को लेकर क्या कहा था?

दरअसल, कोश्यारी ने एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और एनसीपी नेता शरद पवार को डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान करते समय शिवाजी पर टिप्पणी की थी. कोश्यारी ने कहा था कि हम जब पढ़ते थे मिडिल में, हाईस्कूल में तो हमारे टीचर हमको वो देते थे, हू इज अवर फेवरेट हीरो. ऐसा, आपका फेवरेट लीडर कौन है, तो हम लोग उस समय, जिसको सुभाष चंद्र बोस अच्छे लगे उनको, जिनको नेहरू जी अच्छे लगे, जिनको गांधी जी अच्छे लगते थे.

उन्होंने आगे कहा कि मुझे ऐसा लगता है अगर कोई आपसे कहे कि हू इज योर आइकन, हू इज योर फेवरेट हीरो, बाहर जाने की कोई जरूरत नहीं है, यहीं महाराष्ट्र में आपको मिल जाएंगे. शिवाजी तो पुराने युग की बात हैं, मैं नए युग की बात बोल रहा हूं, कहीं मिल जाएंगे. डॉक्टर अंबेडकर से लेकर के डॉक्टर गडकरी तक. नितिन गडकरी साब तो यहीं मिल जाएंगे.

देश में कोरोना के 300 से कम नए केस

एक्टिव मरीजों की संख्या में भी आई गिरावट

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 291 नए मामले सामने आए। इसके साथ ही देश में अभी तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4 करोड़ 46 लाख 71 हजार 853 हो गई है, जबकि इलाजरत मरीजों की संख्या घटकर 5,123 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, केरल की ओर से कोरोना वायरस से जान गंवाने वाले लोगों की सूची में दो और मामले जोड़े जाने के बाद मृतकों की कुल संख्या बढ़कर 5 लाख 30 हजार 614 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के मुताबिक, देश में इलाजरत मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 0.01 प्रतिशत है, जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले लोगों की राष्ट्रीय दर बढ़कर 98.80 फीसदी हो गई है। पिछले 24 घंटे में इलाजरत मरीजों की संख्या में 140 मामलों की कमी दर्ज की गई है।

मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है

देश में अभी तक कुल 4 करोड़ 41 लाख 36 हजार 116 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं, जबकि कोविड-19 मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 219.90 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं।

संक्रमित मरीजों के आंकड़े

गौरतलब है कि देश में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 7 अगस्त 2020 को 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और 5 सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख, 20 नवंबर को 90 लाख और 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। देश में पिछले साल 4 मई को कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 25 जनवरी को संक्रमण के कुल मामले 4 करोड़ के पार हो गए थे।

भोपाल को दो ट्रेन मिली

भगत की कोठी-बिलासपुर समेत 2 एक्सप्रेस के रूट बदले; भोपाल से जाएंगी

भोपाल, 28 नवंबर (एजेंसियां)। नागपुर मंडल में काम के चलते भोपाल को दो ट्रेन मिली हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल के राजनादगांव-कालमना के बीच में रेल लाइन तिहरीकरण के काम के लिए तारसा स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य किया जाना है। नॉन इंटरलॉकिंग कार्य की अवधि में इस मार्ग से होकर गुजरने वाली कुछ गाड़ियों को परिवर्तित मार्ग से चलाने का निर्णय लिया गया है। अब भगत की कोठी-बिलासपुर एक्सप्रेस और बीकानेर-बिलासपुर एक्सप्रेस 29 नवंबर को भोपाल होकर जाएगी। इसे साथ ही आज से कुछ अन्य ट्रेन परिवर्तित मार्ग से चलेंगी। अपने प्रारंभिक स्टेशन से 29 नवंबर को चलने वाली गाड़ी संख्या 20843 बिलासपुर-भगत की कोठी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया कटनी साउथ-जबलपुर-इटारसी-भोपाल होकर गन्तव्य को जाएगी। अपने प्रारंभिक स्टेशन से 29 नवंबर को चलने वाली गाड़ी संख्या 20846 बीकानेर-बिलासपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया भोपाल-इटारसी-जबलपुर-कटनी साउथ होकर गन्तव्य को जाएगी।

जेपी नड्डा से मिलेंगे सीएम बोम्मई

महाराष्ट्र सीमा विवाद व मंत्रिमंडल विस्तार पर होगी बात

बोम्मई मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचेंगे। जेपी नड्डा से बोम्मई की मुलाकात अहम है, क्योंकि गुजरात विधानसभा चुनाव के बाद कर्नाटक मंत्रिमंडल के विस्तार की भी संभावना है। हालांकि, मंत्री पद के इच्छुक कई भाजपा नेताओं का कहना है कि विस्तार व पुनर्गठन में भारी विलंब हो चुका है, क्योंकि कर्नाटक विस चुनाव करीब आ चुके हैं।

बेंगलुरु, 28 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र व कर्नाटक के बीच सीमा विवाद को लेकर नए सिरे से छिड़ी जुबानी जंग के बीच सीएम बसवराज बोम्मई संभवतः आज दिल्ली जाएंगे। बोम्मई इस मामले में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा वे सुप्रीम कोर्ट के एक वरिष्ठ वकील से भी राय लेंगे। बेंगलुरु से मिली जानकारी के अनुसार सीएम बोम्मई मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचेंगे। जेपी नड्डा से बोम्मई की मुलाकात अहम है, क्योंकि गुजरात विधानसभा चुनाव के बाद कर्नाटक मंत्रिमंडल के विस्तार की भी संभावना है। सोमवार को बेंगलुरु में पत्रकारों से चर्चा में बोम्मई ने कहा, 'मैं पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिलने दिल्ली जा रहा हूं, अभी समय नहीं मिला है, लेकिन मिलने की उम्मीद है।' कर्नाटक के सीएम ने यह भी कहा कि वे वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी से भी मुलाकात करेंगे। इसके अलावा वे केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से भी मुलाकात करेंगे।

मंत्रिमंडल विस्तार का भारी दबाव कर्नाटक के सीएम बोम्मई पर अपने मंत्रिमंडल के विस्तार का भारी दबाव है। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले कुछ नए चेहरों को जगह देने की लंबे समय से मांग की जा रही है। मंत्रिमंडल में छह पद रिक्त हैं, उन्हें भरने के साथ कुछ मंत्रियों की छंटनी कर नए चेहरों को मौका दिया जा सकता है।

गुजरात की तर्ज पर होगा आमूल-चूल बदलाव

इस बात की भी चर्चा है कि गुजरात की तर्ज पर भाजपा कर्नाटक मंत्रिमंडल में भी आमूल-चूल बदलाव कर सकती है। हालांकि, मंत्री पद के इच्छुक कई भाजपा नेताओं का कहना है कि विस्तार व पुनर्गठन में भारी विलंब हो चुका है, क्योंकि कर्नाटक विस चुनाव करीब आ चुके हैं।

महाराष्ट्र से कानूनी लड़ाई की तैयारी

उधर, कर्नाटक ने सीमा विवाद को लेकर महाराष्ट्र के साथ कानूनी लड़ाई शुरू करने की तैयारी कर ली है। इसीलिए सीएम बोम्मई रोहतगी से मिलकर मामले में विचार विर्मश करेंगे।

चंद्रकांत पाटिल और शंभुराज देसाई जाएंगे बेलगावी

इस बीच, कर्नाटक महाराष्ट्र सीमा विवाद हल करने के लिए नियुक्त महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रकांत पाटिल और शंभुराज देसाई बेलगावी (बेलगाम) जाएंगे। महाराष्ट्र के दोनों मंत्री 3 दिसंबर को पड़ोसी राज्य हल करने को लेकर वहां जा रहे हैं।

सड़क हादसे में दो की मौत, जमुनिया के पास खड़े ट्रक से टकराई बाइक

छिंदवाड़ा, 28 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में दो अलग-अलग हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। पहला हादसा धरमटेकड़ी चौकी के ग्राम जमुनिया के पास हुआ, जहां रविवार शाम आयसर ट्रक और बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार बुजुर्ग की मौके पर मौत हो गई। हादसे की सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को जिला अस्पताल के शवगृह में रखा है। चौकी प्रभारी एकता सोनी ने बताया कि सोनाखार निवासी 65 वर्षीय मोतीराम पिता उदयराम साहू शाम सात बजे मोटर साइकिल से वापस सोनाखार लौट रहा था। जमुनिया के समीप ही मक्के से भरे ट्रक से उनकी बाइक जा टकराई।

संसद के शीत सत्र में सोनिया-राहुल नहीं देंगे कांग्रेस के कामकाज में दखल, खड़गे-चौधरी पर जिम्मा

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार शीत सत्र में इस बार कांग्रेस की नई रणनीति व व्यूह रचना नजर आएगी। विपक्षी दलों से सदन की कार्रवाई को लेकर रणनीतिक मेलजोल का जिम्मा नए कांग्रेस अध्यक्ष व विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे तथा लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी पर रहेगा।

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। सात दिसंबर से शुरू होने वाले संसद के शीत सत्र में पहली बार सोनिया और राहुल गांधी की कांग्रेस के सदन के दैनिक कामकाज व विपक्ष से समन्वय में सक्रिय भूमिका नहीं होगी। राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा में व्यस्त रहने के कारण पार्टी के फ्लोर मैनेजमेंट में शामिल नहीं होंगे। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार शीत सत्र में इस बार कांग्रेस की नई रणनीति व व्यूह रचना नजर आएगी। विपक्षी दलों से सदन की कार्रवाई को लेकर रणनीतिक मेलजोल का जिम्मा नए कांग्रेस अध्यक्ष व विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे तथा लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी पर रहेगा। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार सोनिया गांधी कांग्रेस संसदीय दल की नेता बनी रहेंगी, लेकिन वे सदन में पार्टी के दैनंदिन कामकाज में दखलंदाजी नहीं करेंगी।

29 दिसंबर तक चलेगा शीतकालीन सत्र

संसद का शीतकालीन सत्र सात दिसंबर से शुरू होगा। यह 29 दिसंबर को समाप्त होगा। इस सत्र में 17 बैठकें होंगी। लोकसभा और राज्य सभा ने अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी कर दी हैं। इस दौरान अहम तारीखों का ब्योरा भी जारी कर दिया गया है।

राहुल के अलावा जयराम रमेश व दिग्विजय भी गैर हाजिर रहेंगे

राहुल गांधी के साथ ही कांग्रेस के राज्यसभा में मुख्य सचेतक जयराम रमेश व वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह भी शीत सत्र में अधिकांश समय सदन में मौजूद नहीं रहेंगे। दोनों नेता यात्रा के महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इसलिए कांग्रेस को अगले माह शुरू हो रहे सत्र में फ्लोर मैनेजमेंट व अन्य विपक्षी दलों से समन्वय के लिए अन्य नेताओं की जरूरत पड़ेगी।

राजीव शुक्ला निभाएंगे अहम भूमिका

राज्यसभा में कांग्रेस के नए नेता चुने गए राजीव शुक्ला आगामी शीत सत्र में खड़गे के साथ पर्दे के पीछे से अहम भूमिका निभाएंगे। चूंकि, शुक्ला के सभी दलों से अच्छे रिश्ते हैं, इसलिए खरगे के लिए वे बड़े मददगार बनेंगे। लोकसभा में कांग्रेस का जिम्मा अधीर रंजन चौधरी, गौरव गोगोई, मनीष तिवारी और कोंडिकुनिल सुरेश पर रह सकता है।

हिंदू महिला को जबरन इस्लाम कबूल कराने का मामला मंगलूरु में महिला डॉक्टर समेत तीन पर केस

मंगलूरू, 28 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंगलूरू में एक हिंदू महिला को जबरन इस्लाम कबूल कराने का मामला सामने आया है। मेंगलुरु महिला पुलिस ने इस मामले में एक महिला डॉक्टर समेत तीन के खिलाफ केस दर्ज किया है। 22 साल की पीड़िता शिवानी की मां द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर आरोपी खलील, डॉ. जमीला और अयमान के खिलाफ भादंवि और कर्नाटक धार्मिक आजादी संरक्षण कानून 2022 की धारा 3 और 5 के तहत एफआईआर दायर की गई है। पीड़िता की मां ने अपनी शिकायत में कहा है कि शिवानी एक फैंसी स्टोर में काम करती थी और खलील की दुकान पर अपना मोबाइल फोन रिचार्ज कराती थी। इस कारण खलील ने उससे दोस्ती की और 2021 में वादा किया कि वह उसे ज्यादा वेतन पर अच्छी नौकरी दिलवाएगा। इसके बाद आरोपी खलील उसे अपने एक रिश्तेदार के घर ले गया, जहां उसका नाम बदलकर आयशा रखने के बाद कथित तौर पर नमाज अदा करने और कुरान पढ़ने के लिए मजबूर किया गया। शिकायत में कहा गया है कि खलील ने उसका यौन उत्पीड़न भी किया। आरोपी खलील बाद में उसे नौकरी के नाम पर बहलाकर दूसरी जगह ले गया। इसके बाद उसने डॉ. जमीला के घर में शिवानी को नौकरी पर रखवा दिया। वहां उसे बुर्का पहनने के लिए मजबूर किया गया। इसी वक्त अयमान नाम के एक युवक ने उससे इंस्टाग्राम पर संपर्क किया और संबंध बनाने के लिए मजबूर किया। मेंगलुरु पुलिस ने बताया कि तीनों के खिलाफ जबरन धर्मांतरण का केस दर्ज कराया गया है। मामले में आगे जांच जारी है। उधर, मंगलूरू सिटी पुलिस ने मॉरल पुलिसिंग के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन पर एक कॉलेज छात्र को हिंदू लड़की के साथ यात्रा करने पर बस से उतार कर पीटा गया था। यह लड़की उसकी सहपाठी थी। गिरफ्तार आरोपियों के नाम प्रकाश, मुथु व राकेश हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार से तीनों एक हिंदू संगठन से जुड़े हो सकते हैं। आरोपियों ने राशिम उमर नाम के युवक को पीटा था। उसने मेंगलुरु के कादरी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

सरकारी बंगला छूटने से बौखलाईं महबूबा मुफ्ती

बोलीं- बीजेपी का भारत नहीं बनने देंगे

जम्मू, 28 नवंबर (एजेंसियां)। पीडीपी की चीफ महबूबा मुफ्ती को अनंतनाग का बंगला खाली करने का नोटिस का मिला। इसके बाद महबूबा मुफ्ती का लहजा सरकार की ओर सख्त हो गया। महबूबा मुफ्ती ने कहा जम्मू-कश्मीर में चाहे कितने भी सैनिक तैनात किए जाएं, जब तक कश्मीर मुद्दा हल नहीं हो जाता तब तक सरकार सकारात्मक परिणाम नहीं देख पाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि हम देश को बीजेपी का भारत नहीं बनने देंगे। मुफ्ती ने महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के भारत का जिक्र करते हुए कहा कि वह उस भारत की बात करती हैं जिसे नेहरू के पड़पोते राहुल गांधी खोज रहे हैं।

महबूबा मुफ्ती ने रैली में संबोधित करते हुए बीजेपी पर आरोप लगाया कि उन्हें धोखा दिया गया। मुफ्ती ने कहा कि हम देश को बीजेपी का भारत नहीं बनने देंगे। जम्मू-कश्मीर में चाहे कितने भी सैनिक तैनात किए जाएं, जब तक कश्मीर मुद्दा हल नहीं हो जाता तब तक सरकार सही नतीजे नहीं देख पाएगी। महबूबा मुफ्ती यहीं नहीं रुकीं, मुफ्ती ने विधानसभा भंग होने पर भी केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया और कहा कि अगर पंचायत चुनाव इतने अच्छे हैं, तो आप शीर्ष पदों पर क्या कर रहे हैं, नीचे पंचायत में आओ। महबूबा मुफ्ती को अनंतनाग में आवंटित सरकारी क्वार्टर छोड़ने का आदेश मिला है। महबूबा मुफ्ती के अलावा छह और पूर्व विधायकों, एक म्युनिसिपल कांउसिलर को भी सरकारी क्वार्टर खाली करने का नोटिस मिला है, जिसमें साफ कहा गया है कि 24 घंटे के भीतर सभी को क्वार्टर खाली न करने पर कानूनी कार्रवाई की होगी। इस नोटिस की अवधि आज खत्म हो रही है। वहीं श्रीनगर की रैली में महबूबा मुफ्ती ने एक बार फिर कांग्रेस से अपनी नजदीकियां जाहिर कीं। महात्मा गांधी और नेहरू के सहारे राहुल गांधी की शान में कसीदें पढ़े।

केरल में पुलिस थाने पर हमला

सीएम विजयन बोले- यह बर्दाश्त नहीं करेंगे, चर्च ने अपने ऊपर लगे आरोप पर दी सफाई

तिरुवनंतपुरम, 28 नवंबर (एजेंसियां)। केरल की वामपंथी सरकार ने अडानी बंदरगाह निर्माण का विरोध करने वाले प्रदर्शनकारियों द्वारा विझिंजम क्षेत्र स्थित एक पुलिस स्टेशन पर हमले को अस्वीकार्य करार दिया है। मुख्यमंत्री विजयन ने कहा इस तरह की अपराधिक गतिविधियां बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिया है। बता दें कि रविवार रात हुए इस हमले में कई पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। वहीं अपने ऊपर लगे आरोप पर लैटिन कैथोलिक चर्च ने भी सफाई दी और दावा किया कि इसके पीछे बाहरी ताकतें थीं। चर्च ने इसकी न्यायिक जांच की मांग की है।

श्रद्धा जैसा कत्ल : अवैध संबंध में हुआ अंजन का मर्डर

बहू पर रखता था गलत नजर; हत्याकांड से जुड़े 6 बड़े खुलासे

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। श्रद्धा वालकर हत्याकांड के खुलासे के एक पखवाड़े के बाद देश की राजधानी दिल्ली में एक और दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। पूर्वी दिल्ली के त्रिलोकपुरी इलाके में पत्नी पूनम ने अपने बेटे दीपक के साथ मिलकर पति अंजन दास की हत्या कर दी। इसके बाद रिश्ते और मनुष्यता दोनों को तार-तार करते हुए अंजन दास के शरीर के कई टुकड़े किए फिर एक-एक कर नजदीक नाले में और रामलीला ग्राउंड में फेंक दिए। मई के अंतिम सप्ताह में हुए अंजन दास हत्या कांड का खुलासा 6 महीने के बाद दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने किया है। इसमें पत्नी पूनम और बेटे दीपक की गिरफ्तारी हुई है। क्या इसमें और लोगों ने भी मदद की? इसकी जानकारी दिल्ली पुलिस जुटा रही है।

अवैध संबंध बना हत्या की वजह

दिल्ली पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अंजन दास आशिक मिजाज किस्म का शख्स था। उसके कई औरतों से संबंध थे। वह अक्सर कई-कई रात घर नहीं लौटता था। इतना ही वहीं, वह अक्सर औरतों को घर पर भी लेकर आ जाता था। इस दौरान पत्नी पूनम

और बेटा दीपक टोकता तो अंजन दास हिंसक व्यवहार पर उतर आता था। अंजन दास के औरतों से अवैध संबंध को विरोध करने पर कई बार उसने पत्नी पूनम और सौतेले बेटे दीपक को पीटा भी था। अंजन दास के अवैध संबंधों की वजह से पूनम बहुत परेशान रहती थी। पति की हरकतों को लेकर कई बार पत्नी पूनम ने बेटे दीपक के साथ चर्चा की थी। अंजन की हरकतों की वजह से दोनों हत्याकांड की पूरी साजिश रची और मई, 2022 के अंतिम सप्ताह में अंजाम दिया।

दीपक की पत्नी पर भी नजर रखता था अंजन

अंजन दास दरअसल, अपने सौतेले बेटे दीपक की पत्नी पर भी बुरी नजर रखता था। कई बार खुलेआम अंजन ने दीपक की पत्नी से शारीरिक रिश्ते बनाने की बात कही थी। इसके बाद दीपक ने भी पिता अंजन दास से खुलेआम नाराजगी जताई थी। बावजूद अंजन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा था। इसके बाद ही पूनम ने अपने बेटे दीपक के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। बताया जा रहा है कि अंजन की वजह से पत्नी पूनम और बेटे दीपक के साथ उसकी पत्नी की भी जिंदगी नर्क से बदतर हो गई थी।

श्रद्धा हत्याकांड की तरह ठिकाने लगाए शव के टुकड़े

यह महज संयोग है कि पूर्वी दिल्ली का अंजन दास हत्याकांड और दक्षिण दिल्ली का श्रद्धा हत्याकांड मई, 2022 में अंजाम दिया था। दोनों में कई समानताएं हैं। श्रद्धा हत्याकांड के आरोपित आफताब अमीन पूनावाला की तरह ही पूनम और दीपक ने पहले तो अंजन दास की हत्या की फिर उसके शरीर के कई टुकड़े किए। इसके बाद शरीर के टुकड़ों को रात के समय फेंकते थे। हैरत की बात यह है कि दीपक और पूनम ने बिल्कुल श्रद्धा हत्या की तरह ही शव को रात को ही ठिकाने लगाए। इसी तरह हत्या के बाद श्रद्धा हत्याकांड के आरोपित आफताब की तरह ही पूनम और दीपक ने अंजन दास के शरीर के भी कई टुकड़े किए। इसके बाद बोरी में भर कर जगह-जगह फेंका।

पहले खिलाई नशे की दवा फिर चाकुओं से किए ताबड़तोड़ वार

पूनम और दीपक ने अंजन दास की बड़ी बेरहमी से हत्या की। पूरी साजिश के तहत दोनों ने पहले तो अंजन दास को नशे की दवाई दी फिर चाकुओं से हमलाकर मौत की नींद सुला दिया। दीपक और पूनम दोनों ही अंजन दास से बहुत नफरत करते थे, इसलिए चाकुओं के ताबड़तोड़ तब तक करते रहे जब तक उन्हें यकीन नहीं हो गया कि वह मर चुका है। कुल मिलाकर अवैध संबंधों की वजह से इस हत्या को अंजाम दिया गया था।

पत्नी से कराता चाहता था देह व्यापार

यह भी जानकारी सामने आई है कि अंजन दास अपनी पत्नी को भी देह व्यापार के धंधे धकेलने की कोशिश करता था। इसको लेकर भी पूनम से कई बार लड़ाई हो चुकी थी। अंजन दास कुछ खास काम धंधा नहीं करता था। वह शराब पीने का भी आदी था और औरतों से रिश्ते बनाने की आदत ने उसे हैवान बना दिया था। यही वजह है कि वह रिश्तों की मर्यादा भूल गया और अपनी बहू यानी दीपक के बेटे पर भी नजर रखने लगा।

पूनम ने की थी 5 शादी

दिल्ली पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पूनम ने कुल पांच शादियां की थी, जिनमें से कुछ ही मौत हो चुकी है तो कुछ से तलाक हो चुका है। दीपक उसके पति कल्लू का बेटा है, जो उसके साथ रहता था।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 29 नवंबर, 2022 3

सु वि चा र

संसार में सबसे दयनीय कौन है, जो धनवान होकर भी कंजूस है।

देश में धान आपूर्ति में महत्वपूर्ण बना तेलंगाना

मानसून में देरी और अनिश्चित बारिश के वावजूद भी खेती को प्रोत्साहन

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले साल की तुलना में कम रकबा और सरकारी स्टॉक में कमी के कारण केंद्र सरकार आगामी यासंगी (रबी) सीजन के दौरान धान की आपूर्ति के लिए तेलंगाना की ओर रुख कर सकती है। तेलंगाना के अलावा, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल जैसे कुछ मुट्ठी भर राज्य ही यासांगी सीजन के दौरान धान की खेती करते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर इस वर्ष खरीफ (वनकलम) के दौरान लगभग 403 लाख हेक्टेयर (995 लाख एकड़) में धान की खेती की गई। यह पिछले साल के 423 लाख हेक्टेयर (1,045 लाख एकड़) की तुलना में 20 लाख हेक्टेयर (49 लाख एकड़) कम है। मानसून में देरी और अनिश्चित बारिश के कारण कई राज्यों में धान का रकबा और उपज दोनों प्रभावित हुए हैं।

कृषि विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि पहले अग्रिम अनुमानों के अनुसार, अधिकारियों को डर है कि इससे चावल का उत्पादन पिछले साल की तुलना में लगभग 70 लाख टन कम हो सकता है। जबकि अंतिम चावल उत्पादन 2021-22 में 11.2 करोड़ टन दर्ज किया गया था, हाल ही में समाप्त खरीफ सीजन के दौरान यह लगभग 10.5 करोड़ टन होने की उम्मीद है। इन परिस्थितियों में, केंद्र के ओडिशा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों के साथ तेलंगाना की ओर रुख करने की उम्मीद है, जहां यासांगी के मौसम में भी धान की खेती की जाती है। इनमें से, धान की खेती में सबसे अधिक रकबा तेलंगाना में देखा जा सकता है।

यासांगी 2021-22 में तेलंगाना में धान की खेती करीब 34.21 लाख एकड़ में हुई थी। इस साल और पांच लाख एकड़ की वृद्धि की जा सकती है। इस वनकलम 2022-23 के दौरान, तेलंगाना में लगभग 65 लाख एकड़ में धान की खेती की गई, जिसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर 1.41 करोड़ टन धान का उत्पादन हुआ। इसमें से राज्य सरकार ने लगभग 90 लाख टन की खरीद का प्रस्ताव रखा है। शुक्रवार तक 28 लाख टन से अधिक धान की खरीद हो चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि केंद्र सरकार ने शुरू में तेलंगाना से पिछले साल यासांगी के दौरान अतिरिक्त स्टॉक का हवाला देते हुए चावल खरीदने से इनकार कर दिया था। हालांकि, इसने यू-टर्न लिया और इस साल जुलाई में यासांगी स्टॉक से आठ लाख टन उबले हुए चावल की खरीद पर सहमति व्यक्त की। हम फसल विविधीकरण के लिए किसानों को प्रोत्साहित करते रहे हैं। हालांकि, अधिकांश किसान यासांगी के मौसम में भी धान की खेती जारी रखते हैं। चूंकि केंद्र कच्चे चावल पर जोर दे रहा है, इसलिए हमारी आपूर्ति कम हो गई है। लेकिन अगर इस साल भी उबले हुए चावल की जरूरत है, तो यह किसानों के लिए एक बड़ा बढ़ावा होगा।

पित्ती ट्रस्ट द्वारा छात्रवृत्ति के चेक का वितरण आज

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट द्वारा मेधावी छात्रों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति के चेक का वितरण 29 नवंबर को दोपहर 1 बजे नामपल्ली रोड स्थित रेड रोज गार्डन (पब्लिक गार्डन के सामने) में किया जायेगा।

आज यहाँ बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट के अक्षय पित्ती द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रस्ट द्वारा मेधावी छात्र को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कई वर्षों से छात्रवृत्ति का वितरण किया जाता है। इस वर्ष का कार्यक्रम मंगलवार 29 नवंबर को होगा जिसमें छात्रों को चेक का वितरण तेलंगाना के धर्मस्व मंत्री ए.इंद्रकरण रेड्डी करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पित्ती ट्रस्ट के सीएमडी शरद बी.पित्ती करेंगे। चेक का वितरण केवल फंक्शन हाल में किया जायेगा इसलिए जिनको चेक दिया जा रहा है उन विद्यार्थियों को स्वयं ही अपने आईडी प्रमाण के साथ उपस्थित होना होगा। इसलिए सभी से समय पर उपस्थित होकर इसका लाभ लेने का आग्रह किया गया है।

निजामाबाद में विकास कार्यों में तेजी लाएं : वेमुला

निजामाबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा निजामाबाद को एक समृद्ध और जीवंत शहर के रूप में विकसित करने के लिए कदम उठाने का निर्देश देने के एक दिन बाद, सड़क और भवन निर्माण मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी ने सोमवार को अधिकारियों को सभी विकास कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया।

यहां विकास गतिविधियों की समीक्षा बैठक करने वाले प्रशांत रेड्डी ने अधिकारियों से सभी चल रहे विकास कार्यों को युद्ध स्तर पर पूरा करने के लिए कहा क्योंकि मुख्यमंत्री दो महीने बाद शहर का दौरा करेंगे और प्रगति देखेंगे। उन्होंने जिला कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों से विकास कार्यों की प्रगति पर लगातार नजर रखने तथा विभिन्न विभागों से समन्वय स्थापित कर कार्य को निर्धारित समय पर पूरा करने को कहा. उन्होंने कहा कि धन की कोई कमी नहीं है और काम पूरा होते ही सभी बिलों को मंजूरी दे दी जाएगी। बाद में, मीडिया से बात करते हुए, मंत्री ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में, राज्य सरकार ने विभिन्न विकास कार्यों के लिए निजामाबाद शहर को 936.69 करोड़ रुपये मंजूर किए थे, जिनमें से 884 करोड़ रुपये के कार्यों को तकनीकी स्वीकृति दी गई।

अब तक विभिन्न कार्यों पर 658.91 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। इसके अलावा, तेलंगाना अर्बन फाइनेंस एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा लगभग 190 करोड़ रुपये और शहरी विकास कोष के तहत 170.82 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए थे। इनके अलावा, मिशन भगीरथ के तहत कार्य करने के लिए 76.05 करोड़ रुपये और 14वें वित्त आयोग के माध्यम से 116 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए थे। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने सरकार से फंड मांगने से पहले निजामाबाद शहर की प्रगति पर विशेष समीक्षा बैठक की थी।

मंत्री ने कहा कि सभागार, खेल स्टेडियम, चार शाकाहारी एवं मांसाहारी एकीकृत बाजार प्रांगण, तिलक उद्यान का सौंदर्यीकरण, वैकुंठ धमाल, हज भवन तथा आधुनिक सुविधाओं से युक्त अन्य विकास कार्यों से संबंधित कार्य किये जायेंगे। निजामाबाद ग्रामीण विधायक बाजीरेड्डी गोवर्धन, शहरी विधायक बिगला गणेश गुप्ता, मेयर नीतू किरण और कलेक्टर सी नारायण रेड्डी उपस्थित थे।

तेलंगाना में प्रेस की आजादी खतरे में, पत्रकारों को सतर्क रहना चाहिए : उत्तम

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यह कहते हुए कि भारत में, विशेष रूप से तेलंगाना में प्रेस की स्वतंत्रता खतरे में है, कांग्रेस सांसद एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने पत्रकारों से स्वतंत्र पत्रकारिता की रक्षा के लिए खड़े रहने की अपील की। रविवार को तेलंगाना यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स सूर्यापेट जिले की बैठक में बोलते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने पत्रकारों के गौरवशाली अतीत और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी सराहनीय भूमिका के बारे में बात की। महात्मा गांधी अब तक के सबसे महान पत्रकार थे। गांधी जी छह पत्रिकाओं से जुड़े थे और वे दो पत्रिकाओं के संपादक थे। उनका पहला पेपर, इंडियन ओपिनियन, दक्षिण अफ्रीका में शुरू हुआ था। यंग इंडिया और हरिजन ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। गांधी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि पत्रकारिता का एकमात्र उद्देश्य सेवा होना चाहिए। इसी तरह, उन्होंने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू ने पत्रकारिता में अपना करियर शुरू किया और उस समय के एक महान पत्रकार बन गए। उन्होंने 9 सितंबर, 1938 को नेशनल हेराल्ड की स्थापना की। अखबार के मास्टहेड पर 'फ्रीडम इज इन पेरिल, डिफेंड इट विद ऑल योर माइट' शब्द थे। इसी तरह बाल गंगाधर तिलक ने मराठी में 'केसरी' और अंग्रेजी में 'मराठा' शुरू किया और देश की आजादी हासिल करने के लिए उन्हें हथियार के रूप में इस्तेमाल किया। वे निडर और आदर्श पत्रकारिता के प्रतीक थे। ब्रिटिश साम्राज्य द्वारा उनके खिलाफ देशद्रोह के मामले दर्ज करने के बावजूद उन्होंने अपने विचार नहीं बदले। रेड्डी ने कहा कि पत्रकारों ने तेलंगाना आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई और क्षेत्र के साथ हुए अन्याय को निडरता से उजागर किया। उन्होंने कहा कि मैं उन निडर पत्रकारों को सलाम करता हूं जिन्होंने भारत की आजादी और तेलंगाना आंदोलन के लिए संघर्ष किया। मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि वे कितनी बड़ी विरासत लेकर चल रहे हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि तेलंगाना आंदोलन में पत्रकारों ने बहुत आकांक्षाओं के साथ भाग लिया। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि टीआरएस सरकार सभी आश्वासनों को पूरा करने में विफल रही है। "पत्रकारों को दिए गए स्वास्थ्य कार्ड काम नहीं कर रहे हैं। वेलनेस सेंटर बंद कर दिए गए हैं और पत्रकारों और उनके परिवारों के लिए स्वास्थ्य सेवा के संबंध में सरकार की ओर से कोई समर्थन नहीं है। कई आश्वासनों के बावजूद, पत्रकारों को न तो घर की साइट दी गई और न ही घर। पत्रकारों के बच्चों की शिक्षा तक एक समस्या बन गई है।

रेड्डी ने पत्रकारों को आश्वासन दिया कि वह पत्रकारों की स्थिति में सुधार के लिए टीयूडब्ल्यूजे और अन्य संघों के साथ काम करेंगे। कांग्रेस सांसद ने सभी पत्रकारों से सच लिखने की अपील की, भले ही इसमें शामिल व्यक्ति विधायक, सांसद, सीएम या यहां तक कि पीएम भी हो। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को गलत कामों को उजागर करना चाहिए और अच्छी चीजों को भी उजागर करना चाहिए।

रेजरी खेजरी माता चैरिटेबल ट्रस्ट की सभा संपन्न

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थान के काजरा गांव जी झुंझुनू में विराजित बंसल गोत्र की कुलदेवी मां रेजरी खेजरी मंदिर के संचालन हेतु गठित रेजरी खेजरी माताजी चैरिटेबल ट्रस्ट की सभा महिंद्रा हिल्स स्थित श्री पहाड़ी साईं बाबा सेवा ट्रस्ट के सभागृह में आयोजित की गई। प्रचार प्रसार मंत्री अशोक बंसल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ट्रस्ट के चेयरमैन सुरेश संघी, चेन्नई की अध्यक्षता में सचिव नरेश कुमार चौधरी, इंदौर के संचालन करते हुए वाइस चेयरमैन इंद्र बजाज बंसल, चेन्नई संयुक्त मंत्री सतीश गोयल गर्ग, नारनौल कोषाध्यक्ष ललित संघी, हैदराबाद को मंच पर आमंत्रित किया। काजरा माता मंदिर के मुख्य पुजारी भरत नागवन के मंगोछार के मध्य सभी नी माता की पूजा अर्चना एवं दीप प्रज्वलित कल सभा का शुभारंभ किया। विगत सभा के मिनट एवं सचिव रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। अप्रैल 22 से सितंबर 22 तक का आय-व्यय का विवरण कोषाध्यक्ष ने प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। आगामी 3 और 4 अप्रैल 2023 को माताजी के भव्य जन्मोत्सव के बारे में संपूर्ण जानकारी दी तथा हैदराबाद से सभी सदस्यों को सपरिवार पधारने का आग्रह किया। माता मंदिर परिसर के चल रहे निर्माण कार्य की जानकारी पंडित भरत नागवन द्वारा दी गई। माता परिसर के भवन निर्माण में सहयोगियों, दानदाताओं को शॉल उड़ाकर ट्रस्ट द्वारा सम्मान किया गया। उक्त सभा में अधिवक्ता प्रताप नारायण संघी, सुबोध संघी एवं रमेश बंसल को 3 वर्ष के लिए ट्रस्ट बोर्ड में चयनित किया गया एवं अशोक बंसल को प्रचार प्रसार मंत्री के रूप में चयनित सर्वसम्मति से किया गया। श्री रेजरी खेजरी शीतला माता परिवार हैदराबाद की सौजन्य से सभा के पश्चात माताजी की खिचड़ी प्रसाद का आयोजन किया गया। संयुक्त मंत्री सतीश गर्ग नारनौल के धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात सभा का समापन हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोगी प्रताप नारायण संघी, ललित संघी, सुबोध संघी, अशोक बंसल,पंकज संघी, महेश संघी,अनिल संघी, पवन संघी, प्रभात संघी का मुख्य योगदान रहा। सभा में पूर्व सांसद डॉ. गिरीश कुमार संघी, डॉ. दिलीप पंसारी, महावीर प्रसाद अग्रवाल, डीपी अग्रवाल, लक्ष्मीनारायण संघी,गौरीशंकर संघी, डॉक्टर तेज नारायण संघी, रामविलास गुप्ता, सुभाष गोयल, नारायण गुप्ता, दुर्गा प्रसाद बंसल, विमल किशोर संघी, कृष्ण संघी, विवेक संघी, नेताराम गुप्ता, सांवरमल भगत, आनंद भगत, सुनील, सुरेश सिंघल, अनिल बजरिया, अचल गुप्ता, अवधेश संघी, रजनी बंसल, डिंपल संघी, डॉ. सुधा संघी,अनीता गुप्ता,पुनीत बंसल, पुष्पा अग्रवाल,बरखा संघी, सीमा संघी, गौरव संघी, दुर्गा संघी, संतोष बंसल, अनुशा संघी, नियति संघी, निर्मला संघी आदि उपस्थित थे।

चंचलगुडा जेल से भाजपा के नंदा कुमार को हिरासत में लिया गया

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स पुलिस ने सोमवार को नंदा कुमार को दो अन्य कथित भाजपा एजेंटों के साथ केंद्रीय जेल चंचलगुडा से टीआरएस (बीआरएस) के विधायकों को लुभाने की कोशिश करते हुए पकड़ा। बंजारा हिल्स पुलिस ने उसके खिलाफ कथित तौर पर पैसे इकट्ठा करने और फिल्म नगर स्थित एक संपत्ति को अवैध रूप से किराए पर देने के आरोप में पांच मामले दर्ज किए हैं। पुलिस ने पीटी वारंट दाखिल कर नंदा कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। एक मामले में दर्ज पांच मामलों में से पुलिस ने पूछताछ के लिए उसकी हिरासत मांगी है। अधिकारियों ने बताया कि उनसे दो दिन तक पूछताछ की जाएगी।

विधायक अवैध शिकार मामला : सीबीआई जांच की मांग के खिलाफ तुषार वेल्लापल्ली ने हाईकोर्ट का रुख किया

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सहयोगी भारत धर्म जन सेना के प्रमुख और एनडीए केरल के संयोजक तुषार वेल्लापल्ली ने सोमवार को तेलंगाना उच्च न्यायालय का रुख किया, जिसमें विशेष जांच दल से विधायक अवैध शिकार मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो को स्थानांतरित करने की मांग की गई थी। तुषार ने एक रिट याचिका दायर की, जिस पर मंगलवार को सुनवाई होगी, जिसमें मामले की जांच एसआईटी से सीबीआई को स्थानांतरित करने की मांग की गई थी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री को याचिका में पक्षकार बनाते हुए उन्होंने यह तर्क दिया कि जांच दल मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्त किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने सीआरपीसी की धारा 41-ए के तहत 16 नवंबर के नोटिस का सकारात्मक जवाब दिया था, लेकिन फिर भी उन्हें मामले में एक आरोपी के रूप में रखा गया था। उन्होंने यह भी कहा कि अखबारों में छपी खबरों के मुताबिक उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है, जिससे उनकी प्रतिष्ठा धूमिल हुई है और उन्हें उनके परिवार के सदस्यों के साथ मानसिक पीड़ा में छोड़ दिया गया है।

केंद्र सरकार ने दी तेलंगाना सरकार को नोटिस

ग्रामीण रोजगार योजना के डायवर्ट किए गये फंड्स को तुरंत वापिस करने का आग्रह

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र सरकार ने टीआरएस सरकार को नोटिस जारी कर कहा कि, तेलंगाना सरकार द्वारा डायवर्ट किए गये फंड्स को तुरंत केंद्र सरकार को वापिस लौटाया जाए। इस संदर्भ में, केंद्र सरकार के वरिष्ठ सूत्रों के अनुसार, टीएस सरकार ने केंद्र सरकार द्वारा ग्रामीण रोजगार योजना के तहत भेजी गयी फंड्स की कुल 152 करोड रुपये की राशि को अन्य योजनाओं में डायवर्ट किया है। इसके मद्देनजर केंद्र सरकार ने टीएस सरकार को चेतावनी नोटिस जारी कर तुरंत उपरोक्त डायवर्ट की गयी राशि को 30 नवंबर तक वापिस लौटाने का निर्देश दिया है। साथ ही केंद्र सरकार ने यह भी चेताया कि, उक्त फंड्स के वापिस न लौटाने की स्थिति में केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकार को दी जानेवाली आगामी फंड्स पर तुरंत रोक लगाने की चेतावनी दी है। साथ ही इस मामले में केंद्र सरकार ने यह भी बताया कि, इस साल के 9 जून से 12 जून तक संबंधित अधिकारियों द्वारा तेलंगाना सरकार से जुडे तत्संबंधित फड्स के इस्तेमाल के रिकार्ड्स की जांच की गयी। ताकि केंद्र सरकार द्वारा तेलंगाना सरकार को जारी फंड्स का सही इस्तेमाल हो रहा है कि जानकारी मिल सके। इस जांच के चलते यह पाया गया कि, राज्य सरकार ने ग्रामीण रोजगार योजना के अमलीकरण व इसके प्रति जारी फंड्स में हेराफेरी की है तथा टीएस सरकार ने केंद्र सरकार को यह लिखित सूचना दी कि, ग्रामीण रोजगार योजना के प्रति जारी फंड्स को अन्य योजना में डायवर्ट किया है। इससे असंतुष्ट होकर केंद्र सरकार ने तेलंगाना सरकार को तुरंत इस हेराफेरी से बाज आने को कहा है तथा अन्य योजना में डायवर्ट किए गये तत्संबंधित फंड्स की राशि को तुरंत वापिस लौटाने को कहा है। अन्यथा राज्य को दी जानेवाली आगामी केंद्र सरकारी फंड्स पर तुरंत रोक लगायी जायेगी।

एनसीसी निदेशालय ने 74वां एनसीसी दिवस मनाया

एनसीसी एलुमनाई मीट का आयोजन

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनसीसी निदेशालय (एपी एंड टी) द्वारा हैदराबाद में एनसीसी के 75 वें वर्ष के उपलक्ष्य में राष्ट्र के लिए उनकी निस्वार्थ सेवा के लिए एक पूर्व छात्र बैठक आयोजित करके 74 वां एनसीसी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर करीब 350 पूर्व एनसीसी कैडेट फिर से जुड़ने के लिए आगे आए। सभा को उप महानिदेशक, एयर कमोडोर पी महेश्वर ने संबोधित किया। डीडीजी ने वर्तमान पूर्व छात्रों को एनसीसी पूर्व छात्र संघ के लाभों से अवगत कराया और उन्हें राष्ट्र निर्माण में उनकी जिम्मेदारी के बारे में याद दिलाया। उन्होंने उनसे राष्ट्रीय निर्माण की दिशा में किसी भी सामाजिक सेवा में सबसे आगे रहने और राज्य और देश के युवाओं को प्रेरित करने का भी आग्रह किया। उन्होंने एनसीसी के पूर्व छात्रों, जो प्रशिक्षित और प्रेरित हैं, को राज्य के नागरिकों के बीच निस्वार्थ सेवा के विचार का आह्वान करने के लिए आगे आने पर जोर दिया।

श्रीमती माधवी जलसुत्रम, एक प्रेरक वक्ता और एक पूर्व छात्र ने सभा को संबोधित किया और एक एनसीसी कैडेट के रूप में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे एनसीसी प्रशिक्षण ने जीवन में उनके लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उनके चरित्र को विकसित करने में मदद की। विंग कमांडर भूषण, एक वयोवृद्ध, एक 84 वर्षीय युवा और गतिशील पूर्व छात्र हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कड़ी मेहनत पर जोर दिया और युवाओं से सफलता के लिए अनुचित और आसान साधनों की तलाश न करने का आग्रह किया।

पूर्व छात्रों ने बहुत उत्साह के साथ अपने बैच के साथियों, पुराने प्रशिक्षकों से मुलाकात की और अपने प्रशिक्षण की सुखद और ज्वलंत यादों का आदान-प्रदान किया। वे मीडिया से बात करने और यह समझाने के लिए भी आगे आए कि कैसे एनसीसी प्रशिक्षण ने उनके व्यक्तित्व को संवारने और एक सफल करियर बनाने में उनकी मदद की।

8,400 क्विंटल पीडीएस चावल के दुरुपयोग के आरोप में राजस्व एसए बुक

कुमराम भीम आसिफाबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व विभाग के एक वरिष्ठ सहायक पर 8400 क्विंटल पीडीएस चावल के दुरुपयोग में शामिल होने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। एक बयान में, नागरिक आपूर्ति जिला प्रबंधक तरमणि ने कहा कि वरिष्ठ सहायक और आसिफाबाद मंडल स्तरीय स्टॉक (एमएलएस) बिंदु के प्रभारी दुर्गम गोपीनाथ है। कलेक्टर राहुल राज द्वारा गठित जिला राजस्व अधिकारी, सहकारी अधिकारी और मत्स्य अधिकारी की तीन सदस्यीय समिति द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट के आधार पर स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज की गई थी। 4 अक्टूबर को, जिला नागरिक आपूर्ति अधिकारी कुमारा स्वामी को कुछ दिन पहले एक मंडल-स्तरीय स्टॉक बिंदु से सार्वजनिक जिला प्रणाली (पीडीएस) के लिए 8,400 क्विंटल चावल के मोड़ में उनकी भूमिका के लिए निलंबित कर दिया गया है। इस आशय का आदेश मंगलवार को यहां कलेक्टर राहुल राज ने जारी किया।

गोपीनाथ को स्टॉक प्वाइंट के प्रबंधन में अनियमितता के आरोप में पहले ही निलंबित कर दिया गया था। यह अनियमितता तब सामने आई जब 29 सितंबर को हैदराबाद से विजिलेंस के अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया गया। अनाज की कीमत 3 करोड़ रुपये आंकी गई थी।

किशन रेड्डी ने सीएम पर लगाया राज्य में सामंती शासन चलाने का आरोप

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव पर राज्य में एक "सामंती" शासन चलाने का आरोप लगाया और कहा कि राज्य सरकार का निर्णय राज्य की पदयात्रा को रोकने के लिए है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंदी संजय कुमार स्वभाव से तानाशाह थे।

केंद्रीय मंत्री ने भाजपा के राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण के साथ शहर के अली कैफे चौराहे पर महात्मा ज्योति बा फुले की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि राज्य सरकार राज्य में अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर रही है। और कहा कि यह अहंकारी तरीके से संजय की पदयात्रा में बाधा डाल रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री राज्य में भाजपा के विकास में बाधा डाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता जल्द ही टीआरएस पार्टी के शासन को खत्म कर देगी।

समाज से छुआछूत मिटाने की दिशा में काम कर रहे हैं सीएम : येर्राबेली

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायतीराज मंत्री एराबेली दयाकर राव ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव बहुजन दार्शनिक और समाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव गोविंद राव फुले के समानता और समाज से अस्पृश्यता उन्मूलन के सपनों को साकार करने की दिशा में काम कर रहे हैं। सोमवार को फुले की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए दयाकर राव ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार पिछड़ी जातियों के समग्र विकास के लिए कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि महात्मा फुले ने अपनी पत्नी सावित्रीबाई के साथ भारत में महिलाओं की शिक्षा के लिए बीज बोए थे। उन्होंने कहा कि लड़कियों की शिक्षा और महिला सशक्तिकरण में उनका योगदान बहुत बड़ा है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सभी क्षेत्रों में बीसी समुदायों के लोगों को प्रोत्साहित कर रही है और उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्रदान कर रही है।

निजामाबाद पुलिस ने शहीद वन अधिकारी को दी श्रद्धांजलि

निजामाबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला पुलिस ने सोमवार को मारे गए वन रेंज अधिकारी सीएच श्रीनिवास राव को श्रद्धांजलि दी, जो 22 नवंबर को कोत्तागुडेम जिले में आदिवासियों द्वारा कथित रूप से एक हमले में मारे गए थे। जिला पुलिस की ओर से शोक सभा का आयोजन किया गया जहां मारे गए वन अधिकारी को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। पुलिस आयुक्त केआर नागराजू ने वन अधिकारी की हत्या की निंदा की और आश्वासन दिया कि उसके लोग निजामाबाद आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र के तहत सभी वन विभाग के कर्मियों को सुरक्षा प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि भविष्य में जिले में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

तेजस्वी यादव बोले- 'फल्गु नदी को माता सीता ने दिया था श्राप'

सीएम नीतीश कुमार ने किया श्राप मुक्त'

पटना, 28 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज सोमवार को गया व बोधगया में गंगा जलापूर्ति योजना का शुभारंभ किया। इस मौके पर सीएम के साथ उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और अन्य मंत्री मौजूद रहे। इस मौके पर तेजस्वी यादव ने बीजेपी का नाम लिये बैगर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग बेवजह दिल्ली में बैठकर बकवास करते रहते हैं। नीतीश कुमार जी का काम बोलता है। बता दें कि योजना का उद्घाटन करने के बाद सीएम नीतीश व तेजस्वी यादव गया शहर के रामसागर तालाब भी गये। इस दौरान उन्होंने दो घरों में जाकर जलापूर्ति व्यवस्था को भी देखा।

फल्गु नदी को नीतीश कुमार ने किया श्राप मुक्त

गंगा जलापूर्ति योजना का उद्घाटन करने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि दक्षिण बिहार का इलाका सूखा ग्रस्त रहता था। नीतीश कुमार जी ने इस इलाके में गंगा जल पहुंचा दिया। इससे बड़ा काम क्या हो सकता है। किसी ने इसकी कल्पना नहीं की थी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस कल्पना को साकार कर दिया है। नीतीश कुमार जी का काम बोलता है। महागठबंधन की सरकार में तेजी से विकास के कार्य हो रहे हैं। उन्होंने आगे कहा मान्यता है कि फल्गु नदी को माता सीता ने श्राप दिया था। नीतीश कुमार जी ने इस नदी को आज श्राप मुक्त कर दिया है। इस दौरान तेजस्वी यादव ने बीजेपी का नाम लिये बगैर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग दिल्ली में बैठकर बेवजह का बकवास कर रहे हैं। उनको बिहार के लोगों और बिहार के विकास से कुछ लेना-देना नहीं है। हमलोग काम कर रहे हैं। कुछ लोग जुमलेबाजी कर रहे हैं। ऐसे लोगों का ही प्रचार-प्रसार हो रहा है। काम करने वाले को तो कहीं नाम ही नहीं हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि महागठबंधन की सरकार गरीब जनता की सरकार है। समाज के अंतिम पायदान में खड़े लोगों को वे मुख्यधारा में लाने का काम कर रहे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारी सरकार पढ़ाई-कमाई-दवाई-सिंचाई-सुनवाई और कार्रवाई वाली सरकार है। उन्होंने जो वादा किया है। उसे हर हाल में पूरा करेंगे। बता दें कि गंगा जल आपूर्ति योजना के बाद अब गया शहर में प्रत्येक घर में प्रतिदिन गंगा जल मिलेगा। मानपुर के अबगीला में वाटर ट्रिटमेंट प्लांट का उद्घाटन किया गया है। इसके साथ ही पहले फेज में करीब 45 हजार से अधिक घरों में और दूसरे फेज में शहर के 78 हजार से अधिक घरों तक गंगाजल का सप्लाई हो सकेगा।

भारत के फर्जी आधार व पैन कार्ड के साथ न्यूजीलैंड निवासी धराया

बांग्लादेशी नागरिक भी गिरफ्तार

पटना, 28 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में फिर एकबार फर्जी तरीके से रहने के आरोप में दो विदेशी नागरिक धराए। किशनगंज में भारत-नेपाल सीमा पर दोनों को हिरासत में लिया गया। हाल में ही एक पाकिस्तान मूल की अमेरिकी महिला को पकड़ा गया था जो पहचान छिपाकर यहां रह रही थी। वहीं अब पकड़े गये दोनों विदेशी नागरिकों में एक न्यूजीलैंड का रहने वाला तो दूसरा बांग्लादेश का नागरिक शामिल है। दोनों को गिरफ्तार करके अदालत में पेश किया गया। नेपाल सीमा पर पानीटंकी बीओपी के बीआइटी कर्मियों ने पानीटंकी पोस्ट पर दो विदेशियों को हिरासत में लिया है।

'भगवान के दूजा रूप होते हैं पापा'

लालू यादव की बेटी रोहिणी की सिंगापुर से भावुक पोस्ट, अगले माह होगी सर्जरी

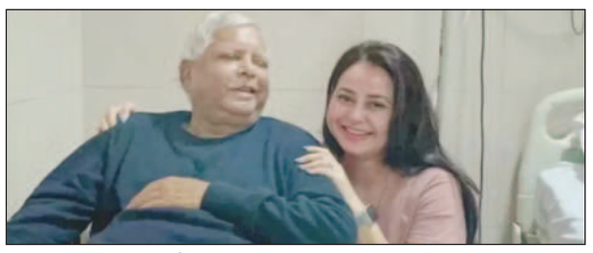

पटना, 28 नवंबर (एजेंसियां)। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने आज पिता को लेकर भावुक पोस्ट की है। लालू यादव की अगले माह सिंगापुर में किडनी ट्रांसप्लांट होगी। वे अभी सिंगापुर में रोहिणी के निवास पर हैं। रोहिणी आचार्य ही अपने पिता को किडनी दान करेंगी।

रोहिणी आचार्य ने लालू यादव के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए फेसबुक पोस्ट में लिखा 'भगवान के दूजा रूप होते हैं पापा, हर बिटिया के अभिमान होते हैं पापा'। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव किडनी ट्रांसप्लांट कराने के लिए शनिवार को सिंगापुर रवाना हुए थे। उनके साथ छोटे बेटे और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और परिवार के अन्य सदस्य भी हैं। 74 वर्षीय लालू यादव अपनी किडनी की समस्या का इलाज करा रहे हैं। दिसंबर के पहले हफ्ते में उनका किडनी ट्रांसप्लांट हो सकता है। 74 वर्षीय यादव पिछले महीने सिंगापुर से लौटे थे। राजद नेता व बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा, 'हमें पूरा विश्वास है कि ऑपरेशन सफल होगा। उनके शुभचिंतक उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं। सभी की दुआएं उनके साथ हैं।' राजद के वरिष्ठ नेताओं को पार्टी में उचित सम्मान नहीं दिए जाने के भाजपा के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर बिहार के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आडवाणी जी की तरह?

इससे पहले दिल्ली की एक अदालत ने लालू प्रसाद यादव की बेटी और मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में आरोपी मीसा भारती को सिंगापुर जाने की अनुमति दे दी है। मीसा ने अदालत से पिता के इलाज के लिए सिंगापुर जाने की इजाजत मांगी थी। विशेष न्यायाधीश एम के नागपाल ने मीसा भारती के पति और सह-आरोपी शैलेश कुमार को 25 नवंबर 2022 से 1 जनवरी 2023 तक विदेश यात्रा करने की भी अनुमति दी है।

आमने-सामने हुई ट्रकों की भिड़ंत में तीन की दर्दनाक मौत, एक घायल

रायबरेली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। रायबरेली के मिल एरिया थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात दो ट्रकों की आमने-सामने हुई भिड़ंत में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में दो फतेहपुर और एक सुल्तानपुर का रहने वाला था। एक घायल भी फतेहपुर जिले का रहने वाला है। बताया जा रहा है कि एक ट्रक सुल्तानपुर की तरफ से आ रहा था जबकि दूसरा रायबरेली की तरफ से आ रहा था। रायबरेली-सुल्तानपुर हाईवे पर रेयान पब्लिक स्कूल के सामने दोनों ट्रकों में भिड़ंत हो गई। इसमें फतेहपुर जिले के शेरमई गांव निवासी पिंटू (22) और बनपुरवा गांव निवासी विनोद (20) और सुल्तानपुर के रहने वाले रमेश (35) की मौत हो गई, जबकि फतेहपुर के बनपुरवा गांव के रहने वाले विजय प्रकाश गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सीओ वंदना सिंह ने बताया कि मृतकों में चालक और क्लीनर हैं। इनके परिजनों को सूचना दी जा रही है। उनके आने पर ही विस्तृत जानकारी मिल पाएगी। शवों को लिखा पढ़ी के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मदरसों के आठवीं तक के छात्रों को नहीं मिलेगी छात्रवृत्ति, शैक्षिक सत्र 2022-23 से लागू होगा नियम

लखनऊ, 28 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के मदरसों में आठवीं तक के छात्रों को मिलने वाली छात्रवृत्ति पर रोक लगा दी गई है। यह नियम 2022-23 सत्र में ही लागू होगा। उत्तर प्रदेश शासन ने छात्रवृत्ति एवं शुल्क भरपाई के लिए अंतिम तिथि 10 दिसंबर तक बढ़ा दी है। पूर्व में अंतिम तिथि 7 नवंबर थी। दरअसल, इस बार विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रवेश देरी से शुरू होने से विश्वविद्यालयों से संबद्ध कॉलेजों के बड़ी संख्या में छात्र ऑनलाइन आवेदन नहीं कर पाए थे। इन छात्रों की समस्या को अमर उजाला ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था। छात्रों ने भी तिथि बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया पर अभियान चलाया था।

इसे देखते हुए शासन ने अंतिम तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया। प्रमुख सचिव, समाज कल्याण डॉ. हरिओम ने बताया कि दशमोत्तर कक्षाओं (कक्षा-10 से ऊपर) के लिए अंतिम तिथि को 10 दिसंबर तक बढ़ाने का निर्णय हो चुका है। पूर्व दशम (कक्षा 9) में विद्यार्थियों के डाटा को 30 नवंबर तक लॉक करने की सुविधा दी गई है।

बिहार के 29 पुलिसकर्मियों के नामों की अनुशंसा

पटना, 28 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के 29 पुलिस अफसरों और कर्मियों के नामों की अनुशंसा राष्ट्रपति पदक के लिए की गयी है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति के द्वारा दिए जाने वाले पदक के लिए जिन पुलिसकर्मियों को पात्र समझा गया है उनके नामों की अनुशंसा को बिहार सरकार के द्वारा गृह मंत्रालय भेजा गया। इनमें विशिष्ट और सराहनीय सेवा पदक के लिए अनुशंसा की गयी है।

राष्ट्रपति पदक के लिए बिहार से कुल 29 पुलिसकर्मियों के नामों की अनुशंसा की गयी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, विशिष्ट सेवा पदक के लिए 7 पुलिस अधिकारियों व कर्मियों के नाम तथा सराहनीय सेवा के लिए 22 पुलिसकर्मियों के नाम भेजे गये हैं। बिहार सरकार की ओर से विशिष्ट सेवा पदक कैटेगरी में कुल 7 अफसरों के नामों की अनुशंसा की गयी। इनमें तीन आइपीएस अधिकारी और चार दूसरे रैंक के अफसर हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों की मानें तो इनमें एडीजी रवीन्द्रन शंकरण, एडीजी पारसनाथ और एडीजी बच्चु सिंह मीणा का नाम शामिल है। वहीं विशिष्ट सेवा पदक के लिए विनय कुमार शर्मा, बिनय कृष्ण, दिलीप कुमार सिंह और रंजीत कुमार के नामों की अनुसंशा की गयी है। वहीं सराहनीय सेवा पदक के लिए कुल 22 पुलिसकर्मियों के नामों का प्रस्ताव गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सराहनीय सेवा पदक के लिए जिन पुलिसकर्मियों के नामों की अनुशंसा की गयी है उनमें रुपेश थापा, संजय कुमार चौरसिया, संजय कुमार, मुख्तार अली, धनंजय कुमार, धर्मराज शर्मा, बैद्यनाथ कुमार, आलोक कुमार, अक्षयबर पांडेय, सत्येंद्र कुमार, सिकंदर कुमार, पंचरत्न प्रसाद गौंड, आलमनाथ भूइया, देवेंद्र कुमार, संतोष कुमार दीक्षित, संजय कुमार शेखर, सरवर खां, ओम प्रकाश सिंह, रासबिहारी चौधरी और विनय कुमार आदि शामिल हैं। गौरतलब है कि हर साल दो बार राष्ट्रपति पदक पुलिसकर्मियों को दिये जाते हैं। गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के पूर्व नाम तय कर दिये जाते हैं और चयनीत पुलिसकर्मियों के नामों की घोषणा कर दी जाती है। राज्य सरकार और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के द्वारा नामों की अनुशंसा गृह मंत्रालय को भेजी जाती है और मंत्रालय के अधीन स्क्रीनिंग कमेटी इसकी समीक्षा करके नामों का चयन पदक के लिए करती है।

सीएम योगी बोले मुलायम सिंह के आशीर्वाद से जीते सपा के दुर्ग

अब मैनपुरी में सपना होगा साकार

मैनपुरी, 28 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मैनपुरी के करहल स्थित नरसिंह इंटर कॉलेज के मैदान में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने मैनपुरी की पावन धरा को नमन करते हुए अपने भाषण की शुरुआत की। मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद समाजवादी पार्टी (सपा) और सैफई परिवार पर जमकर निशाना साधा।

'नेताजी के आशीर्वाद से जीते सपाई दुर्ग'

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुलायम सिंह यादव ने वर्ष 2019 में ही भाजपा को जीत का आशीर्वाद दे दिया था। नेताजी ने कहा था कि जीतेगी तो भाजपा ही। उनके आशीर्वाद से भाजपा ने आजमगढ़ और रामपुर का उपचुनाव जीता। भाजपा ने समाजवादी पार्टी के दुर्ग कहे जाने वाले आजमगढ़ और रामगढ़ को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि यहां के लोगों को नया इतिहास बनाने का मौका मिल रहा है। मैनपुरी लोकसभा को भाजपा की झोली में डालिए। विकास के मामले में कोई भेदभाव नहीं होगा।

सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है। इसके साथ ही अयोध्या के विकास के लिए 30 हजार करोड़ की परियोजनाएं चल रही हैं। आपके क्षेत्र में विकास की प्रकिया आगे बढ़ेगी। इसके लिए अच्छे जनप्रतिनिधि को चुने की आवश्यकता है। ऐसे नहीं है जो चुनाव में नाते-रिश्तेदारी निकालते हों।

शिवपाल यादव पर साधा निशाना

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चाचा शिवपाल यादव की हालत पेंडुलम जैसी हो गई है। पहले बैठने के लिए हत्था मिला था। समाजवादियों का चरित्र परिवारवादी है। मैनपुरी किसी परिवार की विरासत नहीं बन सकती है। भाजपा के नेतृत्व में बहुत ही सूझबूझ से रघुराज सिंह शाक्य को प्रत्याशी बनाया है। उन्होंने जनता से भाजपा प्रत्याशी को जिताने की अपील की।

करहल से अखिलेश यादव हैं विधायक

करहल विधानसभा क्षेत्र मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव फिलहाल इसी विधानसभा सीट से विधायक हैं। करहल में सीएम योगी की जनसभा बेहद महत्वपूर्ण माना जा रही है। भाजपा ने भी सीएम की सभा में भीड़ जुटाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप चौहान का कहना है कि करहल से ही इस बार सपा को ऐतिहासिक हार का सामना करना पड़ेगा। लोकसभा उपचुनाव में एक-एक कार्यकर्ता कमल खिलाने को तैयार है।

शिवपाल यादव की सुरक्षा हुई डीग्रेड

अब जेड कैटेगिरी की सिक्योरिटी की जगह मिली वाई कैटेगरी की सिक्योरिटी

लखनऊ, 28 नवंबर (एजेंसियां)। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल यादव की सुरक्षा घटाई गई है। इस संबंध में लखनऊ के पुलिस कमिश्नर और अन्य संबंधित अधिकारियों को लिखे पत्र में पुलिस अधीक्षक (सुरक्षा) इटावा वैभव कृष्ण ने कहा कि शिवपाल यादव की सुरक्षा पर खतरे की समीक्षा करने के बाद यह फैसला लिया गया है।

गौरतलब है कि शिवपाल यादव को इससे पहले जड कैटेगिरी की सुरक्षा दी गई थी। वहीं अब उनके पास वाई श्रेणी सुरक्षा होगी। बता दें कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव और शिवपाल यादव के बीच रिश्तों की कड़वाहट खत्म होती दिख रही है, ऐसे में मैनपुरी उपचुनाव को लेकर शिवपाल ने डिंपल यादव को समर्थन करने का ऐलान किया है। इस घटनाक्रम के बीच यूपी पुलिस ने शिवपाल यादव की सुरक्षा पर समीक्षा कर डीग्रेड करने का फैसला किया है।

बता दें कि शिवपाल यादव मैनपुरी उपचुनाव में डिंपल यादव के प्रचार के दौरान अपना दर्द बयां कर चुके हैं। हाल ही में उन्होंने एक रैली में कहा था कि अगर अखिलेश यादव उनका सही से इस्तेमाल कर पाते आज वो सीएम होता। हालांकि शिवपाल अपने चुनाव कार्यक्रम में यह भी कह चुके हैं कि उन्होंने जिस तरह से नेता जी(मुलायम सिंह यादव) को अपना समर्थन देते रहे और उन्हें निराश नहीं किया, वैसे ही वो अखिलेश यादव को भी निराश नहीं होने देंगे। मालूम हो कि सुरक्षा कवर की मुख्य रूप से छह श्रेणियां हैं निर्धारित की गई हैं। इसमें एक्स, वाई, वाई+, जड, जड+ और एसपीजी (विशेष सुरक्षा समूह) शामिल है। इसमें एसपीजी केवल प्रधान मंत्री और उनके तत्काल परिवार के लिए दी जाती है। वहीं अन्य सुरक्षा श्रेणियों को उन्हें प्रदान किया जाता है, जिनके बारे में सरकार को लगता है कि उन्हें जान का खतरा है। एक्स श्रेणी की सुरक्षा के स्तर पर एक बंदूकधारी तो वहीं वाई में व्यक्ति के साथ चलने के लिए एक गनमैन है और स्थिर सुरक्षा के लिए एक (साथ में चार रोटेशन पर) शामिल होते हैं। इसके अलावा वाई+ श्रेणी में दो पुलिसकर्मी (रोटेशन पर के साथ चार) और आवासीय सुरक्षा के लिए एक (रोटेशन के साथ चार) शामिल होते हैं। वहीं जड श्रेणी की सुरक्षा में सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति के साथ चलने के लिए छह गनमैन, और व्यक्ति जहां रह रहा है, वहां की सुरक्षा के लिए दो (के साथ आठ) सुरक्षाकर्मी शामिल होते हैं। इसके अलावा जड+ सिक्योरिटी देश का दूसरा उच्चतम स्तर माना जाता है। इसमें व्यक्ति के साथ 10 सुरक्षाकर्मी और आवासीय सुरक्षा के लिए दो के साथ आठ अन्य) सुरक्षाकर्मी होते हैं।

अचानक 25 फीट नीचे धंस गई लखनऊ के पॉश इलाके की सड़क

लखनऊ, 28 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ की सड़कों की हालत आमतौर पर बारिश के मौसम में चर्चा के केंद्र में आती हैं जब जगह-जगह जलभराव और सड़कों पर बने गड्ढों के कारण हादसे होते हैं पर सोमवार को शहर के सबसे पॉश इलाके माने जाने वाले विकास नगर के लोहिया नगर वार्ड की एक सड़क धंस गई।

सड़क में करीब 25 फीट का गड्ढा हो गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने आसपास बैरीकेडिंग कर दी है पर समय-समय पर होने वाली इन घटनाओं से पता चलता है कि निर्माण कार्य कितना खोखला किया गया है। अच्छी बात रही कि जान माल की क्षति नहीं हुई है। इसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होते ही लोग मजे लेने लगे हैं। एक यूजर ने कहा कि यह सरकार के भ्रष्टाचार का सुबूत है। न जाने कौन सड़क कहां धंस जाए।

'वोटिंग से पहले वाली रात अपने घरों में न सोएं'

मैनपुरी उपचुनाव में सपा कार्यकर्ताओं से डिंपल यादव ने क्यों कहा ऐसा

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। मैनपुरी लोकसभा सीट पर वोटिंग से पहले समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार डिंपल यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्थानीय प्रशासन की आलोचना भी की है और कहा है कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता सतर्क रहें। डिंपल ने कहा कि स्थानीय प्रशासन उनकी पार्टी के नेताओं पर नकेल कसने के लिए हर संभव प्रयास करेगा, इसलिए मतदान से एक दिन पहले सपा कार्यकर्ता अपने घर न सोएं।

मैनपुरी मुलायम सिंह का क्षेत्र- डिंपल यादव

डिंपल यादव ने चुनाव प्रचार के दौरान सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की जमकर तारीफ की और पार्टी उनके नाम पर ही वोट मांग रही है। डिंपल यादव ने प्रचार के दौरान कहा कि उत्तर प्रदेश का मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव का क्षेत्र रहा है, जिन्होंने इसके विकास के लिए काम किया था। उन्होंने कहा कि पार्टी यहां आगामी उपचुनाव में इसी वास्तविकता के साथ लोगों के बीच जा रही है। डिंपल यादव ने प्रचार के दौरान एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, "मैं समाजवादी पार्टी के अपने युवा साथियों और नेताओं से कहना चाहती हूं कि मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव के मतदान से एक दिन पहले यानी चार दिसंबर से प्रशासन उन पर ज्यादती करेगा। इसलिए चार और पांच दिसंबर को पूरी तरह जागरुक रहें। आप चुपचाप जाकर वोट डालें और छह दिसंबर को प्रशासन यहां से गायब हो जाएगा।" बता दें कि यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने भी अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। बता दें कि चुनाव में बीजेपी के उम्मीदवार रघुराज सिंह शाक्य हैं, जिनके बारे में कहा जाता है कि वो शिवपाल सिंह यादव के शिष्य हैं। हालांकि शिवपाल इससे इंकार करते हैं। शिवपाल सिंह यादव ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी रघुराज सिंह शाक्य पर भी हमला बोला। उन्होंने अपने समर्थकों से कहा, "बहू के खिलाफ रघुराज सिंह चुनाव लड़ रहे हैं, वह अपने आप को हमारा शिष्य बताते हैं। असली शिष्य होते तो हमको छोड़कर ही नहीं जाना चाहिए था। हमारी बहू के खिलाफ उन्हें नहीं लड़ना चाहिए था। अगर शिष्य थे तो हमारे साथ ही रहना चाहिए था।

बिना बताए गए, मुझे बता कर जाना चाहिए था। वो तो चुपचाप भाजपा में चले गए।" मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव के लिए पूरी समाजवादी पार्टी और यादव परिवार मैदान में उतर चुका है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव खुद प्रचार की कमान संभाले हुए हैं। इसके साथ ही यादव परिवार के अन्य लोग भी जी जान से जुटे हैं।

बेखौफ अपराधियों ने दिनदहाड़े वार्ड सदस्य के पुत्र को मारी गोली, मौके पर मौत

पटना, 28 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी पटना में अपराधी बेखौफ हो चुके हैं। आए दिन नयी आपराधिक घटना सामने आती रहती है। इसी क्रम में अब एक गोलीबाड़ी की घटना सामने आई है। मामला पटना के गौरीचक थाना के सूड़ीहा गांव का हैं जहां अपराधियों ने वार्ड सदस्य के पुत्र की गोली मारकर हत्या कर दी है। लोगों का ऐसा कहना है की चुनावी रंजिश में यह हत्या की गई है। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव क अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल अस्पताल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक अपने पिता के साथ बाइक पर सवार होकर अपने गांव से अरवल जा रहा था। इसी क्रम में रास्ते में दोनों पिता-पुत्र को गांव के ही एक युवक ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर रोक लिया और फिर पुत्र के सिर में दो गोली मार दी। गोली लगने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान सूड़ीहा गांव की वार्ड सदस्य किरण देवी के पुत्र वीरेंद्र कुमार के रूप में की गई है।

मृतक के चाचा का कहना है कि गांव के रहने वाले सुबोध कुमार ने ही अपने समर्थकों के साथ मिलकर उनके भतीजे की गोली मारकर हत्या कर दी है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष हुए पंचायत चुनाव में मृतक की मां किरण देवी ने वार्ड सदस्य के पद पर सुबोध के समर्थक को चुनाव में हरा दिया था। जिसके बाद से दोनों परिवार के बीच लगातार विवाद चल रहा था। इसी कारण सुबोध ने उनके भतीजे सुबोध की गोली मार कर हत्या का दी है। घटना के संबंध में गौरिचक थाना के चौकीदार ने बताया कि पिछले वर्ष हुए पंचायत चुनाव के बाद से दोनों परिवार के लोगों में चुनावई रंजिश चल रही थी। इसी विवाद में सुबोध ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर वीरेंद्र की हत्या कर दी। ऐसा बताया जा रहा है कि घटना के बाद से सभी आरोपी फरार चल रहे हैं। मामले में गौरिचक के थानाध्यक्ष कृष्णा कुमार ने कहा कि सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस फरार आरोपियों की गिरफ़्तारी के लिए सघन छापेमारी अभियान में जुटी है। सभी फरार आरोपी जल्द ही पुलिस के गिरफ्त में होंगे। इस घटना के बाद से परिवार और गांव में मातम पसरा है।

घर में लगी भीषण आग में बुजुर्ग महिला की मौत

बेटी को सुरक्षित निकाला गया

लखनऊ, 28 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ के विकासनगर सेक्टर चार में सोमवार दोपहर व्यवसायी के घर में आग लग गई। अग्निकांड के दौरान पहले तल पर उनकी बुजुर्ग पत्नी फंस गई जबकि बेटी किसी तरह से बाहर निकल आयी। धुआं और आग की लपटों के बीच फंसकर व्यवसायी की पत्नी की हालात गंभीर हो गई। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद सीढ़ी लगाकर उन्हें निकाला और अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां, उनकी मौत हो।

विकासनगर सेक्टर चार में रहने वाले व्यवसायी राजकुमार की कई साल पहले मृत्यु हो गई थी। घर पर बुजुर्ग पत्नी शशि और बेटी रिचा रहती है। मंगलवार दोपहर करीब डेढ़ बजे पहले तल पर आग लग गई। दोनों ने मिलकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। आग की लपटें विकराल होती देख मोहल्ले वालों ने भी शोर मचाना शुरू कर दिया। लोगों ने पानी फेंकना शुरू किया और दमकल को सूचना दी। इंदिरानगर, हजरतगंज समेत कई फायर स्टेशनों से दमकल कर्मी पहुंचे।

इस बीच रिचा किसी तरह से बाहर निकल आई पर शशि फंस गईं। दमकल कर्मियों ने पड़ोस के घर से सीढ़ी लगाकर शशि को किसी तरह बाहर निकाला। धुएं और आग की लपटों के कारण शशि की हालत नाजुक हो गई। उन्हें क्षेत्र स्थित अस्पताल ले जाया गया। अग्निकांड के दौरान आस पड़ोस से सटे मकानों से भी लोगों को सुरक्षा की दृष्टि से बाहर निकाल लिया गया। एफएसओ इंदिरा नगर अजय कुमार सिंह ने बताया कि आग काफी हद तक कंट्रोल कर ली गई है। कुछ बची है उस पर काबू पाया जा रहा है। आग के कारणों की पुष्टि नहीं हो सकी है। मामले की जानकारी पर जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि आग लगने के कारणों की जांच की जाएगी। प्रथमदृष्टया आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

पूर्व प्रधान के भाई ने चाकू से महिला की काटी नाक, मौके से हुआ फरार

बरेली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली के भमोरा थाना क्षेत्र के वभियाना गांव में पूर्व प्रधान के भाई ने अमरूद तोड़ने पर एक युवक की पिटाई की। युवक को बचाने के लिए उसकी मां आ गई। इस बीच प्रधान के भाई ने महिला पर भी चाकू से हमला कर दिया। और महिला की नाक कट गई।

महिला ने सोमवार को पुलिस से शिकायत की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पीड़ित महिला का इलाज कराया जा रहा है। भमौरा थाना क्षेत्र के वभियाना गांव निवासी इदरीसन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके पति की दो माह पूर्व मौत हो गई है। वह बच्चों के साथ गांव में ही मेहनत मजदूरी कर अपना परिवार चलाती है। गांव के पूर्व प्रधान रईस अहमद का भाई शान मुहम्मद उसके घर में घुस आया।

पीएम पर औकात वाले बयान से कांग्रेस को होगा घाटा

या राहुल की 'सद्दाम' से तुलना बीजेपी को पहुंचाएगी नुकसान

सूरत, 28 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजों में राजनीतिक दलों की ओर से की जाने वाली आपत्तिजनक बयानबाजी की भी संभावित भूमिका रहेगी. एबीपी न्यूज सी-वोटर सर्वे के नतीजे इस ओर इशारा कर रहे हैं. हाल में कांग्रेस और बीजेपी दोनों दलों की ओर से कुछ कथित आपत्तिजनक टिप्पणियां एक-दूसरे के नेताओं पर की गईं लेकिन बड़ा सवाल है कि नुकसान किस पार्टी को उठाना पड़ेगा? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर 'औकात' वाले बयान से कांग्रेस को घाटा होगा या राहुल गांधी की तुलना 'सद्दाम हुसैन' से करने पर बीजेपी को नुकसान होगा? पीएम मोदी ने तो गुजरात की रैलियों में कांग्रेस के हमले को मुद्दे के रूप में उछाल भी दिया. कथित विवादित बयानों और पीएम मोदी की ओर से मुद्दा बनाए गई 'औकात' वाली कांग्रेस की टिप्पणी को लेकर किए गए सवालों पर जनता ने अपनी राय दर्ज कराई. जनता की राय से कुछ हद तक अंदाजा लगता है कि किस पार्टी को विवादित बयान का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है.

मोदी ने औकात वाले बयान का मुद्दा उछाल दिया है इससे बीजेपी को फायदा होगा?

सर्वे का नतीजा बताता है सबसे ज्यादा 53 फीसदी लोग मानते हैं कि कांग्रेस को उसके नेता मधुसूदन मिस्त्री के पीएम मोदी को लेकर दिए बयान से नुकसान उठाना पड़ेगा क्योंकि इन लोगों ने बीजेपी को फायदा होने की बात कही है. पिछले दिनों एबीपी न्यूज से बातचीत के दौरान मिस्त्री ने कहा था, "मोदी को औकात दिखा देंगे." इस पर पीएम मोदी ने गुजरात की कई जनसभाओं में पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस राज्य के जरूरी मुद्दों से इतर उन्हें औकात दिखाने पर फोकस कर रही है. पीएम ने कहा कि वह एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखते हैं, उनकी पहले से ही कोई औकात नहीं है जबकि कांग्रेस राजपरिवार से है. सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि पीएम की ओर से कांग्रेस के आपत्तिजनक बयान को मुद्दे के रूप में उछाले जाने पर बीजेपी को लोगों की सहानुभूति मिलती दिख रही है.

वहीं, राहुल गांधी को लेकर पिछले दिनों बीजेपी के फायरब्रांड नेता और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कथित विवादित बयान दिया. सरमा ने राहुल के लुक पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस नेता को उनके नाना जवाहर लाल नेहरू जैसा दिखना चाहिए, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जैसा दिखना चाहिए लेकिन वह सद्दाम हुसैन जैसे दिखते हैं. सरमा दरअसल, राहुल की बढ़ी हुई दाढ़ी को लेकर टारगेट कर रहे थे. राहुल गांधी के लुक पर सरमा की टिप्पणी को लेकर सी-वोटर ने जनता की राय जानी तो ज्यादातर लोगों ने वायनाड सांसद से सहानुभूति दिखाई.

राहुल गांधी की तुलना सद्दाम हुसैन से करना सही या गलत?

सर्वे का आंकड़ा बताता है कि सबसे ज्यादा 64 फीसदी लोगों को बीजेपी नेता की बात अच्छी नहीं लगी. देखा जाए तो चुनाव में राजनेताओं और पार्टियों की हर बात मतदाताओं के दिलो-दिमाग पर असर डालती है. अब कथित विवादित बयानबाजी का बीजेपी या कांग्रेस को फायदा होगा या नुकसान, चुनाव के नतीजे इसकी तस्दीक करेंगे. गुजरात में एक और पांच दिसंबर को क्रमशः पहले और दूसरे चरण का मतदान होना है. मतगणना 8 दिसंबर को होगी.

उमा भारती के शराबबंदी अभियान को ऊर्जा मंत्री का समर्थन

कहा- जन आंदोलन में मैं आपके साथ हूं

ग्वालियर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के शराबबंदी अभियान को ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने हाल ही में अपना समर्थन दिया। ऊर्जा मंत्री का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह लोगों से शराबबंदी की अपील करते हुए जन आंदोलन में लोगों का साथ देने की बात कहते दिख रहे हैं। वह लोगों को शराबबंदी के खिलाफ अभियान चलाने का संकल्प भी दिला रहे हैं। वायरल वीडियो झलकारी बाई की जयंती का बताया जा रहा है। ग्वालियर में ऊर्जा मंत्री इस मौके पर लोगों को संबोधित कर रह थे। अपने संबोधन में उन्होंने पहली बार शराबबंदी अभियान का समर्थन किया है। इससे पहले ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने शराबबंदी को लेकर कहा था, कि सरकार कभी भी शराबबंदी नहीं कर सकती है। लोगों को खुद ही शराब छोड़नी होगी। साथ ही लोगों से भी अपील की थी कि इस शराबबंदी को लेकर वह खुद अभियान चलाएं और वह उनके साथ हैं। बता दें, मध्यप्रदेश में शराबबंदी को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती लगातार सरकार के खिलाफ मुखर हैं। यही कारण है कि वह कई बार चेतावनी भी दे चुकी हैं कि मध्यप्रदेश में शराबबंदी होकर रहेगी और वह जल्द ही अभियान शुरू करेंगी।

51 हजार के नकली नोटों सहित तीन युवक गिरफ्तार

सिरसा, 28 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के सिरसा में 400 रुपये के असली नोट लेकर लोगों को हजार रुपये के नकली नोट देने वाले तीन आरोपियों को एंटी नारकोटिक्स सेल टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 51000 हजार रुपये के 255 नोट बरामद किए हैं। शिकायत के आधार पर शहर थाना पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी अनुसार सिरसा एंटी नारकोटिक्स सेल टीम को सूचना मिली थी कि तीन युवक जिनका नाम मुकेश उर्फ मोनू निवासी बालासर रानियां हाल किरायेदार गुरु नानक नगर, गुरमीत सिंह व शंकर लाल निवासी भादड़ा निवासी सिरसा स्कूटी पर सवार होकर ऑटो मार्केट व कीर्तिनगर एरिया में लोगों को 200-200 रुपये के नकली नोट दे रहे हैं। आरोपी 400 रुपये के बदले एक हजार रुपये के नकली नोट दे रहे हैं।

सूचना पाकर पुलिस ऑटो मार्केट क्षेत्र में पहुंची। ऐसे में स्कूटी सवार आरोपियों ने पुलिस की टीम को देखकर मुड़ने का प्रयास किया तो उनकी स्कूटी गिर गई। टीम ने उक्त युवकों से पूछा तो चालक ने अपना नाम मुकेश उर्फ मोनू निवासी बालासर रानियां हाल किरायेदार गुरु नानक नगर बताया। स्कूटी से गिरने के कारण चालक के हाथ की अंगुली में चोट भी आ गई। टीम ने शक के आधार

पर दूसरे युवक से पूछताछ की तो उसने गुरमीत सिंह निवासी भादड़ा सिरसा व तीसरा शंकर लाल भादड़ा सिरसा होने की जानकारी दी। स्कूटी वापस मोड़ने का कारण पूछा तो युवकों ने नकली करंसी होने की जानकादी। टीम ने उक्त युवकों की स्कूटी की जांच की तो स्कूटी की डिग्गी में 255 नकली नोट 200-200 रुपये के पाए गए। नकली नोटों की कुल राशि 51 हजार हुई। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह नकली नोट गुरी वासी पटियाला से लेकर आए थे। वह फोन के माध्यम से उसके साथ संपर्क साधकर बस अड्डे से नकली नोट लेकर आए थे। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं शहर थाना पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एंटी नारकोटिक्स सेल इंचार्ज दाता राम ने शिकायत पर शहर थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

चीनी सेना जो नहीं कर पाई वो नोटबंदी व जीएसटी ने कर दिया: राहुल गांधी

इंदौर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा इन दिनों काफी चर्चा में हैं. जिसकी अगुवाई खुद राहुल गांधी कर रहे हैं. महाराष्ट्र के बाद ये यात्रा अब मध्य प्रदेश में दाखिल हो चुकी है. जहां इस यात्रा का आज छठवां दिन है. भारत जोड़ो यात्रा आज देश के सबसे साफ-सुथरे शहर इंदौर में पहुंची. जो कि बीजेपी का गढ़ है, जहां कांग्रेस 1984 से लोकसभा चुनाव और 1995 से मेयर का चुनाव जीतने में नाकाम रही है. रजवाड़ा पैलेस में राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, 'चीनी सेना भारत का जो नहीं कर पाई, वह नोटबंदी और जीएसटी ने कर दिया.'

राहुल गांधी ने अपने दावे को दोहराया कि सरकार की ये नीतियां विनाशकारी थीं, और छोटे और मध्यम व्यापारियों और किसानों के नकदी प्रवाह में रोड़ बन रही हैं. इसके परिणामस्वरूप देश में नौकरियां खत्म हो गईं. जब तक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों और किसानों को पुनर्जीवित नहीं किया जाता है, तब तक भारत के युवाओं को नौकरी नहीं मिलेगी. अब देखिए क्या हो रहा है, जिनके पास

इंजीनियरिंग और अन्य पेशेवर डिग्री हैं, वे कैब चला रहे हैं या ऑर्डर पर खाना पहुंचा रहे हैं इसके बाद कांग्रेस सांसद ने बीजेपी की फंडिंग पर कटाक्ष करते हुए कहा कि गरीबों की जेब से पैसा तेजी से कम हो रहा है और बीजेपी तक पहुंच रहा है, जो इसे राज्यों में चुनी हुई सरकारों को गिराने के लिए लालची विधायकों की जेब में डाल रही है. उन्होंने कहा, वास्तव में ऐसा ही हुआ था, जब एमपी में (2018 में) आपके द्वारा चुनी गई सरकार को सरकार के लालची विधायकों को करोड़ों रुपये देकर गिरा दिया गया था. अगर वह भ्रष्टाचार नहीं था, तो इसे भ्रष्टाचार क्या कहा जाए? राहुल गांधी ने दावा किया कि मीडिया सार्वजनिक मुद्दों की अनदेखी कर रहा है और इसके बजाय मशहूर हस्तियों पर रिपोर्टिंग कर रहा है. उन्होंने कहा कि पत्रकार ऐसा दबाव में कर रहे हैं और उन्हें उनसे कोई शिकायत नहीं है. सार्वजनिक मुद्दों पर रिपोर्ट करने के बजाय, जैसे बेरोजगारी और किसान संकट या भारत जोड़ो यात्रा की सफलता, मीडिया कर्मियों को यह रिपोर्ट करने के लिए मजबूर किया जाता है कि ऐश्वर्या राय ने कौन सी पोशाक पहनी है, शाहरुख खान क्या कह रहे हैं और एक रोमांचक मैच में विराट कोहली द्वारा सीमाओं को तोड़ा जा रहा है.

लेकिन मुझे प्रेस के लोगों से कोई शिकायत नहीं है, क्योंकि वे ऐसा उन लोगों के दबाव में कर रहे हैं जो पीछे से शासन कर रहे हैं. एक टीवी रिमोट लें और चैनलों के माध्यम से फेरबदल करना शुरू करें, आप जो देखेंगे वह नरेंद्र हैं मोदी, अमित शाह, योगी आदित्यनाथ, शिवराज सिंह चौहान, ऐश्वर्या राय और अजय देवगन. आपको हमारे किसानों के चिंतित चेहरे और उनके छाले वाले हाथ कभी देखने को नहीं मिलेंगे. प्रसिद्ध उर्दू कवि राहत इंदौरी के बेटे सतलज इंदौरी भी यात्रा में शामिल हुए और कहा कि उन्होंने राहुल गांधी को उनके दिवंगत पिता को समर्पित दो पुस्तकें भेंट कीं, जिनमें उनकी आत्मकथा भी शामिल है.

यात्रा, कांग्रेस की एक जन संपर्क पहल, पार्टी द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार, 4 दिसंबर को राजस्थान में प्रवेश करने से पहले 12 दिनों में पश्चिमी मध्य प्रदेश के मालवा-निमाड़ क्षेत्र में 380 किलोमीटर की दूरी तय करेगी. पैदल मार्च 23 नवंबर को पड़ोसी महाराष्ट्र से बुरहानपुर जिले के बोदरली गांव में मध्य प्रदेश में प्रवेश किया. पिछले छह दिनों में यात्रा मध्य प्रदेश में अपनी आधी से ज्यादा यात्रा पूरी कर चुकी है. राहुल गांधी के नेतृत्व में मार्च ने अब तक मध्य प्रदेश में बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन और इंदौर जिलों को कवर किया है.

चिनैनी में खाई में गिरा वाहन, मस्जिद के इमाम सहित चार लोगों की मौत

चिनैनी, 28 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के जिला उधमपुर में खाई में वाहन गिरने से एक परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार को एक कार के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में जा गिरी।। इस हादसे में मस्जिद के इमाम और उसके परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि हादसा उधमपुर जिले के चिनैनी इलाके में प्रेम मंदिर के पास सुबह करीब साढ़े आठ बजे हुआ। कार में सवार परिवार रामबन जिले के गूल के संगलदान गांव से जम्मू जा रहा था। इस दौरान जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क से फिसलकर कार 700 फुट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में जामिया मस्जिद संगलदान के इमाम मुफ्ती अब्दुल हमीद (32) और उनके पिता मुफ्ती जमाल दीन (65) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी मां हाजरा बेगम (60) और भतीजे आदिल गुलजार (16) ने उधमपुर जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया।

सर्दी, खांसी, बुखार से परेशान बच्चों की ओपीडी 30% बढ़ी

भोपाल, 28 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी में बीते एक सप्ताह में अचानक से ओपीडी में बच्चों की संख्या बढ़ गई है। शहर के 2 बड़े सरकारी और 2 बड़े निजी अस्पतालों से मिले डाटा से पता चला कि अस्पतालों में ऐसे बच्चों की संख्या 30 फीसदी तक बढ़ी है। इन बच्चों को बुखार, उल्टी, दस्त, फीवर, सिरदर्द और पेट दर्द की शिकायत है। निमोनिया जैसे लक्षण भी दिखाई दे रहे हैं, लेकिन निमोनिया नहीं है। अच्छी बात यह है कि 90 फीसदी बच्चे ओपीडी से ही ठीक होकर लौट रहे हैं। डॉक्टरों के मुताबिक अचानक ठंड बढ़ने के कारण बच्चे बीमार हो रहे हैं। जितने भी केस आए हैं, उनमें ज्यादातर ऐसे थे जिन्होंने ठंड से बचने की तैयारी नहीं की थी। ऐसे में अचानक आई सर्दी ने चपेट में ले लिया। खास बात ये है कि इन अस्पतालों में दो हफ्ते (12 से 26 नवंबर तक) में बच्चों के साथ बड़ी उम्र के लोग भी वायरल की शिकायत लेकर पहुंचे। जेपी में 19 से 26 नवंबर तक रोज औसतन 45 से अधिक बच्चे ओपीडी में आए। जबकि एक सप्ताह पहले 12 से 18 नवंबर तक यह संख्या 35 थी। इसी तरह जीएमसी के पीडियाट्रिक डिपार्टमेंट में एक हफ्ते पहले तक हर दिन 70 ओपीडी आती थी, लेकिन एक सप्ताह से बढ़कर 90 से अधिक हो गई हैं। हमीदिया- पीडियाट्रिक विशेषज्ञ डॉ. ज्योत्सना श्रीवास्तव ने बताया कि पीडियाट्रिक वार्ड में एक हफ्ते पहले तक औसतन 55 बच्चे ही ओपीडी में आते थे, लेकिन अब हर दिन औसतन 90 बच्चे पहुंच रहे हैं। इनमें बुखार और खांसी की शिकायत ज्यादा है। हालांकि 10 फीसदी को ही एडमिट करने की नौबत आ रही है। जेपी - पीडियाट्रिक एक्सपर्ट डॉ. पीयूष पंचरत्न के मुताबिक ठंड के कारण ही बच्चों में सर्दी, खांसी, बुखार बढ़ गया है। पहले हर दिन 20 से 25 बच्चे ही सर्दी, खांसी के रहते थे। अब हर दिन औसतन 45 बच्चे इस कैटेगरी के हैं। बच्चों को सर्दी, जुकाम है तो मास्क का इस्तेमाल करना चाहिए। यही वायरल फैलने से रोकता है।

पानीपत में युवक का मर्डर:चाकू और लाठी से पीट-पीटकर मार डाला

पानीपत, 28 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में पानीपत जिले के गांव चुलकाना में दो दोस्तों पर गांव के ही दूसरे पक्ष ने ताबड़तोड़ हमला कर दिया। युवकों पर चाकू, लाठी-डंडों समेत अन्य हथियारों से हमला किया गया है। इस दौरान एक युवक को गंभीर चोट आने पर उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसका साथी गंभीर घायल हो गया। जिसे सिविल अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया, लेकिन उसकी हालत ज्यादा गंभीर होते देख परिजन उसे बिशन स्वरुप कॉलोनी स्थित निजी अस्पताल ले गए। जहां वह उपचाराधीन है। अभी परिजनों ने बयान दर्ज नहीं करवाए हैं।

हरियाणा पंचायत चुनाव: खांडा खेड़ी में यूपी से ब्याही बहू की जीत

सोशियोलॉजी और पालिटिकल साइंस में डबल एमए है सुमिता

हिसार, 28 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा प्रदेश में गांव की छोटी सरकार चुन ली गई है. अबकी बार हुए चुनाव में पंजाब व यूपी से आई हुई अनुसूचित जाति की बहुओं को प्रदेश के दो बड़े गांव मिर्चपुर और खांडा खेड़ी की चौधर मिली है. यह गांव अनुसूचित जाति की महिला के लिए आरक्षित किए गए थे. इन दोनों गांव के सामान्य वर्ग के दोनों युवाओं ने अनुसूचित जाति की महिलाओं से शादी की थी और गांव की चौधर अपने घर में ले आए. प्रदेश का राजनीति के लिए विख्यात गांव खांडा खेड़ी काफी मशहूर माना जाता है. इस गांव से पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, पूर्व मंत्री जसवंत सिंह, अमर सिंह धानक विधायक बनकर अपनी छाप छोड़ चुके हैं. खांडा खेड़ी गांव को अबकी बार अनुसूचित जाति की महिला के लिए

आरक्षित किया गया था. गांव में कुल 15 महिला प्रत्याशियों ने अपना भाग्य आजमाया था, लेकिन उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से गांव में आई संदीप की बहू सुमिता ने अपनी प्रतिद्वंदी प्रत्याशी को 2083 वोटों से हराकर एकतरफा जीत हासिल की. सुमिता काफी शिक्षित हैं. उन्होंने सोशियोलॉजी और पालिटिकल साइंस में डबल एमए की है. उनका सपना है कि वह गांव को विकास की बुलंदियों तक लेकर जाए. वर्ष 2010 में जातीय हिंसा के कारण पूरे देश की सुर्खियों में आने वाला गांव मिर्चपुर में भी अबकी बार अनुसूचित जाति की महिला के लिए सरपंच का पद आरक्षित किया गया था. इस गांव में 9 प्रत्याशी महिलाओं ने चुनाव लड़ा था, लेकिन रजनी देवी ने अपने प्रतिद्वंदी प्रत्याशी को 1628 वोटों से हराकर एकतरफा जीत हासिल की. पंजाब के लुधियाना की रहने वाली रजनी की शादी करीब छह साल पहले हिंदी रीति रिवाज के अनुसार सामान्य वर्ग के अशोक के साथ हुई थी. उन्होंने बताया कि गांव की मुख्य समस्या पानी की निकासी है. सबसे पहले इसका समाधान किया जाएगा.

साइबर सुरक्षा नीति

जम्मू-कश्मीर में बनेगा डाटा एक्सचेंज हाईवे, हैकरों से महफूज रहेगी सभी विभागों की जानकारी

जम्मू, 28 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में अब डाटा हैक करना आसान नहीं होगा। प्रदेश सरकार ने साइबर सुरक्षा नीति बनाने के साथ ही यह सुनिश्चित किया है कि किसी भी स्थिति में कोई डाटा हैक न कर पाए। इसके लिए डाटा एक्सचेंज हाईवे बनेगा। इसके जरिये डाटा को सुरक्षित किया जाएगा। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि कोई एक डाटा दूसरी जगह गलत तरीके से इस्तेमाल न कर सके। सरकार से जुड़े उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि नई साइबर नीति में सुरक्षा हाइजीन का खास ख्याल रखा गया है। एक डाटा एक्सचेंज हाईवे बनेगा, जिससे सभी विभाग और इकाइयों को वर्चुअली जोड़ दिया जाएगा। सभी विभागों के पास सर्टिफाइड डाटा होगा जो हाईवे से जुड़ेगा। विभागों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। यदि डाटा हैक हुआ तो संबंधित विभाग जवाबदेह होंगे। उदाहरण के तौर पर यदि किसी व्यक्ति ने राजस्व विभाग में किसी काम के लिए दस्तावेज जमा किए तो उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी उस विभाग की होगी। यह डाटा हाईवे पर चला जाएगा। यदि इसी व्यक्ति को जमा किए दस्तावेज का डाटा दूसरे विभाग को जरूरत पड़ने पर जमा करना होगा तो उसे अलग से दस्तावेज नहीं देना होगा,

काबुल की जेल में बंद है आईएसआईएस में शामिल होने गई निमिषा

मां भारत में चाहती है बेटी पर मुकदमा

तिरुवनंतपुरम, 28 नवंबर (एजेंसियां)। इस्लामिक स्टेट समर्थक होने के कारण निमिषा फिलहाल काबुल की जेल में बंद है लेकिन उसकी मां बिंदू अपने भगवान से पूरी उम्मीद लगाए हुए है कि एक दिन उसकी बेटी जेल से रिहा होकर वापस भारत आएगी। अपनी बेटी के कामों के लिए जिस तरह से उसे निशाना बनाया जा रहा है, उससे वह विशेष रूप से परेशान हैं। बिंदु ने कहा, मैंने कुछ गलत नहीं किया है और अगर मेरी बेटी ने गलत किया है, तो उस पर भारतीय कानून के तहत मुकदमा चलेगा और यह मेरा स्टैंड है।

केरल से लापता थे 19 लोग

संयोग से, केरल सरकार द्वारा 2016 में विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों- आईबी, एनआईए और आरएडब्ल्यू से संपर्क करने के बाद केरलवासियों के आईएस में शामिल होने की खबरें सामने आईं। राज्य से 19 लापता लोगों के बारे में रिपोर्ट की सत्यता के बारे में और कुछ रिश्तेदारों के अनुसार माना जाता है कि वह आईएस में शामिल हो गई थी। इन 19 लोगों में 10 पुरुष, छह महिलाएं और तीन नाबालिग शामिल हैं और इनमें से ज्यादातर कासरगोड के हैं और कुछ पलक्कड़ जिले के हैं और इसमें ईसाई और हिंदू धर्मान्तरित लोग भी हैं। 2016 में बिंदू, जो राज्य की राजधानी में मानाकाडू के पास रहती हैं, ने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से संपर्क किया और लापता बेटी का पता लगाने में मदद मांगी। लेकिन बाद में पता चला कि निमिषा ने अपनी दोस्त ईजा से शादी कर ली है, जो एक ईसाई थी और उसने इस्लाम कबूल कर लिया था। इसके आगे खबर आई कि वह अफगानिस्तान चली गई और मां-बेटी का आखिरी बार संपर्क नवंबर 2019 में हुआ था।

2019 में अफगान अधिकारियों के सामने किया था सरेंडर

चार महिलाएं - सोनिया सेबेस्टियन उर्फ आयशा, मेरिन जैकब उर्फ मेरिन, निमिशा नायर उर्फ फातिमा ईसा, और राफाएला - 2016-18 में खुरासान प्रांत (आईएसकेपी) में इस्लामिक स्टेट के क्षेत्र में रहने के लिए अपने परिवारों के साथ अफगानिस्तान गई थीं। उनके पति अलग-अलग हमलों में मारे गए और महिलाओं ने नवंबर 2019 में अफगान अधिकारियों के सामने सरेंडर कर दिया। और तभी से निमिषा और उसका छोटा बच्चा अब काबुल की एक जेल में बंद है।

भगवान कोई रास्ता निकालेंगे- बिंदू

बिंदू कह रही है कि उनको अभी तक जवाब नहीं मिला है क्योंकि पिछले साल बिंदू के बाद यह मुद्दा फिर से उठा, एक प्रमुख राष्ट्रीय अंग्रेजी दैनिक में छपी एक खबर पर प्रतिक्रिया व्यक्त की कि भारत सरकार के निमिषा सहित चार महिलाओं को देश में वापस लाने की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि वह नहीं जानती कि उन्हें क्यों निशाना बनाया जा रहा है और वह कहती है कि दबाव में आकर उन्होंने दो बार अपनी जान लेने की कोशिश की थी। आगे बिंदू ने कहा, फिर मैं गंभीर अवसाद में आ गई और किसी तरह मैं उससे भी बाहर आई। मैं बार-बार आने वाली सभी चीजों से निपटने की पूरी कोशिश कर रही हूं। मैंने सब कुछ भगवान पर छोड़ दिया है और इसी तरह मैं शांति में रह पा रही हूं, लेकिन कई बार मैं टूट भी जाती हूं। मुझे विश्वास है कि मुझे न्याय मिलेगा क्योंकि भगवान कोई रास्ता निकालेंगे।

मछुआरों के परिवारों को रास नहीं आ रहे चुनावी वादे

बस वापस चाहिए पाक जेल में बंद अपने बेटे

अहमदाबाद, 28 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात में एक और पांच दिसंबर को मतदान होना है। आठ दिसंबर को विधानसभा चुनाव के नतीजे जारी होंगे। ऐसे में जनता का मिजाज अपनी ओर करने के लिए सभी दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है। बड़े-बड़े दावे और वादे किए जा रह हैं, लेकिन गुजरात के तटीय क्षेत्रों में रहने वाले मछुआरों को ये चुनावी मुद्दे रास नहीं आ रहे हैं। इनका कहना है कि हमें न ही किसी भत्ते में दिलचस्पी है और न ही किसी वादे में, हमारा वोट उसी दल को जाएगा जो हमें पाकिस्तान की जेल में बंद हमारे बेटे वापस लाकर देगी। दरअसल, पाकिस्तान की जेलों में सैंकड़ों की संख्या में भारतीय मछुआरे बीते कई सालों से बंद हैं, इनके परिजनों को आस है कि आने वाली सरकार उन्हें वापस लाएगी।

मुझे बस मेरा बेटा चाहिए

मछुआरा अंकित बीते दो साल से पाकिस्तान की जेल में बंद है। उनकी 56 वर्षीय मां अंकिता थापरिया कहती हैं कि मैंने उसे दो साल से नहीं देखा है। मुझे बस मेरा बेटा चाहिए, और कुछ भी नहीं। दरअसल, अवैध रूप से पाकिस्तानी जल क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद अंकित को गिरफ्तार कर लिया गया था।

655 मछुआरों के परिवारों को सरकार से आस

गुजरात के तटीय क्षेत्र- सौराष्ट्र, पोरबंदर, वेराल, द्वारका और मगरोल के करीब 655 मछुआरों के परिवारों की स्थिति अंकित की मां जैसी है। ये सभी मछुआरे पाकिस्तान की जेलों में बंद हैं। इनके परिजनों का कहना है कि वे आगामी चुनावों में उस पार्टी को वोट देंगे, जो उन्हें उनके रिश्तेदारों को वापस लाने का आश्वासन देगी।

सरकार का भत्ता नाकाफी

इन मछुआरों के परिवारों का कहना है कि सरकार की ओर से प्रतिदिन 300 रुपये का छोटा सा भत्ता मिलता है। हालांकि, यह परिवार चलाने के लिए नाकाफी है। अखिल भारतीय मछुआरा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वेलजीभाई मसानी ने बताया, गुजरात सरकार के नियमों के मुताबिक, सरकार केवल उन परिवारों को प्रतिदिन 300 रुपये का भत्ता प्रदान करती है, जिनके लोग पहली बार पाकिस्तानी जल क्षेत्र में गिरफ्तार किए गए हैं। अगर वही व्यक्ति दूसरी बार पकड़ा जाता है तो सरकार कोई भत्ता नहीं देती है। यदि आप पहली बार पाकिस्तानी जल क्षेत्र में प्रवेश करते हैं, तो इसे एक अनपेक्षित गलती माना जाता है। लेकिन अगर आप दूसरी बार पकड़े जाते हैं, तो यह माना जाता है कि आपने यह जानबूझकर किया है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार,29 नवंबर, 2022

दावों के विपरीत

अन्ना आंदोलन के बाद जब आम आदमी पार्टी बनाई गई थी तो उसके वादों वे दावों पर लोगों को भरोसा होता था। इसलिए लोगों ने भी पार्टी को जम कर अपना प्यार लुटाया और वह बंपर मतों से जीती भी। लेकिन समय बीतने के साथ हाल ही में सामने आए उसके भ्रष्टाचार ने लोगों की आंखों के पर्दे हटा दिए हैं। इसके साथ ही लोगों में आदमी पार्टी के साथ पैदा हुई उम्मीद अब धूमिल पडने लगी है। आप की दिल्ली सरकार के स्कूलों के कक्ष निर्माण में घोटाले के आरोप पहले से ही लगते रहे हैं। अब सतर्कता निदेशालय ने भी एक सौ तिरानबे स्कूलों में दो हजार चार सौ पांच कक्षाओं के निर्माण में गंभीर अनियमितता और भ्रष्टाचार के मामले में की रिपोर्ट मुख्य सचिव को सौंपी है। निदेशालय ने तेरह सौ करोड़ रुपए के घोटाले की तरफ इशारा करते हुए विशेष एजेंसी से इसकी जांच कराने की सिफारिश की है। बता दें कि इसी मामले में 17 फरवरी, 2020 को केंद्रीय सतर्कता आयोग ने अपनी जांच रिपोर्ट में कहा था कि स्कूलों में कमरे बनवाने में अनियमितता बरती गई। तब वह रिपोर्ट दिल्ली सरकार के सतर्कता निदेशालय को सौंपने के साथ उससे आयोग ने सरकार की टिप्पणी के साथ जवाब मांगा था। हैरानी की बात है कि आज लगभग ढाई साल बाद भी इस मामले की फाइल दो कदम भी आगे नहीं बढ़ सकी है। करीब तीन महीने पहले एलजी ने मुख्य सचिव से देरी की जांच कर रिपोर्ट सौंपने को कहा था। इसी घटनाक्रम में निदेशालय ने अपनी रिपोर्ट मुख्य सचिव को सौंपी है। अब दिल्ली सरकार हमेशा की तरह इस आरोप को भी फर्जी बता रही है। कहां तो होना यह चाहिए था कि जब पहली बार ऐसे आरोप सामने आए थे, तभी दिल्ली सरकार को इस बारे में अपना रुख बिल्कुल स्पष्ट तरीके से रखना चाहिए था। लेकिन ताज्जुब है कि ईमानदारी की दुहाई देने वाली आप सरकार ढाई साल तक इस पर कोई जवाब तक नहीं दिया। मजेदार है कि एक ओर स्कूलों में भवनों और कक्षाओं के निर्माण को दिल्ली सरकार अपनी सबसे बड़ी उपलब्धियों के तौर पर ढिढ़ोरा पीट रही है तो वहीं सबसे ज्यादा ईमानदार सरकार होने का प्रचार भी भाषणों व विज्ञापनों के जरिए कर रही है। लेकिन सतर्कता आयोग और निदेशालय ने स्कूलों की कक्षाओं के निर्माण के मामले में जो निर्देश दिए हैं वह तो इसके बिलकुल विपरीत है। आखिर कौन नहीं जानता कि आम आदमी पार्टी का उदय भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से हुआ था। अपने राजनीतिक जीवन के शुरुआती दौर में अरविंद केजरीवाल तब की शीला दीक्षित सरकार और अलग-अलग नेताओं पर लगे आरोपों का पुलिंदा लेकर यह भरोसा दिलाते थे कि उनका मकसद भ्रष्टाचार का पूरी तरह खत्म करना है। आंदोलन के बाद राजनीतिक पार्टी आप का गठन और सरकार बनने के बाद जनता के बीच यह उम्मीद पैदा हुई थी कि राजनीतिक दलों और सरकारों पर चारों तरफ लगते भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच एक नया विकल्प है, लेकिन समय बीतने के साथ एक-एक कर कलई खुलती चली गई। शुरुआती सक्रियता और दावों के बाद भी इस मुद्दे के खिलाफ कोई ठोस पहल या अभियान सामने नहीं आया। इसके उलट पिछले कुछ समय में शराब नीति में अनियमितताओं के बाद अब स्कूली कक्षाओं के निर्माण में घोटाले के आरोपों ने पार्टी को ही घेर लिया है। इसने यह साबित किया है कि बडे-बडे दावों के बीच कोई राजनीतिक दल सत्ता में जाने के बाद क्या और कैसे काम करने लगता है। सवाल है कि शुचिता का दावा करने और भ्रष्टाचार के खिलाफ चौकीदारी के तौर पर उभरी आम आदमी पार्टी और उसकी सरकार के कामकाज की पोल आए दिन खुलने लगी है, जिससे लोगों का भरोसा अब डगमगाने लगा है।

भारत का इतिहास कैसे लिखें?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

असम के महान सेनापति ला चि त बरफुकन की 400 वीं जयंति पर बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारतीय इतिहास को फिर से लिखा जाना चाहिए। यही बात कुछ दिनों पहले गृहमंत्री अमित शाह ने भी कही थी।

यह ठीक है कि प्रत्येक इतिहासकार इतिहास की घटनाओं को अपने चश्मे से ही देखता है। इस कारण उसके अपने रुझान, पूर्वाग्रह और विश्लेषण-प्रक्रिया का असर उसके निष्कर्षों पर अवश्य पड़ता है। इसीलिए हम देखते हैं कि एक इतिहासकार अकबर को महान बादशाह बताता है तो दूसरा उसकी ज्यादतियों को रेखांकित करता है।

एक लेखक इंदिरा गांधी को भारत के प्रधानमंत्रियों में सर्वश्रेष्ठ बताता है तो दूसरा उन्हें सबसे अधिक निरंकुश शासक सिद्ध करता है। इस तरह के दोनों पक्षों में कुछ न कुछ सच्चाई और कुछ न कुछ अतिरंजना जरुर होती है। यह पाठक पर निर्भर करता है कि वह उन विवरणों से क्या निष्कर्ष निकालता है। भारत में इतिहास-लेखन पर सोवियत संघ, माओवादी चीन और कास्त्रो के क्यूबा की तरह कभी कोई प्रतिबंध नहीं रहा। यह ठीक है कि मुगल काल और अंग्रेजों के राज में जो इतिहास-लेखन हुआ है, वह ज्यादातर एकपक्षीय हुआ है लेकिन अब बिल्कुल निष्पक्ष लेखन की पूरी छूट है।

हमारे इतिहासकार यदि यह बताएं कि विदेशी हमलावर भारत में क्यों सफल हुए और इस सफलता के बावजूद भारत को वे तुर्की, ईरान व अफगानिस्तान की तरह पूरी तरह क्यों नहीं निगल पाए तो उनका बड़ा योगदान माना जाएगा। यदि सरकारी संस्थाएं इतिहास को अपने ढंग से लिखने का अभियान चला रही हैं तो कई गैर सरकारी संगठन भी इस दिशा में सक्रिय हो गए हैं।

इन दोनों अभियानों का ध्यान भारतीय इतिहास के उन नायकों पर भी जाए, जो लाचित बरफुकन की तरह उपेक्षित रहे हैं तो भारतीय जनता के मनोबल में अपूर्व वृद्धि होगी। जैसे मानगढ़ के भील योद्धा गोविंद गुरु बेंगलुरु के नादप्रभु केंपेगौडा, आंध्र के अल्लूरी सीताराम राजू, बहराइच के महाराजा सुहेलदेव, रांची के योद्धा बिरसा मुंडा, मध्य प्रदेश के टंट्या भील और 1857 के अनेक वीर शहीदों का स्मरण किया जाए तो भारतीय इतिहास के कई नए आयाम खुलेंगे। इसी तरह संपूर्ण दक्षिण, मध्य और आग्नेय एशिया में भारत के साधु-संतों, विद्वानों, वैद्यों और व्यापारियों ने जो अद्भुत छाप छोड़ी है, उस पर भी अभी बहुत काम बाकी है।

वह वर्तमान खंडित भारत का नहीं, संपूर्ण आर्यावर्त का इतिहास होगा। इसी प्रकार अंग्रेजी-शासन के विरुद्ध भारत के क्रांतिकारियों ने भारत में रहकर और विदेशों में जाकर जो अत्यंत साहसिक कार्य किए हैं, उन पर भी अभी काम होना बाकी है। प्राचीन भारत का प्रभाव पूरे एशिया और यूरोप में कैसा रहा है और हमारी विद्याओं का विश्व के विकास में क्या योगदान रहा है, इसे भी अभी तक ठीक से रेखांकित नहीं किया गया है। इसे सभी रंगों के इतिहासकारों को मिलकर काम करना होगा।

क्यों सुसाइड कर रहे हैं उच्च शिक्षा ले रहे छात्र?

मनोज अग्रवाल

आए दिन डाक्टरी इंजीनियरिंग व अन्य उच्च शिक्षा ले रहे छात्र छात्राओं द्वारा आत्महत्या करने के मामले सामने आ रहे हैं। पिछले एक महीने के अंदर ही दस से अधिक छात्र छात्राओं ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित शैक्षिक संस्थानों के हास्टलों के कमरों में जिंदगी से असमय अलविदा कर दी है।

हायर एजुकेशन ले रहे छात्रों में जीवन के प्रति बढ़ रही हताशा बेहद चिंता का विषय है। सबसे ताजा घटना 26 नवंबर को यूपी के हापुड़ जनपद के एक मेडिकल कॉलेज में पढ़ रही एमबीबीएस की छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने शव को कमरें में फंदें लटका पाया। शव को उतार पुलिस ने जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार कानपुर निवासी शैलजा सिंघल पिलखुवा स्थित जीएस मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। वह कॉलेज परिसर में बनें हॉस्टल में रहती थी।शनिवार सुबह जब उसकी रूममेट अपनें कमरें में पहुंची, तो उसनें देखा कि कमरें का दरवाजा बंद था। दरवाजा ना खुलनें पर छात्रा ने कैंपस अधिकारियों को सूचना दी।सूचना मिलते ही अधिकारी कमरें में पहुंचे और छानबीन की। कमरें में लगी खिड़की से झांक कर देखा तो शैलजा का शव पंखे से लटका हुआ था।छात्रा की मौत से कॉलेज प्रशासन में हड़कंप मच गया। आनन फानन में पुलिस को सूचित किया गया। सीओ वरूण मिश्रा ने बताया कि पुलिस घटना की जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज व सहपाठियों से पूछताछ के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। यह इकलौती घटना नहीं है इस से पहले भी पिलखुवा थाना क्षेत्र में ही स्थित सरस्वती मेडिकल कॉलेज में एक एमडी की छात्रा ने सुसाइड कर लिया था।

आए दिन हायर एजुकेशन ले रहे छात्र छात्राओं द्वारा छोटी छोटी बातों पर जिंदगी से हताश होकर मौत को गले लगाने की घटनाए सामने आ रही हैं। यह सही है कि जिंदगी में तमाम तरह की मुश्किलात परेशानियां और संघर्ष बढ़रहा है हमारी मौजूदा शिक्षा प्रणाली की यह एक बड़ी खामी है कि बच्चों को जिंदगी की प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने संघर्षों का मुकाबला करने चुनौतियां से जूझने के लिए तैयार नहीं किया जा रहा सिर्फ सिलेबस पर ध्यान केंद्रित कर मोटी मोटी कोर्स बुक्स के हवाले छात्रों की जिंदगी को भारी तनाव भरे माहौल में धकेल दिया जाता है तमाम छात्र छात्रा पूरे साल इन मोटी मोटी किताबों की पढ़ाई करने टीचर द्वारा लगातार पढाई का दबाव बनाने और एग्जाम का भारी भरकम दबाव छात्र-छात्राओं की जिंदगी को तनाव पूर्ण बना कर ऐसा माहौल क्रिएट कर रहा है जिसे इस परिस्थिति को भोग रहा छात्र ही शिद्दत से समझ सकता है दूसरों के लिए यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल है। तमाम मेडिकल कॉलेज भारी-भरकम फीस लेकर छात्र छात्राओं को बेहद तनाव भरा माहौल परोस रहे हैं 12 से 15 लाख रुपए सालाना की भारी भरकम फीस वसूलने के बावजूद अधिकांश निजी मेडिकल कॉलेजों में बच्चों के मनोरंजन खेलकूद व्यायाम तथा स्वस्थ माहौल क्रिएट करने के लिए कोई भी व्यावहारिक योजना नहीं है इन कॉलेजों में जिम है खेल के मैदान हैं लेकिन छात्र-छात्राओं के बीच इन उपलब्ध साधनों के इस्तेमाल के लिए माहौल बनाने का कोई प्रयास नहीं होता है। ज्यादातर छात्र छात्रा पढ़ाई भारी भरकम सिलेबस और एग्जाम के बोझ से दबे होते हैं जिस कारण वह रात को 3:00 बजे तक पढ़ाई करते हैं और सुबह 8:00 बजे उठकर दोबारा अपनी क्लास अटेंड करने के लिए मजबूर होते हैं ऐसे बेहद उबाऊ और मशीनी जिंदगी वाले वातावरण में छात्रों में एक अजीब तरह का डिप्रेशन पैदा कर रहे है इस डिप्रेशन से निपटने के लिए घर से सैकड़ों किलोमीटर दूर कॉलेज के हॉस्टल में रह रहे छात्र-छात्राओं के पास कोई उपाय नहीं होता है कई बार अंतर्मुखी छात्र अपनी परेशानियों को अपने सहपाठियों अथवा संपर्क वाले अध्यापकों के साथ भी शेयर नहीं कर पाते है और अंदर ही अंदर एक बेहद तनाव भरी भरी जिंदगी जीते हुए जिंदगी से हताश हो कर आत्महत्या का रास्ता चुन लेते हैं यह हालात निश्चित तौर पर बेहद चिंताजनक है आखिर क्या वजह है कि मेडिकल जैसी सबसे खर्चीली व महत्वपूर्ण पढ़ाई कर रहे छात्र छात्रा जिन्हें आने वाले कल में दूसरों की जिंदगी बचाने दूसरों को सुसाइड करने से रोकना दूसरों का इलाज करना खुद ही सुसाइड करने के लिए मजबूर हो रहे हैं? जाहिर सी बात है कि इन छात्र-छात्राओं को जिस तरह का माहौल मेडिकल कॉलेज के हास्टल में दिया जाना चाहिए था वह बिल्कुल नहीं मिल रहा है।

मेडिकल कॉलेज सिर्फ काले धन से बने हुए हवामहल बन गए हैं जिन्हें फर्जी रूप से गठित ट्रस्ट के द्वारा संचालित कर अवैध धन बटोरने का व्यवसाय चलाया जा रहा है। लगभग सभी मेडिकल कॉलेज पूंजीपतियों द्वारा अपने परिवार व रिश्तेदारों का एक ट्रस्ट गठित कर उसके द्वारा संचालित दिखाया जाता है नियमानुसार ट्रस्ट का काम सेवा करना है लेकिन यह सारी ट्रस्ट फर्जी तौर पर गठित की जाते हैं और ट्रस्ट की आड़ में अपना व्यवसाय चलाते हैं अब तो यह व्यवसायीकरण इतना हावी हो चुका है कि इन्हें छात्र-छात्राओं के जीवन से भी कुछ लेना- देना नहीं रह गया है इनको सिर्फ मोटी रकम फीस बतौर वसूल कर व्यवसाय चलाना है बेशक बच्चों की जान चली जाए आपको याद होगा मुरादाबाद स्थित टीएमयू मेडिकल कॉलेज में भी संदिग्ध परिस्थितियों में छात्रा की मौत का मामला सामने आ चुका है इस तरह के हालात बेहद चिंताजनक और उन परिस्थितियों को बता रहे हैं जिनमें मेडिकल अथवा इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र छात्रा अपने कैरियर की तैयारी के लिए जिंदगी के सबसे महत्वपूर्ण समय को लगाकर डिप्रेशन के दौर को झेलने के लिए विवश है हमारा मानना है कि सरकार को तमाम मेडिकल कॉलेज इंजीनियरिंग कॉलेजों और अन्य शैक्षिक संस्थानों के छात्रों की दिनचर्या की समीक्षा करनी चाहिए इन तमाम संस्थानों में पढ़ रहे छात्र छात्राओं के मानसिक उन्नयन के लिए योगा क्लासेस अनिवार्य करनी चाहिए सुबह सूर्योदय के साथ छात्र छात्राओं के खेल व्यायाम एवं योगा क्लास को अनिवार्य कर छात्रों को डॉक्टर या इंजीनियर बनाने से पहले एक बेहतर इंसान बनाने की पहल किया जाना बहुत जरूरी है। बिल्कुल मशीनी इंसान बनाने मैं लगे मेडिकल कॉलेज अथवा इंजीनियरिंग कॉलेज अथवा अन्य उच्च शिक्षा संस्थान राष्ट्र के लिए बेहतर नागरिक कतई तैयार नहीं कर सकते हैं सबसे पहले बच्चों को किसी भी परिस्थिति से जूझने किसी भी चुनौती का मुकाबला करने के लिए आत्मबल को विकसित कर इंसान बनाने की जरूरत है इसके बाद ही कोई छात्र- छात्रा डॉक्टर वकील इंजीनियर प्रोफेसर आईएएस पीसीएस जज अथवा अन्य किसी उच्च पद पर आसीन होकर समाज के समक्ष बेहतर व्यवहार या अपने पद की गरिमा के अनुरूप अपने दायित्वों का निर्वाह कर सकता है। इसके बिना सिर्फ शैक्षिक ज्ञान की बदौलत किताबी कीड़ा बनकर किसी भी उच्च पद पर तैनात होकर वह अपने अधीनस्थों अथवा अपने पास आने वाले नागरिकों के साथ बेहतर व्यवहार नहीं करेगा। सबसे पहली जरूरत मानवीय गुणों के विकास व अंदर के आत्मबल को मनोबल को जगाने की है जिसकी ओर आज के शैक्षिक संस्थानों का बिल्कुल भी ध्यान नहीं है। सिर्फ कागजों पर खेल योगा मैडिटेशन व अन्य एक्टिविटीज की खानापूरी की जा रही है यही वजह है कि छात्र छात्राओं को एक उन्मुक्त वैचारिक स्वस्थ माहौल देने में हमारे शैक्षिक संस्थान नाकाम साबित हो रहे जब तक ऐसे हालात बने रहेंगे तब तक छात्र छात्रा अपनी जिंदगी से हार मान कर मौत को गले लगाते रहेंगे केंद्र सरकार को तत्काल देश के सभी कॉलेजों संस्थानों की समीक्षा कर बच्चों के लिए बेहतर माहौल पैदा करने की पहल करनी चाहिए जिससे देश के तमाम बड़े छोटे उच्च शिक्षा संस्थानों में मानवीय मूल्यों से समृद्ध योग्य व हर तरह की मुसीबतों का सामना करने वाले युवा नागरिकों का निर्माण किया जा सके और युवाओं में जीवन से पलायन करने की प्रवृत्ति से निजात मिले।

टीएन शेषन जैसा मुख्य चुनाव आयुक्त क्यों चाहिए?

सुप्रीम कोर्ट में चल रही एक याचिका पर बहस इन दिनों सबसे गर्म है। बहस ये है कि मुख्य चुनाव आयुक्त के पद पर दिवंगत टीएन शेषन जैसा कोई व्यक्ति नियुक्त हो। जो इमानदार होने के साथ ही निर्णय लेने की क्षमता में भी उनके जैसा ही दबंग छवि की हो। इसके लिए सबसे बड़ी ज़रूरत है चुनाव आयोग में नियुक्ति के लिए एक स्वतंत्र कॉलेजियम बनाने की। बहरहाल इस पद को लेकर विवाद तब से ज्यादा बढ़ गया है जब से ये नियुक्तियाँ मंत्रिमंडल की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा ली जाने लगी हैं। कह सकते हैं कि अब तक चुनाव आयोग में सरकार ही अपनी मर्ज़ी के लोगों का चयन करती रही है। आखिर कौन नहीं जानता है कि 1990 से 1996 तक जब टीएन शेषन चुनाव आयोग के प्रमुख रहे, तभी ज़्यादातर लोगों को पता चला था कि चुनाव आयोग नाम की ऐसी कोई ताकतवर संस्था भी है जो न सरकार से डरती है, न किसी और का दबाव झेल पाती है। चुनाव आयोग वही करता है जो संविधान के अनुरूप सही होता है। टीएन शेषन के बाद केंद्रीय चुनाव आयोग (केंचुआ) में अधिकांश ऐसे आयुक्त आए जिन्होंने उम्मीद के अनुसार अपना योगदान नहीं दिया। नतीजतन आज चुनाव आयोग की गरिमा को इतनी ठेस पहुंची है कि उसे अदालत के दरवाजे तक घसीटा जा रहा है। हालांकि टीएन शेषन जैसे कृतित्व व व्यक्तित्व के आगे तो आने वाली सरकारों ने भी तौबा कर ली। एक शेषन ही तो थे जिन्होंने सरकारों, पार्टियों और उनके प्रत्याशियों पर अच्छी तरह नकेल कसी थी। प्रत्याशियों की हालत तो ये कर दी थी कि चुनाव आयोग का नाम सुनकर ही काँपने लगते थे। चुनाव खर्च हो, जातीय या धार्मिक उल्लेख वाले भाषण और ऐसी तमाम बातों पर प्रतिबंध लगा दिया था जो चुनाव को किसी भी तरह उग्रता की तरफ़ ले जाती हों या जिनसे स्वच्छ, पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव किसी भी रूप में प्रभावित होता हो। हालात यहां तक पहुंच गए थे कि चुनाव के समय शेषन का नाम सुनते ही नेताओं को पसीने छूट जाते थे। शेषन के पहले और बाद में तो चुनाव का समय, वोटिंग की तारीख़ें और कई चीजें सरकारों के हिसाब से निर्धारित होने लगीं और ऐसा करके चुनाव आयोग भी बड़े गर्व की अनुभूति करने लगा। यही सब मनमर्ज़ी बंद करने के लिए देश में टीएन शेषन जैसे मुख्य चुनाव आयुक्त की ज़रूरत महसूस की जा रही है। हालाँकि केंद्र सरकार फ़िलहाल सुप्रीम कोर्ट को इस बारे में स्पष्ट जवाब नहीं दिया है। अटार्नी जनरल का कहना है कि सरकार को निष्पक्ष चुनाव आयुक्त की नियुक्ति से कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन स्वतंत्र कॉलेजियम गठित करने या बनाने के बारे में उनका जवाब स्पष्ट नहीं है। ज़ाहिर है- कोई सरकार नहीं चाहती कि चुनाव आयोग में उसके परोक्ष हस्तक्षेप को भी बंद कर दिया जाए। आख़िर प्रभुत्व का सवाल है और चुनाव पर ही तमाम सत्ताएँ टिकी होती हैं। शेषन जैसे व्यक्ति को नियुक्त करके कोई राजनीतिक पार्टी या कोई सरकार क्यों आफ़त मोल लेना चाहेगी भला! ख़ैर, माथापच्ची जारी है। अगर कॉलेजियम बनता है तो उम्मीद की जा सकती है कि पारदर्शिता के नए आयाम खड़े करने में चुनाव आयोग बहुत हद तक सफल हो पाएगा।लेकिन अब कोई चुनाव आयुक्त भी टीएन शेषन जैसा बनने की हिम्मत दिखा सकेगा इसमें संदेह है, क्योंकि शेषन ने तो किसी को भी नहीं बख्शा था। इसलिए जितने उनके चाहने वाले थे उससे ज्यादा उनसे घबराने वाले थे। अंततः वे अंत में कांग्रेस के टिकट पर लखनऊ से चुनाव भी लडे लेकिन बुरी तरह पराजित भी हो गए थे। इसके बाद रिटायरमेंट के बाद पति-पत्नी अपने गृह राज्य के एक वृद्धाश्रम में ही अंतिम समय गुजारे थे।

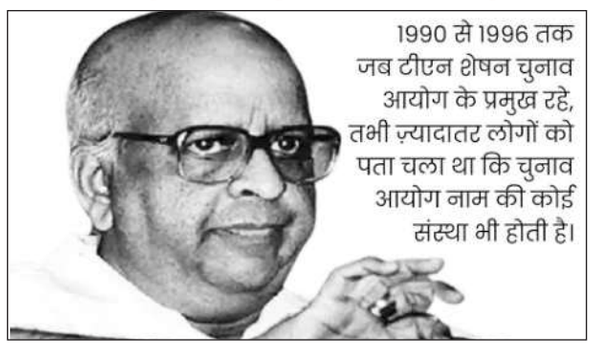

1990 से 1996 तक जब टीएन शेषन चुनाव आयोग के प्रमुख रहे, तभी ज़्यादातर लोगों को पता चला था कि चुनाव आयोग नाम की कोई संस्था भी होती है।

चुनाव आयुक्त की नियुक्ति और कार्यकाल

- हाल ही में राष्ट्रपति ने राजीव कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त (25वां CEC) नियुक्त किया।
- राष्ट्रपति मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) और अन्य चुनाव आयुक्तों (EC) की नियुक्ति करता है।
- इनका कार्यकाल छह वर्ष या 65 वर्ष की उम्र (जो भी पहले हो) तक होता है।
- इन्हें सुप्रीम कोर्ट के जज की तरह का माना जाता है और समान वेतन एवं भत्ते मिलते हैं।
- संविधान में चनाव आयोग के सदस्यों की योग्यता तय नहीं की है।
- रिटायर्ड चुनाव आयुक्तों को सरकार द्वारा किसी और नियुक्ति से वंचित नहीं किया है।

‘ल’ से लड़का, ‘ल’ से लड़की

डॉ. सुरेश कुमार

मेरे पूछने से पहले ही पत्नी बोल उठी – अजी सुनते हो! क्या इस बार आप लड़कियों पर हो रहे अत्याचार के बारे में लिखोगे? घर में रहना है तो पत्नी का कहा मानना भी जरूरी है। पहले तो मजबूरी में सिर हिलाया। किंतु थोड़ी देर बाद मैं खुद पर शर्मिंदा होने लगा। पारंपरिक तौर पर स्त्रियों को देवी बताते हुए वेदों-पुराणों में उनके महिमामंडन करने का आदी हो चुका मैं, आज पुनर्परिभाषित होने जा रहा था। पत्नी ने कहा – किसी को औरत की आँखें पसंद आती हैं तो किसी को बदन। किसी को होंठ पसंद आता है तो किसी को कुछ। कोई उसे आँखो से मापना शुरु कर देता है तो कोई बातों से ही उसका बलात्कार कर देता है। वह जानता है कि हमें यह सब पसंद नहीं। किंतु वह अपनी पसंद को जबरन हमारी पसंद बताने के लिए दुनियाभर की चालाकी दिखाता है। मानो उसकी सारी चालाकी की परीक्षा यहीं होने वाली है। बर्तन घिस गए हैं। गिलास पुराने पड़ते जा रहे हैं। रसोईघर थकता जा रहा है। किंतु वहशियों की जिस्मानी इच्छाएँ, काम वांछनाएँ अडम स्मिथ की तरह अनंत हैं। ये न तो थमती हैं, न थकती हैं और न शर्माती हैं। बेहयाओं की बानगी सी हमारे पीछे पड़ी रहती हैं। उनके चेहरे के गंदे-गंदे हाव-भाव वाले संविधान में हमारे लिए यूज एंड थ्रो के काले कानून दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं। विरोध करने पर काल की गोद में फेंक रहे हैं। उनके अहंकार का परचम हमारे अबलापन की जमीन पर लहराने का प्रयास करता रहता है। फैसले देने वाले मुँह लड़खड़ा रहे हैं। कानून षड़यंत्र की वर्गपहेली में फंसकर रह गयी हैं। अब तक न्याय देवता आँखों पर पट्टी बाँधे रहती थी। अब वह कानों और मुँह पर पट्टी बाँधे नजर आती है। छोटे से घाव नासूर होने लगे हैं। हृदय में घृणा के तूफान उफनने लगे हैं। चूल्हे पर चढ़ी चाय और कॉफी विद्रोह करने के लिए कह रही हैं। नमक-मिर्ची अंधे कानूनों से दो-दो हाथ करने पर आमदा हो रहे हैं। अब रसोईघर रसोई से ऊब चुके हैं। अब वह विद्रोहघर बनने के लिए मचल रहे हैं। लड़की होकर लड़के जैसे दिखने की घड़ी बहुत जल्द आ रही है। मैं पत्नी की बातों को शब्दों में बांधने के सिवाय और क्या कर सकता हूँ? बातें शब्दों की कथनी में नहीं करनी में बदलना चाहती हैं और वहशी अब भी उसे रसोईघर, आंगन, घर के कामकाज में व्यस्त देखना चाहते हैं। यदि वे बाहर आना भी चाहती हैं तो शोषक चंगुल खेतों, सड़कों और वहशी आँखों की पहुँच वाले स्थल तक उन्हें शोषित करने की पूरे फिराक़ में रहती हैं।

सफलता और प्रगति का मूल संकल्प शक्ति, संघर्ष और श्रम की सार्थकता

संजीव ठाकुर

जिंदगी का मूल ही निरंतर संघर्ष श्रम संकल्प और प्रगति है। सकारात्मक उद्देश्य को लेकर किया गया श्रम सदैव श्रेष्ठ परिणाम देता है। श्रम और संघर्ष का कोई विकल्प ही नहीं है। जीवन है चलने का नाम,गति का नाम ही जीवन है। सभी समाज एवं राष्ट्र की संस्कृतियों ने यह माना है कि मनुष्य और जानवरों के बीच विभेद करने वाला प्रमुख कारक मस्तिष्क है, और मस्तिष्क ही मनुष्य को सृजनात्मक शक्ति प्रदान करता है। मनुष्य के रचनात्मक विचार नयापन लाते हैं उसे पूर्व काल से पृथक करते हुए प्रगति के पथ प्रदर्शक बनते हैं। इसे ही नवप्रवर्तन माना जाता है। नावप्रवर्तन और कुछ नहीं बल्कि समाज की परंपरागत और प्रगतिशील मानसिकता के बीच एक बड़ी लाइन खींचना है। इसीलिए यह माना जाता है कि नवप्रवर्तन समाज मैं 3% नवाचार का निर्धारित है, शेष 97 प्रतिशत परंपरावादी विचारों के लिए है। पुराने समय से ही आर्थिक समृद्धि में नवप्रवर्तन की भूमिका को स्वीकार किया गया है चाहे वह मनुष्य के खाद्य संग्राहक से खाद्य उत्पादक में परिवर्तन हो या फिर 18वीं सदी में यूरोप की वाणिज्य क्रांति का औद्योगिक क्रांति में बदलना इन सभी में नवप्रवर्तन ने प्रेरक का काम किया है। हम चौथी क्रांति की तरफ बढ़ रहे हैं, इसलिए कहा जाता है कि विचारों को कभी सुसुप्त होने या मरने ना दिया जाए।

हो सकता है आपके विचार करोड़ों डॉलर के हो । वर्तमान अर्थव्यवस्था में समृद्धि के इंजन माने जाने वाले सनराइज उद्योग, सॉफ्टवेयर, खाद्य संस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक के विकास के पीछे भी नवप्रवर्तन का हाथ है। इसी के आधार पर नगरों को स्मार्ट नगरों में बदला जा रहा है। नवप्रवर्तन या नवाचार से मैं सिर्फ मानव जीवन की परेशानियों को न्यूनतम किया है, बल्कि मानव जीवन को आसान और सुखमय भी बनाया जा रहा है।

नवप्रवर्तन और मस्तिष्क की खोज के कारण ही जापान में 6.5 रेक्टर का भूकंप सामान्य माना जाता है,जबकि भारत में यह तबाही ला सकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पेनिसिलिन जैसी प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) के अविष्कार ने रोगों की संभावना को कम कर दिया एवं स्वास्थ्य प्रणाली के भावी विकास को एक गति प्रदान की है। जेनेरिक औषधि, रोबोटिक सर्जरी, जीन एडिटिंग जैसी प्रक्रिया स्वास्थ्य सुधार हेतु एक मजबूत आधार मानी जाती है। सामाजिक विकास आर्थिक समन्वयक और न्याय प्रणाली में पारदर्शिता लाने का प्रयास नवप्रवर्तन के योगदान से ही आया है।

सोशल मीडिया जैसे नवीन प्लेटफार्म ने व्यक्ति की अभिव्यक्ति के अधिकार को स्वतंत्र किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रामीण से आधुनिक रूपांतरण में कृषी क्षेत्र से भारी उद्योगों पर बल देने में किसानों के देश को सॉफ्टवेयर उद्योग का सिरमौर बनाने में नवप्रवर्तन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारतीय कृषि में भी आधुनिकीकरण और पाश्चात्य उपकरण का प्रादुर्भाव भी नवीन नवाचार के कारण संभव हुआ है। भारतीय राज्य को लोक कल्याणकारी राज्य से लोगों के सशक्तिकरण करने वाले राज्य में बदलने की नवप्रवर्तन की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। इसके कारण भार मानी जाने वाली महिलाएं अब भार ढोने वाली की भूमिका में आ चुकी हैं।

इसी तरह न्यायिक क्षेत्र में जनहित याचिका की अवधारणा ने न्याय की अवधारणा को सर्वांगीण बनाने में सहायता प्रदान की है। यह अलग बात है कि केवल नवप्रवर्तन को ही एकमात्र निर्धारक कारक के रूप में नहीं माना जा सकता क्योंकि नवीन विचारों को स्वीकार करना और आगे बढ़ना बहुत हद तक समाज पर निर्भर करता है।

पश्चिमी देशों में नवीन विचारों को जगह देने के कारण वहां पुनर्जागरण आया है। हमें समाज को नव परिवर्तन की तरफ जागरूक करने की आवश्यकता होगी और नवप्रवर्तन में ज्यादा से ज्यादा आर्थिक मदद देकर उस और और ज्यादा विचार-विमर्श कर नीति बनाने की आवश्यकता होगी। इस तरह हमें महात्मा बुद्ध के कथन अनुसार अपने या दूसरों के विचारों नवप्रवर्तनों को तर्क बुद्धि पर देखे जाने की जरूरत है, और फिर आगे बढ़ने का प्रयास किया जाना चाहिए।

थाली में 3 रोटी रखना होता है अशुभ, घर में आती है दरिद्रता

शास्त्रों में खाना परोसने के नियम बताए गए हैं।

थाली में 3 रोटी मृतक का भोजन माना जाता है।

हाथ से रोटी लाकर देना अशुभ माना जाता है।

वास्तु शास्त्र प्राचीन समय से ही हमारे जीवन का हिस्सा रहा है, इसलिए तो बड़े-बुजुर्ग हमेशा शुभ व अशुभ देखकर ही कोई काम प्रारंभ करते हैं। हमारे घर की सबसे मुख्य जगह रसोई घर होती है, इसलिए रसोई घर का वास्तु एकदम सही होना चाहिए। वास्तु शास्त्र में ना सिर्फ रसोई घर के वास्तु नियम बताए गए हैं, बल्कि खाना परोसने से लेकर खाने तक के नियम भी निर्धारित हैं। खाना परोसते समय भी वास्तु नियमों का ध्यान रखना चाहिए अन्यथा घर में दरिद्रता व आर्थिक संकट छा सकता है। आइए जानते हैं, वास्तु शास्त्र में दर्ज खाना परोसने के नियमों के बारे में यहां।

तीन रोटी रखना होता है अशुभ

हिंदू धर्म में किसी भी मांगलिक या धार्मिक कार्य के हिसाब से 3 अंक को शुभ नहीं माना जाता है, इसलिए खाने की थाली में 3 रोटी रखना भी अशुभ होता है। थाली में एक साथ 3 रोटी रखने से घर में दरिद्रता आती है। मान्यता है कि थाली में 3 रोटी मृतक का भोजन होता है, इसलिए किसी को भी खाना परोसते समय थाली में दो रोटी रखनी चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

वास्तु नियमों के अनुसार, इस बात का ध्यान रखें कि रोटी हमेशा थाली या प्लेट में ही लेकर जाएं। हाथ में लेकर रोटी परोसना शुभ नहीं माना जाता है। इससे मां अन्नपूर्णा नाराज होती हैं और घर से सुख-समृद्धि जा सकती है। किसी को भी खाना परोसते समय रोटी प्लेट में ही लेकर आएं। इसी तरह बासी आटे की रोटी बनाना भी शास्त्रों में अशुभ माना जाता है। कुछ लोग बचे हुए आटे को बाद में उपयोग करते हैं, जो उचित नहीं है। इससे घर में नेगेटिव एनर्जी आती है। वास्तु नियमों के हिसाब से हमेशा ताजा आटा लगाकर ही रोटी बनाएं। इससे मां अन्नपूर्णा प्रसन्न रहती हैं और उनकी कृपा से अन्न व धन की कमी नहीं होती है।

पहन रहें हैं गले में रुद्राक्ष तो ना करें ये गलती

हो सकता है भारी नुकसान

हिंदू धर्म में मान्यता है कि देवों के देव महादेव को रुद्राक्ष प्रिय है। इसी कारणवश वे अपने शरीर पर इसे धारण भी करते हैं। महादेव की कृपा पाने के लिए जो भी उन्हें रुद्राक्ष अर्पित करता है उनके हर काम सफल होते हैं। माना जाता है कि रुद्राक्ष धारण करने से व्यक्ति को रक्तचाप, हृदय रोग से जुड़ी बीमारियां आसानी से नहीं जकड़ती। रुद्राक्ष अलग-अलग आकार और धारियों के होते हैं जिनकी अलौकिकता भी अगल होती है। क्योंकि रुद्राक्ष को बेहद ही पवित्र और शुभ माना है इसलिए इसे धारण करने के भी कुछ विशेष नियम हैं। यदि आप इसका पालन नहीं करेंगे तो इसके परिणाम आपका भारी नुकसान कर सकते हैं।

सोने से पहले उतार दें रुद्राक्ष ज्योतिष शास्त्र के अनुसार रुद्राक्ष को सोने से पहले उतार देना चाहिए। माना जाता है कि रुद्राक्ष धारण करके सोने पर वह अशुद्ध हो जाता है। इसको अगर दूसके तौर पर देखा जाए तो सोते वक्त रुद्राक्ष टूटने का डर भी रहता है, इसलिए सोने से पहले इसको उतारने का विधान है। सुबह स्नान करने के बाद ही इसको दुबारा धारण करना चाहिए।

रुद्राक्ष पहनने वालें ना करें मांस-मदिरा का सेवन

क्योंकि रुद्राक्ष को बेहद पवित्र माना जाता है इसलिए मांस-मदिरा का सेवन करते समय इसे नहीं पहनना चाहिए। मान्यता है कि रुद्राश भगवान शिव का प्रसाद होता है इसलिए इसकी पवित्रता खंडित करना व्यक्ति को विपरीत परिणाम दे सकता है।

बच्चे के जन्म पर न पहनें रुद्राक्ष

हिंदू धर्म में मान्यता है कि किसी भा नवजात के जन्म के बाद सूतक लग जाता है, जिससे कुछ दिनों तक चीजें अपवित्र रहती हैं। ऐसें में बच्चे के जन्म के बाद मां और बच्चे को रुद्राक्ष पहनने से बचना चाहिए।

राशि के अनुसार पहने रुद्राक्ष

ज्योतिष के अनुसार सुख-समृद्धि और सौभाग्य की कामना को पूरा करने के लिए हमेशा अपनी राशि के अनुसार ही रुद्राक्ष धारण करना चाहिए।

12 राशियों के लिए कौन सा रुद्राक्ष मंगलकारी है

मेष राशि – एक मुखी, तीन मुखी या फिर पांच मुखी रुद्राक्ष

वृष राशि – चार मुखी, छह मुखी या फिर चौदह मुखी रुद्राक्ष

मिथुन राशि – चार मुखी, पांच मुखी और तेरह मुखी रुद्राक्ष

कर्क राशि – तीन मुखी, पांच मुखी या फिर गौरी-शंकर रुद्राक्ष

सिंह राशि – एक मुखी, तीन किया मुखी और पांच मुखी रुद्राक्ष

कन्या राशि – चार मुखी, पांच मुखी और तेरह मुखी

तुला राशि – चार मुखी, छह मुखी या फिर चौदह मुखी रुद्राक्ष

वृश्चिक राशि – तीन मुखी, पांच मुखी या फिर गौरी-शंकर रुद्राक्ष

धनु राशि – एक मुखी, तीन मुखी या पांच मुखी रुद्राक्ष

मकर राशि – चार मुखी, छह मुखी अथवा चौदह मुखी रुद्राक्ष

कुंभ राशि – चार मुखी, छह मुखी या फिर चौदह मुखी रुद्राक्ष

मीन राशि – तीन मुखी, पांच मुखी या फिर गौरी-शंकर रुद्राक्ष

लक्ष्य तय करने से पूरा होने तक इन 3 बातों का रखें खास ध्यान

कामयाबी कदमों में होगी

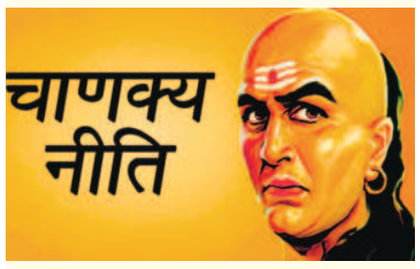

चाणक्य की नीतियां व्यक्ति को सदैव अच्छे कार्यों को करने के लिए प्रेरित करती है। जीवन के हर पहलू और क्षेत्र पर चाणक्य ने बड़ी ही सूक्ष्मता से रौशनी डाली है। चाणक्य, कौटिल्य और विष्णुगुप्त के नाम से संसार में प्रसिद्ध हैं। चाणक्य बताते हैं कि व्यक्ति जब लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए रणनीति बनाता है तो उसे किन चीजों पर खास तौर पर गौर करना चाहिए। मंजिल को पाने में कई तरह के उतार चढ़ाव आएंगे लेकिन इनका सामना कैसे करना है ये चाणक्य ने बखूबी बताया है इनका पालन करने वालों को सफलता जरूर मिलती है।

ईमानदारी

जीवन में अपने लक्ष्य को पूरा करना चाहते हैं तो उसकी प्लानिंग मजबूत होना आवश्यक है। लक्ष्य तय करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह रिसर्च करें। उस क्षेत्र से जुड़े अनुभवी लोगों से सलाह लें। सबसे जरूरी है कि जो कार्य शुरू करने का बीड़ा उठाया है तो अपने काम पूर्ण रूप से ईमानदारी और भरोसा रखें। शॉर्टकर्ट न अपनाएं क्योंकि ऐसी सफलता मात्र पलभर की होती है उसके बाद हार का मुंह देखना पड़ता है।

परिश्रम से मिलेगा शुभ परिणाम

मेहनत कभी जाया नहीं जाती। जो पूरी लगन और ताकत के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते हैं वह गिरकर भी नहीं हारते। मेहनत से घबराना नहीं चाहिए। मेहनती लोग अपना भाग्य खुद बनाने का जज्बा रखते हैं। ऐसे लोगों को सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। सफलता बिना संघर्ष के नहीं मिलती। बेशक लक्ष्य प्राप्ति के रास्ते में कुछ पड़ाव पर निराशा हाथ लगेगी लेकिन इससे डर नहीं बल्कि अपने मंजिल तक पहुंचने का तरीका तलाशें, सफलता आपके कदमों में होगी।

गुप्त रखें योजनाएं

चाणक्य कहते हैं कि अपने कार्य को पूरा करने के लिए जिन योजनाओं को मन में सोचा है उन्हें मंत्र के समान गुप्त रखकर ही उसपर अमल करते रहना चाहिए। अपनी रणनीति को जितना गोपनीय रखेंगे तो कार्य पूरा होने की संभावनाएं भी अधिक हो जाएंगी। अपनी खास प्लानिंग को बता देने से कार्य पूरा न होने पर हंसी होती है साथ ही शत्रु को पता चल जाने से वह इसमें अवरोध भी पैदा कर सकता है।

मोरपंखी का पौधा लगाने से जाग उठेगा सोया भाग्य

घर में बनी रहेगी सुख-शांति

घर की सुंदरता बढ़ाने के लिए लोग आंगन में पेड़-पौधे लगाना पसंद करते हैं। पेड़-पौधे ना सिर्फ घर की सुंदरता बढ़ाते हैं, बल्कि वातावरण को भी शुद्ध रखते हैं। यूं तो घर पर कई तरह के पौधे लगा सकते हैं, परंतु वास्तु शास्त्र में कुछ विशेष पौधों का जिक्र मिलता हैं, जो बेहद ही शुभ व पवित्र होते हैं। इनको घर पर लगाने से सुख-समृद्धि का वास होता है और सकारात्मक उर्जा का संचार होता है। ऐसा ही एक पौधा है मोरपंखी। वास्तु शास्त्र में मोरपंखी के पौधे की विशेषताएं बताई गई हैं। तो चलिए जानते हैं मोरपंखी के पौधे को किस दिशा में लगाना चाहिए और इसके लाभ क्या है।

मोरपंखी पौधा लगाने के लाभ

वास्तु शास्त्र के अनुसार, मोरपंखी को विद्या का पेड़ भी कहते हैं। यह पौधा सिर्फ दिखने में खूबसूरत नहीं होता, बल्कि इसके अनेक लाभ भी हैं। मोरपंखी का पौधा घर की शोभा बढ़ाने के साथ ही सुख-शांति भी लाता है। यह घर के वातावरण को शुद्ध रखता है और पॉजिटिव एनर्जी बनाए रखता हैं। इससे घर में खुशियों का माहौल बना रहता है और परिवार के सदस्यों का मन सकारात्मक रहता है। विद्या का पेड़ होने के कारण इसके प्रभाव से बुद्धि का विकास होता है। बच्चों का मन पढ़ाई में लगता है, एकाग्रता बनी रहती है और पति-पत्नी के बीच संबंध मधुर बने रहते हैं।

किस दिशा में लगाएं मोरपंखी का पौधा

मोरपंखी को कभी भी दक्षिण दिशा में नहीं लगाना चाहिए। मोरपंखी के पौधे को हमेशा उत्तर या पूर्व दिशा में लगाना शुभ होता है। शास्त्रों में इन दिशाओं को शुभ माना गया है, इसलिए मोरपंखी का पौधा उत्तर या पूर्व में लगाना लाभदायक होता है। इससे परिवार की आर्थिक संपन्नता मजबूत होती है। आप इसे घर के मुख्य द्वार के पास लगा सकते हैं, जिससे घर में नेगेटिव एनर्जी प्रवेश नहीं करती है और परिवार में हमेशा सुख-शांति बनी रहती है।

घर में बेलपत्र लगाने से बुरे कर्मों से मिलता है छुटकारा

होते हैं ये 5 बड़े फायदे

सनातन धर्म में बेलपत्र अत्यंत महत्वपूर्ण और पूजनीय माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार बेलपत्र भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है और बिना बेलपत्र के भगवान शिव की पूजा अधूरी मानी जाती है। जब भगवान शिव ने समुद्र मंथन से निकले विष का पान किया था तब उनके गले में भयंकर जलन हो रही थी, जिसमें आराम के लिए उन्हें बेलपत्र का सेवन कराया गया था। पत्र के सेवन से भगवान शिव को राहत मिली थी। घर में बेलपत्र का वृक्ष लगाना अत्यंत शुभ माना जाता है।

दरिद्रता से पाएं छुटकारा

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, घर की उत्तर-दक्षिण दिशा में बेलपत्र का पौधा लगाना शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर में पसरी दरिद्रता जल्द ही दूर हो जाती है। इसके अलावा मां लक्ष्मी प्रसन्न होकर घर में वास करती है और से घर में धन-धान्य की कभी कमी नहीं होती।

बुरे कर्मों से मिलता है छुटकारा

शिव पुराण के अनुसार, जिस घर में बेलपत्र का पौधा होता है, वहां के सदस्यों को बुरे कर्मों से छुटकारा मिलता है और अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है।

ऊर्जावान बने रहने के लिए

धार्मिक शास्त्रों के अनुसार, बेलपत्र के पेड़ की जड़ों में मां गिरिजा, तने में मां महेश्वरी, शाखाओं में मां दक्षायनी, पत्तियों में मां पार्वती, फूलों में मां गौरी और फलों में देवी कात्यायनी वास करतीं हैं, जिसके कारण वहां रहने वाले लोग तेजस्वी और ऊर्जावान होते हैं।

टोने टोटके से करता है बचाव

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि घर के आंगन में बेलपत्र का वृक्ष लगा है, तो किसी भी तरह के टोने-टोटके का असर घर के सदस्यों पर नहीं होता। यह वृक्ष परिवार के सदस्यों की रक्षा करता है साथ ही घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ा देता है।

नहीं होता चंद्र दोष का प्रभाव

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि आपके घर में बेलपत्र का वृक्ष लगा है तो आपकी कुंडली में चंद्र दोष आपको परेशान नहीं कर सकता। साफ शब्दों में कहा जाए तो आप चंद्र दोष के नकारात्मक प्रभाव सुरक्षित रहते हैं।

इन 3 बीमारियों वाले लोगों को जरूर देना चाहिए रोज सूर्य को जल

रोज सूर्य को जल देने के फायदेः क्या आपको बार-बार एंग्जायटी होती है या फिर आप हमेशा घबराए रहते हैं? ये दोनों ही चीजें इस बात का संकेत हो सकती हैं कि आपकी कुंडली में सूर्य ग्रह प्रभावित है या नीच का है। दरअसल, सूर्य ग्रह एनर्जी और आत्म विश्वास से भरा हुआ ग्रह है। जिन लोगों का सूर्य मजबूत होता है उन्हें कोई भी फैसला लेने में देरी नहीं लगती। ऐसे लोग साहसी होते हैं और अक्सर सामने से चीजों का सामना करते हैं। लेकिन, जिनमें यह नीच होता है उन लोगों में ये कॉन्फिडेंस की कमी का कारण बनता है। ऐसे लोग ओवरथिंकिंग करते हैं और कई बीमारी के शिकार हो सकते हैं। ऐसी स्थिति रोजाना बस सूर्य को जल देने

एंग्जायटी अटैक वाले लोगों को

कुछ लोग होते हैं, जिन्हें हर छोटी बात पर एंग्जायटी होती है। ऐसे लोगों को भीड़ से भी एंग्जायटी अटैक आने लगता है। ऐसी स्थिति वाले लोगों के लिए रोज सूर्य को

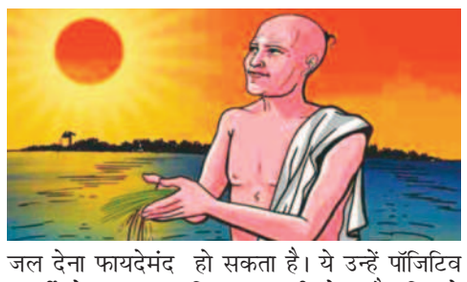

जल देना फायदेमंद हो सकता है। ये उन्हें पॉजिटिव एनर्जी के साथ मानसिक मजबूती देता है, जिससे एंग्जायटी की भावना कम होती है।

डिप्रेशन के मरीज को

डिप्रेशन के मरीज को रोजाना सूर्य को जल देना चाहिए। ऐसा इसलिए क्यों सूर्य और इसकी रोशनी शरीर में हैप्पी हार्मोन्स बढ़ाने में मदद करती है। ये कॉर्टिसोल जैसे स्ट्रेस होर्मोन को कंट्रोल करने और डोपामाइन बढ़ाने में मदद करता है। साथ ही इससे नए और अच्छे विचार आते हैं जो कि डिप्रेशन के रोगी के लिए जरूरी है।

हाई बीपी और दिल के मरीज को

हाई बीपी की शुरुआत ही स्ट्रेस से होती है और सूर्य आपको मानसिक और शारीरिक रूप से ऐसे मजबूत करता है कि आप स्ट्रेस को मैनेज कर लेचे हैं। साथ ही यह कुंडली में सूर्य को मजबूत करता है जिससे आप दिल की बीमारियों से बचे रहते हैं।

सूर्य को जल देने के नियम और सही समय

सूर्य को जल देने के लिए आपको सुबह 9 बजे से पहले उठना होगा। बेहतर तो यही होगा कि आप सूर्य उदय के समय उन्हें जल दें। इस दौरान तांबे के लोटे में चावल, चंदन और फूल डालकर पूर्व दिशा की ओर गायत्री मंत्र पढ़ते हुए सूर्य को जल दें। ये आपके मन और सेहत दोनों के लिए कारगर तरीके से काम करेगा।

वंदनवार क्या होती है? क्या है इसका लाभ?

हिंदू धर्मशास्त्रों में प्रायः किसी शुभ कार्य के वर्णन में द्वार पर वंदनवार बांधने की बात आती है। यह वंदनवार क्या होती है और क्यों बांधी जाती है। आखिर इसका विधान क्या है? क्या वैज्ञानिक भी इस बात से सहमत हैं। आज हम इसी पर चर्चा करते हैं। विवाह, सगाई, मुंडन, यज्ञोपवीत, गृह प्रवेश, भगवान सत्यनारायण की कथा और अन्य अनेक शुभ कार्यों के समय घर के द्वारों पर आम के पत्तों की वंदनवार सजाई जाती है। वास्तव में शास्त्र कहते हैं किवंदनवार नकारात्मक शक्तियों को उस घर से दूर रखती है जहां इसे बांधा जाता है। मुख्य द्वार पर आम के पत्तों की वंदनवार बांधने का विधान ही इसलिए बनाया गया किहमारे शुभ कार्यों की सिद्धि हो सके और नकारात्मक शक्तियां, विकार दूर रह सकें। अनेक शोधों में यह बात सामने आई है किआम के पत्ते लंबे समय तक आक्सीजन उत्सर्जित करते रहते हैं। इससे वातावरण शुद्ध रहता है और दूषित वायु के कण, प्रदूषण, विषैली गैसें आदि उस जगह प्रवेश नहीं कर पाती जहां आम के पत्ते हों। इसीलिए हमारे यहां शुभ कार्यों में आम के पत्तों की वंदनवार बांधी जाती है।

आम के पत्तों की वंदनवार बांधने से वातावरण शुद्ध रहता है।

आम के पत्तों का स्पर्श मन और मस्तिष्क को शीतलता देता है।

आम के पत्तों को शुभ कार्यो में प्रयुक्त करने का उद्देश्य ही यह है किवह सबसे ज्यादा और बहुत देर तक आक्सीजन उत्सर्जित करता है।

हवन, यज्ञ आदि में आम की लकड़ी का उपयोग किया जाता है।

आम्र वृक्ष की छाल, पत्ते और इसके फूलों का उपयोग अनेक प्रकार की आयुर्वेदिक औषधियों में किया जाता है।

बेहद खास होगी विक्की-कटरीना की पहली वेडिंग एनिवर्सरी

बॉलीवुड के पॉपुलर कपल कटरीना कैफ और विक्की कौशल जल्द अपनी पहली वेडिंग एनिवर्सरी सेलिब्रेट करने वाले हैं। इस बीच कटरीना और विक्की के एनिवर्सरी प्लान को लेकर खुलासा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों इस दिन को स्पेशल बनाने के लिए मालदीव जाने वाले हैं। बॉलीवुड लाइफ के मुताबिक, 'कटरीना और विक्की वेडिंग एनिवर्सरी को लेकर बहुत एक्साइटेड हैं और वो इस खास दिन को बहुत स्पेशल बनाना चाहते हैं। कटरीना और विक्की ने अपनी फेवरेट हॉलिडे डेस्टिनेशन मालदीव में एक रोमांटिक गेटवे प्लान किया है। इस मौके पर कपल एक-दूसरे के साथ क्वालिटी टाइम बिताना चाहता है। इसलिए वो फैमिली और फ्रेंड्स के बिना ही वहां जा रहे हैं।'

रिपोर्ट्स में कहा ये भी जा रहा है कि वो दोनों पहले फैमिली के साथ अपने घर पर एक छोटी सी पूजा भी करने वाले हैं। विक्की के फैमिली पंडित जी को इसके लिए बुलाया जाएगा। कपल ने एक-दूसरे के लिए कुछ स्पेशल सरप्राइज भी प्लान किए हैं। हालांकि, इस पर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है। कटरीना और विक्की पिछले साल 9 दिसंबर 2021 को राजस्थान के सिक्स सेंसेस फोर्ट में शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों 2019 से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो कटरीना आखिरी बार सिद्धांत चतुर्वेदी और ईशान खट्टर के साथ 'फोन भूत' में नजर आई थीं। वो जल्द ही सलमान खान के साथ फिल्म 'टाइगर 3' में नजर आने वाली हैं। वहीं विक्की जल्द ही 'गोविंदा नाम मेरा', 'द ग्रेट इंडियन फैमिली' और डायरेक्टर लक्ष्मण उतेकर की अगली अनटाइटल्ड फिल्म में नजर आने वाले हैं।

लिफ्ट में जाने से डरते हैं अजय देवगन:सालों पहले हुआ था हादसा, कहा- तब से सीढ़ियां लेने लगा

अजय देवगन ने हाल ही में अपने फोबिया का खुलासा किया है। उन्होंने बताया है कि एक हादसे की वजह वो आज भी ऐलिवेटर में जाने से डरते हैं। दरअसल, हाल ही में अजय कपिल के शो द कपिल शर्मा शो में पहुंचे थे। इस दौरान कपिल ने अजय से पूछा कि क्या आपको बाथरूम में लॉक लगाने से डर लगता है? इस पर अजय ने अपना लिफ्ट से जुड़ा डर रिवील किया। बातचीत के दौरान अजय ने बताया कि एक हादसे की वजह से उन्हें लिफ्ट में क्लॉस्ट्रोफोबिक फील होता है, इसलिए वो ऐसी जगहों से बचने की कोशिश करते हैं।

अजय ने बताई डर की वजह

लिफ्ट में हुए हादसे के बारे में अजय ने कहा- 'मैं एक बार लिफ्ट में था। अचानक वे तीसरे चौथे फ्लोर से सीधे बेसमेंट में जा गिरी। हम अंदर डेढ़ घटे से ज्यादा तक लिफ्ट में फंसे रह गए। उसके बाद से मुझे लिफ्ट में क्लॉस्ट्रोफोबिक फील होता है। उस हादसे के बाद मैंने लिफ्ट लेना बंद कर दिया था, जितना ज्यादा हो सके मैं सीढ़ियां लेने लगा था। अब भी मैं ज्यादातर यही करता हूं, जितना हो सके उतना लिफ्ट में जाना अवॉइड करता हूं।' वर्कफ्रंट की बात करें तो अजय अगले साल कई फिल्मों दिखाई देंगे। 18 नवंबर को दृश्यम 2 ने बॉक्स ऑफिस पर दस्तक दी है। इसके अलावा अजय जल्द ही भोला फिल्म में नजर आएंगे, ये साउथ की फिल्म कैथी की रीमेक है। इसके अलावा अजय स्पोर्ट्स ड्रामा मैदान में दिखेंगे। अगले साल ही अजय की फिल्म किट्टी भी बॉक्स ऑफिस पर दस्तक देगी। इसके अलावा अजय रोहित की फिल्म सिंघम 3 में भी दिखाई देंगे। ऐसे में अजय के लिए अगला साल काफी बिजी होने वाला है।

एक्ट्रेस बनने की नहीं थी ख्वाहिश, फिर किस्मत ने ऐसी मारी पलटी

बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम आज यानी 28 नवंबर को अपना 34वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया. यामी गौतम आज हिंदी सिनेमा जगत की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेसेज में शुमार हैं लेकिन कभी एक ऐसा मौका था वह इस इंडस्ट्री में अपना करियर बनाना ही नहीं चाहती थीं. आइए यामी के जन्मदिन के मौके पर जानते हैं उनके बारे में कुछ अनसुने फैक्ट्स.

यामी गौतम ने हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में जन्म लिया था. हिमाचल की यह लड़की कभी फिल्मी दुनिया के सपने नहीं लिया करती थीं. वह तो प ढ़ - लि ख क र आईएएस अफसर बनना चाहती थीं लेकिन उनकी किस्मत उनका जीवन किसी और राह लिख रही थी. यामी गौतम की जिंदगी ने जब यू-टर्न लिया तो वह एक्टिंग की दुनिया में आ गईं.

दरअसल, हुआ ऐसा कि एक दिन एक्ट्रेस के घर पर उनके पापा के कुछ दोस्त आए. यामी के पापा की दोस्त की पत्नी एक टीवी एक्ट्रेस थीं. यामी को देखकर टीवी एक्ट्रेस ने सुझाव दिया कि उनके अंदर एक एक्ट्रेस बनने की खूबी है. यामी गौतम के पापा के दोस्त की पत्नी ने सुझाव दिया कि उन्हें थिएटर ज्वाइन करना चाहिए. टीवी एक्ट्रेस की ने यामी की कुछ तस्वीरें भी ले लीं और उन्हें मुंबई के कुछ प्रोडक्शन हाउस में भेज दिया.

यामी तब भी अपनी पढ़ाई पर ध्यान लगाना चाहती थीं. लेकिन किस्मत उन्हें फिल्मी दुनिया की तरफ खींच रही थी. यामी ने वकालत की पढ़ाई शुरू कर दी लेकिन कुछ समय बाद उनका मन नहीं लगा और उन्होंने परिवार से एक्ट्रेस बनने की ख्वाहिश जताई. परिवार ने भी यामी का पूरा सपोर्ट किया. यामी ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी. इसके बाद वह टीवी सीरियल चांद के पार चलो में नजर आईं. अनुपमा फेम गौरव खन्ना के साथ उन्होंने यह प्यार न होगा कम में भी काम किया. यामी की पॉपुलैरिटी देखते हुए उन्हें फिल्मों में मौका मिला. यामी ने आयुष्मान खुराना की फिल्म 'विक्की डोनर' से बॉलीवुड में कदम रखा.

2 दिसंबर को बड़ी अनाउंसमेंट करेंगी कियारा आडवाणी

बोलीं- सीक्रेट रिवील करने का इंतजार नहीं कर सकती, यूजर्स बोले- क्या शादी कर रही हैं

कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी फिल्म गोविंदा नाम मेरा और सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ शादी की वजह से चर्चा में बनी हुई हैं। कियारा ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा है कि वो 2 दिसंबर को एक नई अनाउंसमेंट करने वाली हैं। कियारा के इस पोस्ट के बाद जहां कुछ यूजर्स का मानना है कि वो अपनी अपकमिंग प्रोजेक्ट्स का खुलासा करेंगी, वहीं दूसरी ओर कुछ यूजर्स का कहना कि कियारा उस दिन सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ अपनी शादी की खुशखबरी लोगों के साथ साझा करेंगी।

कियारा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपना एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में वो काफी खुश नजर आ रही हैं। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा है, ' इसे काफी देर तक छुपा कर नहीं रखा जा सकता! जल्द ही अनाउंसमेंट होगीबने रहें2 दिसंबर। वीडियो पोस्ट होते ही सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है।

कियारा के इस वीडियो पर यूजर्स का जमकर रिएक्शन भी सामने आ रहा है। यूजर्स का मानना है कि कियारा जल्दी ही सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। एक यूजर ने कमेंट कर पूछा, 'ये प्री वेडिंग फोटोशूट है?' वहीं दूसरे यूजर ने कमेंट कर लिखा, 'क्या आप शादी करने वाली हैं।' एक यूजर का ये भी कहना है, 'मुझे लगता है कि यह शादी की अनाउंसमेंट है।'

काफी लंबे समय से कियारा और सिद्धार्थ की शादी की चर्चा जोरो पर है। बॉलीवुड लाइफ की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों अप्रैल 2023 में दिल्ली में शादी कर सकते हैं। लेकिन कुछ दिनों बाद उनकी शादी से जुड़ा एक और अपडेट सामने आया था, जिसमें में खुलासा किया गया था कि कपल दिसंबर में शादी के बंधन में बंध सकते हैं।

रिप्लेसमेंट एक्टर कहे जाने पर कार्तिक आर्यन का जवाब कहा- मुझे इग्नोर करना मुश्किल है, जानकर खुशी होती है

हेरा फेरी 3 में अक्षय को रिप्लेस करने की खबरों के बाद से ही कार्तिक आर्यन को ट्रोल लिया जा रहा है। फिल्मों में एक्टर्स को रिप्लेस करने बाद उन्हें रिप्लेसमेंट स्टार कहा जा रहा है। अब इसपर कार्तिक आर्यन का रिएक्शन सामने आया है। कार्तिक ने कहा कि मुझे इग्नोर करना बेहद मुश्किल है, यह जानकर मुझे अच्छा लगता है।

बीते दिनों एंकर सिद्धार्थ कानन ने बातचीत के दौरान कार्तिक को उन पर बना एक मीम दिखाया। जिसमें लिखा था कि कार्तिक अब मिशन इम्पॉसिबल में टॉम क्रूज को भी रिप्लेस कर सकते हैं। इस पर कार्तिक ने हंसते हुए कहा- कई लोगों मुझे ये मीम सेंड कर चुके हैं और यह वाकई फनी भी है। कि मुझे इग्नोर करना वाकई काफी मुश्किल है। मुझे खुशी है कि अब मुझे यह डर परेशान नहीं करता है।'

बीते दिनों खबरें थी कि हेरा फेरी 3 में कार्तिक खिलाड़ी कुमार को रिप्लेस करेंगे। इसके बाद से लोगों ने कार्तिक को ट्रोल करना शुरू कर दिया। हेरा फेरी के फैंस नहीं चाहते हैं कि अक्षय के बिना हेरा फेरी 3 बनाई जाए। हालांकि बाद में यह क्लियर हो गया कि कार्तिक राजू का कैरेक्टर नहीं निभाएंगे, फिल्म में उनका अलग किरदार है।

कार्तिक आर्यन के वर्क फ्रंट की बात करें तो वो जल्द ही फिल्म 'फ्रेडी' में नजर आने वाले हैं। शशांक घोष द्वारा डायरेक्टेड थ्रिलर फिल्म 'फ्रेडी' में कार्तिक के साथ अलाया एफ भी नजर आएंगी। इसके अलावा वो 'सत्यप्रेम की कथा', 'आशिकी 3', 'शहजादा' और 'कैप्टन इंडिया' जैसी फिल्मों में भी दिखाई देंगे।

'बड़ा पछताओगे' पर डांस देखकर नोरा के छलके आंसू

बोलीं- इस गाने की शूटिंग के दौरान मैं पर्सनल सिचुएशन से जूझ रही थी

नोरा फतेही इन दिनों झलक दिखला जा के सीजन 10 को होस्ट कर रही हैं। इस शो के टॉप 6 कंटेस्टेंट में शामिल श्रीति झा ने अपने कोरियोग्राफर विवेक चाचेरे के साथ नोरा के गाने 'बड़ा पछताओगे' पर डांस परफॉर्म किया, जिसका एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में श्रीति के डांस परफॉर्मेंस को देख कर नोरा इमोशनल हो गईं हैं। साथ में उन्होंने एक किस्सा भी शेयर किया है कि इस गाने के ओरिजनल शूट के दौरान उनके साथ कुछ ऐसा हुआ था कि जिससे वो पर्सनल तौर पर इस गाने से कनेक्ट कर पा रही थीं।

इन दिनों नोरा फतेही झलक दिखला जा के सीजन 10 में बतौर होस्ट नजर आ रही हैं। इस शो के एक एपिसोड का वीडियो सोशल मीडिया पर बहुत तेजी से ट्रेंड कर रहा है। इस वीडियो में कंटेस्टेंट श्रीति झा अपने कोरियोग्राफर विवेक चाचेरे के साथ नोरा के गाने 'बड़ा पछताओगे' पर डांस परफॉर्म करते नजर आ रही हैं। उनके इस डांस को देखकर नोरा इमोशनल हो गईं हैं। डांस परफॉर्मेंस खत्म हो जाने के बाद नोरा ने श्रीति की तारीफ की है और साथ इस गाने की रियल शूटिंग के दौरान का किस्सा भी शेयर किया।

नोरा ने कहा, 'जब मैं इस गाने की शूटिंग कर रही थी, तो मैं कुछ ऐसी पर्सनल सिचुएशन से गुजर रही थी, जिससे मैं इस गाने से खुद को कनेक्ट कर पा रही थी। मैं उस सिचुएशन से वो इमोशन लेकर सेट पर आई और मैंने परफॉर्म किया।'

इससे पहले भी नोरा ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब उनका ब्रेकअप हुआ था तो वो 2 महीने के लिए डिप्रेशन में चली गई थीं। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने खुलासा नहीं किया था कि वो किसके साथ रिलेशनशिप में थीं। हालांकि ये उस समय अंगद बेदी से अलग हुई थीं। नोरा फतेही कई मौकों पर अंगद से ब्रेकअप पर बयान दे चुकी हैं।

'बड़ा पछताओगे' 2019 में रिलीज हुआ था। इस गाने को अरिजीत सिंह ने गाया था, बी प्राक ने संगीत दिया था और जानी ने लिखा था। गाने में नोरा के अलावा विक्की कौशल और प्रभा उप्पल भी थे। इस गाने को लोगों ने खूब पसंद किया था।

नोरा फतेही को आखिरी बार फिल्म थैंक गॉड में माणिके गाने में देखा गया था। इस फिल्म में नोरा का कैमियो था। वहीं नोरा के पास जॉन अब्राहम, रितेश देशमुख और शहनाज गिल के साथ कई अपकमिंग प्रोजेक्ट्स हैं।

आलिया बनेंगी कूल मॉम

जल्द रिवील कर सकती हैं राहा का फेस, बेटी के साथ बना सकती हैं वेकेशन का प्लान

6 नवंबर को आलिया भट्ट ने बेबी गर्ल को जन्म दिया है। तब से ही फैंस राहा कपूर का फेस देखेने के लिए बेहद एक्साइटेड हैं। इसी बीच अब खबरें आ रही हैं कि जल्द ही आलिया-रणबीर अपनी बेटी का फेस रिवील कर सकते हैं। बीते दिनों ये खबरें थी कि आलिया-रणबीर अपनी बेटी की सेफ्टी को मद्दे नजर रखते हुए उसका फेस नहीं रिवील करेंगे। हालांकि, अब रणबीर और आलिया के करीबी सूत्र ने बताया कि ऐसा नहीं है। अनुष्का की बेटी वामिका कोहली की तरह आलिया नो फोटो पॉलिसी जैसा कुछ भी नहीं प्लान कर रही हैं।

बल्कि करीना की तरह अपनी बेटी को सोशल मीडिया पर एक्टिव रखेंगी। करीबी सूत्र ने कहा कि आलिया को पता है कि उनके स्टारडम के चलते वो चाहकर भी अपनी बेटी का फेस छिपा नहीं पाएंगी, इसलिए वो चिल मॉम की तरह अपनी बेटी को लेकर ज्यादा परेशान नहीं है। करीबी सूत्र की मानें तो आलिया-रणबीर जल्द ही बेटी के साथ

मिनी वेकेशन पर जा सकते हैं। इस दौरान वो नहीं चाहेंगे कि उनकी बेटी का फेस करीब 6 महीने तक न रिवील हो, लेकिन इसके बाद आलिया खुद राहा की फोटोज शेयर करेंगी।

आलिया भट्ट ने 6 नवंबर को अपनी बेटी को जन्म दिया था। आलिया ने सोशल मीडिया पर अपनी बेटी के आने की ऑफिशियल अनाउंसमेंट की थी। आलिया ने उस दौरान करते हुए लिखा था - 'हमारी जिंदगी की बेस्ट न्यूज आ गई है। हमारा बेबी इस दुनिया में आ गया है और वो कमाल की लड़की है। इस खुशी को जाहिर करना मुश्किल है। हम एक ब्लेस्ड पेरेंट्स बन गए हैं।

27 जून को आलिया ने प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की थी। आलिया ने हॉस्पिटल की फोटो शेयर कर लिखा था, ₹हमारा बेबी..जल्द आ रहा है।₹ फोटो में वो अल्ट्रासाउंड करवाती नजर आ रही थीं, जिसमें उनके पति रणबीर भी साथ नजर आ रहे थे। रणबीर और आलिया की बात करें तो दोनों आखिरी बार फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में नजर आए थे।

रणबीर और आलिया की शादी 14 अप्रैल 2022 को हुई थी दोनों ने करीब पांच साल डेट करने के बाद एक-दूसरे से शादी की थी। शादी समारोह में सिर्फ खास मेहमानों ने शिरकत की थी। बता दें कि 2017 में फिल्म ब्रह्मास्त्र के सेट पर रणबीर और आलिया की मुलाकात हुई थी। मुलाकात के बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ी और बाद में जाकर दोनों ने एक दूसरे को डेट करना शुरू कर दिया। शादी के दो महीने बाद आलिया और रणबीर ने प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी।

प्रभास को डेट कर रहीं हैं कृति सैनन

इशारों-इशारों में वरुण धवन ने किया कन्फर्म, ट्रोलर्स ने कहा- आदिपुरुष का पीआर चल रहा है

वरुण धवन और कृति सैनन हाल ही में अपनी फिल्म भेड़िया का प्रमोशन करने एक रियालिटी शो में पहुंचे थे। वहां बातों-बातों में ही वरुण ने इस बात का इशारा कर दिया कि कृति सैनन आदिपुरुष में उनके को-स्टार प्रभास को डेट कर रही हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में वरुण बिना किसी का नाम लिए इस बात का हिंट दे रहे हैं कि इस वक्त कृति सैनन बाहुबली स्टार प्रभास के साथ रिलेशनशिप में हैं।

वरुण धवन और कृति सैनन अपनी फिल्म भेड़िया के प्रमोशन के सिलसिले में एक रियालिटी शो में पहुंचे थे। शो के दौरान फिल्म मेकर करण जौहर ने वरुण से इंडस्ट्री की कुछ सिंगल एक्ट्रेसेस का नाम पूछा तो कृति का नाम उस लिस्ट से गायब था, तो करण ने पूछा कि सिंगल एक्ट्रेसेस के इस लिस्ट में कृति का नाम क्यों नहीं है तो जवाब में वरुण ने कहा- कृति का नाम इस लिस्ट में इसलिए नहीं है क्योंकि कृति का नाम किसी के दिल में है और वो शख्स इस वक्त मुंबई में नहीं है,वो इस वक्त दीपिका पादुकोण के साथ शूटिंग कर रहा है। वरुण की बात सुनते ही कृति हंसते हुए दिखाई दे रही हैं। जाहिर सी बात है कि प्रभास इन दिनों दीपिका पादुकोण के साथ 'प्रोजेक्ट के' पर काम कर रहे हैं। वरुण ने इस दौरान किसी का नाम तो नहीं लिया लेकिन फैंस का मानना यही है कि प्रभास और कृति के बीच कुछ तो चल रहा है। हालांकि कुछ सोशल मीडिया यूजर्स के मुताबिक मेगा बजट फिल्म आदिपुरुष के पीआर प्रमोशन के लिए कृति और प्रभास के रिलेशनशिप की खबरें उड़ाई जा रही है।

बता दें कि वरुण धवन और कृति सैनन की हाल में रिलीज हुई फिल्म भेड़िया को ऑडियंस का मिक्स्ड रिस्पॉन्स देखने को मिल रहा है। फिल्म ने अपने पहले वीकेंड पर 28 करोड़ की कमाई की है। वहीं बात आदिपुरुष की करें तो ओम राउत के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म 16 जून 2023 में रिलीज होगी।

ये एक पैन इंडिया फिल्म है, जिसे हिंदी समेत तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज किया जाएगा। फिल्म का बजट लगभग 500 करोड़ रुपए है हालांकि टीजर रिलीज होने के बाद से ही इसे काफी ट्रोल किया गया। फिल्म के खराब वीएफएक्स और भगवान राम, हनुमान और रावण के लुक को गलत तरीके से दिखाने के लिए फिल्म के मेकर्स को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था।

स्वास्थ्य/ सौंदर्य

सर्दियों में जरूर पिएं टमाटर से बनी ये चीज, नहीं गिरेगा शरीर का तापमान

सर्दियों में लोग ठंड से बचने के लिए उन चीजों का सेवन करते हैं, जिनकी तासीर गर्म होती है. वहीं वे इंस्टेंट गर्मी पाने के लिए कॉफी, चाय आदि का सेवन करते हैं. लेकिन इन लोगों को बता दें कि यदि वह कोई हेल्दी ड्रिंक का सेवन करना चाहते हैं जो शरीर को गर्मी दे सके तो ऐसे में वे टमाटर के सूप का सेवन कर सकते हैं.

जी हां, सर्दियों में टमाटर का सूप पीने से शरीर को कई समस्याओं से बचाया जा सकता है. ऐसे में लोगों को टमाटर के सूप के फायदों के बारे में पता होना जरूरी है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि सर्दियों में टमाटर के सूप को पीने से क्या-क्या फायदे हो सकते हैं.

सफेद तिल की तासीर कैसी होती है? एक दिन में कितने तिल खाएं? जानें तिल से जुड़े सवाल-जवाब

नहीं बढ़ता वजन

टमाटर के सूप के सेवन से व्यक्ति अपने वजन को कंट्रोल में रख सकता है. सर्दियों में अक्सर लोग अपने बढ़ते वजन से परेशान रहते हैं. ऐसे में बता दें कि टमाटर के सूप के अंदर कैलोरी काउंट बेहद ही कम होता है. ऐसे में इसके सेवन से वजन नहीं बढ़ता. साथ ही व्यक्ति का पेट लंबे समय तक भरा भी रह सकता है.

टॉक्सिंस को निकालें बाहर

बता दें कि टमाटर का सूप शरीर में जमा टॉक्सिंस को बाहर निकालने में बेहद उपयोगी है. यदि नियमित रूप से व्यक्ति इसका सेवन करें तो इसके अंदर पाए जाने वाले फाइबर पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में उपयोगी हैं. साथ ही यूटीआई से बचाव में भी आपके काम आ सकते हैं.

शरीर का तापमान बढ़ाएं

सर्दियों में यदि आप शरीर को गर्म रखना चाहते हैं और हाइड्रेट रहना चाहते हैं तो ऐसे में टमाटर के सूप को अपनी डाइट में जोड़ सकते हैं. बता दें कि इसके अंदर कैफीन की मात्रा ज्यादा होती है. ऐसे में शरीर को डिहाइड्रेशन की समस्या से भी बचाया जा सकता है.

नींबू ही नहीं बल्कि इसके पत्ते भी हैं सेहत के लिए फायदेमंद

अक्सर आपने देखा होगा कि नींबू के सेवन से कई समस्याओं को दूर किया जा सकता है. लेकिन क्या आप जानते हं कि नींबू के पत्ते भी सेहत के लिए बेहद उपयोगी हैं. जी हां, नींबू के पत्तों को यदि उबालकर पिया जाए तो इससे कई समस्याओं को दूर किया जा सकता है. ऐसे में लोगों को नींबू के पत्तों के पानी के फायदे के बारे में पता होना जरूरी है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने लेख के माध्यम से बताएंगे कि नींबू के पत्ते उबालकर पीने से सेहत को क्या-क्या फायदे हो सकते हैं. पढ़ते हैं आगे

नींबू के पत्तों को उबालकर पीने के फायदे

यदि नींबू के पत्तों का पानी पिया जाए तो इससे सिरदर्द से राहत मिल सकती है. बता दें कि नींबू के पत्तों के अंदर एंटीऑक्सीडेंट तत्व पाए जाते हैं जो तनाव को दूर करने के साथ-साथ माइग्रेन को भी दूर करने में उपयोगी हैं.

यदि आपको अनिद्रा की समस्या है तो ऐसे में बता दें कि नींबू के पत्तों के इस्तेमाल से इस समस्या को दूर किया जा सकता है. बता दें कि नींबू के अंदर नींद को सुधारने के गुण पाए जाते हैं. ऐसे में यदि आप बेहतर नींद पाना चाहते हैं तो आप नीम के पत्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं.

किडनी स्टोन की समस्या को दूर करने में भी नींबू के पत्तों का अर्क आपके बेहद काम आ सकता है. बता दें कि इस इस अर्क के अंदर साइट्रिक एसिड मौजूद होता है जो गुर्दों में पथरी के निर्माण को बढ़ने से रोक सकता है. साथ ही यदि आपको गुर्दे में पहले से ही पथरी है तो उसके आकार को बढ़ने से भी रोकने में नींबू के पत्ते आपके बेहद काम आ सकते हैं.

नींबू के पत्तों का इस्तेमाल कैसे करें?

आप 10 से 12 पत्तों को एक गिलास पानी में उबालें और जब एक गिलास पानी आधा गिलास रह जाए तो छानकर उसमें शहद मिलाकर सेवन करें.

क्या आप जानते हैं गाय के दूध और भैंस के दूध में क्या होता है अंतर?

दूध हर किसी के लिए फायदेमंद होता है. दूध पीने से सेहत ठीक रहती है और यह बेहतर स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है. दूध में कैल्शियम की भरपूर मात्रा होती है जो आपके दांतों और हड्डियों को मजबूत रखता है. इसीलिए डॉक्टर भी दूध को डेली डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं, खासकर छोटे और बढ़ते उम्र के बच्चों के लिए दूध पीना जरूरी होता है. दूध तो वैसे लोग पी लेते हैं लेकिन डेयरी प्रोडक्ट्स भी प्रयोग करना सेहत के लिए बेहतर है.

ज्यादातर लोग इस बात को लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि गाय का दूध ज्याादा पौष्टिक होता है या भैंस का दूध, गाय का दूध पीना चाहिए या भैंस का दूध. दूध कोई भी हो फायदेमंद होता है लेकिन अगर आप भी कंफ्यूज हैं तो जानिए गाय और भैंस के दूध में क्या है अंतर और कौन सा दूध पीने से आपको क्या फायदे मिलते हैं.

वजन कम करना हो तो पीएं गाय का दूध

वजन कम करने के लिए गाय का दूध पी सकते हैं, क्योंकि गाय के दूध में भैंस के दूध की अपेक्षा कम फैट होता है. बता दें कि गाय के दूध में 3 से 4 प्रतिशत तक फैट होता है वहीं उतनी ही मात्रा में भैंस के दूध में 7 से 8 प्रतिशत फैट की मात्रा होती है. गाय का दूध पतला होता है तो वहीं भैंस का दूध गाढ़ा और भारी होता है. गाय का दूध आसानी से पच जाता है और भैंस के दूध को पचने में ज्यादा वक्त लगता है. अगर आप वेट लॉस डाइट पर हैं और फैट की ज्यादा से बचना चाहते हैं तो गाय का दूध ही पीएं.

गाय के दूध में पाए जाते हैं ये तत्व

गाय का दूध पीने से शरीर में पानी की कमी पूरी होती है. अगर आप कम पानी पीते हैं तो गाय का दूध पिएं. गाय के दूध में 90 प्रतिशत पानी होता है. इसीलिए ये बॉडी को हाइड्रेट रखता है.

भैंस के दूध में प्रोटीन ज्यादा

भैंस के दूध की बात करें तो इसके दूध में गाय के दूध की तुलना में 10 से 11 फीसदी ज्यादा प्रोटीन होता है. प्रोटीन की वजह से ये हीट रेजिस्टेंट होता है. बुजुर्गों और छोटे बच्चों को इसे नहीं पीने की सलाह दी जाती है.

कोलेस्ट्रॉल की मात्रा में होता है अंतर

भैंस और गाय के दूध में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा में भी काफी अंतर होता है. भैंस के दूध में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा ज्यादा होती है तो वहीं गाय के दूध में कोलेस्ट्रोल की मात्रा कम होती है, इसीलिए यह हाइपरटेंशन और किडनी के मरीजों के लिए फायदेमंद है.

भैंस के दूथ में कैलोरी ज्यादा गाय के दूध में कम

भैंस के दूध में प्रोटीन और फैट ज्यादा होता है. इसलिए इसमें कैलोरी की भी ज्यादा मात्रा होती है. भैंस के 1 कप दूध में 273 कैलोरी होती है. वहीं गाय के 1 कप दूध में 148 कैलोरी होती है.

नींद ना आए तो पीएं भैंस का दूध

अगर आपको नींद नहीं आने की समस्या है तो आप भैंस का दूध पिएं, इससे इस समस्या से निजात मिलेगी. वहीं. भैंस के दूध से पनीर, खोया, दही, खीर, कुल्फी, घी जैसी चीजें ज्यादा अच्छी बनती क्योंकि, ये गाढ़ा होता है. गाय के दूध में चिकनाई कम होती है, इसलिए इसका दूध पीने के लिए ठीक है.

रूमेटाइड आर्थराइटिस : जानिए इस दर्दनाक बीमारी के लक्षण, कारण और इलाज

रूमेटाइड आर्थराइटिस यानी रूमेटाइड गठिया शरीर के जोड़ों से जुड़ी बीमारी है, जिसमें जोड़ों में दर्द और सूजन की समस्या होती है. रूमेटाइड आर्थराइटिस की समस्या तब होती है, जब आपका अपना ही इम्यून सिस्टम ठीक से काम नहीं करता और जोड़ों के अस्तर (साइनोवियम) पर हमला कर देता है. इस बीमारी से हाथ, घुटने और एड़ियां प्रभावित होते हैं. आमतौर पर शरीर के दाएं और बाएं, दोनों हिस्सों के अंग एक साथ इससे प्रभावित होते हैं. जैसे दोनों हाथ, दोनों घुटने या दोनों एड़ियां. रूमेटाइड आर्थराइटिस सिर्फ इन्हीं अंगों से जुड़ी बीमारी नहीं है, कई बार इससे शरीर के अन्य अंग भी प्रभावित होते हैं. कुछ मामलों में आंखें, दिल, सर्कुलेटरी सिस्टम और फेफड़े भी रूमेटाइड आर्थराइटिस से प्रभावित हो सकते हैं.

पुरुषों के मुकाबले महिलाएं ज्यादा रूमेटाइड आर्थराइटिस से पीड़ित होती हैं. हालांकि, इसके पीछे कोई स्पष्ट कारण अभी तक डॉक्टर और वैज्ञानिक नहीं जानते हैं. ज्यादातर महिलाओं में 30 से 60 साल की उम्र के बीच रूमेटाइड आर्थराइटिस के लक्षण विकसित होते हैं. चलिए जानते हैं रूमेटाइड आर्थराइटिस के लक्षण, कारण और इलाज क्या हैं.

रूमेटाइड आर्थराइटिस क्यों होता है?

एक स्वस्थ व्यक्ति का इम्यून सिस्टम बाहरी हमले से लड़ने का काम करता है. आमतौर पर हम सभी के शरीर में मौजूद इम्यून सिस्टम हमें किसी भी तरह के संक्रमण से बचाने के लिए निरंतर कार्य करता है. लेकिन कुछ मामलों में हमारा इम्यून सिस्टम ही हमारे शरीर पर हमला करने लगता है. हमारा इम्यून सिस्टम हमारे अपने ही शरीर फॉरेन ऑब्जेक्ट मानकर उस पर हमला कर देता है. रूमेटाइड आर्थराइटिस भी एक ऑटोइम्यून डिजीज है. यानी यह बीमारी तब होती है, जब हमारा इम्यून सिस्टम हमारे शरीर के उत्तकों को ही बाहरी (Bacteria या Virus) समझकर उन पर हमला कर देता है. हमारा इम्यून सिस्टम उन सेल्स से लड़ने के लिए इनफ्लेमेटरी कैमिकल भेजता है. इम्यून सिस्टम साइनोवियम पर हमला करके उसके आसपास फ्लूइड बनाने लगता है, ताकि शरीर के जोड़ ठीक से काम कर सकें. ऐसे में साइनोवियम में सूजन आ जाती है और उसके आसपास के क्षेत्र में दर्द होने लगता है और क्षेत्र मुलायम होने के साथ ही त्वचा का लाल होना और सूजन दिखने लगती है. जोड़ों को हिलाने में भी समस्या होने लगती है.

शोधकर्ता अब भी इस बात को लेकर निश्चित नहीं हैं कि रूमेटाइड आर्थराइटिस क्यों विकसित होता है. शोधकर्ताओं के अनुसार जो लोग रूमेटाइड आर्थराइटिस से प्रभावित होते हैं, उनमें यह बीमारी किसी पर्यावरणीय कारण – जैसे बैक्टीरिया या वायरस और शारीरिक व भावनात्मक तनाव के साथ ही अन्य बाहरी कारण भी जिम्मेदार होते हैं.

रूमेटाइड आर्थराइटिस के लक्षण क्या होते हैं?

रूमेटाइड आर्थराइटिस के शुरुआती लक्षणों में प्रभावित जोड़ों में लालिमा और सूजन भले ही न दिखे, लेकिन उन्हें प्रभावित हिस्से में

दर्द का अनुभव हो सकता है और वह हिस्सा नरम हो सकता है. इसके अलावा रूमेटाइड आर्थराइटिस के कुछ प्रमुख लक्षण निम्न हो सकते हैं.

जोड़ों में दर्द, अंगों का नरम पड़ना, सूजन और अकड़न जो 6 हफ्ते या इससे ज्यादा समय तक रहे.

सुबह-सुबह की अकड़न और जकड़न जो आधे घंटे या इससे ज्यादा देर तक रहे.

एक से अधिक जोड़ों में लक्षण महसूस होना.

छोटे जोड़ (कलाई, हाथ और पैर के अन्य छोटे जोड़) आमतौर पर पहले प्रभावित होते हैं.

शरीर के दोनों ओर के एक से अंग प्रभावित होना.

रूमेटाइड आर्थराइटिस से पीड़ित कुछ लोग बहुत अधिक थकावट महसूस कर सकते हैं.

कुछ लोगों को हल्का बुखार भी महसूस होता है.

रूमेटाइड आर्थराइटिस के लक्षण बार-बार आते और जाते रहते हैं. जब बहुत अथिक सूजन और अन्य लक्षण नजर आएं तो इसे फ्लेयर कहा जाता है. फ्लेयर कई दिनों और महीनों तक प्रभावित कर सकता है.

रूमेटाइड आर्थराइटिस का निदान कैसे होता है?

रूमेटाइड आर्थराइटिस का सही से इलाज हो, इसके लिए सबसे जरूरी बात यह है कि सबसे पहले उसका सही तरीके से निदान हो. बीमारी का सही निदान हो इसके लिए आपको पहले लक्षण दिखने पर सबसे पहले रूमेटाइड आर्थराइटिस के डॉक्टर (रुमैटोलॉजिस्ट) से मिलना चाहिए. रूमैटोलॉजिस्ट आपकी मेडिकल हिस्ट्री के साथ ही फिजिकल एग्जामिनेशन और लैब टैस्ट्स की मदद से बीमारी का निदान करते हैं.

मेडिकल हिस्ट्री में डॉक्टर आपसे आपके लक्षणों के बारे में पूछेंगे और जानेंगे कि लक्षण कब शुरू हुए? क्या लक्षण बार-बार आते-जाते हैं? लक्षण कितने गंभीर होते हैं? इन लक्षणों से आराम पाने के लिए आप अक्सर क्या करते हैं? क्या आपके परिवार में किसी व्यक्ति को पहले से रूमेटाइड आर्थराइटिस या कोई अन्य ऑटोइम्यून बीमारी है?

फिजिकल एग्जामिनेशन – डॉक्टर आपके जोड़ों की अच्छी तरह से जांच करेंगे, वह देखेंगे कि कहीं जोड़ों में नरमी तो नहीं आ रही, सूजन है या नहीं, जोड़ों में दर्द है या नहीं, कितना दर्द है और क्या जोड़ों को आसानी से मून कर रहे हैं या नहीं. त्वचा के नीचे थक्के हैं या लो ग्रेड बुखार तो नहीं है.

ब्लड टेस्ट – ब्लड टेस्ट के जरिए डॉक्टर सूजन और ब्लड प्रोटीन (एंटीबॉडी) का पता लगाते हैं, जिनका संबंध रूमेटाइड आर्थराइटिस से होता है.

ईएसआर और सी-रिएक्टिव प्रोटीन सूजन के बारे में जानकारी देते हैं. ईएसआर और सीआरपी बढ़े होने के साथ ही अन्य लक्षणों का मिलान करके डॉक्टर रूमेटाइड आर्थराइटिस का निदान कर सकते हैं.

रूमेटाइड आर्थराइटिस से पीड़ित 80 फीसद लोगों में एक प्रकार का एंटीबॉडी रूमेटाइड फैक्टर (RF) पाया जाता है. 60-70 फीसद लोगों में सीसीपी के लिए एंटीबॉडी मिलते हैं. हालांकि जिन लोगों को रूमेटाइड आर्थराइटिस नहीं होता, उनमें भी यह एंटीबॉडी पाए जाते हैं.

रूमेटाइड आर्थराइटिस की वजह से जोड़ों पर मौजूद हड्डियों के सिरों का क्षरण होने लगता है. हड्डियां कमजोर होकर टूटने लगती हैं. एक्सरे, अल्ट्रासाउंड और एमआरआई की मदद से इस क्षरण को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है. अगर पहले टेस्ट में इस तरह के लक्षण न दिखें तो समझ लें कि रूमेटाइड आर्थराइटिस अपने पहले चरण में है और उसने अभी तक हड्डियों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया है. इनकी मदद से इलाज से होने वाले लाभ को भी देखा जा सकता है.

रूमेटाइड आर्थराइटिस का इलाज क्या है?

रूमेटाइड आर्थराइटिस के इलाज का मसकद सूजन को कम करना और इसे बिल्कुल निचले स्तर तक पहुंचाना है. इलाज की मदद से रूमेटाइट आर्थराइटिस के लक्षणों से राहत दिलाना, जोड़ों और अंगों को होने वाले नुकसान से बचाना भी इसके इलाज का अहम हिस्सा है. रूमेटाइड आर्थराइटिस के इलाज में जोड़ों की कार्यशीलता बढ़ाना और लंबे समय के लिए पड़ने वाले असर को कम करना है. इसके लिए डॉक्टर निम्न उपायों को अपनाते हैं.

सूजन को जल्द ले जल्द कम करने और रोकने के लिए प्रारंभिक उपचार

लक्षण दिख रहे हों या नहीं, बीमारी को लक्षित करके मरीज को समस्या से निजात दिलाना

सूजन कम करने के लिए हर संभव कोशिश करना

अगर बढ़ जाए कोलेस्ट्रॉल लेवल तो हो सकती हैं ये 3 गंभीर बीमारियां

अक्सर आपने देखा होगा कि कुछ लोगों का कोलेस्ट्रॉल लेवल हमेशा बड़ा रहता है. ऐसे में इन लोगों को पता होना चाहिए कि हाई कोलेस्ट्रॉल होने पर कौन-कौन सी बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि यदि आपको हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या है तो ऐसे में आप किन बीमारियों का शिकार हो सकते हैं.

हाई कोलेस्ट्रॉल का खतरा

जब व्यक्ति को हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या हो जाती है तो इसके कारण व्यक्ति स्ट्रोक की समस्या का भी शिकार हो सकता है. बता दें कि हाई कोलेस्ट्रॉल के कारण मस्तिष्क तक जाने वाली धमनियां ब्लॉक हो जाती हैं, जिससे दिमाग में सही तरह से ब्लड फ्लो नहीं हो पाता है और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ सकता है.

जब व्यक्ति को हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या होती है तो इसका नकारात्मक असर आपकी किडनी पर भी पड़ सकता है. ऐसे में व्यक्ति को किडनी फेलियर की समस्या हो सकती है. बजा दें कि कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने पर किडनी से जुड़ी ब्लड बेसल्स में प्लाक का निर्माण होने लगता है. ऐसे में ब्लड की सप्लाई सही ढंग से किडनी तक नहीं हो पाती है और किडनी फेलियर का खतरा बढ़ सकता है.

कोलेस्ट्रॉल लेवल के बढ़ने पर व्यक्ति को हाई ब्लड प्रेशर की समस्या भी हो सकती है. बता दें कि कोलेस्ट्रोल के बढ़ने पर धमनिया संकरी होने लगती हैं, जिससे दिल के अन्य हिस्सों में सही तरीके से ब्लड सरकुलेशन नहीं हो पाता है और दिल को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है. ऐसे में ब्लड का फ्लो भी बढ़ने लगता है.

इसबगोल क्या है व इसके सेवन से क्या लाभ

प्रश्न : इसबगोल का बहुत जिक्र सुना है। यह क्या है और किन किन रोगों में इसके सेवन से लाभ मिलता है - कृपा कर बताएं।

- श्रीमती विष्णुप्रिया गुप्ता, हैदराबाद

उत्तर : आयुर्वेद में इसबगोल सदियों से उपयोग में आते रहा है। यह प्लांटागो ओवेटा नामक बीज की भूसी है। यह मलबद्धता को दूर करता है। इसका लुआब आंतों को साफ करता है। इसका उपयोग पेचिश और मरोड़ के साथ दस्तों के कारणों को दूर करता है । यह विभिन्न रोगों में बेहद उपयोगी साबित हुआ है।

*आंव : एक चम्मच इसबगोल गर्म दूध से रात में सेवन करें । सुबह दही में मिलाकर उसमें थोड़ा सा नमक, सोंठ व जीरा मिलाकर खिलाएं - चार दिन तक के सेवन से ही अंश आना बंद हो जाता है।

*संग्रहणी : आंव, पेचिश व संग्रहणी में इसबगोल 3 भाग, हरड़ व बेल का सूखा गूदा समान भाग -तीनों को पीसकर दो चम्मच सुबह-शाम गर्म दूध लेने पर लाभ होता है।

* शीघ्रपतन : ईसबगोल, शरबत खसखस व मिश्री - इसे पानी में मिलाकर पीने से शीघ्रपतन में आराम मिलता है।

* मूत्रदाह : तीन चम्मच इसबगोल की भूसी को एक गिलास पानी में भिगोकर उसमें स्वाद अनुसार बूरा या शक्कर डालकर पीने से मूत्र की जलन कम हो जाती है।

*श्वास या दमा : 6 माह तक लगातार ईसबगोल की भूसी(मात्रा दो चम्मच) को सुबह-शाम भोजन के आधे घंटे से दो घंटे पहले गर्म पानी से लेने पर पुराना दमा भी ठीक हो जाता है। *कांच या कंकर खाने में आने औरा का लैक्झोल पौडर -(जिसमें सत ईसबगोल मुख्य है) पानी के संग लेने पर मल से कंकर या कांच निकल जाता है। ऊंझा निरोग चूर्ण -सत ईसबगोल युक्त एक ऐसी औषध है जो कब्ज को दूर करती है।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है। डॉक्टर कहता है कि मेरी तापतिल्ली बढ़ गई है। हमेशा पेट सख्त रहता है। खून की कमी है। थकावट जल्दी आ जाती है। हल्का ज्वर भी बना रहता है । आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- प्रभाकर राव, सिकंदराबाद

उत्तर : ताप तिल्ली यानी स्प्लीन आमाशय के पास स्थित लाल रंग की एक पोली ग्रंथि है जो भ्रूण अवस्था में लाल रक्त निर्माण, युवाओं में लसीकाणु -श्वेताणु निर्माण का महत्वपूर्ण कार्य करती है। यह रक्त भंडारण व लाल रक्ताणुओं की कब्रगाह है। यह उसमें से हिमोग्लोबिन को अलग करती है। तिल्ली को प्लीहा भी कहते हैं। य ह विषमज्वर, का ला

ज्वर, जलोदर, रक्त कैंसर एवं रक्ताल्पता में बढ़ जाती है। इन रोगों को रक्त परीक्षण व विशेष जांच से सुनिश्चित किया जा सकता है ।

बढ़ी हुई तिल्ली और उससे उत्पन्न थकान - कमजोरी का आयुर्वेद में उपचार है। विषमज्वरान्तक लौह टिकियां या ऊंझा ताप्यादि लौह टिकिया व ऊंझा पुनर्नवादि मंडूर टिकिया के संग भोजन के बाद उबालकर ठंडे किए पानी से देवें। औरा लिविंझ टेबलेट भी इसमें अतीव हितकारी है। भोजन के बाद रोहितकासव , अमृतारिष्ट, पुनर्नवासव - तीनों की 10-10 मिलीलीटर दवा को 3 गुना पानी में मिलाकर देवें । यह किसी भी प्रकार की प्लीहावृद्धि, उदररोग, गुल्म, रक्ताल्पता, उग्रशोथ व कमजोरी - थकान को दूर करता है। औषध सेवन काल में अचार, तले पदार्थ, तीखे मिर्च मसाले व नमक का परहेज करें । बासी भोजन न करें। दिवाशयन से बचें। अवश्य लाभ होगा।

प्रश्न : वजन कम करने के लिए क्या करना चाहिए? कृपा कर बताएं!

- करुणासागर नायडू, खम्मम

उत्तर : वजन किन कारणों से बढा है सबसे पहले यह जानना जरूरी है। अनुवांशिक कारणों से बढी स्थूलता को कम करना मुश्किल है। कोई औषध सेवन से अचानक बढ़ी स्थूलता को धीरे-धीरे कम किया जा सकता है। अनाबॉलिक स्टेरॉइड्स भी मोटापा बढ़ाते हैं। आरामपसंद जीवन और चर्बी वाले आहार इसमें योगदान देते हैं।

व्यक्ति विशेष क्या काम करता है, उसका शरीर से कितना परिश्रम होता है - यह जानने पर उसे क्या-क्या खाना चाहिए तय किया जा सकता है। कम भोजन या संतुलित भोजन व अधिक मेहनत करने वाले काम करने से ही वजन में कमी आ सकती है। चीनी, मक्खन, तले पदार्थ व शराब का सेवन न करें। गाजर, मूली, सलाद, कच्चे फल और हरी सब्जियां अधिक मात्रा में लेवें। हर रोज कसरत करें । सुबह टहलने की आदत डालें। भोजन के तुरंत बाद पानी पीना बंद करें।

औषध में ऊंझा मेदोहर गुग्गुलु भोजन के आधा घंटा पहले गुनगुने पानी से लेवे। भोजन के बाद वृक्षाम्ला कैप्सूल व ऊंझा आरोग्यवर्धिनी रस टिकिया लेवें। भोजन के बाद ही ऊंझा कुमार्यासव, लोहासव व रोहितकासव - प्रत्येक 10-10 मिलीलीटर दवा को दोगुने पानी में मिलाकर सेवन किया करें। कसरत एवं औषधि सेवन दो मंडल यानी 80 दिन तक चालू रखें। हर हालत में बढ़ा हुआ वजन व शरीर की स्थूलता कम होने लगेगी।

डॉ च पुरुषोत्तम बिदादा

Email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य चिपकाएं।

आयुर्वेदिक प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396 लोअर टैंकबंड, हैदराबाद-80

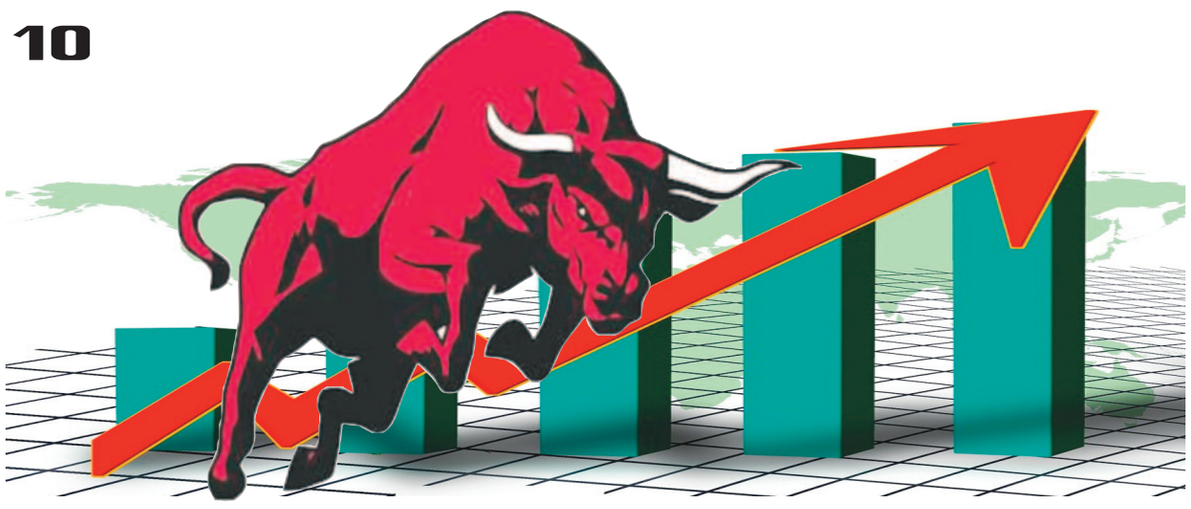

रेलवे ने तीन महीने के लिए रद्द कर दीं 46 ट्रेनें, आज 181 ट्रेनें कैंसिल

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे ने पूरे देश में आज 28 नवंबर को 180 से अधिक ट्रेनें कैंसिल कर दी है, इसमें से 147 ट्रेनों को पूरी तरह से रद्द किया गया है। वहीं 34 ट्रेनों को आंशिक रूप से कैंसिल किया गया है। इसके अलावा, 18 को रिशेड्यूल और 44 ट्रेनों को डायवर्ट किया गया है। आईआरसीटीसी पर अपडेट हुई जानकारी के अनुसार, इंडियन रेलवे ने इन ट्रेनों को मरम्मत, ठंड और परिचालन के कारण रद्द किया गया है। कैंसिल होने

वाली ट्रेनों में नई दिल्ली, पठानकोट, कोलकाता, बिहार, झारखंड, मुंबई, उत्तर प्रदेश और अन्य जगहों को जाने वाली ट्रेनें शामिल हैं। अगर आपने भी इन ट्रेनों में रिजर्वेशन पहले ही करा लिया है, तो सफर पर निकलने से पहले अपने ट्रेन को चेक कर लें।

तीन महीने के लिए रद्द हुई 46 ट्रेनें

पूर्वोत्तर रेलवे के सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि आने वाले दिनों में कोहरे को ध्यान में रखकर सतर्कता बरती जा रही है, जिस कारण तीन महीने के लिए 46 ट्रेनों को अलग-अलग तारीखों पर रद्द किया गया है। ये ट्रेनें दिसंबर 2022 से फरवरी 2023 तक अलग-अलग तारीख पर कैंसिल रहेंगी।

ब्याज दर में तेज वृद्धि की रफ्तार घटाए आरबीआई

सोने का आयात घटा,मौद्रिक नीति की समिति की बैठक 5-7 दिसंबर तक होगी

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने रविवार को कहा कि भारतीय उद्योग जगत पर ब्याज दरों में हुई बढ़ोतरी का प्रतिकूल असर हो रहा है। इसलिए आरबीआई ब्याज दर में बढ़ोतरी की रफ्तार घटाए। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में अभी तक रेपो दर में 1.9 फीसदी की बढ़ोतरी की है। केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति की समिति की बैठक 5-7 दिसंबर तक होगी। सीआईआई ने कहा, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बड़ी संख्या में कंपनियों की आय और मुनाफे में कमी आई है। ऐसे में मौद्रिक सख्ती की गति में कमी करने की जरूरत है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच घरेलू वृद्धि को बनाए रखने के लिए आरबीआई को मौद्रिक सख्ती की रफ्तार को पहले के 0.5 फीसदी से कम करने पर विचार करना चाहिए।

सोने का आयात 17.38 फीसदी घटकर 24 अरब डॉलर पहुंचा

सोने का आयात चालू वित्त वर्ष के पहले सात माह (अप्रैल-अक्तूबर) में 17.38 फीसदी घटकर 24 अरब डॉलर रह गया। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में सोने का आयात 29 अरब डॉलर रहा था। अक्तूबर में सोने का आयात पिछले साल के समान माह की तुलना में 27.47% घटकर 3.7 अरब डॉलर रहा। इसी दौरान चांदी का आयात भी 34.80% गिरकर 58.5 करोड़ डॉलर रहा। हालांकि, अप्रैल-अक्तूबर में चांदी का आयात बढ़कर 4.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 1.52 अरब डॉलर था। अप्रैल-अक्तूबर, 2022 के दौरान वस्तुओं पर व्यापार घाटा 173.46 अरब डॉलर रहा है, जो पिछले साल की समान अवधि में 94.16 अरब डॉलर पर था।

एफएमसीजी कंपनियों को बिक्री में बढ़त की उम्मीद

दैनिक उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनियां सर्दियों के उत्पादों की शुरुआती मांग रूझान से उत्साहित हैं। उन्हें उम्मीद है कि पारा जैसे-जैसे गिरता जाएगा, उत्पादों का इस्तेमाल भी बढ़ेगा और ग्रामीण इलाकों से वृद्धि बढ़ेगी। डाबर, इमामी और मैरिको जैसी कंपनियों के सर्दियों के उत्पादों की बिक्री तेज हुई है जिनमें त्वचा वाले उत्पादों से लेकर प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले शहद व च्यवनप्राश जैसे उत्पाद शामिल हैं। कंपनियों को उम्मीद है कि फसल अच्छी रहने और सामान्य महंगाई में नरमी आने से आगामी तिमाहियों में ग्रामीण क्षेत्रों में बिक्री बढ़ेगी। मैरिको के संजय मिश्रा ने कहा कि सफोला इम्युनिवेदा श्रृंखला के उत्पादों और बॉडी लोशन जैसे के लिए सर्दियों का मौसम अहम होता है। इनकी विशेषकर उत्तरी क्षेत्र से मांग आती है। सर्दियों के शुरू होने के साथ ही इस साल भी इन उत्पादों का इस्तेमाल बढ़ गया है। इन सर्दियों में बॉडी लोशन की श्रेणी में मांग में वृद्धि 50% से अधिक रहेगी।

बड़े पैकेट वाले उत्पादों की बढ़ी बिक्री

इमामी में अध्यक्ष (बिक्री-सीसीडी) विनोद राव ने कहा कि महंगाई के कारण मांग संबंधी चुनौतियों के बावजूद कंपनी के सर्दियों के उत्पादों का प्रदर्शन ग्रामीण बाजारों के साथ-साथ थोक बिक्री भी में अच्छा रहने वाला है। इस वर्ष बड़े पैकेट वाले उत्पादों की बिक्री भी बढ़ी है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृश्चिक	में	वृश्चिक.	05-34 बजे
चंद्र-	मकर	में	धनु---	07-49 बजे
मंगल	वृष	में	मकर-	09-54 बजे
बुध-	वृश्चिक	में	कुंभ -	11-55 बजे
गुरु-	मीन	में	मीन...	13-23 बजे
शुक्र-	वृश्चिक	में	मेष--	14-59 बजे
शनि-	मकर	में	वृष--	16-44 बजे
राहु-	मेष	में	मिथुन..	18-45 बजे
केतु-	तुला	में	कर्क...	20-56 बजे
			सिंह...	23-09 बजे
			कन्या..	01-19 बजे
			तुला	03-25 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल-उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- **षष्ठी - 11 -04** तक उपरान्त सप्तमी
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष , मंगलवार **Nov 29**
नक्षत्र - श्रवण - **08 - 37** - तक उपरान्त धनिष्ठा
योग - ध्रुव - **14 - 52** - तक उप- व्याघात
करण- तैतिल - **11 - 04** - तक उप- गर
विशेष:- चम्पा षष्ठी स्कंद गुह षष्ठी
व्रत -त्योहार - मित्र सप्तमी

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
14:52 से
16:15 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया	
रोग	06:32 - 07:54	अशुभ	काल	17:39 - 19:15 अशुभ
उत्पात	07:54 - 09:17	अशुभ	लाभ	19:15 - 20:52 शुभ
चंचल	09:17 - 10:41	शुभ	उत्पात	20:52 - 22:28 अशुभ
लाभ	10:41 - 12:04	शुभ	शुभ	22:28 - 00:05 शुभ
अमृत	12:04 - 13:28	शुभ	अमृत	00:05 - 01:41 शुभ
काल	13:28 - 14:52	अशुभ	चंचल	01:41 - 03:18 शुभ
शुभ	14:52 - 16:15	शुभ	रोग	03:18 - 04:54 अशुभ
रोग	16:15 - 17:36	अशुभ	काल	04:54 - 06:32 अशुभ

शादी के सीजन में सस्ते हुए गोल्ड और सिल्वर, आज कितने नीचे आए हैं रेट

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। सर्राफा बाजार में आज सोना और चांदी दोनों आपको सस्ते मिल रहे हैं। ग्लोबल मार्केट में भी सोना और चांदी गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। डॉलर की कीमतों में मजबूती आने से सोना और चांदी के दाम नीचे आ रहे हैं। इस वेडिंग सीजन में अगर आप सोने के गहनों, चांदी के सिक्कों आदि की खरीदारी करना चाहते हैं तो आज आपके लिए अच्छा मौका बन रहा है।

जानिए आज एमसीएक्स पर सोने का रेट

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का रेट आज निचले दायरे में है और इसमें 115 रुपये की गिरावट देखी जा रही है। एमसीएक्स पर सोना 0.22 फीसदी की गिरावट के साथ 52,429 रुपये प्रति 10 ग्राम के

रेट पर कारोबार कर रहा है। सोने में 100 रुपये से ज्यादा की गिरावट देखी जा रही है और ये 52500 रुपये प्रति 10 ग्राम से नीचे आ गया है जबकि चांदी में करीब 400 रुपये की गिरावट के साथ भाव देखे जा रहे हैं। एमसीएक्स पर चांदी भी गिरावट के साथ कारोबार कर रही है। चांदी के दिसंबर वायदा में 386 रुपये या 0.63 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार हो रहा है और इसमें 61,290 रुपये प्रति किलो के रेट देखे जा रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से इंडस्ट्रियल मांग में कमी आने के चलते भी चांदी की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने के दाम

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने के दाम आज भी नीचे बने हुए हैं। सोना 4.05 डॉलर या 0.23 फीसदी की गिरावट के साथ 1,749.95 डॉलर प्रति औंस के रेट पर बना हुआ है। वहीं सिल्वर 0.99 फीसदी की गिरावट के साथ 21.218 डॉलर प्रति औंस पर बनी हुई है। शेयर इंडिया के वीपी, हेड ऑफ रिसर्च डॉ रवि सिंह का कहना है कि आज सोने के लिए गिरावट में कारोबार का नजरिया है और इसके 52500-52600 लेवल पर खुलने के बाद 52300-52800 के बीच की रेंज में कारोबार करने की उम्मीद बन रही है।

तीन देशों में सबसे ज्यादा करोड़पतियों ने छोड़ा देश

रूस चीन के अलावा भारत है सबसे ज्यादा प्रभावित

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। देश में करोड़पतियों की संख्या बढ़ रही है ऐसी खबरें आपने पहले कई बार सुनी होंगी। हालांकि अब एक ऐसी रिपोर्ट आई है जो चिंता में डाल सकती है। ग्लोबल कंसल्टेंट हेनले एंड पार्टनर्स ने एक रिपोर्ट निकाली है जिसमें बताया गया है कि साल 2022 में अभी तक रूस, चीन और भारत ने सबसे ज्यादा करोड़पतियों को खोया है। यानी इन 3 देशों में करोड़पतियों की संख्या में सबसे तेजी से कमी आई है। रिपोर्ट के मुताबिक इन 3 देशों में से रूस में 15,000, चीन ने 10,000 और भारत में 8000 करोड़पति बाहर चले गए हैं। हालांकि इससे पहले कोविड-19 महामारी के दौरान धनवानों की संख्या में कमी देखी गई थी पर हाई नेटवर्थ इंडीविजुअल की अच्छी खासी संख्या थी। हाई नेटवर्थ इंडीविजुअल वो होते हैं जिनके पास 10 लाख डॉलर से ज्यादा वैल्थ होती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में

करोड़पतियों के माइग्रेशन से होने वाला नुकसान कम है क्योंकि देश बाहर जाने वाले धनवानों की तुलना में कहीं ज्यादा नए करोड़पति पैदा करता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि संपन्न व्यक्तियों के भारत लौटने का चलन भी है और एक बार देश में जीवन स्तर में सुधार होने के बाद, हम उम्मीद करते हैं कि धनी लोग बढ़ती संख्या में वापस चले जाएंगे। रिपोर्ट में ये उम्मीद भी जताई गई है कि भारत में हाई नेटवर्थ इंडीविजुअल्स की संख्या साल 2031 तक 80 फीसदी बढ़ जाएगी। इसके आधार पर ये देश सबसे तेजी से बढ़ने वाले वैल्थ मार्केट्स में से एक होगा।

आपका राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

आज आत्मविश्वास उच्चकोटि का रहेगा, जिस कार्य को भी हाथ में लेंगे उसमें अपना श्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे। यदि माता नौकरी पेशा हैं तो उनके लिये समय उत्तम है तथा मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अब तक जो आर्थिक दबाव चल रहा था वे भी कुछ हद तक कम होगा। कार्यक्षेत्र में दैनिक आय में कुछ बढ़ोत्तरी हो सकती है।

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आज दिन सामान्य व्यतीत होगा। संतान के किसी कार्य में धन की आवश्यकता पड़ सकती है। बड़े बहन-भाइयों से मदद लेनी पड़ सकती है। यदि आप नौकरी पेशा हैं तो कार्यक्षेत्र में छोटी-मोटी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। धैर्य से कार्य करें। जीवन साथी के लिये समय कुछ कठीन है।

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

आज चंद्रमा अनुकूल हैं। घर-परिवार की किसी समस्या में आप अपनी सुझबुझ से काम लेंगे और अपनी बुद्धि-कौशलता से सही निर्णय ले पाएंगे। यदि नौकरी पेशा हैं तो स्त्री वर्ग से आपको काफी सहयोग प्राप्त हो सकता है। जीवन साथी के साथ विदेश यात्रा के बारे में विचार कर सकते हैं।

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

आज के दिन भाग्य साथ है, कार्यक्षेत्र में सभी लोग आगे आकर मदद करेंगे तथा आप भी मन लगाकर कार्य करेंगे और कार्यों को परिणाम तक पहुंचाने में सफल रहेंगे। धन का खर्चा भी अधिक रहेगा। संतान को कोई भेंट प्राप्त हो सकती है। भूमि-भवन की बातें गति पकड़ लेंगी।

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

पिछले किये गये कार्यों से मन में प्रसन्नता रहेगी।अपनी खुशी में आप छोटी-मोटी दावत का आयोजन भी कर सकते हैं, जिसमें सोच से अधिक धन भी खर्च हो सकता है।माता को कोई उपहार की प्राप्ति हो सकती है।जीवनसाथी को अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।आपके मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज अपने ज्ञान को बढ़ाने के लिये आप गुरुजनों से मुलाकात कर सकते हैं तथा ज्ञानवर्धक पुस्तकें पढ़ने में भी रुचि लेंगे। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव की स्थितियाँ बन रही हैं जो आपके लिये अच्छी रहेगी।किसी धार्मिक स्थल पर जा सकते हैं। संतान को लेकर समय शुभ है। यदि आप निजी संबंध में हैं तो कुछ गलत फहमियाँ हो सकती हैं।

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

काफी समय से चली आ रही भ्रम की स्थिति दोपहर बाद खत्म होगी और आप किसी निर्णय तक पहुंच पाएंगे। कार्यक्षेत्र में मेहनत के अनुरूप लाभ प्राप्त नहीं हो पायेगा। वाहन आदि पर धन खर्च होगा। पिता से वैचारिक मतभेद उभर सकते हैं। छोटे बहन-भाइयों के लिये समय उत्तम है।

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो या यी यू

आज का दिन मिला-जुला रहेगा।आलस्य हावी रहने की स्थिति के कारण आपके कई कार्य अधूरे रह जायेंगे।दोपहर के बाद स्थितियों में सुधार होगा।कार्यक्षेत्र में नये-नये विचार अधिकारियों के सामने रखेंगे और उन पर अमल करेंगे। अविवाहित लोगों के लिये अच्छे प्रस्ताव आ सकते हैं।

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

मति भ्रम रहेगा और अच्छा निर्णय नहीं कर पायेंगे।अतः महत्वपूर्ण निर्णय को कुछ दिन के लिए स्थगित कर दीजिये। आय बढ़ सकती है या आय बढ़ने के संकेत मिल सकते हैं। घर-परिवार के मामलों में सहमति बढ़ेगी और किसी एक बात को लेकर घर में गर्मागर्मी होने के बाद भी मामला सुलझ जायेगा।

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

आज आत्मविश्वास उच्चकोटि का बना रहेगा। जीवनसाथी की किसी सलाह से लाभ प्राप्त हो सकता है।भूमि-भवन संबंधित किसी कार्य से लाभ प्राप्त हो सकता है।अपने किसी शौक पर आप जरुरत से ज्यादा धन खर्च कर सकते हैं।संतान की शिक्षा संबंधित कुछ अड़चने आ सकती हैं।

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

आज किसी बात का पछतावा आपके मन में रहेगा तथा बात खुल जाने का भय भी आपके मन में रहेगा।जिससे घर-परिवार में अशांति का माहौल बन सकता है।स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से दिन कमजोर है।साझेदारी व्यवसाय में कार्यों के घंटे बढ़ाने पड़ सकते हैं। बड़े निर्णय लेने के लिये समय ठीक नहीं।

मीन दी दू थ झ ञ के दो चा ची

कामकाज के सिलसिले में यात्रा हो सकती है।नये-नये लोगों से मुलाकात लाभकारी सिद्ध होगी।संतान को कोई नई उपलब्धि प्राप्त हो सकती है। माता-पिता के लिये भी दिन शुभ है।यदि आप निजी संबंध में हैं तो साथ में समय निकालने की सोचेंगे।खर्चों पर नियंत्रण नहीं रख पाएंगे और धन प्रबंध के बारे में विचार करेंगे।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

पीएफ खाता बंद हो गया है तो भी मिलेगा ब्याज? जानिए क्या है ईपीएफ का यह नियम

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। देश में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के तहत करोड़ों खाताधारक जुड़े हुए हैं। पीएफ खाते के तहत कर्मचारियों को हर साल ब्याज दिया जाता है। अभी केंद्र सरकार की ओर से 8.1 प्रतिशत का ब्याज दिया जा रहा है। ब्याज का पैसा उन्हीं खातों के तहत जारी किया जाता है, जो अभी एक्टिव हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि अगर आपका ईपीएफ खाता डिएक्टिवेट हो चुका है, तो भी उसपर ब्याज मिलेगा? इसकी जानकारी से पहले आपको ईपीएफ के बारे में जानना चाहिए। ईपीएफ अकाउंट यानी पीएफ खाता नौकरीपेशा लोगों के लिए खोला जाता है, जिसपर कंपनी और कर्मचारी दोनों की ओर से समान योगदान दिया जाता है। इसमें जमा पैसे पर सरकार की ओर ब्याज दिया जाता है। इमरजेंसी के समय पर ईपीएफ खाते से पैसा निकाला जा सकता है। हालांकि अगर आप बीच में इस खाते से पैसा नहीं निकालते हैं, तो रिटायरमेंट के समय में आप एक अच्छा फंड जुटा सकते हैं। अगर आप ईपीएफ खाताधारक हैं, तो आपको ब्याज हर साल दिया जाएगा।

ग्लोबल बाजार के साथ भारत में भी टूटे क्रिप्टोकरेंसी के दाम, बिटकॉइन भी नीचे

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। क्रिप्टोकरेंसी के बाजार में बड़ी गिरावट के साथ कारोबार हो रहा है। ये बाजार पिछले दो दिनों में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देख चुका है और इसका मार्केट कैप घटकर 852 अरब डॉलर पर आ गया है। लिहाजा इसका मार्केट कैप 1 खरब डॉलर से नीचे ही है। क्रिप्टोकरेंसी के दाम में लगातार गिरावट देखी जा रही है और आज ग्लोबल बाजार में बिटकॉइन के दाम में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है। ये 16,129 डॉलर के रेट पर आ गई है। इथेरियम ब्लॉकचेन से लिंक्ड कॉइन

इथेरियम के दाम भी आज 4 फीसदी से ज्यादा गिरे हैं। दुनिया की दूसरी सबसे पॉपुलर क्रिप्टोकरेंसी के दाम में 4 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी गई है और 1162 डॉलर प्रति कॉइन पर आ गई है। इसी दौरान डॉजकॉइन के दाम में जोरदार उछाल देखा गया है और ये 6 फीसदी से ज्यादा की बढ़त के साथ कारोबार कर रही है। डॉजकॉइन के दाम 0.109 डॉलर पर हैं। वहीं शिबु इनु 2 फीसदी से ज्यादा गिरकर 0.1000008 डॉलर के रेट पर आ गई है। इसके अलावा बिनान्स यूएसडीस ऐवलैंश, टीथर, टेरा, स्टेलर, पोल्काडॉट, सोलाना, यूनिस्वैप, एपकॉइन, ट्रॉन, पोलीगन, एक्सआरपी, कारडनो और चेनलिंक के दाम भी निचले दायरे में ही हैं और गिरावट के लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। दुनिया की सबसे पॉपुलर क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन के दाम 24 घंटे में 2.102 फीसदी टूटे हैं और ये 1,324,112.137 पर आ गए हैं। पिछले 7 दिनों में इसमें 1.13 फीसदी की गिरावट देखी गई है।

गेमर्स की संख्या के मामले में भारत दुनिया में दूसरे नंबर पर

2026 तक 3.43 लाख करोड़ रुपये का होगा गेमिंग मार्केट

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। ऑनलाइन गेमिंग का नशा पूरी दुनिया में लोगों के सिर चढ़ता जा रहा है और भारत भी इससे अछूता नहीं है। 396.15 मिलियन यानि 39.16 करोड़ गेमर्स के साथ गेमर्स की संख्या के मामले में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश बन चुका है। एशिया के टॉप 10 देशों में 50 फीसदी से ज्यादा गेमर्स अकेले भारत में ही मौजूद हैं।

50 फीसदी से ज्यादा गेमर्स भारत में

मार्केट रिसर्च फर्म निको पार्टनर्स ने एक डाटा तैयार किया है जिसके मुताबिक 10 एशियाई देश की सूची में मौजूद कुल गेमर्स में अकेले भारत में ही 50.2 फीसदी से ज्यादा गेमर्स मौजूद है। एशिया-10

गेम्स मार्केट के शीर्षक के नाम से तैयार रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में सबसे तेज रफ्तार के साथ गेमर्स की संख्या बढ़ रही है और बीते 5 सालों में 21 फीसदी के सलाना दर से रेवेन्यू भी बढ़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एशियाई के टॉप 10 पीसी और मोबाइल गेम मार्केट 2022 में 36.19 अरब डॉलर का रेनेव्यू जेनरेट करेगा और 2026 तक 41.14 अरब डॉलर रेवेन्यू जेनरेट कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक गेमर्स की संख्या रेवेन्यू बढ़ने की रफ्तार से भी ज्यादा तेजी गति से बढ़ रही है। एक दूसरे रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में भारत का गेमिंग मार्केट 2.16 अरब डॉलर का रह सकता है और 27 फीसदी के कम्पाउंड ग्रोथ के साथ 2027 में इसके 8.16 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।

2026 तक होगी 1.06 गेमर्स की संख्या!

निको पार्टनर्स के मुताबिक 2022 तक एशिया के टॉप 10 देशों में पीसी और मोबाइल गेमर्स की संख्या 788.17 मिलियन यानि 78.87 करोड़ छूने का अनुमान है। जो 2026 में एक अरब के पार 1.106 अरब को छू सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत, थाईलैंड, और फिलिपींस रेनेव्यू और गेमर्स की संख्या के लिहाज सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाले मार्केट्स में से एक है। जापान और कोरिया की गिनती टॉप 10 एशियाई मार्केट में सबसे मैच्योर मार्केट्स के रुप में की जाती है और इन दो देशों से अकेले 77 फीसदी रेवेन्यू आता है।

ऑनलाइन गेमिंग पर बढ़ेगा जीएसटी!

भारत में गेमर्स की संख्या बढ़ती जा रही है तो सरकार भी इससे कमाई बढ़ाने के विकल्प पर विचार कर रही है। ऑनलाइन गेमिंग पर जीएसटी रेट को बढ़ाया जा सकता है। गेमिंग पर जीएसटी को कैलकुलेट करने के फॉर्मूले में बदलाव संभव है। फिलहाल ऑनलाइन गेमिंग पर 18 फीसदी का जीएसटी लगता है।

सेंसेक्स 62701 के स्तर पर पहुंचा

निफ्टी भी रिकॉर्ड हाई पर बंद हुआ

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार ने हफ्ते के पहले कारोबारी दिन, यानी सोमवार (28 नवंबर) को नया रिकॉर्ड बनाया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 62,701 के नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। इससे पहले सेंसेक्स ने शुक्रवार को ऑल टाइम हाई बनाया था। आज सेंसेक्स 210 से ज्यादा अंक की तेजी के साथ 62,500 के पार बंद हुआ। इसके साथ ही सेंसेक्स ने अपना नया क्लोजिंग हाई भी बनाया। सेंसेक्स के 30 में से 16 शेयरों में तेजी देखने को मिली। वहीं 14 शेयरों में ही गिरावट रही। वहीं निफ्टी ने भी नया ऑल टाइम हाई और क्लोजिंग हाई बनाया। कारोबार के दौरान निफ्टी 18,614.25 के स्तर पर पहुंचा। इससे पहले निफ्टी ने 19 अक्टूबर 2021 को ऑल टाइम हाई बनाया था। आज यह 50 अंक की तेजी के साथ 18,560 के पार बंद हुआ। 1986 में जब सेंसेक्स की शुरुआत हुई तो इसका बेस ईयर

1978-79 को रखा गया और बेस 100 पॉइंट बनाया गया। जुलाई 1990 में ये आंकड़ा 1000 पॉइंट पर पहुंच गया। 1991 के आर्थिक उदारीकरण के बाद सरकार ने एफडीआई के दरवाजे खोले और बिजनेस करने के कानून में बदलाव किया। इसने सेंसेक्स में गति बढ़ाई। बीपीसीएल, रिलायंस, हीरो मोटोकॉर्प, टाटा कंज्यूमर,स्टेट बैंक ऑफ इंडिया लाइफ, एशियन पेट्स, नेस्ले इंडिया समेत निफ्टी के 25 शेयरों में तेजी देखने को मिली। वहीं हिंडाल्को, अपोलो हॉस्पिटल, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, एचडीएफसी बैंक समेत निफ्टी के 25 शेयरों में ही गिरावट रही। एनएसई के 11 सेक्टोरल इंडेक्स में से 7 में तेजी देखने को मिली। बैंक, ऑटो, एफएमसीजी फार्मा, पीएसयू बैंक, प्राइवेट बैंक और रियल्टी सेक्टर में तेजी रही। वहीं फाइनेंशियल सर्विसेज, आईटी, मीडिया और मेटल सेक्टर में गिरावट देखने को मिली। शेयर बाजार ने हफ्ते के पांचवें और आखिरी कारोबारी दिन, यानी शुक्रवार (25 नवंबर) को भी कई रिकॉर्ड्स कायम किए थे। इस दिन कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 62,447 ऑल टाइम हाई बनाया था। इसके बाद सेंसेक्स 20 अंकों की तेजी के साथ 62,293 के स्तर पर बंद हुआ था।

गुलदार ने 12 साल के किशोर को बनाया निवाला

घनसाली (टिहरी), 28 नवंबर (एजेंसियां)। बालगंगा तहसील के ग्राम पंचायत मयकोट निवासी एक 12 वर्षीय किशोर को गुलदार ने बीती शाम को मौत के घाट उतार दिया है। ग्राम पंचायत मयकोट के अल्दी तोक में निवासरत रणवीर चंद्र का 12 वर्षीय बेटा अरनव चंद बीती शाम को अपने दोस्तों के साथ खेलने मैं मयकोट गांव में गया था। टिहरी घनसाली में रविवार को सामने आई इस घटना से क्षेत्र में के लोगों में दहशत है। शाम 5 बजे के लगभग वह मैं मयकोट गांव से वापस अपने घर लौट रहा था कि रास्ते में गुलदार ने उस पर हमला बोल दिया। अरनव जब शाम 6 बजे तक घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने उसकी ढूंढ शुरू की। रास्ते में खून के धब्बे मिलने पर ग्रामीणों ने जंगल में उसकी तलाश की। रास्ते से 150 मीटर दूर झाड़ियों में रात 2:30 बजे अरनव का शव बरामद हुआ। रेंज अधिकारी प्रदीप चौहान ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए पिलखीअस्पताल लाया जा रहा है।

चीन में पत्रकार के साथ मारपीट

बीजिंग-शंघाई व वुहान समेत पांच शहरों में सड़क पर उतरे लोग

बीजिंग, 28 नवंबर (एजेंसियां)। चीन में जीरो कोविड पॉलिसी के तहत कड़े लॉकडाउन के खिलाफ सरकार विरोधी प्रदर्शन तेज होता जा रहा है। इस बीच खबर है कि शंघाई में एक विरोध प्रदर्शन को कवर कर रहे एक पत्रकार के साथ मारपीट की गई है। मीडिया हाउस की ओर से बताया गया कि कैमरामैन एडवर्ड लॉरेंस को सरकार विरोधी प्रदर्शन कवर करते हुए हिरासत में लिया गया और कई घंटों तक चीनी पुलिस ने उनके साथ मारपीट की। मीडिया हाउस के के प्रवक्ता ने बताया कि हम अपने पत्रकार एडवर्ड लॉरेंस के स्वास्थ्य को लेकर बहुत चिंतित हैं। उन्हें शंघाई में एक विरोध प्रदर्शन को कवर करते समय हिरासत में लिया गया और मारपीट की गई। प्रवक्ता ने बताया, पुलिस ने उन्हें लात भी मारी।

चीनी सरकार ने नहीं मांगी माफी

मीडिया हाउस की ओर से कहा गया है चीन की ओर से इस मामले में कोई स्पष्टीकरण या माफीनामा नहीं दिया गया है। इस घटना का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। कहा जा रहा है कि वीडियो में दिख रहा शख्स पत्रकार लॉरेंस ही है, जिसे पुलिस द्वारा हिरासत में लिया जा रहा है।

वुहान पहुंचा प्रदर्शन

उधर, चीन में कड़े लॉकडाउन के खिलाफ सरकार विरोधी प्रदर्शन तेज होता जा रहा है। रविवार को भी चीन की सड़कों पर बड़ी संख्या में लोग दिखाई दिए और जीरो कोविड पॉलिसी की वापसी की मांग की। जानकारी के मुताबिक, यह प्रदर्शन चीन के प्रमुख शहरों बीजिंग व शंघाई के बाद अब वुहान पहुंच गया है। सोशल मीडिया पर चीन में चल रहे विरोध प्रदर्शन के कई वीडियो भी सामने आ रहे हैं। बता दें, चीन में सरकार विरोध प्रदर्शन अब तक पांच बड़े शहरों- चेंगदू, शियान, वुहान, बीजिंग, शंघाई पहुंच चुका है।

इमारत में आग की घटना से नाराज हैं लोग

बता दें, चीन में बीते दिनों उरुमकी स्थित एक इमारत में आग लग गई थी। इस घटना में 10 लोग जिंदा जल गए तो नौ घायल हुए थे। लोगों का आरोप है कि कड़े लॉकडाउन के कारण समय पर मदद नहीं पहुंची, जिस कारण यह हादसा हुआ। इसके बाद कई विश्वविद्यालय के छात्रों समेत बड़ी संख्या में लोग सड़क पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया।

चीन में तेजी से बढ़ रहे कोरोना मामले

बीते एक सप्ताह से चीन में कोरोना संक्रमण काफी तेजी से फैल रहा है। शनिवार को यहां 24 घंटे में 40 हजार मामले दर्ज किए गए थे। इससे पहले यहां 35 हजार मामले आए थे। बीते कुछ दिनों का रुख करें तो लगातार 30 हजार से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं।

लंदन में चीनी दूतावास के बाहर प्रदर्शन

चीन में कड़े लॉकडाउन के खिलाफ जारी प्रदर्शन की आग लंदन तक पहुंच चुकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लंदन में चीनी दूतावास के बाहर लोग इकट्ठा हुए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान लोगों ने मोमबत्ती जलाकर उरुमकी में हुए हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी।

प्रेमी के घर पहुंची दो बच्चों की मां

शादी की जिद पर अड़ी, घरवालों ने खूब पीटा

जालंधर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर में एक महिला ने अपने प्रेमी के घर पहुंच जमकर हंगामा किया। वहीं लड़के के घरवालों ने महिला को खूब पीटा। मामला पुलिस तक पहुंच गया। महिला का आरोप है कि आरोपी लड़के ने उसे शादी करने का झांसा दिया। इसके कारण वह अपने पति व बच्चों को छोड़कर शादी की खातिर आई है। महिला ने युवक पर शारीरिक संबंध बनाने का भी आरोप लगाया है। अब थाना भार्गव कैंप की पुलिस मामले की जांच कर रही है। महिला ने बताया कि वह इस युवक के साथ एक फैक्टरी में काम करती थी और वहीं दोनों की बातचीत शुरू हुई। इस दौरान युवक ने उससे कहा कि वह उससे प्यार करता है और अगर उसने उसके साथ शादी नहीं की तो वह मर जाएगा। इस पर वह अपने दोनों बच्चों को पति के पास छोड़कर उसके साथ एक किराये के मकान में रहने लगी। महिला ने आरोप लगाया कि युवक ने उसके साथ शादी का झांसा देकर कई बार संबंध बनाए लेकिन शादी की बात को वह हर बार टालता रहा। जब इसकी शिकायत उसने पुलिस को दी तो पुलिस थाने में युवक के घरवाले शादी करवाने का वादा कर उसे घर ले आए थे। इसके बाद जब उसने युवक के घरवालों से शादी की बात की तो वह कहने लगे कि उन्होंने अपने बेटे को बेदखल कर दिया है। उनका अब कोई वास्ता नहीं है और न ही वह उनके घर में रहता है। महिला ने कहा कि युवक के घर वाले भी युवक के साथ मिलकर उसे घर में नहीं रखना चाहते हैं। मजबूर होकर यहां आना पड़ा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जी-20 समिट में जिनपिंग ने की थी बहस

अब चीन की दादागिरी रोकने के लिए कनाडा के पीएम ने बनाया बड़ा प्लान

ओटावा, 28 नवंबर (एजेंसियां)। जी-20 समिट में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बहस के बाद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने चालबाज ड्रैगन पर नकेल कसने के लिए एक नई हिंद-प्रशांत रणनीति तैयार की है। इसके तहत जलवायु परिवर्तन और व्यापार के मुद्दों पर चीन की दादागिरी को रोकने की कोशिश की जाएगी। 26 पन्नों के एक दस्तावेज में, कनाडा ने कहा कि वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति को बढ़ावा देगा और बौद्धिक संपदा की रक्षा के लिए निवेश नियमों को कड़ा करेगा। इसके अलावा चीनी राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों को महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति बंद करने से रोकेगा।

चीन की दादागिरी रोकने के लिए खुफिया और साइबर सुरक्षा में निवेश करेगा कनाडा

कनाडा की रणनीति में कहा गया है कि चीन एक तेजी से विघटनकारी वैश्विक शक्ति है जो कि दूसरे देशों के मामलों में हर समय टांग अड़ाता रहता है। अपने फायदे के लिए दूसरे देशों के साथ चालाकी से निपटने की कोशिश करता है। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन की दादागिरी को रोकने के लिए कनाडा खुफिया और साइबर सुरक्षा के साथ-साथ एक क्षेत्रीय सैन्य उपस्थिति में निवेश करेगा। कनाडा ने कहा है कि गंभीर असहमति वाले क्षेत्रों में हम चीन को चुनौती देंगे।

कानून की समीक्षा करेगा कनाडा

दस्तावेज में चीन का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि कनाडा कानून की समीक्षा और अद्यतन करेगा ताकि चीन की विघटनकारी नीति पर ब्रेक लगाया जा सके। दस्तावेज में कहा गया है कि कनाडा हिंद प्रशांत क्षेत्र में अपनी नौसैनिक उपस्थिति को बढ़ावा देगा और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए एलं खतरों को कम करने के के लिए और अधिक संसाधन का निवेश करेगा।

दोनों देशों के बीच तनाव

2018 के अंत में कनाडा की पुलिस द्वारा हुआवेई टेक्नोलॉजीज के कार्यकारी को हिरासत में लेने और बीजिंग द्वारा बाद में जासूसी के आरोप में दो कनाडाई लोगों को गिरफ्तार करने के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया। तीनों को पिछले साल रिहा कर दिया गया था, लेकिन संबंधों में खटास बनी हुई है।

दुनिया के सबसे पुराने वायरस को वैज्ञानिकों ने किया जिंदा

50 हजार साल से साइबेरिया में दबा था 'भूत'

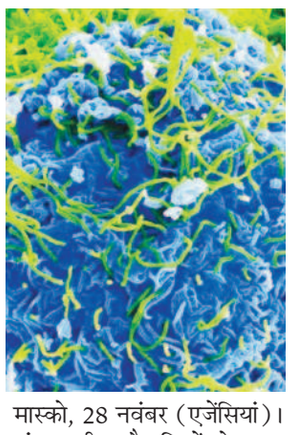

मास्को, 28 नवंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों के एक दल ने दुनिया के सबसे प्राचीन वायरस को फिर से जिंदा कर दिया है। यह वायरस करोड़ों साल से रूस के बर्फ से जमे साइबेरिया इलाके में मिला था। बताया जा रहा है कि यह वायरस करीब 50 हजार साल पुराना है। इन वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि साइबेरिया में पिघलती हुई बर्फ मानवता के लिए बड़ा खतरा पैदा कर सकती है। उन्होंने कहा कि ये वायरस अभी भी जिंदा जीवों को संक्रमित करने की क्षमता रखते हैं। रूस ने इन 'भूतिया' वायरस को लेकर चेतावनी दी है। यही नहीं इस सबसे पुराने वायरस ने लैब के अंदर अमीबा को संक्रमित कर दिया। वैज्ञानिकों के दल ने कहा कि इन वायरस में से सबसे पुराना करीब 50 हजार साल पुराना था।

वैज्ञानिकों की टीम के सदस्य जीन माइकल क्लावेरी ने कहा कि 48,500 साल विश्व रेकॉर्ड है। इस दल ने ताजा अध्ययन में कुल 7 प्राचीन वायरस का अध्ययन किया है। इस समूह में रूस, फ्रांस और जर्मनी के वैज्ञानिक भी शामिल हैं। इससे पहले वैज्ञानिकों ने 30 हजार साल पुराने दो वायरस को जिंदा किया था।

'भूतिया' बैक्टीरिया या वायरस का छिपे रहना अभी संभव

अन्य शोधकर्ताओं ने यह भी दावा किया है कि उन्होंने बैक्टीरिया को जन्म दिया है जो 25 करोड़ साल पुराना है। वैज्ञानिकों ने जिन वायरस को जिंदा किया है, वे सभी पंडोरावायरस श्रेणी के हैं। ये वायरस श्रेणी ऐसी होती है जिसमें एक कोशिका वाले जीवों जैसे अमीबा को संक्रमित करने की क्षमता होती है। हालांकि यह तथ्य है कि सभी 9 वायरस हजारों साल से बर्फ के नीचे दबे रहने के बाद भी अभी जिंदा कोशिकाओं को संक्रमित करने में सक्षम हैं। इस शोध के बाद वैज्ञानिकों ने यह भी चेतावनी दी है कि जो वायरस बर्फ के नीचे फंसे हैं, वे पौधों, पशुओं या इंसानों के लिए घातक हो सकते हैं। माइकल क्लावेरी ने कहा, 'एक असली खतरा है।' उन्होंने यह भी कहा कि हर दिन कोई न कोई बैक्टीरिया और वायरस सामने आ रहे हैं। वैज्ञानिक ने कहा कि यह असंभव है कि अब तक पैदा हुए संभावित खतरे का आकलन किया जाए।

इस बीच रूस ने चेतावनी दी है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से साइबेरिया में बर्फ का पिघलना जारी है जिससे दुनिया के लिए खतरा पैदा हो सकता है। रूसी वैज्ञानिक निकोलाय कोरचूनोव ने कहा कि बर्फ के पिघलने से जो जमीन निकल रही है, वह करोड़ों साल से दबी हुई थी और उसमें 'भूतिया' बैक्टीरिया या वायरस अभी भी हो सकता है।

अमेरिका में हवाई हादसा

बिजली के तारों में फंसा विमान... तो जानें किस तरकीब से बची लोगों की जान

वॉशिंगटन, 28 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के मेरीलैंड में एक घातक विमान हादसे की खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि यह दुर्घटना अमेरिका के मेरीलैंड काउंटी में रविवार शाम हुई। हवा में उड़ते-उड़ते अचानक यह विमान बिजली के तारों में फंस गया। इससे विमान में बैठे लोगों की जान आफत में पड़ गई। पूरे विमान में अफरातफरी मच गई। चीख-पुकार के बीच पायलट ने विमानन अधिकारियों को इस बारे में सूचना दी। जिसके बाद तत्काल इलाके की बिजली काट दी गई। ऐसे में बहुत बड़ा हादसा होने से बच गया।

बताया जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त हुआ विमान काफी छोटा था और इसमें केवल दो यात्री ही सवार थे। समय रहते सतर्कता बरते जाने से उनकी जांन बच गई और कोई अन्य भी हताहत नहीं हुआ। इससे विमानन अधिकारी भी राहत की सांस ले रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि विमान को बिजली के तारों से निकालने के दौरान आसपास के इलाकों में बिजली कटौती करनी पड़ी। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने एक बयान में कहा कि एक इंजन वाला विमान, जो व्हाइट प्लेन्स, एनवाई.से रवाना हुआ था, रविवार शाम करीब पांच बजकर 40 मिनट पर गैथर्सबर्ग में मोंटगोमरी काउंटी एयरपार्क के पास बिजली के तारों में फंसकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

रेवाड़ी में एक रात में 5 जगह चोरी:2 दुकानों और 3 मकानों के तोड़े ताले

रेवाड़ी, 28 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में रेवाड़ी के गांव पाली में एक ही रात में चोरों ने 5 जगह चोरी की। दो दुकान और 3 तीन मकानों का ताला तोड़कर चोर कैश और लाखों रुपए का माल ले गए। खोल थाना पुलिस ने चोरी का केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, गांव दहलावास गुलाबपुरा निवासी इन्द्रपाल ने बताया कि वह फिलहाल अपने बच्चों के साथ गांव पाली में रहता है और अपने बच्चों के साथ पैतृक गांव गया हुआ था। बीती रात चोर उसके घर में दाखिल हो गए और ताला तोड़कर अलमारी से 28 हजार रुपए चोरी कर लिए। सुबह घर पहुंचे तो सारा सामान बिखरा मिला।

बंद मकान और दुकान को बनाया निशाना

चोरों ने गांव में बंद मकान और दुकानों को एक साथ निशाना बनाया। चोर इन्द्रपाल के अलावा गांव में मास्टर बिरेन्द्र सिंह व कपिल फौजी के घर में भी ताला तोड़कर घुसे। मास्टर बिरेन्द्र रेवाड़ी और कपिल का परिवार दिल्ली रहता है। दोनों के परिवार ने घर आकर चेक किया तो कपिल के घर ले लाखों के गहने गायब मिले। इसके अलावा चोरों ने नरेन्द्र की कपड़े की दुकान और संदीप की डीजे की दुकान का भी ताला तोड़ा, लेकिन यहां से कुछ लेकर नहीं जा सके।

सीसीटीवी में दिखे चोर

गांव में एक साथ 5 जगह चोरी होने से पूरा गांव दहशत में है। गांव में जब चोरों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी चेक किए तो उसमें कुछ चोर एक मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में दिखे। गांव के लोगों ने अब सीसीटीवी फुटेज पुलिस को सौंपी है। खोल थाना पुलिस ने चोरी का केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

रूस में विदेशियों को नहीं मिलेगी किराये की कोख

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। रूस में किराये की कोख (सरोगेसी) को कानूनी मान्यता दी गई है। हालांकि, लंबे समय से कई धार्मिक समूह इसे अपमानजनक और धर्म विरुद्ध बताते आ रहे हैं। खासतौर पर विदेशी लोगों के रूसी महिलाओं को सरोगेट मां बनाने पर आपत्ति जताई जाती रही है। इसे लेकर रूसी संसद के निचले सदन के अध्यक्ष वीयाशेस्लाव वोलोदिन कहा कि जल्द ही विदेशी लोगों को रूसी महिलाओं को सरोगेट मां बनाने पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। वोलोदिन रूस के मातृ दिवस पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि रूस अपनी महिलाओं और बच्चों की रक्षा के लिए सभी प्रयास करेगा। उन्होंने बताया कि बीते एक वर्ष में सरोगेट माताओं के पैदा किए हुए 45,000 से ज्यादा बच्चों को देश से बाहर ले जाया गया है। यह सरासर बच्चों की तस्करी जैसा मामला है, जल्द ही इस पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। इसके बाद रूसी माता से पैदा हुए किसी भी बच्चे को कोई रूस से बाहर नहीं ले जा पाएगा।

अफगानिस्तान में भुखमरी के हालात

भूख से रोते बच्चों को सुलाने के लिए मां-बाप नींद की दवा दे रहे, बेटियों को बेच रहे

काबुल, 28 नवंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में हालात बदतर हो गए हैं। भुखमरी का यह हाल है कि लोग अपने भूखे बच्चों को सुलाने के लिए नींद की दवा दे रहे हैं। कई लोग तो खाने के लिए अपनी बेटियों और किडनी भी बेच रहे हैं। इसका कारण तालिबान सरकार की अपने ही लोगों के प्रति अनदेखी है। पिछले साल कब्जा करने के बाद से यहां विदेशी मदद नहीं मिली है। अफगानिस्तान के तीसरे सबसे बड़े शहर हेरात के बाहर मिट्टी के कच्चे घरों में हजारों लोग जीने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यहां रहने वाले अब्दुल वहाब का कहना है कि महीने में ज्यादातर दिन परिवार के एक समय के खाने तक का जुगाड़ नहीं हो पाता है। हमारे बच्चे भूख से रोते हैं और रात को सो नहीं पाते। इस कारण वह फार्मेसी से नींद की दवा ले आते हैं। वहां रहने वाले लगभग अधिकतर लोग ऐसा करते हैं।

एक साल के बच्चे को भी दवा दे रहे

एक अन्य व्यक्ति गुलान हजरत का कहना है कि वह तो मजबूरी में अपने एक साल के बच्चे को भी यह दवा देता है। वहीं डॉक्टरों का कहना है कि डिप्रेशन के इलाज में इन गोलियों को मरीज को सुलाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, इसके नियमित इस्तेमाल की मंजूरी नहीं दी जाती है। यह कभी-कभार ही इस्तेमाल करने को कहा जाता है। इसका कारण यह है कि इससे लिवर खराब हो सकता है। इसके अलावा लगातार थकान, नींद और व्यवहार संबंधी परेशानियां हो सकती हैं।

एक बेटी बेचकर बाकी बच्चों के खाने का चला रहे खर्च

कई मामलों में तुरंत भुगतान कर रहे, बेटी बाद में ले जाएंगे

500 डॉलर से लेकर 3000 डॉलर तक लग रही कीमत

2 से ढाई लाख रुपए में बिक रहीं बच्चियां

रिपोर्ट के मुताबिक, भुखमरी से बचने के लिए शादी के नाम पर छोटी उम्र में बेची जा रही बच्चियों की कीमत 2 से ढाई लाख रुपए के बीच लगाई जा रही है। निजामुद्दीन ने बताया कि मजबूरी में उसे 5 साल की बेटी को 90 हजार रुपए में बेचना पड़ा। पश्चिमी अफगानिस्तान में फाहिमा नाम की एक महिला ने बताया कि उसकी 6 साल और डेढ़ साल की बेटियों को उसके पति ने बेच दिया है। बड़ी बेटी की कीमत 3350 डॉलर (करीब 2.5 लाख रुपए) लगाई गई, जबकि छोटी बच्ची के बदले उन्हें 2800 डॉलर (करीब 2.1 लाख रुपए) मिले। ये पैसे भी एकमुश्त नहीं दिए गए हैं, बल्कि बच्चियों को खरीदने वाले परिवार किस्तों में ये भुगतान करेंगे।

तालिबान बोला- यह हमारी समस्या नहीं

गरीबों के कैंप में अब्दुल रहीम अकबर सबसे गरीब लोगों के लिए ब्रेड या दूसरी खाने की चीजें मुहैया करा रहे हैं। उन्होंने भुखमरी के चलते बेटियों को बेचने के कई मामले सामने आने पर स्थानीय तालिबान प्रशासन से गुहार लगाई है, लेकिन तालिबान के एक अधिकारी कहा कि बाल विवाह तालिबान की समस्या नहीं है। उन्होंने कहा- ऐसी शादियों के पीछे तालिबान की सत्ता नहीं बल्कि खराब अर्थव्यवस्था जिम्मेदार है। उन्होंने अर्थव्यवस्था के खराब होने का ठीकरा अमेरिका के सिर पर फोड़ा है, जिसने अफगान सरकार की विदेशी मुद्रा तालिबान को सौंपने पर प्रतिबंध लगा रखा है।

परिवार को जिंदा रखने का दबाव, चोरी छिपे बेच रहे किडनी

भूख से निपटने के लिए लोग किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार है। 20 वर्षीय अम्मार (काल्पनिक नाम) ने बताया कि परिवार को जिंदा रखने के दबाव में 3 माह पहले ही सवा दो लाख रुपए में उसने अपनी किडनी बेच दी।

किसी को नहीं छोड़ रही ईरान की सरकार

सुप्रीम लीडर की भांजी भी गिरफ्तार, अपनी ही सरकार को 'हत्यारा' बताया था

तेहरा, 28 नवंबर (एजेंसियां)। नईरान की सरकार हिजाब के खिलाफ जारी प्रदर्शनों में हिस्सा लेने वाले किसी भी व्यक्ति को नहीं छोड़ रही है। यहां तक की ईरान के सुप्रीम लीडर आयातुल्लाह ख़ामेनेई की भांजी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। दरअसल सुप्रीम लीडर की भांजी फरिदेह मोरादखानी ने एक वीडियो जारी किया था। इसमें उन्होंने ईरान की सरकार को 'हत्यारा' और 'बच्चों का कातिल' बताया था। साथ ही आयातुल्लाह ख़ामेनेई की तुलना जर्मनी के तानाशाह हिटलर और मुसोलिनी से की थी। फरिदेह मोरादखानी एक जानी मानी मानवाधिकार कार्यकर्ता हैं। उन्होंने वीडियो में दूसरे देशों की सरकारों से अपील कर कहा था कि वो ईरान से सभी संबंधों को खत्म कर दें। इस वीडियो को ऑलनाइन पोस्ट करने के दो दिन बाद ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

पेशी होने गई तो गिरफ्तार कर लिया

फरिदेह के भाई महमूद मोरादखानी के मुताबिक उन्हें एक समन देकर पेश होने के लिए कहा गया था। जिसके बाद उन्हें फरिदेह के वीडियो को उनके भाई ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था, जिसके बाद से प्रदर्शनकारी उसे खूब शेयर कर रहे हैं। फरिदेह के गिरफ्तार होने की जानकारी भी उनके भाई ने ही दी। फरिदेह पेशे से एक इंजिनीयर हैं, उनके पिता विपक्ष के बड़े नेता थे। जिन्होंने ख़ामेनेई की बहन से शादी की थी।

रैपर को करप्शन के चार्ज में फंसा गिरफ्तार किया

फरिदेह मोरादखानी पहली नहीं है जिसे प्रदर्शनकारियों को समर्थन करने पर गिरफ्तार किया है। रविवार को ज्यूडिशियल ऑथोरिटीज ने बताया कि ईरान गिरफ्तार कर लिया गया। अपनी वीडियो में फरिदेह ने प्रदर्शनकारियों के दमन की आलोचना की थी । उन्होंने इंटरनेशनल कम्युनिटी को भी कोई एक्शन नहीं लेने के लिए कोसा था और ईरान पर लगाए सैंक्शनस को मजाक बताया था।

के मशहूर रैपर तूमाज सलेही ने प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया है। इसके बाद उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा दिए गए हैं। जिसके चलते उन्हें मौत की सजा भी मिल सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ईरान में हिजाब के खिलाफ प्रदर्शनों के चलते अभी तक 450 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 18173 लोगों को डिटेन किया गया है।

प्रदर्शनकारियों से अलग-अलग तरीकों से निपट रही सरकार

ईरान में हिजाब के खिलाफ जारी प्रदर्शनों से निपटने के लिए वहां की सरकार अलग-अलग तरीके अपना रही है। कहीं प्रदर्शनकारियों की आंखों को निशाना बनाया जा रहा है तो कहीं उन्हें डिटेन करने के लिए एंबुलेंस का इस्तेमाल किया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो महीनों से जारी प्रदर्शनों में अब तक 500 से ज्यादा लोग अपनी आंखों की रोशनी गवां चुके हैं। दो महीनों से ज्यादा समय से जारी ईरान के प्रदर्शनों में इसी तरह के अनोखे मामले सामने आए हैं।

शरारतें करने की उम्र में पुलिस व कोर्ट का चक्कर

12-13 साल में मां बनी, लोग ताने देते हैं, कहते हैं- पाप पैदा किया

एक्सक्लूसिव डेस्क, 28 नवंबर। जिस उम्र में उन्हें स्कूल में होना था, दोस्तों के साथ टिफिन शेयर करना था, शरारतें करनी थीं, वो उम्र अब अस्पतालों में, पुलिस के घेरे और कोर्ट के चक्करों के अलावा अपने अनचाहे बच्चों को पालने और लोगों के ताने सुनने में गुजर रही है। उनके चाचाओं, पड़ोसियों और गांव के लोगों ने उनके साथ रेप किया और अब इसकी गुनहगार भी यही बच्चियां ठहरा दी गई हैं।

पुलिस की फाइलों में भले ही ये घटनाएं एक एफआईआर, एक चार्जशीट या एक इन्वेस्टिगेशन रिपोर्ट भर हों, अदालतों में किसी एक फैसले की फाइल भर हों, लेकिन इस सबसे इतर इन जुर्मों-जुल्मों से कुछ जीते-जागते बच्चे दुनिया में आ चुके हैं। दुनिया की नजर में ये पाप हैं।

इनकी मांएं अभी 12-13 साल की बच्चियां हैं, जिन पर ये जिंदगियां थोप दी गई हैं। आइए कुछ ऐसी कहानियों में चलते हैं, जहां कुछ सुंदर नहीं, कोई उम्मीद नहीं, कोई जवाब नहीं, सिर्फ सवाल हैं

13 फरवरी 2022 को उन्नाव के मौरावां थाने के एक गांव में 11-12 साल की बच्ची अपने घर से देर शाम चीनी खरीदने के लिए निकली। गांव के ही 3 लोग उसे उठाकर पास के कब्रिस्तान ले गए। चाकू की नोक पर उससे गैंगरेप किया और तड़पता छोड़कर भाग गए।

पीड़ित परिवार पुलिस के पास गया, एफआईआर दर्ज हुई, आरोपी गिरफ्तार हुए और कोर्ट-कचहरी के चक्कर शुरू हो गए। न घरवालों ने ध्यान दिया और न ही पुलिस ने जरूरी समझा, बच्ची प्रेग्नेंट हो गई। 4 महीने गुजर गए थे, अबॉर्शन नहीं हो पाया और बीते 20 सितंबर को इस बच्ची ने एक बच्चे को जन्म दिया।

मैं उसका घर ढूंढते हुए लखनऊ से करीब 55 किमी दूर उन्नाव के इस गांव में पहुंचता हूं। रास्ता पूछते-पूछते घर तक आया, तो सामने एक साफ सुथरी जगह पर छप्पर पड़ा हुआ था। परिवार कोर्ट में पेशी के लिए जाने की तैयारी कर रहा था। मां चूल्हे के बगल में बैठी रोटियां सेंक रही थी।

दो छोटे-छोटे बच्चे खाने की आस में चूल्हे के सामने ही बैठे थे। नाबालिग रेप पीड़िता भी अपने दो महीने के बच्चे को गर्म कपड़े में लपेटे हुए गोद में खिला रही थी। पिता का चेहरा परेशानियों से वक्त से पहले बूढ़ा हो गया है। वे बार-बार कोर्ट ले जाने वाले कागजात चेक करते हैं।

नाबालिग पीड़िता से पूछता हूं, कैसी हो? क्या सब ठीक है? वो थोड़ी रुआंसी हो जाती है, कहती है- 'अब घर से बाहर नहीं निकलती। स्कूल भी छूट गया। गांव की सहेलियों से मिलना नहीं होता। जो पहले घर आते थे, अब उन्होंने भी घर आना छोड़ दिया है। कोई आ भी जाए तो घर का पानी भी नहीं पीता। मुझे ऐसे देखते हैं, जैसे मैंने कोई गुनाह किया हो।' कुछ देर चुप रहने के बाद फिर बोलना शुरू करती है- 'जब ये सब हुआ, मैं छठी क्लास में थी। अब सब छूट गया है। किस-किसको जवाब दूं। सबको लगता है कि मेरी ही गलती है। उन लोगों ने चाकू दिखाकर मुझसे गलत काम किया। मुझे पता भी नहीं था कि ये बच्चा आने वाला है, मैं प्रेग्नेंट हूं। वो आठ महीने मेरे लिए नरक थे, हर कोई मेरे पेट को ही देखता था।

पुलिस वाले जब अल्ट्रासाउंड कराने ले गए, तो कह रहे थे कि तुम्हारे साथ रेप नहीं हुआ है। पुलिस, डॉक्टर और नर्स सब मुझे खूब बुरा-भला कहते थे, कहते- जो किया है वह भुगतो।'

पुलिस ने अल्ट्रासाउंड की फर्जी रिपोर्ट बना दी

पिता शायद इन सब सवालों-जवाबों को सुन-सुनकर तंग आ चुके हैं। थोड़ा सा चिढ़ते हुए कहते हैं- 'साहब जल्दी बात कर लो, अभी 7-8 किमी पैदल जाना है। उसके बाद उन्नाव जाने के लिए बस मिलेगी।'

मेरे बात करने के दौरान ही आस-पड़ोस में कुछ लोग इकठ्ठा हो जाते हैं। परिवार और पीड़िता को कोसने लगते हैं, गालियां भी सुनाई देती हैं। मैं सवालिया नजरों से पिता की तरफ देखता हूं तो जवाब मिलता है- 'आरोपियों में एक पड़ोसी भी शामिल है, ये उनके ही रिश्तेदार हैं। अक्सर ऐसे ही गालियां बकते हैं, कौन रोज-रोज झगड़ा करे।'

इसी बीच पीड़िता की मां बोलने लगती हैं- 'मेरी बेटी पहले स्कूल जाती थी। दूसरे बच्चों की तरह गांव में खेलती-कूदती भी थी। जिस दिन उसे उठा कर ले गए, वो लौटी तो तब से ही चुप रहने लगी। हम पुलिस-कोर्ट कचहरी में लग गए थे। अप्रैल में उसने मुझे बताया कि उसके पेट में दर्द होता है। मैं भी नहीं समझ पाई, वो बस 12 बरस की है।

डॉक्टर को दिखाया तो उसने भी दर्द की दवाएं दे दी। करीब एक महीना निकल गया, दर्द बार-बार हो रहा था तो हमने दूसरे डॉक्टर को दिखाया। उसी ने बताया कि ये प्रेग्नेंट है। ये पता चलने के बाद तो जीना मुश्किल हो गया। हमने डॉक्टर से बच्चा गिराने के लिए कहा तो उन्होंने बताया कि बेटी की जान को खतरा हो सकता है।

हमने पुलिस को भी बताया, उन्होंने अल्ट्रासाउंड तो कराया, लेकिन रिपोर्ट गलत बना दी। कहा गया कि हमारी बेटी गर्भवती नहीं है। हमारी कोई मदद नहीं हुई। हम लोगों ने अपने रुपए-पैसों से बेटी का इलाज कराना शुरू किया। उसका तो बचपन ही छिन गया। आठवें महीने में जब उसे ज्यादा दर्द बढ़ा तो हमने उसे जिला अस्पताल में एडमिट कराया। यहां डॉक्टर बोले कि बेटी को हैलेट अस्पताल कानपुर ले जाओ। हम उसे लेकर वहां 15 दिन पड़े रहे। कभी-कभी तो ऐसा भी दिन गया कि पूरा परिवार भूखा सोया। मेरे भी छोटे-छोटे बच्चे हैं। उनको भूख से बिलखता देख मैं रो ही सकती थी। 15 दिन बाद ऑपरेशन से बेटी को एक बेटा पैदा हुआ।'

मां चुप हो गई तो पिता एक बार फिर बोलने लगे- अब लौट आए हैं तो पूरा गांव ताने देता है। आरोपी के परिवार वाले धमकी भी देते हैं। सरकार से भी कोई मदद नहीं मिली। मैं इस बच्चे को पालूंगा और अपनी बेटी को भी पालूंगा। बेटी की शादी हो पाएगी तो उसकी भी कोशिश करूंगा।'

कचहरी जाने का वक्त हो गया है, पिता कागज समेटते हैं। एक बार फिर सब चेक करते हैं। मां घर के कोने में बैठी देखती रहती है। बेटी भी 2 महीने के बच्चे को लेकर पिता के साथ जाने के लिए तैयार है। मेरे पास उनसे कहने को कुछ भी नहीं, वो मेरी तरफ किसी उम्मीद से देखते भी नहीं।

उन्नाव के बाद मैं बाराबंकी के असंदरा थाना इलाके के एक गांव पहुंचा। गांव के एक कोने में रेप पीड़िता का घर है। ये मकान आवास योजना के तहत मिला है। घर के सामने थोड़ी सी जगह है, जहां एक भैंस बंधी है। बरामदे में एक तरफ गेहूं फैला है और पीड़िता उसी को समेट रही है।

घर के एक अंधेरे कमरे में हाथ पैर में प्लास्टर बांधे उसके मां-बाप पराली पर बिस्तर डाल कर लेटे हैं। मैं पीड़िता से पूछता हूं, तो वो बताती है कि बीते 30 अक्टूबर 2022 को आरोपियों के परिवार वालों ने हमला कर दिया था। लाठी, बांके और कुदाल से खूब पीटा। इसमें बूढ़े माता-पिता के हाथ-पैर टूट गए। पीड़िता के सिर पर भी गंभीर चोट लगी। 15 दिन तक तीनों अस्पताल में एडमिट थे। वो अब भी उस हमले से सहमी हुई है, बताती है- 'अभी मेरी उम्र 16 साल है। 2 साल पहले, वो जून का महीना था, तारीख कौन सी थी याद नहीं। मैं दुकान से सामान लेने गई थी। वहां से गांव के ही तीन लोग मुझे उठा ले गए और 6 महीने तक मुझे बांधकर रखा, बार-बार गैंगरेप किया। मैं जब होश में आती तो रूमाल मुंह पर रख देते, और मैं फिर से बेहोश हो जाती। वो मुझे खाना खिलाने या रेप करने के लिए होश में लाते थे। जब मेरी आंख खुलती तो मेरे कपड़े भी बदले होते थे। कभी-कभी कुछ दवाई भी देते थे।

पीड़िता आगे कहती है- आरोपियों को जब इस बारे में पता चला तो वे घर से मुझे जबरदस्ती ले जाकर डॉक्टरों को दिखाने लगे। वे लोग मेरा बच्चा गिराना चाहते थे, लेकिन डॉक्टरों ने मना कर दिया। मेरी उम्र कम थी और जान को खतरा था। जब कोई रास्ता न मिला तो उन्होंने 28 जून 2021 में मेरी शादी जबरदस्ती आरोपियों में शामिल एक नाबालिग से करा दी। मेरे पिता ने बाराबंकी जाकर पुलिस से इसकी शिकायत की।

केस दर्ज हुआ और पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। नाबालिग आरोपी को बाल सुधार गृह भेज दिया गया। शादी को नियति मानकर मैं उसके घर में एक महीने तक रही। बात-बात पर वो लोग मुझे मारते-पीटते थे। कहते- जिससे शादी हुई है उसका नाम बदल कर किसी और पर रेप का आरोप लगा दे। मां को ये सब बताया तो वह मुझे वापस घर ले आई। कुछ ही दिन बाद 16 अगस्त को मेरा एक बेटा हुआ। जो अब डेढ़ साल का है।'

माता-पिता के हाथ और पैर में प्लास्टर बंधा है। पिता सहारे से बैठने की कोशिश करते हैं, फिर कहते हैं- '30 अक्टूबर को मैं खेत पर गया था। वहां पहले से ही आरोपी के परिवार के लोग खड़े थे। मुझे देख वह गाली देने लगे तो मैंने रोका, उन्होंने मारपीट शुरू कर दी। मैं घर चला आया।

कुछ देर में वे सब हथियारों के साथ घर में घुस आए। मैं अपनी पत्नी और बेटी के साथ था। उन लोगों ने मुझे, बेटी और पत्नी को खूब पीटा।

हाथ-पैर तोड़ दिए। मेरी बेटी के सिर पर कुदाल मार दिया। उसकी जान जाते-जाते बची। हम लोग 2 हफ्ते अस्पताल में रहे। परिवार की जान को खतरा है, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं।'

एनसीपीसीआर ने कांकेर एसपी को भेजा नोटिस

छत्तीसगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष पर कार्रवाई का निर्देश

रायपुर/कांकेर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के भानुप्रतापपुर उपचुनाव को लेकर जारी बयानबाजी के बाद अब सियासत गरमा गई है। झारखंड में नाबालिग से दुष्कर्म मामले में सोमवार को पहले पुलिस की एंट्री हुई। अब राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने भी इसमें संज्ञान लेते हुए कांकेर एसपी को नोटिस जारी किया। इसमें छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा गया है।

तीन दिन में आयोग ने मांगी रिपोर्ट

आयोग की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि झारखंड में 15 साल की नाबालिग लड़की से दुष्कर्म किया गया। उसका नाम पीसीसी चीफ मोहन मरकाम ने उजागर किया है। कांकेर एसपी को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि पीड़िता की पहचान की गोपनीयता सुनिश्चित करने के मामले में वैधानिक कार्यवाही करते हुए तीन दिन में रिपोर्ट आयोग को भेजी जाए। इस मामले में चरामा के भाजपा मंडल ने आयोग में शिकायत की थी।

पीसीसी चीफ ने आठ दिन पहले लगाया था आरोप

दरअसल, करीब आठ दिन पहले 20 नवंबर को छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा उम्मीदवार ब्रह्मानंद नेताम पर नाबालिग से गैंगरेप का आरोप लगाया था। साथ ही यह भी आरोप लगाया है कि नाबालिग को देह व्यापार में धकेला। इस संबंध में जमशेदपुर के टेल्को थाने में केस दर्ज है। यह एफआईआर मई 2019 में धारा 366 ए, 376(3), 376एबी, 376एडी, 120बी.4/6 पास्को के तहत दर्ज कराई गई है।

झारखंड पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए मारा छापा

वहीं दूसरी ओर नाबालिग से दुष्कर्म मामले में भाजपा प्रत्याशी ब्रह्मानंद नेताम सहित अन्य आरोपियों को गिरफ्तार करने झारखंड पुलिस ने सोमवार को रायपुर और कांकेर में छापा मारा। इस दौरान पुलिस की टीम ने कांकेर में कई जगह कार्रवाई की। हालांकि अभी तक कोई आरोपी उनके हाथ नहीं लगा है। ब्रह्मानंद नेताम सहित अन्य के खिलाफ झारखंड के टेल्को थाने में दुष्कर्म का मामला दर्ज है।

नेता प्रतिपक्ष ने फेंका माइक

चिरमिरी नगर निगम में हंगागा, सभापति के सामने धरने पर बैठे भाजपा पार्षद

भरतपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में चिरमिरी-मनेंद्रगढ़-भरतपुर जिले के चिरमिरी नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष संतोष सिंह ने बीच सभा में माइक फेंक दिया। भाजपा पार्षद हंगामा करते हुए सभापति के सामने धरने पर बैठ गए। मेयर के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसी तरह से सभापति ने उन्हें समझाकर शांत कराया। भाजपा पार्षद मेयर विभिन्न मुद्दों सहित महापौर की कार्यप्रणाली को लेकर नाराज थे। इस पूरे हंगामे का वीडियो भी सामने आया है। दरअसल, चिरमिरी नगर निगम में सोमवार को सामान्य सभा चल रही थी। इस दौरान भाजपा पार्षद और नेता प्रतिपक्ष संतोष सिंह ने वार्ड-16 में निर्माणाधीन सामुदायिक भवन का नाम बदले जाने पर आपत्ति जताई। उन्होंने इसे लेकर सभापति से सवाल पूछा।

'जीभ काट लेनी चाहिए' बाबा रामदेव इज्जत देने के काबिल नहीं

पटना, 28 नवंबर (एजेंसियां)। जन अधिकार पार्टी के सुप्रीमो सह पूर्व सांसद पप्पू यादव ने बाबा रामदेव के विवादित बयानों की जमकर निंदा की। बोलते-बोलते पप्पू यादव भी सीमा लांघ गये और कुछ ऐसा बयान दे डाला जिससे वो भी विवादों में घिर गये हैं। रविवार को कटिहार में पप्पू यादव ने जो बयान दिया वो अब सुर्खियों में है। दरअसल उन्होंने गलत बयानबाजी को लेकर कहा कि ऐसे लोगों की जीभ काट लेनी चाहिए।

बाबा रामदेव इज्जत देने के काबिल नहीं- पप्पू यादव

महिलाओं के लिए अभद्र कथन कहने वाले बाबा रामदेव इज्जत देने के काबिल नहीं है। उक्त बातें पप्पू यादव ने कही। रविवार को जन अधिकार पार्टी (लो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव एक दिवसीय दौरे पर कटिहार पहुंचे थे। कटिहार पहुंचते ही पार्टी से जुड़े नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा उनका जोरदार अभिनंदन किया गया। इस दौरान रेलवे गेस्ट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में जाप सुप्रीमो पप्पू यादव योग गुरु बाबा रामदेव पर जमकर बरसे।

योग गुरु बाबा रामदेव ने महिलाओं को लेकर कथित तौर पर आपत्तिजनक बयान दिया था। जिसके बाद चारों तरफ उनकी निंदा हो रही है। पप्पू यादव ने कहा हमारी माता, बहनें देवी की स्वरूप हैं। हमारे देश में महिला को मां शक्ति का दर्जा दिया है। हमारी माता, बहनों के लिए इस तरह की आपत्तिजनक बयान देना। ऐसे लोगों की जीभ काट लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि योग गुरु बाबा रामदेव का बयान काफी निंदनीय है। इसका हम पुरजोर विरोध करते हैं।

बाबा रामदेव का विवादित बयान

बता दें कि बाबा रामदेव ने एक योग शिविर में महिलाओं के परिधानों को लेकर विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा कि महिलाएं साड़ी पहने तो भी अच्छी लगती हैं। सलवार सूट पहने तो भी और अगर मेरी तरह कुछ नहीं भी पहने तो भी अच्छी लगती है। बाबा रामदेव की इस आपत्तिजनक टिप्पणी की जमकर निंदा हुई है। गौरतलब है कि पप्पू यादव ने प्रेस वार्ता के पश्चात संगठन का विस्तार करते हुए कई लोगों को मनोनयन पत्र देकर व माला पहना कर विशेष जिम्मेदारी भी दी।

पुलिस को ग्रामीणों ने तीन घंटे तक बनाया बंधक

रांची, 28 नवंबर (एजेंसियां)। आरोपी को पकड़ने गई पुलिस को देखकर आरोपी के पिता की हार्ट अटैक से मौत हो गयी। आक्रोश में ग्रामीणों ने पुलिस टीम को बंधक बना लिया। रात के साढ़े 12 बजे गांव पहुंची पुलिस, सुबह के तीन बजे तक ग्रामीणों के घेरे में रही। मामले की जानकारी मिलने के बाद वरिष्ठ पदाधिकारी पहुंचे और मामला शांत कराया। सुबह छह बजे के लगभग पुलिस ने शव को लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। खूंटी जिले के तोरपा रोड़ो गांव में प्रतिबंधित मांस बेचने के आरोपी इजहार अंसारी उर्फ कल्लु को पुलिस गिरफ्तार करने पहुंची थी। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी घर में छिपा है। दरवाजा नहीं खुला तो पुलिस ने एक के बाद एक तीन दरवाजा तोड़ कर पुलिस अंदर गयी। पुलिस को इस तरह अंदर आता देख आरोपी कल्लु के पिता 75 वर्षीय मो निजामुद्दीन अंसारी को दिल का दौरा पड़ा और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

पुलिस की कस्टडी से फरार शराब तस्कर हरियाणा में जीत गया चुनाव

लाला भांड ने जिला पार्षद बनकर चौंकाया

पटना, 28 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में जिला परिषद का चुनाव परिणाम रविवार को आया है। इस परिणाम में एक सीट के रिजल्ट ने बिहार को भी चौंका दिया है। बिहार पुलिस की कस्टडी से फरार हुआ एक शराब तस्कर आरोपित भी हरियाणा में जिला परिषद का चुनाव जीत गया है। इसे पकड़ने के लिए बिहार पुलिस हरियाणा गयी थी। वहां इसे गिरफ्तार भी किया था लेकिन हरियाणा में ही ये थाने से फरार हो गया था। अब यह जनप्रतिनिधि बन चुका है।

हरियाणा जाकर बिहार पुलिस ने पकड़ा

शराब तस्करी का आरोपित रहा जीवन हितैषी उर्फ लाला भांड रेवाड़ी में चुनाव जीत चुका है। वार्ड नंबर 3 से नामांकन करके वह चर्चे में आया था। लाला भांड पर बिहार में शराब तस्करी का आरोप रहा है। उसे पकड़ने के

लिए इस साल ही 15 अक्टूबर में बिहार पुलिस हरियाणा गयी थी और उसे गिरफ्तार किया था। वर्ष 2017 में ही उसके ऊपर मामले दर्ज किये गये थे। लेकिन पुलिस कस्टडी से ही लाला भांड फरार हो चुका था।

कसोली के रहने वाले लाला भांड को पुलिस पकड़कर कसोली थाने ले गयी थी जहां से वो आसानी से फरार हो गया था। उसके बाद वह अचानक चुनाव में नामांकन करके चर्चे में आया था। दरअसल, लाला भांड ने नामांकन के लिए कोर्ट से अनुमति मांगी थी। लेकिन उसे सशर्त अनुमति तब मिली जब उसने कोर्ट में सरेंडर किया। उसके बाद उसे कोर्ट ने जमानत भी दी।

जिला परिषद चुनाव में बंपर जीत

लाला भांड को बिहार पुलिस ने बिहार में शराब भेजने वाले कुछ बड़े शराब तस्करों में एक बताया था। बता दें कि हरियाणा में जीवन हितैषी उर्फ लाला भांड ने जिला परिषद का चुनाव लड़ा और उसमें बंपर जीत हासिल करके सबको चौकाया है। जीवन हितैषी को रेवाड़ी जिला परिषद चुनाव में 10760 वोट मिली हैं। जिसके बाद अब फिर से लाला भांड चर्चे में है। प्रभात खबर ने जीवन हितैषी से संपर्क किया और आरोपों के से जुड़े सवाल किये। लेकिन उनकी ओर से इसपर कोई जवाब नहीं दिया गया।

रेप के आरोपी भाजपा प्रत्याशी ब्रह्मानंद हो सकते हैं गिरफ्तार

झारखंड पुलिस ने तीन लोगों के घर दी दबिश, नेताम के घर जुट रही भीड़

रायपुर/कांकेर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। चारामा में ब्रह्मानंद नेताम के घर के सामने भाजपा कार्यकर्ताओं के जमा होने का सिलसिला शुरू हो गया है। पुलिस को भाजपा नेताओं के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। इससे पहले टीम ने भाजपा युवा मोर्चा के जिला कोषाध्यक्ष दीपांकर सिन्हा के घर दबिश दी। लेकिन वो घर पर नहीं मिले। उनकी मां के मुताबिक दीपांकर पिछले 5 दिनों से घर पर नहीं है। गैंगरेप के एक और आरोपी नरेश सोनी के चारामा स्थित घर पर झारखंड पुलिस ने दबिश दी है। टीम यहां तलाशी ले रही है। चारामा में ही ब्रह्मानंद नेताम का भी घर है। यहां से टीम कागजी कार्रवाई के बाद ब्रह्मानंद नेताम के घर दबिश दे सकती है। टीम ने आरक्षक केशव सिन्हा के घर में भी दबिश दी लेकिन वो नहीं मिला। झारखंड पुलिस अब तक तीन लोगों के घर जा चुकी है। आरक्षक का नाम सामने आने के बाद छत्तीसगढ़ पुलिस आरोपी को पहले ही निलंबित कर चुकी है। चारामा के नजदीक ही केशव सिन्हा का घर है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने इस पूरे मामले में कांग्रेस पर षड्यंत्र कर ब्रह्मानंद को फंसाने का आरोप लगाया है। साव बोले कि स्क्रूटनी के दिन कांग्रेस ने

आपत्ति नहीं की। उपचुनाव में हार होती देख कांग्रेस ने ब्रह्मानंद नेताम को गिरफ्तार करने का साजिश रचा है। उन्होंने कहा है कि बीजेपी हर षड्यंत्र के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ेगी। 5 दिसंबर को भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में भानुप्रतापपुर की जनता अपने बेटे ब्रह्मानंद के पक्ष में मतदान कर कांग्रेस को सबक सिखाने का काम करेगी। भानुप्रतापपुर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा के उम्मीदवार ब्रह्मानंद नेताम कभी भी गिरफ्तार हो सकते हैं। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपी बनाए गए नेताम को तलाशते झारखंड की जमशेदपुर पुलिस की टीम कांकेर से चारामा पहुंची है। दरअसल चुनाव में नामांकन की समय-सीमा खत्म होने के बाद ब्रह्मानंद नेताम पर गंभीर आरोप लगे। बताया गया, 15 मई 2019 को झारखंड के जमशेदपुर में दर्ज एफआईआर की जांच में नेताम का नाम आ रहा है। यह एक 15 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म और जबरन देह व्यापार में धकेलने का अपराध है। इस मामले में पांच लोग नामजद आरोपी बनाए गए थे। पुलिस ने जांच शुरू की तो छत्तीसगढ़ के भी दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। उसके बाद जो चालान पेश हुआ। इसकी जांच रिपोर्ट में चारामा निवासी पूर्व विधायक ब्रह्मानंद नेताम और दीपांकर सिन्हा का नाम भी शामिल है।

फिर जेल पहुंची पूजा सिंघल

दो महीने की पूरी जांच के बाद फिट पायी गयीं पूजा सिंघल मेडिकल ग्राउंड पर जमानत के लिए भी की थी अपील

रांची, 28 नवंबर (एजेंसियां)। मनी लॉन्ड्रिंग मामले की आरोपी सस्पेंड आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल, दो महीने बाद फिर रांची के बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल पहुंच गयी। रविवार की शाम पुलिस सुरक्षा के बीच उन्हें रिम्स से होटवार स्थित बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल ले जाया गया। 27 सितंबर, 2022 को सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें रिम्स के पेइंग वार्ड में भर्ती कराया गया था। पूजा सिंघल को दो महीने बाद बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल शिफ्ट कर दिया गया। खराब सेहत का हवाला देकर पूजा सिंघल दो महीने से रिम्स के पेइंग वॉर्ड में इलाजरत थीं। जमानत के लिए भी अपनी खराब सेहत का उन्होंने हवाला दिया लेकिन जांच में वह पूरी तरह फिट पाई गयीं जिसके बाद उन्हें

बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल शिफ्ट कर दिया गया।

बिल्कुल फिट हैं पूजा सिंघल

रविवार की शाम पुलिस सुरक्षा के बीच उन्हें रिम्स से होटवार स्थित बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल ले जाया गया। 27 सितंबर, 2022 को सीने में दर्द की शिकायत के बाद रिम्स के पेइंग वार्ड में भर्ती थी। पूजा सिंघल पर जमानत के लिए फर्जी रिपोर्ट बनाने का भी आरोप लगा है। ईडी ने कोर्ट में बताया कि पूजा सिंघल गलत रिपोर्ट बना रहीं थी, अगर ईडी एक्टिव नहीं होती तो वह गलत रिपोर्ट कोर्ट में पेश कर मेडिकल ग्राउंड पर जमानत ले लेती। रिम्स के पेइंग वार्ड में भर्ती मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार सस्पेंड आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल मेडिकल रिव्यू में स्वस्थ पायी गयी । रिम्स प्रबंधन ने जेल प्रशासन को मेडिकल रिव्यू की रिपोर्ट भेज दी थी। इसके साथ ही पूजा सिंघल के रिम्स से जेल जाने की चर्चा जोरों पर थी। रविवार को प्रशासन ने पूजा सिंघल को रिम्स से होटवार स्थित बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल फिर भेज दिया। पूजा सिंघल पर गबन और मनी लॉन्ड्रिंग के कई गंभीर मामले दर्ज हैं। इस साल मई के पहले सप्ताह में ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल, उनके पति अभिषेक झा, भाई, पति के सीए सुमन कुमार समेत अन्य लोगों के पांच राज्यों के कुल 23 ठिकाने पर छापेमारी की थी। इस छापेमारी में सीए सुमन कुमार के आवास से करोड़ों रुपये बरामद हुए थे। 11 मई, 2022 को पूजा सिंघल को ईडी ने गिरफ्तार किया था। तब से पीएमएलए (प्रिवेंशन आफ मनी लान्डरिंग एक्ट) स्पेशल कोर्ट में मामला चल रहा है। ईडी ने खूंटी में मनरेगा योजना के तहत 18 करोड़ छह लाख के गड़बड़ी का मामला पाया था।

इसी के आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की थी। पूजा सिंघल ने जमानत के लिए याचिका भी दायर की थी जिसे खारिज कर दिया गया।

भरतपुर के पूर्व राजा को टीवी सीरियल में बताया कायर

'अहिल्याबाई' के डायरेक्टर-प्रोड्यूसर और चैनल पर केस; राजस्थान के थानों में दी शिकायत

भरतपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। सोनी टीवी के सीरियल 'अहिल्याबाई' का विरोध राजस्थान में शुरू हो गया है। आरोप है कि इस टीवी शो में महाराजा सूरजमल राव को डरपोक और कायर बताया गया है। पिछले तीन दिनों में भरतपुर के अलग-अलग 4 थानों में चार मामले सीरियल के डायरेक्टर जैक्सन सेठी, प्रोड्यूसर और चैनल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। राज्यपाल कलराज मिश्र को भी विभिन्न संगठनों ने ज्ञापन भी सौंपा है। बता दें कि पांच साल पहले पद्मावत मूवी का राजस्थान में जोरदार विरोध हुआ था। ये मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था कि फिल्म जोधा-अकबर को लेकर गुस्सा फूटा था। आरोप था कि राजस्थान के इतिहास से छेड़छाड़ कर इनके किरदार को गलत तरीके से पेश किया गया है।

17 नवंबर को सोनी टीवी पर अहिल्याबाई सीरियल में महाराज सूरजमल को कायर दिखाया गया। इस सीरियल में खांडेराव ने महाराजा सूरजमल के बारे में कहा है- सूरजमल ने घटिया हरकत की है। इसके लिए हम माफ नहीं कर सकते। सूरजमल ने जो दगाबाजी की है, उसका जवाब ताकत से देंगे। वैसे भी दुश्मन की आंख में आंख डालकर युद्ध के मैदान में सामना करने का मजा ही कुछ और है।

अहिल्याबाई सीरियल में महाराजा सूरजमल को खांडेराव बुजदिल और दगाबाज बता रहे हैं। खांडेराव कुम्हेर किले को भेदना चाहते थे। जब उन्होंने 1754 में कुम्हेर किले पर आक्रमण किया तो उन्हें वहां से पराजय हाथ लगी और उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी।

सीरियल में एक विवादित डायलॉग के बाद भरतपुर के चार थानों में अलग-अलग मामले दर्ज हुए हैं। इनमें रूपवास, डीग, कुम्हेर और मथुरा गेट थाने शामिल हैं। डायरेक्टर, प्रोड्यूसर समेत चैनल पर मामला दर्ज करवाया गया है।

26 नवंबर को रूपवास थाना इलाके के मोलोनी के रहने वाले अजीत सिंह ने रूपवास पुलिस में शिकायत देते हुए बताया कि सोनी टीवी पर आने वाले अहिल्याबाई

महाराजा सूरजमल

सीरियल के निर्देशक, निर्माता और कलाकारों द्वारा आमजन की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का काम किया गया है। महाराजा सूरजमल को गलत तरीके से पेश किया गया। इससे महाराजा सूरजमल की छवि धूमिल हुई है। आमजन की भावनाओं को ठेस पहुंची, इसलिए सीरियल के निर्माता-निर्देशक के खिलाफ ठोस कार्रवाई की जाए। इस शिकायत के बाद रूपवास थाने में डायरेक्टर जैक्सन सेठी समेत प्रोड्यूसर और चैनल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

26 नवंबर को मथुरा गेट और 28 नवंबर को सूरजमल यूथ ब्रिगेड ने डीग थाने में भी अहिल्याबाई सीरियल के निर्माता-निर्देशक के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। इसके अलावा कुम्हेर थाना में भी कुछ वकीलों द्वारा अहिल्याबाई सीरियल के निर्माता और निर्देशक के खिलाफ शिकायत दी गई है।

इधर, हनुमान बेनीवाल ने भी ने प्रधानमंत्री और सूचना एवं प्रसारण मंत्री को पत्र लिखकर सीरियल निर्माता के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने भी सीरियल निर्माता के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। विश्वेंद्र सिंह महाराजा सूरजमल के वंशज हैं।

विश्वेंद्र सिंह बोले- गलत तरीके से पेश किया गया

26 नवंबर को भरतपुर आए राज्यपाल कलराज मिश्र को भी विभिन्न संगठनों ने ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की थी। इस पर कलराज मिश्र ने कहा था कि महाराजा सूरजमल ने अपने जीवन काल में 80 युद्ध लड़े और सभी में जीत हासिल की थी। महाराजा सूरजमल कभी युद्ध नहीं हारे थे ।

यह पहली बार नहीं है कि पूर्व महाराज सूरजमल को लेकर विवाद हुआ है। इससे पहले 2019 में आई पानीपत फिल्म में महाराजा सूरजमल को मराठा पेशवा सदाशिव राव से बात करने के दौरान इमाद को दिल्ली का वजीर बनाने और आगरा किला सौंपने की मांग करते हुए दिखाया गया था। इस पर पेशवा सदाशिव आपत्ति जताते हैं। महाराजा सूरजमल को भी अहमद शाह अब्दाली से युद्ध करने से मना करते हुए दिखाया गया है। पानीपत फिल्म में महाराजा सूरजमल की भाषा ब्रज और हरियाणवी टच में दिखाई गई थी।

कौन थे महाराजा सूरजमल

महाराजा सूरजमल का जन्म 13 फरवरी 1707 को हुआ था। उनके पिता का नाम ब्रजराज महाराजा बदन सिंह था। बदन सिंह ने सबसे पहले डीग को अपनी राजधानी बनाई। महाराजा सूरजमल ने कुछ महत्वपूर्ण युद्ध लड़े। 1755 में महाराजा सूरजमल का राज्याभिषेक किया गया। 25 दिसंबर 1763 में महाराजा सूरजमल की मौत हो गई।

कांग्रेस में सरकार रिपीट कराने की जंग

जयराम का एकजुटता संदेश; 1993 के बाद राजस्थान में रिपीट नहीं हुई सरकार

जयपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। 25 सितंबर को कांग्रेस विधायकों की इस्तीफा पॉलिटिक्स के बाद पिछले दो माह से राजस्थान में सीएम की कुर्सी को लेकर एक ही मुद्दा है- सरकार रिपीट कौन करवा सकता है? सीएम अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट अपने-अपने दावे कर रहे हैं।

रार इतनी बढ़ गई है कि पार्टी की ओर से राष्ट्रीय प्रवक्ता जयराम रमेश को तीसरी बार हस्तक्षेप करते हुए एकजुटता का मैसेज देना पड़ा है। यह तब हो रहा है, जब राहुल गांधी की यात्रा राजस्थान में सप्ताह भर बाद प्रवेश करने वाली है।

आखिर सरकार रिपीट का मुद्दा कांग्रेस के लिए कितना अहम है? इसकी पड़ताल के लिए पिछले चुनावों पर नजर डालें तो यह कांग्रेस के लिए चिंता बढ़ाने वाला दिखता है। तथ्य और आंकड़े कहते हैं कि राजस्थान ही नहीं देश भर में कहीं भी पिछले 10 सालों में किसी भी राज्य में कांग्रेस की सरकार रिपीट नहीं हुई है।

राजस्थान में 1993 के बाद रिपीट नहीं हुई किसी भी पार्टी की सरकार

1990 में भाजपा की जो सरकार बनी थी, वो ढाई वर्ष बाद ही गिर गई थी, लेकिन 1993 में भाजपा फिर से सरकार में आई। तब सीएम भैंरोसिंह शेखावत थे। इसके बाद 29 सालों में किसी पार्टी की सरकार राजस्थान में रिपीट नहीं हुई।

राजस्थान में 1985-90 के बाद कांग्रेस की सरकार कभी भी रिपीट नहीं हुई है, जबकि इसके बाद कांग्रेस ने 1998, 2008 और 2018 में तीन बार सरकार बनाई है, लेकिन अब तक रिपीट नहीं हो पाई। 2003 और 2013 में भाजपा सत्ता में आई।

देश की 75 करोड़ की आबादी वाले बड़े राज्यों में कांग्रेस पिछले 22 से 52 सालों से सत्ता में नहीं आई

उत्तरप्रदेश में 33 वर्ष, गुजरात में 27 वर्ष, बंगाल में 51 वर्ष, उड़ीसा में 22 वर्ष, बिहार में 32 वर्ष, तमिलनाडु में 52 वर्ष और त्रिपुरा में 29 वर्ष से कांग्रेस की सरकार नहीं बनी है। इन राज्यों में भाजपा, वाम व अन्य क्षेत्रीय दलों जैसे टीएमसी, बीजेडी, डीएमके, एआईडीएमके की सरकारें बनी हैं। इन राज्यों में देश की लगभग 70 फीसदी आबादी (लगभग 75 करोड़ लोग) रहती है। पिछले 10 सालों में कांग्रेस लोकसभा के भी दो चुनाव लगातार हार चुकी है।

ट्रक-ट्रेलर में टक्कर के बाद लगी भीषण आग

कैबिन में फंसा ड्राइवर जिंदा जल गया, दोनों वाहन हुए राख

बाड़मेर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। बाड़मेर-जोधपुर नेशनल हाईवे 25 पर ट्रक और ट्रेलर की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। भिड़ंत के साथ दोनों में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। एक ट्रेलर में ड्राइवर फंस गया। जो जिंदा जल गया। घटना बाड़मेर जिले के कल्याणपुर थाना इलाके अराबा डोली गांव की है। सूचना पर कल्याणपुर पुलिस मौके पर पहुंच गई है। दोनों तरफ से वाहनों को रुकवा दिया गया है। बालोतरा से फायर बिग्रेड भी पहुंची। पुलिस ने ट्रैक्टर टंकी व फायर बिग्रेड की मदद से करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। पुलिस के अनुसार, नेशनल हाईवे 25 जोधपुर से बालोतरा की तरफ आ रहे ट्रक का डोली-अराबा पेट्रोल पंप के पास टायर फट गया। जो से सामने से आ रहे ट्रेलर से भिड़ गया। भिड़ंत के साथ अचानक दोनों वाहनों में आग लग गई। कुछ मिनटों में आग ने विकराल रूप ले लिया। आसपास के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग बुझाने में विफल रहे। लोगों ने पुलिस व फायर बिग्रेड को सूचना दी। पुलिस कुछ देर में घटना स्थल पर पहुंच गई। हाईवे के दोनों तरफ वाहनों को रोक दिया है। हादसे के बाद ट्रक का ड्राइवर व खलासी बाहर निकल गए। दूसरे ट्रेलर ड्राइवर फंस गया और आग लगने से जिंदा जल गया।

एएसआई रूपसिंह के मुताबिक एक ट्रक चावल के कट्टे भरे हुए थे। दूसरे में प्लास्टिक का दाना था। इससे दोनों ट्रक में लगी आग ने विकराल रूप ले लिया है। फायर बिग्रेड व आसपास के लोगों ने ट्रैक्टर टंकी से आग पर काफी हद आग पर काबू पा लिया है। वहीं, ट्रेलर ड्राइवर को बाहर निकाल दिया है। पचपदरा डीएसपी मदनलाल के मुताबिक हादसे के बाद ट्रेलर ड्राइवर गाड़ी में ही फंस गया। आग लगने से जिंदा जल गया। इसको बाहर निकालकर कल्याणपुर मोर्चरी में रखवाया गया है। ड्राइवर की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

ओल्ड पेंशन स्कीम पर केंद्र की आपत्ति- पैसा कहां है

नीति आयोग ने कहा- स्टेट अपने आर्थिक संसाधन भी देख लें

जयपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपनी जिस ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) को सबसे बड़ी उपलब्धि बता रहे हैं, उसके खिलाफ केन्द्र सरकार की असहमति व आपत्तियां सामने आई हैं। केन्द्र सरकार के नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने यह आपत्तियां जाहिर की हैं। इन्हें आयोग की ओर से सभी राज्यों को भेजा जा रहा है। नीति आयोग पूरे देश के आर्थिक-वित्तीय मामलों पर एक प्लानिंग आर्गेनाइजेशन की तरह काम करता है। इसके अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं।

मुख्यमंत्री गहलोत की इस फ्लैगशिप योजना को गुजरात में भी लागू करने का वादा राहुल गांधी कर चुके हैं। राहुल ने अपनी भारत जोड़ा यात्रा के दौरान कई बार सीएम गहलोत की इस योजना का जिक्र किया है। नीति आयोग की ओल्ड पेंशन स्कीम को लेकर आपत्तियां ठीक उस वक्त सामने आई है, जब सप्ताह भर में राहुल गांधी की यात्रा राजस्थान में प्रवेश करने वाली है।

सीएम गहलोत ने मार्च-2022 में 7 लाख कर्मचारियों के लिए ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू किया था। गहलोत ने बजट में इसकी घोषणा की थी। इसके बाद छत्तीसगढ़, पंजाब और झारखंड की सरकारों ने भी इसे लागू कर दिया है। राजस्थान में इस योजना से 41,000 करोड़ रुपए का वित्तीय भार पड़ेगा।

जब मार्च 2022 में बजट में सीएम गहलोत ने इस योजना को लागू किया था, तब भी केन्द्र सरकार के वित्त मंत्रालय ने इसे वित्तीय अनुशासनहीनता करार दिया था। अब नीति आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि राज्यों को इस स्कीम को लागू नहीं करना चाहिए। देखना यह है कि सीएम गहलोत और राहुल गांधी अब केन्द्र सरकार का क्या और कैसे जवाब देते हैं। राहुल की यात्रा के दौरान प्रदेश के बहुत से कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी भी राहुल से मुलाकात करेंगे। क्या है ओल्ड पेंशन स्कीम और नई पेंशन स्कीम

ओल्ड पेंशन स्कीम पूरे देश में 31 मार्च 2004 तक लागू थी। एक अप्रैल 2004 से पूरे देश में केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों के लिए नई पेंशन स्कीम लागू की गई। इसके लिए तत्कालीन एनडीए (भाजपा नीत) सरकार ने संसद में एक बिल पेश कर देश में ओल्ड पेंशन स्कीम को खत्म कर दिया। इस बिल को मई-2004 में केन्द्र में सत्ता में आई यूपीए सरकार (कांग्रेस नीत) ने भी लगातार 10 वर्ष जारी रखा। बाद में 2014 से अब तक केन्द्र में स्थापित भाजपा सरकार ने भी इसे जारी रखा हुआ है। ओल्ड पेंशन स्कीम के तहत कर्मचारी को सेवानिवृत्ति के बाद भी प्रत्येक महीने पेंशन राशि मिलती है, जबकि नई पेंशन स्कीम में सेवानिवृत्ति के बाद प्रत्येक महीने मिलने वाली पेंशन राशि बंद हो जाती है। इसके अलावा ओल्ड पेंशन स्कीम में पेंशन देने का खर्च सरकार द्वारा उठाया जाता है, वहीं नई पेंशन स्कीम में जिन कर्मचारियों को पेंशन चाहिए उन्हें इसका वित्तीय भार भी खुद ही उठाना पड़ता है।

हर राज्य में कर्मचारी वर्ग है एक बड़ा वोट बैंक

हर राज्य में कर्मचारी वर्ग एक बहुत बड़ा वोट बैंक है। राजस्थान में करीब 7 करोड़ की आबादी में सात लाख कर्मचारी हैं, जिनमें से केवल डेढ़ लाख कर्मचारियों को ही ओपीएस का लाभ मिल रहा है। एक अप्रैल 2004 के बाद नियुक्ति पाने वाले 5 लाख 50 हजार कर्मचारी ओपीएस के लाभ से वंचित हैं।

इन्हें पेंशन का पुराना कवर देने के लिए ही सीएम गहलोत ने ओपीएस का लागू किया है। इससे सीएम गहलोत ने एक बड़े वोट बैंक (कर्मचारी और उनके परिजन) करीब 20-25 लाख लोगों को साधा है। इसीलिए गहलोत के बाद छत्तीसगढ़, पंजाब, झारखंड ने भी इस स्कीम को लागू किया है। कांग्रेस पार्टी पूरे देश में इस वर्ग के लगभग 15-20 करोड़ लोगों के विशाल वोट बैंक को साधना चाहती है। देश के सबसे बड़े राज्य में मार्च-2022 में हुए चुनावों में कांग्रेस की बागडोर प्रियंका गांधी ने संभाल रखी थी। प्रियंका ने तब प्रदेश के 22-23 लाख कर्मचारियों को सरकार बनने पर ओल्ड पेंशन स्कीम देने का वादा किया था। इस वादे को समाजवादी पार्टी की ओर से अखिलेश यादव ने भी कर्मचारियों के सामने रखा।

भाजपा ने ओल्ड पेंशन स्कीम का कोई वादा नहीं किया फिर भी यूपी में सरकार भाजपा की बनी। कांग्रेस को 403 में से एक भी सीट पर जीत नहीं मिली। यहीं से प्रियंका का यह वादा राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने अपनाया। सीएम अशोक गहलोत ने मार्च-2022 में विधानसभा में बजट पेश करते वक्त प्रदेश के करीब 7 लाख कर्मचारियों के लिए ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने की घोषणा की। इस स्कीम को सीएम गहलोत अपनी सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक के रूप में गिनाते हैं। हाल ही सप्ताह भर पहले ही उन्होंने बयान दिया कि एक न एक दिन पूरे देश में सभी राज्यों को यह स्कीम लागू करनी पड़ेगी।

सीएम गहलोत द्वारा बजट-2022 में ओपीएस की घोषणा करने के बाद उन्हीं की पार्टी कांग्रेस की सरकार ने छत्तीसगढ़ में भी मार्च-2022 में ही बजट में ओपीएस लागू करने की घोषणा की। छत्तीसगढ़ की घोषणा के बाद तीन महीने पहले पंजाब में भी सीएम भगवंत मान (आप पार्टी) ने भी कर्मचारियों के लिए ओपीएस की घोषणा कर दी है। अब झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने भी यह घोषणा कर दी है।

जयपुर में बड़ी जनसभा करेंगे नड्डा : वसुंधरा, पूनिया समेत सभी बड़े नेता एक साथ दिखेंगे, एकजुटता का मैसेज देंगे

जयपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। 1 दिसम्बर को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की जयपुर में बड़ी जनसभा होगी। नड्डा राजस्थान में कांग्रेस सरकार के खिलाफ 'जन आक्रोश रथ यात्रा' को बीजेपी का झंडा दिखाकर रवाना करने आएंगे। आदर्श नगर के दशहरा मैदान में बड़ा मंच लगेगा। कार्यक्रम में 10 हजार से ज्यादा बीजेपी कार्यकर्ता और लोग इकट्ठा किए जाएंगे। यहां से दोपहर करीब 1 बजे 51 रथों को झण्डा दिखाकर नड्डा जिलों और विधानसभा क्षेत्रों के लिए रवाना करेंगे। प्रदेश के 200 विधानसभा क्षेत्रों में ऐसे 200 रथ जाएंगे। दशहरा मैदान पर जेपी नड्डा की जनसभा के लिए बीजेपी ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यक्रम में बीजेपी राजस्थान कोर कमेटी के सभी नेता शामिल होंगे।

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे, प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचन्द कटारिया, उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुनराम मेघवाल, कैलाश चौधरी के साथ ही राजस्थान बीजेपी कोर कमेटी के नेता बड़े मंच पर मौजूद रहेंगे। नड्डा इस सभा के जरिए प्रदेश की गहलोत सरकार की 4 साल की नाकामियां गिनाएंगे, साथ ही राजस्थान बीजेपी के नेताओं में एकजुटता का मैसेज भी देंगे। राजस्थान बीजेपी ने कार्यकर्ताओं को सुबह 11 बजे से ही आदर्श नगर दशहरा मैदान पहुंचने को कहा है।

बीजेपी राजस्थान की कांग्रेस सरकार में खींचतान और सीएम गहलोत- पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के विवाद और बयानों को बड़ा मुद्दा बनाएगी। प्रदेश में हिन्दुओं पर हमलों, मंदिरों में तोड़फोड़ की घटनाओं, धर्म परिवर्तन, तुष्टिकरण पर बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा गहलोत सरकार को घेरेंगे। राजस्थान में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा भी आने वाली है। नड्डा अपने भाषण में राहुल गांधी के 1 से 10 तक की गिनती गिनने पर किसानों की सम्पूर्ण कर्जमाफी और बेरोजगारों को नौकरी के वादे को लेकर निशाना साधेंगे। प्रदेश में अपराध, महिलाओं से बलात्कार, दलित अत्याचार के मुद्दे पर भी प्रदेश सरकार को बीजेपी नेता आड़े हाथों लेंगे।

बीजेपी महिंद्रा बोलेरो पिकअप व्हीकल को जन आक्रोश रथ का रूप दिलवा रही है। इसके डिजाइन में कुछ तब्दीलियां अभी भी जारी हैं। बीजेपी के रथ में क्या खास रहेगा बताते हैं। रथ का रंग केसरिया भगवा रहेगा। इस पर पीएम नरेंद्र मोदी, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, पूर्व सीएम वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचन्द कटारिया और प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया का कोलाज फोटो वाला बैनर चिपका होगा। रथ पर 'जन आक्रोश यात्रा' का लोगो लगा होगा। "राजस्थान की कांग्रेस सरकार के जंगलराज, भ्रष्टाचार, कुशासन के खिलाफ जन आक्रोश यात्रा" लिखा होगा।

खाचरियावास बोले- गहलोत-पायलट में आपसी वॉर घर का मामला

जितना कॉम्पिटीशन होगा, कांग्रेस मजबूत होगी, वसुंधरा से पंगा बीजेपी नेताओं को महंगा पड़ेगा

जयपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा- कांग्रेस में सीएम गहलोत-पूर्व डिप्टी सीएम पायलट में सियासी वॉर पर बीजेपी को सवाल पूछने का हक ही नहीं है। कांग्रेस के नेताओं में कॉम्पिटीशन और आपस में जो वॉर चल रहा है। वो हमारे घर का मामला है। जितना कांग्रेस नेताओं में कॉम्पिटीशन होगा। कांग्रेस उतनी ज्यादा मजबूत होगी। मान लेते हैं बयान सीएम और युवा नेताओं ने दिए हैं। लेकिन इसके अलावा भी लाखों कांग्रेस के कार्यकर्ता राहुल गांधी के नेतृत्व में पूरे देश में पदयात्रा कर रहे हैं। लोग राहुल गांधी की ओर देख रहे हैं। अभी हमारा एक ही मकसद है। राहुल गांधी की यात्रा से जुड़ना है।

जब देश का सबसे बड़ा युवा नेता राजस्थान आ रहा है। तब ये सब बयान एक तरफ और राहुल गांधी के नेतृत्व में पूरी कांग्रेस एक तरफ है। ये सारे जो बयान देने वाले हैं, वो भी राहुल गांधी के नेतृत्व में आपको सामने खड़े नजर आएंगे। इस वक्त भारत जोड़ो यात्रा से बीजेपी के घुटने टिकाने का हमारा संकल्प है। ये बयान सब धरे रह जाएंगे। सब चलता रहेगा। लेकिन एक ही मकसद है बीजेपी को टक्कर देनी है। राहुल गांधी के नेतृत्व में इनको घुटने टिकाकर देश को महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, नफरत की राजनीति से मुक्ति दिलानी है।

खाचरियावास बोले- बीजेपी को अपना घर सम्भालना चाहिए। इनकी बुआजी जो वसुंधरा जी हैं। उनके खिलाफ ये सारे नेता इकट्ठा हुए हैं। लेकिन सुन लें, वसुंधराजी से ये जो पंगा ले रहे हैं। ये पंगा इनको महंगा पड़ेगा।

खाचरियावास ने कहा- बीजेपी की जन आक्रोश यात्रा की चार्जशीट झूठ का पुलिंदा है। उन्होंने कहा इन्वेस्ट राजस्थान समिट में लाखों करोड़ का इंवेस्टमेंट आया है। युवाओं को प्लेसमेंट मिल रही है। ये जन आक्रोश बीजेपी के खिलाफ है। ये नाटक नहीं चलेगा, नाटक फेल है।

गुर्जर नेताओं से समझौते के आसार, विजय बैंसला बोले-

पायलट ने ऐसा कोई काम नहीं किया जिससे उनकी छवि खराब हो

जयपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी की यात्रा रोकने की धमकी देने के बाद गुर्जर नेताओं के साथ सरकार ने बातचीत शुरू कर दी है। गुर्जर नेताओं और सरकार के बीच सहमति बनाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। गुर्जर नेताओं के प्रतिनिधिमंडल के साथ सचिवालय में मंत्रियों और अफसरों ने करीब दो घंटे तक बातचीत की। कल दोपहर एक बजे फिर वार्ता होगी।

मंत्रियों के साथ बातचीत में गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति से जुड़े नेताओं ने भर्तियों में एमबीसी आरक्षण के लंबित केस, गुर्जर आंदोलन से जुड़े मुकदमे वापस लेने, एमबीबीएस में फीस कम और 2020 में हुए समझौते की पालना करने की मांग की। साल 2020 के बाद पहली बार गुर्जर नेताओं के साथ सरकार की वार्ता हुई है।

गुर्जर नेता विजय बैंसला ने कहा कि आज वार्ता सकारात्मक हुई है,सरकार ने सभी मांगों को सुना है। कल दोपहर 1 बजे बैठक में सरकार की ओर से जवाब दिया जाएगा। अगर हमारी मांगे मानी गई तो भारत जोड़ो यात्रा का स्वागत करेंगे,अन्यथा यात्रा का विरोध किया जाएगा।

उम्मीद है वार्ता के सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। कल का इंतजार कीजिए, जो है सामने आ जाएगा, लेकिन हमें पॉजिटिव रहना चाहिए, हम यह क्यों सोचें कि नहीं होगा। बैठक के बाद शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला ने कहा कि संघर्ष समिति से सभी मुद्दों पर चर्चा हुई है।कल दोपहर 1 बजे फिर सचिवालय में बैठक होगी,इस बैठक में जो जायज मांगे हैं उन्हें माना जाएगा। पांच मांगों पर कल चर्चा होगी जिनमें रीट भर्ती, फीस, देवनारायण योजना से जुड़े मुद्दे हैं।

जी-20 को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में : शेरपा, अमिताभ कांत सहित विदेश मंत्रालय के कई अधिकारी उदयपुर पहुंचे

उदयपुर , 28 नवंबर (एजेंसियां)। लेकसिटी में 4 से 7 दिसंबर को होने वाली जी-20 को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही है। भारत की अध्यक्ष में होने वाले जी-20 सम्मेलन में आने वाले 20 देशों के शेरपा सहित 150 प्रतिनिधियों के लिए चाक-चौबंद व्यवस्था की जा रही है। चार दिवसीय आयोजन में जहां-जहां भी विदेशी पावणे ठहरेंगे या काई गतिविधियां होगी वहां-वहां का लगातार दौरा कर जायजा लिया जा रहा है। सोमवार को भारत का जी-20 शेरपा अमिताभ कांत सहित विदेश मंत्रालय के कई अधिकारी उदयपुर पहुंचे और तैयारियां का जायजा लिया।

पर्यटन विभाग की उप निदेशक शिखा सक्सेना ने बताया कि साढ़े 12 बजे शेरपा अमिताभ कांत के अलावा जॉइंट सेकेटरी जी-20 नागराज नायडू ककानूर, सिक्यूरिटी की जॉइंट सेकेटरी भावना सक्सेना एवं अंडर सेकेटरी जी-20 असीम अनवर और अनुज स्वरूप आदि प्लाइट से उदयपुर पहुंचे। जहां एयरपोर्ट पर मेहमानों का स्वागत किया गया। इसके बाद पहले दिन से लगातार अंतिम दिन के सिड्यूल वाईज होने वाले कार्यक्रमों के स्थलों और व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया।

शेरपा के साथ आए अन्य अधिकारियों ने दौरा उन सभी जगहों पर देखा जहां जी-20 के कार्यक्रम आयोजित होंगे। सबसे पहले सभी सबसे पहले ताज फतह प्रकाश पहुंचे, जहां पर प्रथम शेरपा मीटिंग आयोजित होगी। वहां बैठक से संबंधित स्थान और व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। इसके बाद दरबार हॉल पहुंचे जहां मुख्य कॉन्फ्रेंस जहां होगी।

जुबली हिल्स रोड नंबर 45 पर ट्रैफिक डायवर्जन, पुलिस करेगी फील्ड स्टडी

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स रोड नंबर 45 और आसपास के इलाकों में ट्रैफिक डायवर्जन पर जनता की नाराजगी के बाद, ट्रैफिक पुलिस उनकी कार्रवाई के प्रभाव को समझने के लिए एक फील्ड स्टडी कर रही है। संयुक्त पुलिस आयुक्त एवी रंगनाथ ने कहा कि स्टॉप वॉच से लैस ट्रैफिक पुलिस अधिकारी उन सड़कों पर यात्रा करेंगे जहां पीक और नॉन-पीक ट्रैफिक घंटों के दौरान डायवर्सन लगाए गए थे और एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने में लगने वाले यात्रा समय को नोट करेंगे। इस अभ्यास से हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि इस पहल के माध्यम से मोटर चालकों को कितना लाभ मिल रहा है। एकत्र किए गए वर्तमान डेटा की तुलना पिछले डेटा से की जाएगी।

परिणामों के आधार पर, हम अपनी अगली कार्रवाई की योजना बनाएंगे। पहले, केबीआर पार्क जंक्शन से केबल ब्रिज की ओर आने वाले मोटर चालकों को जुबली हिल्स चेकपोस्ट सिग्नल पर लगभग 10 मिनट तक इंतजार करना पड़ता था और ट्रैफिक से बाहर निकलते हुए, फिर से रोड नंबर 45 जंक्शन पर एक और 8 मिनट के लिए और फिर वहां से गुजरना पड़ता था।

अब यात्रा का समय कम हो गया है और अधिकांश मोटर चालक इसे नोटिस कर रहे हैं और हमारी पहल को स्वीकार कर रहे हैं। एक वर्ग इसके खिलाफ है और हम क्षेत्र अध्ययन के माध्यम से एकत्रित डेटा प्रदान करके उनकी शिकायत को हल करने का प्रयास करेंगे, उन्होंने कहा कि योजना को क्षेत्र के दौरे और फील्ड अधिकारियों और उच्च अधिकारियों द्वारा यातायात परिदृश्य का अध्ययन करने के बाद लागू किया गया है। रंगनाथ ने कहा कि मोटर चालक अपना क्षेत्र अध्ययन भी कर सकते हैं और स्टॉप वॉच का उपयोग करके स्ट्रेच पर लगने वाले समय को नोट कर सकते हैं और ट्रैफिक परिदृश्य की बेहतर समझ के लिए ट्रैफिक पुलिस के साथ सोशल मीडिया के माध्यम से डेटा ऑनलाइन साझा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यातायात प्रबंधन में जनभागीदारी जरूरी है। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस हमेशा नागरिकों के सुझावों के लिए तैयार रहती है।

केसीआर डर गए भाजपा से : सांसद

निर्मल, हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिला भैंसा नगर से भाजपा राज्य अध्यक्ष बंडी संजय की 5वीं प्रजा संग्राम पदयात्रा सोमवार को तय की गई, पर बीते रविवार को पुलिस ने कोरुटलासे बंडी संजय को बीच रस्ते में रोक गिरफ्तार किया और साथ ही निर्मल, आदिलाबाद, भैंसा से भाजपा के सभी नेताओं को गिरफ्तार किया गया। सोमवार को सभी परेशान रहे जब पता चला की नेता सहित कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है।

सोमवार की दोपहर उच्च न्यायलय के निर्णय के सभी में खुसी की लहर दौड़ पड़ी। सभा स्थल पर सांसद सोयम बापूराव ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि नीतियों का परित्याग नहीं करना चाहिए।

पुराना पुल स्थित श्री सखी बाबा मंदिर में आयोजित विवाह पंचमी रथ महोत्सव में भाग लेते हुए मुख्य अतिथिगण व समाजसेवी गोपाल बल्दवा, कैलाश नारायण भांगडिया, महंत ठाकुर दास जी (संदीप मिश्रा), राजेंदर एवं अन्य।

हिन्दी महाविद्यालय में समापन समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी महाविद्यालय द्वारा आयोजित त्रि दिवसीय प्रवेश एवं अभिविन्यास कार्यक्रम का समापन समारोह संपन्न हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल ने बताया कि कार्यक्रम के तीसरे दिन अभिभावक एवं शिक्षकों की विभागानुसार संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया जिसमें प्राध्यापकों ने अभिभावकों से पाठ्यक्रम, उपस्थिति, अनुशासन से अवगत कराया। इस कार्यक्रम में अभिभावकों ने उत्साह के साथ भाग लिया। अभिभावकों एवं शिक्षकों की बैठक के बाद समापन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें ईस्ट जोन के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्रीनिवास रेड्डी मुख्य अतिथि के रुप में और मिस्टर वर्ल्ड मीर मोहतेशाम अली सम्माननीय अतिथि के रुप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम में सम्माननीय अतिथि के रुप में उपस्थित मिस्टर वर्ल्ड टाइटल प्राप्त मीर मोहतेशाम अली ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शारीरिक गठन,स्वास्थ्य और शारीरिक सौष्ठव के लिए आवश्यक जानकारी दी। इसी सत्र में भारतीय संविधान दिवस के अवसर पर हिन्दी महाविद्यालय एनएसएस अधिकारी कन्हैया कुमार और राजनीति शास्त्र की विभागाध्यक्ष श्रीमती अर्चना पांडे द्वारा अतिथियों, प्राध्यापकों और विद्यार्थियों को संविधान के प्रति निष्ठा रखने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में स्वागत भाषण हिन्दी महाविद्यालय की उपप्राचार्या डॉ. श्रीदेवी द्वारा प्रस्तुत किया गया और धन्यवाद ज्ञापन उपप्राचार्या श्रीमती अश्वनी संरपूरकर द्वारा प्रस्तुत किया गया। त्रि दिवसीय कार्यक्रम को सुचारू ढंग से चलाने एवं सफल संयोजन में अंग्रेजी विभाग अध्यक्षा श्रीमती शारदा देवी और हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. रजनी धारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्रदीप कुमार दत्त विद्यार्थी सेवा रत्न पुरस्कार से सम्मानित

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दी साहित्य भारती (अंतरराष्ट्रीय) तेलंगाना इकाई तथा ज़िला परिषद हाई स्कूल, डोड्डी, अलवाल के संयुक्त तत्वावधान में विद्यालय के प्रांगण में आयोजित स्वागत समारोह में होटलस एण्ड रेस्टोरेंटस एसोसिएशन आफ तेलंगाना स्टेट् के उपाध्यक्ष तथा हिन्दी महाविद्यालय कार्यकारिणी सदस्य प्रदीप कुमार दत्त द्वारा अपने माता-पिता स्व. कौशल्या देवी दत्त संस्थापक पूर्व प्रधानाध्यापिका केशव मेमोरियल कन्या विद्यालय, हिंदी सेवी, शिक्षा विद्, तथा हिंदी महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य स्व. कृष्णदत्त की स्मृति में बालिकाओं के लिए पाँच नए शौचालयों के निर्माण, बालकों के शौचालयों के नवीनीकरण तथा प्रांगण मरम्मत के माध्यम से आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराईं गईं। प्रदीप कुमार दत्त द्वारा इस अमूल्य योगदान के लिए भव्य समारोह में विद्यालय द्वारा स्मृति चिन्ह तथा तेलंगाना हिंदी साहित्य भारती द्वारा विद्यार्थी सेवा रत्न पुरस्कार 2022 प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका जी. रमा, भास्कर रेड्डी, वसुमति, हेमलता, ज्योति, डॉ. राजीव सिंह, सुरेश, भवानी, विद्यालक्ष्मी, छात्र-छात्राएँ तथा तेलंगाना हिन्दी साहित्य भारती के कई सदस्य - अध्यक्ष ले. कर्नल दीपक दीक्षित, मार्गदर्शक सुनीता लूला, ज्योति नारायण, महामंत्री डॉ. राजीव सिंह, दयाशंकर प्रसाद, संतोष रज़ा, दर्शन सिंह, प्रदेश प्रभारी डॉ.सुरभि दत्त, मोहिनी गुप्ता, ज्योति गुरवारा, शिल्पी भटनागर तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

ईसीआईएल में राजभाषा नीति एवं तकनीकी लेखन पर कार्यशाला

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, परमाणु ऊर्जा विभाग का उद्यम, हैदराबाद में कॉरपोरेशन नए भर्ती हुए अधिकारियों एवं प्रशासनिक तथा तकनीकी कर्मचारियों के लिए 'राजभाषा नीति एवं तकनीकी लेखन' विषय पर राजभाषा कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का मुख्य प्रयोजन कार्मिकों को कॉरपोरेशन में भारत सरकार की राजभाषा नीति तथा कार्यालयीन हिन्दी का अभ्यास कराना था। इस कार्यशाला का संचालन एम. मृत्युंजयुडु, वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक, सीएलडीसी के निर्देशन में डॉ. राजनारायण अवस्थी, वरिष्ठ अधिकारी (राजभाषा) एवं सदस्य-सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने किया।

कार्यशाला में तकनीकी संस्थानों में राजभाषा नीति के अनुपालन के महत्व तथा ईसीआईएल में हिन्दी के संदर्भ में सामरिक इलेक्ट्रॉनिक्स से संबधित तकनीकी लेखन की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। इस कार्यशाला के प्रथम सैद्धांतिक सत्र में संघ की राजभाषा नीति के अंतर्गत राजभाषा अधिनियम, राजभाषा नियम, राजभाषा संकल्प, राजभाषा संबंधी विभिन्न आदेश, राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम तथा प्रयोजनमूलक प्रशासनिक व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण आदि विषयों की जानकारी दी। द्वितीय तकनीकी अभ्यास सत्र में तकनीकी लेखन, शब्दावली, नाभिकीय, वांतरिक्ष, सुरक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी एवं दूरसंचार तथा ई-गवर्नेंस सहित विभिन्न तकनीकी विषयों पर परस्पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर पावरपाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से ईसीआईएल में राजभाषा गतिविधियों तथा संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण से संबंधित गहन जानकारी भी दी गई। इसके साथ-साथ कॉरपोरेशन के प्रकाशनों, 'रक्षा क्षेत्र में ईसीआईएल', 'ईसीआईएल उत्पाद प्रोफाइल' तथा 'इलेक्ट्रानिक मतदान मशीन (ईवीएम) मैनुअल', 'प्रमाणिका जानकारी पुस्तिका', 'मेस दूरदर्शक प्रोफाइल', 'साइबर फोरेन्सिक्स क्षेत्र में ईसीआईएल', 'आरडीई-पहले मुझे पढ़ें', 'अनुसंधान एवं विकास रिपोर्ट', 'वार्षिक रिपोर्ट' तथा 'ईसीआईएल गौरव' को प्रदर्शित किया गया। इस सत्र में प्रशिक्षण के दौरान राजभाषा संबंधित अध्ययन सामग्री 'राजभाषा नीति: संक्षिप्त परिचय' भी दी गई। समापन सत्र में विगत वर्षों में मुख्यालय, हैदराबाद, आंचलिक कार्यालयों एवं शाखा कार्यालय में की गई माननीय संसदीय राजभाषा समिति द्वारा निरीक्षण से संबंधित वृत्तचित्र प्रदर्शित कर संबंधित जानकारी प्रदान की गई कॉरपोरेशन में राजभाषा चेतना माह के अवसर पर आयोजित राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह की मुख्य आकर्षक झलकियों को दिखाया गया।

इस अवसर पर एन. जनार्दन रेड्डी, सुषमा कुमारी, शुभम कुमार, जे. शिव प्रसाद तथा सक्षम राजपूत ने कार्यशाला की सार्थकता पर विशेष रूप से अपने विचार प्रस्तुत करते हुए धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यशाला आयोजन में कॉरपोरेट अध्ययन एवं विकास केन्द्र के सभी सदस्यों सहित श्रीमती वी.के.एस. महालक्ष्मी, कनि. अनुवादक (राजभाषा) एवं अजहर सुल्तान, प्रवर श्रेणी लिपिक ने सहयोग दिया।

अग्रमंच के नये अंक का लोकार्पण करते हुए झुंझुनूं प्रगति संघ हैदराबाद के मानद मंत्री राजकुमार पंसारी, प्रदीप तुलसीयान , संदीप ढेडीया, आनंद टीबरेवाल, गुड्डू तुलसियान।

धूलपेट स्थित आकाशपुरी हनुमान मंदिर में गौभक्त टी. राजा सिंह से मुलाकात कर उनका सम्मान करते हुए जैन संत नीलेश मुनि। साथ में हैं वीरेंद्र अग्रवाल, रिद्धीश जागीरदार व अन्य।

स्टालियन क्लासिक फिटनेस के तत्वावधान में तेलंगाना, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र राज्य स्तरीय बॉडी बिल्डिंग कॉम्पेटिशन में 120 बॉडी बिल्डरों ने भाग लिया। जिसमें हबीब खान (हैदराबाद) को अपनी केटेगिरी में प्रथम प्राप्त करने पर सम्मान करते हुए ब्लड डोनर सुशील भायल, सुरेश भायल, अभिलाश, रतनलाल रोहित, किरन, लक्ष्मण व अन्य।

बाबा गंगाराम भजन संध्या आयोजित

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी की भजन संध्या का आयोजन अत्तापुर में ओम प्रकाश अग्रवाल के निवास स्थान पर किया गया। इस अवसर पर बाबा गंगारामजी का पंचदेव दरबार सजाया गया, जिसमें बाबा गंगाराम सहित भक्त शिरोमणि देवकीनन्दनजी, शक्ति स्वरुपा देवी गायत्री, माता लक्ष्मी, श्री शिव परिवार, श्री हनुमान, यथा माता दुर्गा का अलौकिक शृंगार किया गया। हैदराबाद के प्रसिद्ध भजन गायक घनश्याम शर्मा ने इस अवसर पर अपनी मधुर वाणी में भजनों की अमृत वर्षा की। भजन संध्या में बड़ी संख्या में परिवारिक सदस्यों तथा मित्रों के साथ बाबा गंगाराम सेवा समिति हैदराबाद के सभी सदस्य सपरिवार उपस्थित रहे और भजनों का आनंद लिया।

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स राज्य पुरस्कार परीक्षण शिविर शुरू

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्रीय विद्यालय एएफएस बेगमपेट में भारत स्काउट्स एंड गाइड्स राज्य पुरस्कार परीक्षण शिविर का औपचारिक उद्घाटन टी. प्रभुदास, कार्यवाहक उपायुक्त, संभागीय आयुक्त (भारत स्काउट्स और गाइड), सहायक आयुक्त द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर एम.राजेश्वर राव, उप संभागीय आयुक्त (स्काउट्स), सहायक आयुक्त केवीएस हैदराबाद क्षेत्र द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करने के बाद मुख्य अतिथि और अधिकारियों द्वारा लॉर्ड बैडेन पॉवेल के चित्र पर माल्यार्पण किया गया।

शंकर रामिसेट्टी, प्रिंसिपल, केवीएएफएस बेगमपेट, जिला आयुक्त (स्काउट्स) ने स्वागत भाषण दिया। मुख्य अतिथियों के अलावा, उन्होंने कैंप अधिकारियों सुश्री सीएस गीताएएससी केंद्र बेंगलुरु एलओसी (जी) और रसूल शेख, एनएएल, बेंगलुरु, एलओसी का स्वागत किया। बेंगलुरु क्षेत्र से सुश्री विमला सरवा और सुश्री शांतिनी, गाइड अनुभाग, एलएम भट्ट, मैसूर और अल्लाबैक्स बीएम, बेंगलुरु क्षेत्र से बागल कोट, एस्कॉर्ट्स और स्काउट्स और गाइड के परीक्षक शामिल हैं।

एम राजेश्वर राव ने अपने भाषण में युवा प्रतिभागियों को प्रेरित किया और आंदोलन के महत्व और इतिहास पर प्रकाश डाला।

अपने भाषण के दौरान एम. प्रभुदास ने शिविर के लिए अपनी इच्छा व्यक्त की और प्रतिभागियों को कौशल हासिल करने और जोखिम और अवसरों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। रसूल शेख ने स्काउट्स और गाइड्स को उत्साह के साथ परीक्षण शिविर में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया और विभिन्न स्तरों के परीक्षणों पर भी जानकारी दी।

सभा में मेजबान स्कूल केवी एएफएस बेगमपेट के छात्रों द्वारा शास्त्रीय नृत्य प्रदर्शन, वाद्य प्रदर्शन और समूह गीत जैसे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी देखे गए। स्कूल के प्रिंसिपल शंकर, नरेंद्र कुमार, एचडब्ल्यूबी (एस), क्वार्टर मास्टर के कुशल मार्गदर्शन में सुश्री पीएलके रानी, एचडब्ल्यूबी (सीएम), एसोसिएट क्वार्टर मास्टर ने स्कूल के कर्मचारियों के साथ मिलकर विभिन्न स्कूलों के 502 प्रतिभागियों के लिए सभी व्यवस्था की है।

एनआईटीटीटीआर-चंडीगढ़ में मीडिया चौपाल 2 से

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 'मीडिया चौपाल' संचारकर्मियों के वैचारिक आदान-प्रदान का एक सशक्त माध्यम है। मीडिया और समाज के सम्बन्धों को सुदृढ़ बनाने के लिए वर्ष 2012 में 'मीडिया चौपाल' की शुरुआत हुई थी। तब से यह चौपाल अलग-अलग जगह लग रहा है और संचारविदों के ज्ञान एवं अनुभव से सबको लाभान्वित कर रहा है। इस वर्ष के 'मीडिया चौपाल' का आयोजन 2 से 4 दिसंबर, 2022 को राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) चंडीगढ़ में होगा और विचार-विमर्श का केन्द्रीय विषय अमृतकाल में भारत अभ्युदय : चुनौतियाँ एवं संकल्प है। इस चौपाल में लद्दाख से लक्षद्वीप तक के संचारक शामिल होंगे। 'मीडिया चौपाल' का प्रमुख उद्देश्य नेटवर्किंग, क्षमता संवर्धन और सशक्तिकरण के साथ-साथ संचार के सिद्धांत, प्रक्रिया और प्रारूपों के भारतीयकरण एवं मानवीयकरण, समाजीकरण और सकारात्मकता की ओर उन्मुख करना। इस तीन दिवसीय मीडिया चौपाल में लगभग 10 विमर्श सत्रों के साथ-साथ मीडिया प्रदर्शनी और पुस्तक प्रदर्शनी होगी। इस आयोजन में देश भर के 500 से अधिक संचारक (मीडिया पर्सन्स), फिल्म एवं कला जगत की नामचीन हस्तियाँ, सम्पादक, लेखक, साहित्य और जनमत को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण लोग शामिल होंगे।

समाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव गोविंद राव फुले की पुण्यतिथि पर अंबरपेट स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व सांसद वी. हनुमंत राव व अन्य।

वनस्थलीपुरम में आयोजित सम्मान समारोह में राजस्थान जैतारण से पधारे जाट समाज के ओमप्रकाश चौधरी। साथ में हैं तेलंगाना जाट एकता मंच के प्रदेशाध्यक्ष धर्माराम ढाका, दोलाराम कडवा, जसाराम टाडा, केलाश सारण, हणुतराम खोखर, कैलाश कागट, लिखमाराम खोखर, चिमनाराम मुंदीयाडा व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

भाजपा के पूर्व मंत्री...

हालांकि, उन्हें उम्मीद थी कि इस बार बीजेपी उन्हें टिकट देगी। लेकिन, इस बार भी भाजपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया। इसी के चलते वे पार्टी से नाराज थे। बीते रविवार को वे सिद्धपुर के वामैया गांव में कांग्रेस प्रत्याशी चंदनजी ठाकोर के समर्थन में जनसभा में भी पहुंचे थे।

जय नारायण व्यास लंबे समय से बीजेपी से जुड़े हुए थे। उन्होंने पार्टी में कई उतार-चढ़ाव भी देखे। जब केशुभाई और नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब जय नारायण व्यास दोनों की सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। 2017 से पहले वे लगातार चार बार सिद्धपुर के विधायक रहे। विजय रूपाणी की सरकार बनने के बाद से ही पार्टी ने उन्हें साइडलाइन कर दिया था।

गुजरात में दो चरणों में विधानसभा चुनाव होंगे। पहले चरण में 89 सीटों पर 1 दिसंबर, तो दूसरे चरण में 93 सीटों पर 5 दिसंबर को वोटिंग होगी, जबकि गुजरात चुनाव के नतीजे हिमाचल प्रदेश के साथ ही 8 दिसंबर को आएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त अनुप चंद्र पांडेय ने बताया कि इस बार 51782 पोलिंग स्टेशन्स पर 4.9 करोड़ वोटर वोट डालेंगे। इस बार गुजरात में 3,24,422 नए वोटर जोड़े गए हैं।

गहलोत-पायलट दोनों...

भाजपा जितना पैसा मेरी इमेज खराब करने में लगाएगी, उतनी ही मुझे ताकत मिलेगी। इस तरह के हमले मेरे लिए गुरु हैं। इससे मुझे पता चलता है कि मैं सही दिशा में चल रहा हूं।

राहुल अब तक दो हजार से अधिक किमी चल चुके हैं। इस दौरान कौन-सा क्षण उनके लिए सबसे खास था? इस पर राहुल ने कहा कि यात्रा की प्लानिंग एक साल पहले की थी। जब मैं 25-26 साल का था, तब इसके बारे में सोचा था। यात्रा के दौरान घुटने की पुरानी इंजुरी में फिर दर्द उठ गया। मुझे डर था कि चल सकूंगा या नहीं। लेकिन, इस डर पर जीत हासिल कर ली। एक बात और कहना चाहूंगा कि एक लड़की मिली थी रास्ते में। उसने कहा था कि मैं भी आपके साथ चल रही हूं। मम्मी-पापा ने इजाजत नहीं दी है, तब भी आप यह ही समझना कि मैं आपके साथ हूं। यह कुछ ऐसे क्षण थे, जिसने मुझे ताकत दी। मैंने डर पर जीत हासिल की और दो हजार से अधिक किमी चल सका।

राहुल से पूछा गया कि बेरोजगारी और महंगाई उनके एजेंडे में है, लेकिन इन्हें दूर कैसे करेंगे? राहुल बोले कि बेरोजगारी को दूर करने के लिए छोटे सेक्टरों पर काम करना पड़ेगा। नोटबंदी और जीएसटी जैसे कदमों ने अन्य सेक्टरों पर बोझ बढ़ा दिया है। इस वजह से बेरोजगारी बढ़ गई है। ओवरऑल दो-तीन बड़े उद्योगपति ही सारे काम कर रहे हैं। यह कंपनियां हर सेक्टर में मोनोपोली बना रही है। यह खत्म होना चाहिए।

ऋतुराज ने एक ओवर में 7 छक्के जड़े

ऐसा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज, विजय हजारे ट्रॉफी में दोहरा शतक

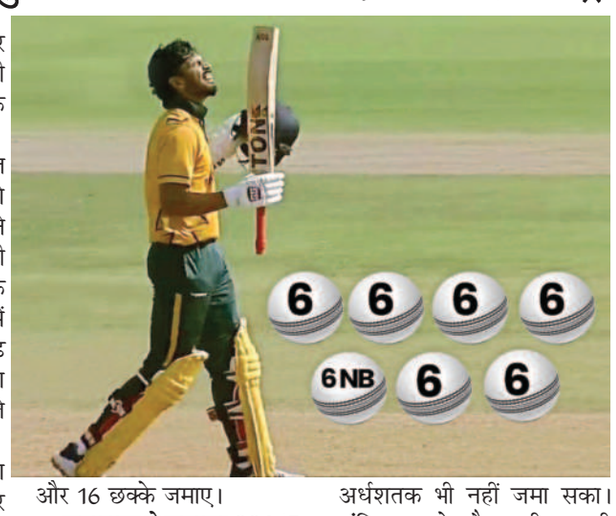

अहमदाबाद, 28 नवंबर (एजेंसियां)। ऋतुराज ने अपनी पारी में गायकवाड़ ने 10 चौके और 16 छक्के जमाए।

युवा बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड ने सोमवार को इतिहास रच दिया। गायकवाड ने विजय हजारे ट्रॉफी में महाराष्ट्र की ओर से खेलते हुए उत्तर प्रदेश के खिलाफ मैच में एक ओवर में सात छक्के जमा दिए। वे लिमिटेड ओवर क्रिकेट में यह कारनामा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं।

गायकवाड ने यह कारनामा महाराष्ट्र की पारी के 49वें ओवर किया। शिवा सिंह के इस ओवर में एक गेंद नो बॉल थी। इस तरह यह ओवर सात गेंदों का हुआ और गायकवाड ने सभी सात गेंद पर छक्के जमा दिए। ओवर में कुल 43 रन बनाए। उन्होंने इस पारी में 159 गेंदों पर 220 रन बनाए। इस पारी में गायकवाड ने 10 चौके और 16 छक्के जमाए।

महाराष्ट्र ने बनाया 330/5 का स्कोर

गायकवाड की इस पारी की बदौलत महाराष्ट्र ने 50 ओवर में पांच विकेट खोकर 330 रन बनाए। गायकवाड ने इस पारी में ओपनिंग की थी। उनके अलावा महाराष्ट्र का कोई अन्य बल्लेबाज अर्धशतक भी नहीं जमा सका। अंकित बावने और अजीम काजी ने 37-37 रन की पारी खेली। उत्तर प्रदेश के लिए तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी ने 66 रन देकर सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए।

यूपी टीम में आईपीएल खेल चुके 4 गेंदबाज

ऐसा नहीं है कि गायकवाड ने किसी हल्की गेंदबाजी टीम के खिलाफ ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। इस मैच में उतरी UP की टीम में IPL खेल चुके चार गेंदबाज मौजूद थे। इनमें अंकित राजपूत, शिवम मावी, कार्तिक त्यागी और करण शर्मा शामिल हैं।

लिस्ट ए क्रिकेट में दूसरी बार एक ओवर में 43 रन

लिस्ट ए क्रिकेट में यह अब तक का दूसरा मौका है जब एक ओवर में 43 रन बने हैं। इससे पहले 2018-19 में न्यूजीलैंड की डोमेस्टिक क्रिकेट में ऐसा हुआ था।

तब सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के गेंदबाज विलेम लुडिक ने एक ओवर में 43 रन दिए थे। उस ओवर में लुडिक ने दो नो-बॉल फेंके थे और नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट के दो बल्लेबाजों जो कार्टर और ब्रेट हैम्पटन ने मिलकर 6 छक्के जमाए थे। उस ओवर में 1 चौका और 1 सिंगल भी बना था।

121 साल में पहली बार कनाडा ने जीता डेविस कप

28 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराया, भारत 3 बार उपविजेता रहा है

मलागा, 28 नवंबर (एजेंसियां)। कनाडा ने टेनिस का वर्ल्ड कप कहे जाने वाले डेविस कप का खिताब जीत लिया है। उसने स्पेन के मलागा में खेले गए फाइनल मुकाबले में 28 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराया।

121 साल पुराने इस टूर्नामेंट कनाडा को पहली बार ट्रॉफी चूमने का मौका मिला है। टीम इस टूर्नामेंट में 109 साल से खेल रही है। कनाडा की टीम 2019 के सीजन में उपविजेता रही थी। तब उसे राफेल नडाल की मौजूदगी वाले स्पेन ने हराया था।

इस खबर में आप जानेंगे डेविस कप में कनाडा का अब तक का प्रदर्शन कैसा रहा है। साथ ही हम टूर्नामेंट का इतिहास और इसमें भारत की स्थिति भी देखेंगे...उससे पहले देखिए कनाडाई टीम का परफॉर्मेंस

अलियासिमे ने दिलाई निर्णायक जीत

रविवार को डेनिस शापोवालोव और फेलिक्स ऑगर अलियासिमे की जीत के दम पर कनाड़ा ने ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से मात दी। ऑगर अलियासिमे ने एलेक्स डि मिनॉर को 6-3, 6-4 से हराकर कनाडा को खिताब दिलाया। इससे पहले शापोवालोव ने थानासी कोकिनाकिस को 6-2, 6-4 से हराकर कनाडा को 1-0 की बढ़त दिलाई थी। छठी रैंक के खिलाड़ी फेलिक्स ने दूसरे सिंगल्स में ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डि मिनाउर को 6-3-6-4 से हराया। फेलिक्स ने मैच में 16 विनर्स लगाए। एलेक्स पांच विनर्स ही लगा सके। एलिसमी ने इस जीत को सपना सच होना बताया।

जब भारत ने फाइनल का बायकॉट किया था

डेविस कप में इस बार भारत ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ पाया। हालांकि, भारतीय टीम का इस टूर्नामेंट में गौरवशाली इतिहास रहा है। 1966 में भारत उपविजेता रहा था। 1974 में हमारे पास खिताब जीतने का मौका था, लेकिन दक्षिण अफ्रीका में रंगभेदी सरकार के विरोध ने भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ फाइनल खेलने से इनकार कर दिया था। इसके अलावा भारत 1987 में भी फाइनल तक पहुंचा था। तब हमें स्वीडन के खिलाफ हार मिली थी।

121 साल पहले शुरू हुआ था डेविस कप

इस टूर्नामेंट के इतिहास पर नजर डालें तो हम पाते हैं कि इसकी शुरुआत ओलिंपिक गेम्स शुरू होने के बाद चार साल बाद, यानी की 1900 में हुई थी। अब तक 16 टीमें चैंपियन बनी हैं। सबसे ज्यादा 32 खिताब अमेरिका ने जीते हैं।

वर्ल्ड कप में रोहित के साथ ओपनर कौन

गिल का औसत 78; धवन का रिकॉर्ड धमाकेदार

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। मैं अभी वर्ल्ड कप के बारे में नहीं सोच रहा हूं। मेरी कोशिश है कि अभी मुझे जितने मौके मिल रहे हैं उनमें बेहतर परफॉर्मेंस दूं।

भारतीय ओपनर शुभमन गिल ने यह बात न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरा वनडे बारिश के कारण रद्द किए जाने के बाद कही। गिल भले ही वर्ल्ड कप के बारे में न सोच रहे हों, लेकिन पिछले कुछ महीनों में बतौर ओपनर उन्होंने शानदार प्रदर्शन कर खुद को रेस में ला दिया है। वसीम जाफर, आकाश चोपड़ा, अजीत अगरकर जैसे पूर्व क्रिकेटर उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं और उन्हें वर्ल्ड कप स्क्वॉड में देखना चाहते हैं।

इससे एक सवाल सीधे तौर पर खड़ा होता है। वह यह कि क्या रोहित शर्मा, शिखर धवन और केएल राहुल जैसे ओपनर्स के रहते हुए गिल को वर्ल्ड कप टीम में जगह मिलेगी? अगर जगह मिल जाती है तो वे किसके साथ ओपनिंग कर सकते हैं। इसी सवाल का जवाब इस स्टोरी में तलाशने की कोशिश करते हैं...

सबसे पहले गिल का वनडे में अब तक प्रदर्शन जान लेते हैं

जूनियर क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले गिल को भारत के लिए वनडे खेलने का पहला मौका 2019 में 20 साल की उम्र में ही मिल गया था। हालांकि, उस साल वे सिर्फ दो मैच खेल सके और सिर्फ 16 रन बना पाए। 2020 में गिल को 1 वनडे मिला जिसमें उन्होंने 33 रन बनाए। 2021 में गिल को एक भी वनडे नहीं मिला। तब लगने लगा कि पंजाब का यह बल्लेबाज सिलेक्टर्स के रडार से बाहर हो गया है।

तभी 2022 में उनकी किस्मत पलटी। टीम के रेगुलर कैप्टन रोहित शर्मा ने जब-जब आराम लेने का फैसला किया गिल को बतौर ओपनर टीम में जगह मिली। इस साल उन्होंने 11 मैच खेले और 78.12 की औसत से 625 रन बना दिए। स्ट्राइक रेट भी 104.16 का रहा। गिल का ओवरऑल वनडे करियर ऊपर दी गई तस्वीर में देख सकते हैं। आगे टीम के रेगुलर ओपनर रोहित शर्मा और शिखर धवन के हालिया प्रदर्शन पर नजर डालते हैं।

रोहित लंबे समय से आउट ऑफ फॉर्म

रोहित शर्मा ने 2019 वनडे वर्ल्ड कप में पांच शतक जमाए थे। उसके बाद उनकी फॉर्म गिरती चली गई। 2021 से वे बिल्कुल भी लय में नहीं दिखे हैं। इस दौरान वे 9 मैच खेले और एक में भी शतक नहीं जमा पाए। रोहित वनडे ही नहीं टी-20 क्रिकेट में भी आउट ऑफ फॉर्म चल रहे हैं। उनके खराब खेल का खामियाजा भारत ने पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में भी भुगता है। हालांकि, रोहित टीम के कप्तान हैं और पूरी संभावना है कि 2023 वनडे वर्ल्ड कप में टीम इंडिया उनकी अगुआई में ही उतरेगी। लिहाजा रोहित का बतौर ओपनर खेलना तय दिख रहा है।

अब शिखर धवन की बात

रोहित की गैरहाजिरी में शिखर धवन को लगातार भारतीय टीम की कप्तानी करने का मौका मिल रहा है। धवन ने बतौर कप्तान बल्लेबाजी भी अच्छी की है। टी-20 और टेस्ट टीम से बाहर किए जा चुके धवन 2021 से अब तक 50-50 ओवर की क्रिकेट में 24 मैचों में 44.71 की औसत से 939 रन बना चुके हैं। इसमें 9 हाफ सेंचुरी भी शामिल हैं। धवन का ICC वनडे टूर्नामेंट में प्रदर्शन जोरदार रहता है। इसलिए धवन भी वर्ल्ड कप टीम से बाहर जाते हुए नहीं दिख रहे हैं।

जहां तक केएल राहुल का सवाल है तो वे बड़े टूर्नामेंट और बड़े मैचों में लगातार फेल होते रहे हैं। लिहाजा वनडे वर्ल्ड कप में ओपनर की रेस में वे पिछड़ते हुए दिखलाई दे रहे हैं।

बैकअप ओपनर के रूप में शामिल हो सकते हैं

मौजूदा समय में जो स्थिति दिखलाई दे रही है उसके मुताबिक वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा और शिखर धवन की जोड़ी ही भारत के लिए ओपनिंग कर सकती है। नंबर-3 पर विराट कोहली का खेलना भी तय है। इस तरह शुभमन गिल के लिए टॉप ऑर्डर में जगह नहीं बन रही है। अगर गिल आने वाले वनडे मुकाबलों में भी अच्छा प्रदर्शन करते रहें तो वे वर्ल्ड कप में बतौर बैकअप ओपनर चुने जा सकते हैं। यानी अगर रोहित या धवन में से किसी को ब्रेक देना हो या कोई चोटिल हो तो गिल को मौका मिल सकता है।

अभी वर्ल्ड कप से पहले 25 से ज्यादा वनडे बाकी

भारतीय टीम को वर्ल्ड कप से पहले 25 से ज्यादा वनडे मैच खेलने हैं। इनमें से करीब आधे मुकाबले हो जाने पर स्थिति पूरी तरह साफ होगी कि टीम के फर्स्ट चॉइस ओपनर्स कौन हो सकते हैं। यानी अभी गिल के पास चयनकर्ताओं को प्रभावित करने के और भी मौके हैं।

पीटी उषा का इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन की प्रेसिडेंट बनना तय

पोस्ट के लिए एकमात्र उम्मीदवार, आईओए को मिलेगी पहली महिला अध्यक्ष

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। भारत की दिग्गज एथलीट पीटी उषा इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन की पहली महिला अध्यक्ष बनने जा रही हैं। उनका प्रेसिडेंट बनना तय है, क्योंकि वे चुनाव में खड़ी होने वाली अकेली उम्मीदवार हैं। 58 वर्षीय पीटी उषा 1984 के ओलिंपिक में 400 मीटर रनिंग इवेंट में चौथे स्थान पर रही थीं। रविवार यानी 27 नवंबर को नामांकन भरने की आखिरी तारीख थी। IOA के चुनाव अधिकारी उमेश सिन्हा को उनके अलावा कोई और नामांकन नहीं मिला। इस कारण उषा का अध्यक्ष बनना तय है। हालांकि, रविवार तक अलग-अलग पदों के लिए 24 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए।

पीटी उषा ने आईओए यानी इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन के चुनाव के लिए शनिवार को नामांकन भरा था। उन्होंने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी थी।

कई पदों के लिए होंगे आईओए के चुनाव

आईओए के चुनाव कई पदों के लिए होंगे। इनमें एक अध्यक्ष, एक वरिष्ठ उपाध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष (एक पुरुष और एक महिला), एक कोषाध्यक्ष, दो जॉइंट सेक्रेटरी (एक पुरुष और एक महिला) और 6 एग्जीक्यूटिव काउंसिल मेंबर्स के चुनाव होंगे। उषा 14 नवंबर को आईओए के एथलीट कमिशन से चुनी गईं। वह आउटस्टैंडिंग मेरिट के आठ खिलाड़ियों का हिस्सा थीं। इसमें योगेश्वर दत्त (रेसलर), एम एम सोमाया (हॉकी), रोहित राजपाल (टेनिस), अखिल कुमार (मुक्केबाजी), सुमा शिरूर (निशानेबाजी), अपर्णा पोपट (बैडमिंटन) और डोला बनर्जी (तीरंदाजी) शामिल हैं।

पूर्व स्पोर्ट्स मिनिस्टर किरण रिजिजू ने दी बधाई

भारत के गृह राज्य मंत्री और पूर्व खेल मंत्री किरण रिजिजू ने पीटी उषा को ट्विटर पर बधाई दी। उन्होंने कहा - भारत की गोल्डन गर्ल को आईओए की अध्यक्ष बनने पर बधाई। साथी ही दूसरे पदाधिकारियों को भी बधाई। देश को आप पर गर्व है।

एशिया में पीटी उषा के 18 गोल्ड

पीटी उषा के पास एशियन गेम्स में कुल 11 और एशियाई चैंपियनशिप में 23 मेडल है। इनमें से 18 गोल्ड हैं। उन्होंने एशियन गेम्स में 4 और एशिया चैंपियनशिप में 14 गोल्ड अपने नाम किए हैं।

बाहर होने की कगार पर पूर्व चैंपियन जर्मनी

स्पेन से मैच ड्रॉ, नॉकआउट में जाना मुश्किल

अल खोर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। 4 बार का वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी कतर में चल रहे फीफा वर्ल्ड कप 2022 से बाहर होने की कगार पर है। 2014 की चैंपियन टीम जर्मनी ने रविवार-सोमवार की रात स्पेन के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला। इस ड्रॉ के चलते उसे स्पेन से अंक बांटना पड़े।

अल बैत स्टेडियम में खेले गए ग्रुप E के इस मुकाबले में 82 मिनट तक जर्मनी की टीम एक गोल से पिछड़ रही थी। तभी, 83वें मिनट में निकलस फुलक्रूज ने बराबरी का गोल दाग दिया। इससे पहले 62वें मिनट में स्पेन के एल्वारो मोरटा ने गोल कर अपनी टीम को 1-0 से बढ़त दिलाई थी। मुकाबले का पहला हॉफ गोलरहित था।

4 अंकों के साथ स्पेन की टीम ग्रुप-E में टॉप पर है। जबकि, जर्मनी एक पॉइंट के साथ आखिरी स्थान पर है। जापान की टीम 3 अंक के साथ दूसरे और कोस्टा रिका इतने ही अंकों के साथ तीसरे नंबर पर है। स्पेन के खिलाफ ड्रॉ की वजह से जर्मनी के आगे जाने की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उसे आगे जाने के लिए कोस्टा रिका के खिलाफ अपना अगला मैच किसी भी हाल में बड़े अंतर से जीतना होगा। साथ ही प्रार्थना करनी होगी कि स्पेन जापान को हरा दे।

फर्स्ट हाफ गोल रहित रहने के बाद 62वें मिनट में सब्स्टीट्यूट हो कर आए एल्वारो मोराटा ने मैच का पहला गोल दाग कर स्पेन को बढ़त दिला दी। उन्होंने लेफ्ट बैक जोर्डी एल्बा के पेनल्टी बॉक्स के बाहर से आए पास को सुंदरता से दाहिने पैर के सहारे जालियों में उलझाया।

आखिरी 30 मिनट में जर्मनी ने आक्रामक खेल दिखाया। सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी फुलक्रूज ने 83वें मिनट में गोल स्कोर किया। यह गोल जमाल मुसियाला के पास पर आया।

स्पेन ने मैच में जर्मनी से ज्यादा बॉल पॉजेशन रखा। स्पेन ने 65% समय बॉल अपने पास रखी। वहीं, जर्मनी की टीम 35% समय ही बॉल अपने पास रख पाई।

पहले हाफ में डिफेंसिव गेम खेलने के बाद दूसरे हाफ में जर्मनी ने अटैकिंग गेम दिखाया। पूरे मैच में जर्मनी ने कुल 11 शॉट गोल की तरफ मारे। वहीं, स्पेन 7 ही शॉट मार पाया।

स्पेन के गोलकीपर उनाई सिमन ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच में 3 अहम सेव किए। 74वें मिनट में जर्मनी के जमाल मुसियाला डिफेंडर्स को भेदते हुए बॉल को अंदर तक ले गए। उन्होंने समय लेकर शॉट मारा, लेकिन सिमन ने उसे बचा लिया।

वर्ल्ड कप से बाहर हुई कनाडा:क्रोएशिया ने दूसरे मैच में हराया, आंद्रे क्रेमेरिच ने मारे दो गोल

दोहा, 28 नवंबर (एजेंसियां)। रविवार को फीफा वर्ल्ड कप में क्रोएशिया ने कनाडा को 4-1 से हराया। इस से कनाडा की वर्ल्ड कप में आगे जाने की उम्मीदें भी खत्म हो गई। कनाडा ग्रुप F में अब तक अपने दोनों मुकाबले हारा है। वहीं, क्रोएशिया पहला मुकाबला ड्रॉ खेला और अब उसे टूर्नामेंट में पहली जीत मिली है।

मैच में क्रोएशिया की तरफ से 4 गोल हुए। पहला गोल आंद्रे क्रेमेरिच ने 36वें मिनट में किया। वहीं दूसरा गोल 44वें मिनट में मार्को लिवाजा ने किया। तीसरा गोल फिर आंद्रे क्रेमेरिच ने 70वें मिनट में किया। चौथा गोल फाइनल व्हिसल से पहले 90+4वें मिनट में लोवरो माएर ने किया। कनाडा की ओर से एकमात्र गोल अलफांसो डेविस ने दूसरे मिनट में

दागा।

कनाडा ने मैच के दूसरे ही मिनट में गोल दागा। यह गोल टीम के स्टार डिफेंडर अल्फांसो डेविस ने किया। अल्फांसो चोटिल होने की वजह से पिछले मैच में बाहर हो गए थे। लेकिन वापसी करते ही उन्होंने वर्ल्ड कप गोल की स्कोर लिस्ट में अपना नाम दर्ज करा लिया।

क्रोएशिया ने अटैकिंग गेम दिखाते हुए 36 वें मिनट में शानदार गोल किया। यह गोल आंद्रे क्रेमेरिच ने किया। क्रोएशिया के इवान पेरिसिच ने क्रेमेरिच की ओर पास बनाया और उन्होंने गोल नेट में पहुंचा दी। क्रेमेरिच के गोल से स्कोर 1-1 से बराबर हो गया।

हाफ टाइम से पहले बनाई लीड

1-1 से स्कोर बराबर होने के बाद हाफ टाइम से ठीक पहले 44वें मिनट में क्रोएशिया ने अपने दूसरा गोल दागा। इसे मार्को लिवाजा ने किया। क्रोएशिया के जुरानोविक ने डिफेंस से बॉल को आगे लाते हुए अपने साथी लिवाजा को दी। इसके बाद लिवाजा ने शानदार गोल स्कोर किया।

दूसरे हाफ में आंद्रे क्रेमेरिच ने ब्रेस स्कोर किया। दुसरे शब्दों में कहें तो मैच में अपना दूसरा गोल मारा। क्रोएशिया के इवान पेरिसिच ने पेनल्टी बॉक्स के लेफ्ट साइड से आंद्रे क्रेमेरिच को डिफेंडर के बीच से क्रॉस पास दिया और क्रेमेरिच ने बड़ी सूझ-बूझ से बॉल को दिशा दी और गोल स्कोर किया।

फुटबॉल वर्ल्ड कप में हार पर बेल्जियम में दंगे

वर्ल्ड की नंबर-2 टीम हारी तो फैंस ने गाड़ियां फूंकी

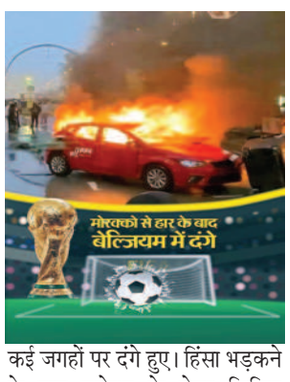

दोहा, 28 नवंबर (एजेंसियां)। कतर में चल रहे फुटबॉल वर्ल्ड कप में मोरक्को से 2-0 से हारने के बाद बेल्जियम में दंगे भड़क गए। फैंस ने राजधानी ब्रसेल्स में जमकर तोड़फोड़ की और गाड़ियां फूंकीं। पुलिस को गुस्साए फैंस को संभालने के लिए आंसू गैस और पानी की बौछार करनी पड़ी। एक पुलिसकर्मी ने बताया कि 12 लोगों को हिरासत में लिया गया है। कुछ फैंस हाथों में मोरेक्को के झंडे लेकर तोड़फोड़ कर रहे थे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने कार और कुछ इलेक्ट्रिक स्कूटरों में आग लगा दी। कई जगहों पर दंगे हुए। हिंसा भड़कने के बाद ब्रसेल्स के मेयर फिलिप क्लोज ने लोगों से शहरों में जमा नहीं होने की अपील की है। क्लोज ने कहा- 'पुलिस अधिकारी सड़कों पर व्यवस्था बनाए रखने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। मेट्रो और यातायात को भी कुछ देर तक रोकना पड़ा है। वे प्रशंसक नहीं हैं, वे दंगाई हैं।' वहीं, आंतरिक मंत्री एनेलीज वेरलिंडेन ने कहा- 'यह देखना दुखद है कि किस तरह से मुट्ठी भर लोग स्थिति को खराब कर रहे हैं।' ब्रसेल्स पुलिस की प्रवक्ता इल्से वैन डे कीरे ने कहा- 'कई दंगाई सड़कों पर उतर आए और कारों, ई-स्कूटरों में आग लगा दी तथा गाड़ियों पर पथराव किया।

फीफा वर्ल्ड कप में बड़ा उलटफेर: मोरक्को ने बेल्जियम को हराया

अल थुमामा, 28 नवंबर (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप में रविवार के दिन बड़ा उलटफेर देखने को मिला। फीफा मेंस फुटबाल रैंकिंग में दूसरे नंबर की टीम बेल्जियम को 22वें नंबर की टीम मोरक्को ने 2-0 से हरा दिया। मैच सब्स्टीट्यूशन में आए खिलाड़ियों के नाम रहा। 69वें मिनट में मैदान में आए अब्देलहामिद सबीरी ने 73वें मिनट में गोल स्कोर किया। वहीं, 73वें मिनट में मैदान पर आए जकारिया अबोउबखल ने स्टॉपेज टाइम में गोल दागा। बेल्जियम गोल का

खाता खोलने में नाकाम रही।

ऐसे आया पहला गोल

मैच का पहला गोल 73वें मिनट में अब्देलहामिद सबीरी ने किया। उन्होंने घुमावदार फ्री किक लेते हुए गोल किया।

स्टॉपेज टाइम में मोरक्को ने की जीत पक्की

90 मिनट तक स्कोर 1-0 था। बेल्जियम को उम्मीद थी कि वे 5 मिनट के स्टॉपेज टाइम में एक गोल स्कोर कर मैच को ड्रॉ कर सकते हैं। लेकिन, उनकी उम्मीदों पर पानी तब फिरा जब 90+2वें मिनट में मोरक्को के जकारिया अबोउबखल ने गोल दाग दिया। मोरक्को के हकिम जिएच ने अबोउबखल को शानदार क्रॉस पास दिया और अबोउबखल ने इसे गोल में तब्दील कर दिया।

बेल्जियम फिनिश करने में नाकाम

बेल्जियम ने पूरे मैच में बने रहने की कोशिश की, लेकिन वे फिनिश करने में नाकाम रहे। टीम ने 67% समय अपने पास बॉल रखी। इसके साथ ही उन्होंने मोरक्को के बराबर 10 शॉट गोल की तरफ भी मारे, लेकिन वे एक को भी गोल में तब्दील नहीं कर सके।

सीएम केसीआर ने किया यादाद्री पावर प्लांट के कार्यों का निरीक्षण

निर्धारित समय के भीतर काम पूरा करने व जल्द बिजली उत्पादन शुरू करने के निर्देश

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने सोमवार को नलगोंडा जिले के दामरचेरला में यादाद्री ताप विद्युत संयंत्र के चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। हैदराबाद से हेलीकॉप्टर से परियोजना स्थल पर पहुंचे मुख्यमंत्री के साथ ऊर्जा मंत्री जी. जगदीश रेड्डी और बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी थे। उन्होंने निर्माण स्थल पर विभिन्न मंजिलों का दौरा कर सभी कार्यों का निरीक्षण किया और बाद में हवाई दृश्य के साथ कार्यों की जांच की। कार्यों के निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और उन्हें दिसंबर 2023 तक काम पूरा करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यों के निष्पादन के दौरान सभी सावधानियां बरती जाएं और गुणवत्ता बनी रहे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को समय सीमा के भीतर काम पूरा करने और तुरंत बिजली उत्पादन शुरू करने के निर्देश दिए। सार्वजनिक क्षेत्र में अब तक के सबसे बड़े थर्मल प्लांट के रूप में बिल किए गए 4,000 मेगावाट (मेगावाट) बिजली स्टेशन का निर्माण 29,965 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से किया जा रहा है।

अधिकारियों को उम्मीद है कि एक बार परियोजना शुरू हो जाने के बाद, तेलंगाना में बिजली की कोई कमी नहीं होगी। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) को सुपरक्रिटिकल प्लांट के निर्माण का ठेका मिला है, जिसमें प्रत्येक में 800 मेगावाट की पांच इकाइयां होंगी।

इस अवसर पर विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी, मंत्री येर्राबेली दयाकर राव, मुख्य सचिव सोमेश कुमार, सीएमओ सचिव स्मिता सभरवाल, जेनको के सीएमडी प्रभाकर राव, सांसद संतोष कुमार और लिंगैया यादव, विधायक भास्कर राव, गद्दरी किशोर, कंचरला भूपाल रेड्डी, चिरुमर्थी लिंगैया, सिदी रेड्डी कुसुकुतला प्रभाकर रेड्डी और मल्लाह यादव और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधि उपस्थित थे।

यादाद्री पावर प्लांट में डीसीसी अध्यक्ष गिरफ्तार

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य पुलिस ने आज नलगोंडा डीसीसी के अध्यक्ष शंकर नाइक को नलगोंडा जिले के डमराचारला मंडल के वीरलापलेम गांव में स्थित यादाद्री पावर प्लांट से गिरफ्तार किया। डीसीसी अध्यक्ष के नेतृत्व में संयंत्र में सीएम केसीआर के दौरे से पहले कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विरोध कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने राज्य सरकार से स्थानीय बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के अलावा बिजली संयंत्र के निर्माण के लिए अपनी जमीन गंवाने वालों को मुआवजा देने की मांग की। प्लांट में मौजूद पुलिस ने डीसीसी अध्यक्ष के साथ कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर थाने ले गई।

टीपीसीसी प्रमुख रेवंत रेड्डी ने की गिरफ्तारी की निंदा

इस बीच, टीपीसीसी प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी ने पार्टी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की निंदा की और आश्चर्य जताया कि मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी से पहले पुलिस ने बिजली संयंत्र में जनप्रतिनिधियों को क्यों गिरफ्तार किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी को अवैध और अलोकतांत्रिक करार दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सीएम के दौरे से पहले भूमि विस्थापितों की समस्याओं को उजागर करना उनकी जिम्मेदारी है

सरकार सिद्दीपेट में बनाएगी और 1,000 डबल बेडरूम : हरीश राव

मंत्री ने लाभार्थियों में बांटे 2बीएचके हाउस पट्टे

सिद्दीपेट, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी हरीश राव ने कहा है कि राज्य सरकार केसीआर नगर में एक और 1,000 डबल-बेडरूम घर बनाएगी, जहां सरकार ने पहले ही 2,500 घर बनाए थे। सोमवार को सिद्दीपेट में 300 लाभार्थियों को 2बीएचके हाउस पट्टों का वितरण करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि इनमें से प्रत्येक घर की कीमत 20 लाख रुपये है। लाभार्थियों से अपने घरों को किराए पर या बेचने से मना करते हुए राव ने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव तेलंगाना के हर गरीब व्यक्ति को एक सम्मानजनक घर में देखना चाहते हैं। मंत्री ने कहा कि अगर कोई किराए पर लेता, बेचता हुआ पाया जाता है, या यहां तक कि बिना उपयोग किए उन्हें बंद रखा जाता है, तो सरकार घरों को वापस ले लेगी।

उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही लाभार्थियों की अपनी जमीन पर मकान बनाने के लिए 3 लाख रुपये की मंजूरी भी जल्द ही शुरू करेगी। सरकार 72 मान्यता प्राप्त पत्रकारों के लिए 2बीएचके घर भी बनाएगी, जिन्हें अभी तक सरकार से कोई लाभ नहीं मिला है। सरकार सभी पात्र दलित पत्रकारों को भी दलित बंधु लाभ प्रदान करेगी।

इससे पहले, मंत्री ने केसीआर नगर में 33/11 केवी सब-स्टेशन, 1.50 लाख लीटर भंडारण क्षमता ओवरहेड टैंक, एक पुलिस चौकी और मंदिर की एक परिसर की दीवार की आधारशिला रखी। सब-स्टेशन 5.42 करोड़ रुपये के परिव्यय से स्थापित किया जाएगा। मंत्री ने नमस्ते तेलंगाना दैनिक के सहयोग से स्थापित एक पुस्तकालय भी खोला। उन्होंने कहा कि कॉलोनी में रहने वाले बेरोजगार युवाओं के लाभ के लिए एलएंडटी के सहयोग से एक कौशल वृद्धि केंद्र भी स्थापित किया गया है। पुलिस आयुक्त एन. श्वेता, एमएलसी फारूक हुसैन और अन्य उपस्थित थे।

तेलंगाना में कड़ाके की ठंड, सिरपुर में रिकॉर्ड 8 डिग्री सेल्सियस

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के कई हिस्सों में सोमवार को न्यूनतम तापमान में गिरावट के साथ सर्द मौसम का अनुभव हुआ। पिछले 24 घंटों में, कुमराम भीम आसिफाबाद में सिरपुर (यू) में सबसे कम तापमान 9.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, सुबह के रीडिंग से भी पता चला कि सिरपुर में तापमान 8 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। तेलंगाना स्टेट डेवलपमेंट प्लानिंग सोसाइटी के अनुसार, राज्य के उत्तरी जिलों में न्यूनतम तापमान 11 से 14 डिग्री सेल्सियस और राज्य के दक्षिण और मध्य जिलों में 15 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद थी। अधिकतम तापमान 31 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। पूर्व के आदिलाबाद में, जो तापमान में गिरावट का खामियाजा भुगत रहा है, मंचेरियल के जनाराम मंडल में न्यूनतम तापमान 8.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस बीच, कुमराम भीम आसिफाबाद में तिरयानी और आदिलाबाद के बेला में क्रमशः न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस और 9.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के वानकीडी मंडल का न्यूनतम तापमान 9.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि मंचेरियल जिले के हाजीपुर मंडल में 9.7 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मंचेरियल में वेमनपल्ली, नेन्नल, जयपुर और भीमाराम मंडल, कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के आदिलाबाद, कागजनगर और सिरपुर (टी) मंडलों के आदिलाबाद शहरी मंडलों में 10 डिग्री सेल्सियस और 11 डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान दर्ज किया गया। ठंड के कारण सुबह 10 बजे तक लोग बाहर नहीं निकले।

पदयात्रा के दौरान वाईएस शर्मिला गिरफ्तार

वाईएसआरटीपी व टीआरएस कार्यकर्ताओं के बीच झडप

वरंगल, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त वरंगल जिले में पदयात्रा के दौरान वाईएस शर्मिला को गिरफ्तार किया गया। इस संदर्भ में, वरंगल पुलिस ने बताया कि, संयुक्त वरंगल जिले में वाईएसआर तेलंगाना पार्टी अध्यक्षा वाईएस शर्मिला सहित की पार्टी के भारी संख्या के समर्थकों के साथ काफिला जब संयुक्त वरंगल जिले के चेन्नारावुपेट मंडल के शंकरम तंडा के पास से गुजर रहा था तब अचानक टीआरएस कार्यकर्ताओं ने वाईएसआर तेलंगाना पार्टी के काफिले पर हमला बोल दिया तथा काफिले के वाहनों को ध्वस्त किया तथा एक बस को भी पेट्रोल डालकर जला दिया। इसे देखकर वाईएसआर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं सहित कई कार्यकर्ताओं में घबराहट फैल गयी तथा दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं में आपसी संघर्ष शुरु हुवा। इस तनाव की स्थिति को भांप कर स्थानीय पुलिस ने वाईएसआर तेलंगाना की अध्यक्षा शर्मिला को गिरफ्तार किया। ताकि अशांति का माहौल कम करने में मदद मिले। इसी क्रम में पुलिस ने आगे बताया कि, वाईएसआर तेलंगाना अध्यक्षा शर्मिला द्वारा पदयात्रा के दौरान बार बार सीएम केसीआर सहित विधायक पी. सुदर्शन रेड्डी की कडी आलोचना करने के कारण दोनों टीआरएस एवं वाईएसआरटीपी कार्यकर्ताओं में आपसी संघर्ष व कलह की शुरुवात हुई। इस मामले में अध्यक्षा शर्मिला ने अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि, राज्य में टीआरएस की पार्टी की असफलताओं के चलते मेरे द्वारा सीएम केसीआर व विधायक पी. सुदर्शन रेड्डी की कडी आलोचना की जा रही है। पर सत्य का सामना करने में अक्षम टीआरएस सरकार अशांति का सहारा ले रही है। जोकि सर्वथा अनुचित है। साथ ही शर्मिला ने यह भी कहा कि, हमारी पार्टी ने सभी प्रकार की अनुमति लेकर ही पदयात्रा कर रही है पर इसमें भी टीआरएस सरकार अडंगा लगा रही है। यही नही इस प्रकार की अशांति फैलाने में टीआरएस सरकार का हमारी पार्टी के खिलाफ षडयंत्र है तथा प्रजातंत्र की अवहेलना है। पर इसमें कोई शक नही है कि, आगामी चुनाव में जनता द्वारा अक्षम टीआरएस सरकार को कडा सबक सिखाया जायेगा।

उधर, जिले के चेन्नारावपेट मंडल के लिंगगिरी गांव में वाईएसआरटीपी अध्यक्ष वाईएस शर्मिला के कारवां में सोमवार को कुछ अज्ञात लोगों द्वारा आग लगाए जाने के बाद कुछ देर के लिए तनाव व्याप्त हो गया। हमलावरों ने एक कार पर पथराव भी किया और खिड़की के शीशे क्षतिग्रस्त कर दिए। घटना तब हुई जब शर्मिला की पदयात्रा लिंगागिरी गांव पहुंची। शर्मिला ने सोमवार सुबह नरसंपेट कस्बे से अपनी पदयात्रा शुरू की थी। बस में आग लगाने का प्रयास करने वाले लोग मौके से फरार हो गए। नरसमपेट एसपी आरवी फणींदर ने बताया कि फिलहाल हालात काबू में हैं।

बंडी संजय की यात्रा व सभा को हाईकोर्ट ने दी सशर्त अनुमति

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने सोमवार को एक सशर्त आदेश पारित किया, जिसमें निर्मल जिले के भैंसा में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय कुमार की प्रजा संग्राम यात्रा के पांचवें चरण की अनुमति दी गई। निर्मल पुलिस ने पहले शहर की साप्रदायिक संवेदनशीलता का हवाला देते हुए यात्रा और भैंसा में एक जनसभा की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। हालांकि, इस मुद्दे पर भाजपा के जी. प्रेमेंद्र रेड्डी की अदालत में जाने के साथ, न्यायमूर्ति बी. विजयसेन रेड्डी ने यात्रा की अनुमति देने वाला सशर्त आदेश पारित किया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि बैठक या जुलूस भैंसा शहर की नगरपालिका सीमा से बाहर होना चाहिए। भैंसा वाई जंक्शन पर प्रस्तावित बैठक की अनुमति दी जा सकती है यदि यह भैंसा नगर पालिका से तीन किलोमीटर से अधिक हो या भाजपा शहर से तीन किमी दूर कोई अन्य बैठक स्थान चुन सकती है। न्यायाधीश ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी विशेष धर्म को लक्षित करने वाले भड़काऊ भाषण नहीं होने चाहिए और कहा कि सदस्यों या बैठक में भाग लेने वाले लोगों को लाठी या हथियार ले जाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यह कहते हुए कि पदयात्रा में जनसभा में भाग लेने वालों की अधिकतम संख्या 3,000 और 500 होनी चाहिए, न्यायाधीश ने पुलिस को निर्देश भी जारी किए कि यदि आयोजकों या सदस्यों ने शर्तों का उल्लंघन किया है तो उचित कार्रवाई की जाए। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता प्रेमेंद्र रेड्डी को जिम्मेदारी लेनी चाहिए और किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में संपत्ति या जानमाल के नुकसान की भरपाई करनी चाहिए। इससे पहले, राज्य पुलिस का प्रतिनिधित्व करने वाले महाधिवक्ता बीएस प्रसाद ने कहा कि भैंसा सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र था और इसका हिंसा का इतिहास रहा है। अस्वीकृति पहले दर्ज किए गए सांप्रदायिक मामलों की संख्या के आंकड़ों पर आधारित थी।

शब्बीर ने पुराने शहर में मेट्रो रेल में देरी के लिए टीआरएस सरकार की खिंचाई की

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और टीपीसीसी राजनीतिक मामलों की समिति के संयोजक मोहम्मद अली शब्बीर ने टीआरएस सरकार पर मेट्रो रेल कनेक्टिविटी से वंचित करके हैदराबाद के पुराने शहर की जानबूझकर उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। उन्होंने पूछा कि हम 31 किलोमीटर लंबे एयरपोर्ट एक्सप्रेस कॉरिडोर की स्थापना के लिए राज्य सरकार के प्रस्ताव का स्वागत करते हैं, हालांकि हमें इसके पूरा होने का संदेह है, क्योंकि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव केवल आधारशिला रखने में विश्वास करते हैं न कि परियोजनाओं को वास्तविक रूप से पूरा करने में। केसीआर सरकार के पास एक रिकॉर्ड है अधूरी परियोजनाओं की संख्या सबसे अधिक है। हालाँकि, इस परियोजना की आधारशिला रखने से पहले, सीएम केसीआर को स्पष्ट करना चाहिए कि हैदराबाद के पुराने शहर में मेट्रो रेल का काम क्यों शुरू नहीं हुआ है?। शब्बीर अली ने सोमवार को एक मीडिया बयान में कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार ने हैदराबाद में मेट्रो रेल की शुरुआत की थी। डॉ वाईएस राजशेखर रेड्डी के कैबिनेट में हैदराबाद जिला प्रभारी मंत्री के रूप में, मैं अक्टूबर 2005 में एचएमआरएल के लिए शिलान्यास समारोह का हिस्सा था। परियोजना समय पर पूरी हो गई होगी, लेकिन केसीआर सरकार ने इस पर अनावश्यक आपत्तियां उठाकर इसमें देरी की।

मार्ग मूल रूप से, सिकंदराबाद में जुबली बस स्टेशन से फलकनुमा तक पुराने शहर को मेट्रो रेल से जोड़ने का प्रस्ताव था।

बाइक चोर गिरफ्तार, हैदराबाद में 10 वाहन बरामद

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तुकारामगेट पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी में कथित रूप से शामिल एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से चोरी के 10 वाहन बरामद किए। कामारेड्डी जिले के मूल निवासी शेख रियाजुद्दीन (40) शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों से बाइक चोरी में शामिल था। एसीपी गोपालपुरम, एन सुधीर ने कहा कि मोटरसाइकिल चोरी करने के बाद, उसने कामारेड्डी के एक एस श्रीनिवास गौड (35) को कम मात्रा में बेच दिया। पुलिस ने श्रीनिवास गौड़ को चोरी की संपत्ति खरीदने के आरोप में गिरफ्तार किया है। दोनों व्यक्तियों को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर भेज दिया गया है।

अगले साल फरवरी में पूरा हो जाएगा 125 फीट अंबेडकर प्रतिमा का निर्माण : मंत्री

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। समाज कल्याण मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने जानकारी दी है कि डॉ.बी.आर. फरवरी 2023 तक शहर में एनटीआर गार्डन के पास अंबेडकर का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने सोमवार को शहर के टैंक बांध में एनटीआर गार्डन के पास सड़क एवं भवन मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी के साथ कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को निर्धारित अवधि में काम पूरा करने को कहा। बाद में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, कोप्पुला ईश्वर ने कहा कि राज्य सरकार एक ध्यान केंद्र, फोटो गैलरी, मीटिंग हॉल, एक फिल्म थियेटर और अन्य सुविधाओं के निर्माण के साथ-साथ 11.5 एकड़ भूमि में अम्बेडकर स्मृतिवन का निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि काम तेज गति से चल रहा है और स्मृतिवनन को मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की इच्छा के अनुरूप आकार दिया जाएगा। मंत्री ने कहा कि चल रहे कार्य फरवरी, 2023 तक पूरे हो जाएंगे और अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर अप्रैल महीने में स्मृतिवनन का उद्घाटन किया जाएगा।

संपत्ति चोर गिरफ्तार

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेडिपल्ली पुलिस ने आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले के निवासी एक संपत्ति अपराधी पशुपति श्री रामुलु उर्फ किन्नर शिवराम (50) को गिरफ्तार किया और उसके पास से 25 तोला सोना, 500 ग्राम चांदी और एक दोपहिया वाहन बरामद किया। गिरफ्तार व्यक्ति कथित तौर पर दो तेलुगु राज्यों में दर्ज 15 मामलों में शामिल है। डीसीपी मलकाजगिरी, के रक्षिता मूर्ति ने कहा कि हाल ही में श्री रामुलु मेडिपल्ली के पीरजादिगुडा में एक घर में घुसने में कामयाब रहे थे और घर के मालिक के दूर होने पर संपत्ति के साथ भाग गए थे। मामला दर्ज करने के बाद, पुलिस टीमों ने पीरजादिगुडा से एमजीबीएस गौलीगुडा तक लगभग 90 निगरानी कैमरों को सत्यापित करके उसे ट्रैक करने में कामयाबी हासिल की। पुलिस ने उसके अपराध इतिहास और उपलब्ध जानकारी के आधार पर रविवार रात श्री रामुलु को घाटकेसर से गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने मेडिपल्ली में 10 और राचकोंडा के चैतन्यपुरी पुलिस थानों में एक मामले में अपनी संलिप्तता स्वीकार की, जबकि शेष मामले आंध्र प्रदेश से संबंधित थे।

विभिन्न गंतव्यों के बीच विशेष ट्रेनें चलायेगा दमरे

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) विभिन्न गंतव्यों के बीच विशेष ट्रेनें चलाएगा। इन विशेष ट्रेनों में 6, 13, 20 और 27 दिसंबर को हैदराबाद-यशवंतपुर शामिल हैं तथा यशवंतपुर-हैदराबाद 7, 14, 21 और 27 दिसंबर को चलने वाली है।

इसी तरह सिकंदराबाद-यशवंतपुर ट्रेन एक दिसंबर, 8, 15, 22 व 29 दिसंबर और यशवंतपुर-सिकंदराबाद 2 दिसंबर, 9, 16, 23 व 30 दिसंबर को चल रही है। एससीआर ने कहा कि इन विशेष ट्रेनों में एसी II टियर, एसी III टियर, स्लीपर और सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच शामिल होंगे।

सीसीएफ ने मृतक एफआरओ के परिवार को सौंपी 50 लाख की अनुग्रह राशि

खम्मम, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) भीमा नाइक ने सोमवार को मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा घोषित की गई अनुग्रह राशि के रूप में मारे गए वन रेंज अधिकारी सी. श्रीनिवास राव के परिवार को 50 लाख रुपये का चेक सौंपा। नाइक ने खम्मम और कोत्तागुडेम के डीएफओ सिद्धार्थ विक्रम सिंह और रंजीत नाइक के साथ रघुनाथपलेम मंडल के एर्लापुडी गांव का दौरा किया और एफआरओ की पत्नी भाग्यलक्ष्मी और बच्चों यशवंत और कृतिका को सांत्वना दी। उन्होंने परिवार को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार हर संभव सहायता करेगी और चिंता या डरने की कोई जरूरत नहीं है और वन विभाग परिवार को उनकी सभी जरूरतों में सहयोग करेगा। भीमा नाइक ने कहा कि श्रीनिवास राव की मृत्यु बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के लिए उपाय किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार भाग्यलक्ष्मी को सरकारी नौकरी, आवास स्थल और अन्य सभी वादों को जल्द ही पूरा किया जाएगा। महापौर पी नीरजा, सूडा अध्यक्ष बी विजय कुमार, डीसीसीबी अध्यक्ष के नागभूषणम, एफआरओ राधिका और अन्य उपस्थित थे।

गुट्टी कोया जनजाति के सदस्यों को बेदखली का नोटिस

कोठागुडेम, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन अधिकारियों ने सोमवार को जिले के बेंडलपाडु ग्राम पंचायत में येराबोडु बस्ती में गुट्टी कोया जनजाति के सदस्यों को बेदखली का नोटिस दिया। नोटिस 22 नवंबर को वन रेंज अधिकारी सीएच श्रीनिवास राव की कथित तौर पर बस्ती के दो निवासियों द्वारा।हत्या के मद्देनजर आया है। जिला वन अधिकारी (डीएफओ) रंजीत नाइक ने कहा कि निवासियों को निष्कासन नोटिस तेलंगाना राज्य वन (संरक्षण अधिनियम) 1980 के प्रावधानों के अनुसार दिया गया था, जो जंगल में सभी प्रकार की अवैध बस्तियों को प्रतिबंधित करता है। बस्ती में करीब 25 से 28 घर थे। वन अधिकारियों ने निवासियों को अधिनियम और उन्हें नोटिस देने के उद्देश्य के बारे में समझाया। डीएफओ ने कहा कि इस तरह के नोटिस निवासियों को अतीत में कई बार दिए गए थे क्योंकि बस्ती अवैध रूप से स्थापित की गई थी। यह सुझाव देते हुए कि बेदखली नोटिस देना पूरी तरह से एफआरओ की हत्या का नतीजा नहीं है। यह पूछे जाने पर कि क्या गुट्टी कोयाओं के बस्ती से बाहर जाने से इनकार करने के मद्देनजर जबरन बेदखली की कोई संभावना है, नाइक ने कहा कि विभाग ने अभी तक इस पर कोई निर्णय नहीं लिया है। यदि वे बेदखली नोटिस का जवाब देने में विफल रहते हैं तो अगली प्रक्रिया निवासियों को जब्ती नोटिस की सेवा देगी। डीएफओ ने कहा कि वन अधिनियम में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि बिना वैध दस्तावेज के जंगलों में बने किसी भी ढांचे को जब्त किया जा सकता है, भले ही वह कृषि गतिविधि से संबंधित हो। इस बीच, येराबोडु बस्ती के एक बुजुर्ग, रव्वा रमेश ने मीडिया को बताया कि निवासियों का हत्या के आरोपी मदकम तुला और पोडियम नागा से कोई लेना-देना नहीं है, जिन्हें हत्या के एक दिन बाद पुलिस ने पकड़ लिया था। उन्होंने कहा कि निवासी येराबोडु में रहेंगे। शनिवार को, बेंडलपाडु में एक ग्राम सभा ने येराबोडु निवासियों का बहिष्कार करने और राज्य सरकार से उन्हें बस्ती से बेदखल करने की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया है।

बाइक चोर गिरफ्तार, हैदराबाद में 10 वाहन बरामद

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तुकारामगेट पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी में कथित रूप से शामिल एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से चोरी के 10 वाहन बरामद किए। कामारेड्डी जिले के मूल निवासी शेख रियाजुद्दीन (40) शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों से बाइक चोरी में शामिल था। एसीपी गोपालपुरम, एन सुधीर ने कहा कि मोटरसाइकिल चोरी करने के बाद, उसने कामारेड्डी के एक एस श्रीनिवास गौड (35) को कम मात्रा में बेच दिया। पुलिस ने श्रीनिवास गौड़ को चोरी की संपत्ति खरीदने के आरोप में गिरफ्तार किया है। दोनों व्यक्तियों को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर भेज दिया गया है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.